GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0173**

Classification:

Original File No. 6 B

Title

Candidates Reporting

Volume:

Running **from year: 1958** **till year:**

Content:

- **Candidates Reporting on their daily work done.**

Monthly Reports

Dated	Sector No	Quarter No	Members	Amdani	Place		Remarks
1/12/58	-	-	-		Sick		
2/12/58	6	-	10 + 4		हाबिल तिर्की के घर में		
3/12/58	6	-	9 + 4		चरण कुजूर के घर में		
4/12/58	-	-	9 + 23		(पुरनापानी) गिरजा घर में		
5/12/58	5	-	15 + 13		मोहन बाबू के डेरे में		
6/12/58	—	-	-		कहीं नहीं		
7/12/58	-	-	27 + 9		(पुरनापानी) सरडे स्कूल + महिला सामाज		
8/12/58	19	C/45B	2 + 5		नर्स के घर में केवल पार्थना किई		
9/12/58	2	-	16 + 6		मनसीद जोजो के डेरे में		
10/12/58	20	C/63B	3 + 4		पतरस हेमरोम के घर में		
11/12/58	-	-	-		गोविन्दपुर से मिस सब ग्राये थे इसलिये कहीं नहीं गयी।		
12/12/58	4	C/111B	-		मुर्शाल के घर में बिमार बहिन के पास		
13/12/58	-	-	-		कहीं नहीं		
14/12/58	-	-	23 + 6		सरडे स्कूल + बहिन सामाज		
15/12/58	19	C/45B	3 + 5		नर्स के डेरे में		
16/12/58	18	-	23 + 9		कुवार छोरो के डेरे में		
17/12/58	18	C/1A	3 + 5		सुनास विङ् के डेरे में		

D. Khalkho

23/XII

Dated	Sector No	Quarter No	Members	Amdani	Place		Remarks
18/12/58	18	C/I/115B	5+1		~~डिस्ट्रिक्ट के डेरे में~~		
19/12/58	-	-	-		लोकिस साहब का राऊरकेला में पहुंचने के रास्ते में थे, इसलिये कहीं प्रोग्राम अनुसार नहीं गयी।		
20/12/58	-	-	-	Rs. 2-0-0	~~कहीं नहीं~~	केवल पुरनापानी में महिला समाज है। पर जैसा होना चाहिये नहीं है	
21/12/58	-	-	28 + 9		सरडे स्कूल + महिला समाज		
22/12/58 to							
23/12/58	-	-	-				
26/12/58	18	-	-		(कोलोनी) नबीन के घर में		D. Khalkho 15/1/59
27/12/58	-	-	-		~~मरुआ कहीं नहीं~~		
28/12/58	-	-	20 + 5		सरडे स्कूल + बहिन समाज		
29/12/58	H	C/I/111B	2 + 3		~~मुखील तिग्गा के घर में~~		
30/12/58	6	-	13 + 2		~~हाबिल तिर्की के घर में~~		

जकटी जोइन्ट मिशन बोर्ड दिसम्बर १९५८ई०

ता:	काम का जगह	संख्या
१	गाँव का करवाना में २० आदमियों को सुसमाचार सुनाया	
२	बाजार किया	
३	भाइयों का दुःख सुख देखने गया था	
४	पोस्ट आफिस गया था	
५	बाजार किया	
६	भाइयों को देखने के लिए तेजपुर गया था	भाईयों के साथ प्रार्थना हुआ
७	गिरजा हुआ	
८	कटनी पर्व के लिये पाठ तैयार किया	
९	कटनी पर्व का गिरजा हुआ	
१०	घर का काम किया और पढ़ा	
११	राजा परीम गया था	दो भाइयों को सुसमाचार सुनाया
१२	बाजार किया	
१३	पाठ तैयार किया	
१४	गिरजा हुआ	
१५	भाइयों को देखने के लिये मदकोबेड़ा गया था	६ भाईबहनों के साथ प्रार्थना हुआ
१६	बाजार किया	
१७	चकड़ा विशेष काम के लिये गया था	
१८	घर का काम किया	
१९	बाजार किया	
२०	तेजपुर गया था	१ भाई के साथ प्रार्थना हुआ
२१	गिरजा हुआ	
२२	मदकोबेड़ा गया था	भाईयों के साथ प्रार्थना हुआ और दो भाईयों को वचन सुनाया
२३	घर का काम किया	
२४	,, ,, ,,	
२५	गिरजा हुआ	शिलिगुड़ी गया था वहां गिरजा हुआ
२६	दिसम्बर से ३ जनवरी तक छुट्टी में था गया था।	
२६		
२८	प्रचारक Gladwin Mukti	
२९		
३०		
३१		

Cand. y Kerketta

दिसम्बर

21/XII

तिथि →	काम
१ →	पुरनापानी माइनी में गिरजा,
२-४ →	कुम्हारगाड़िया में दृढ़पन के लिये उपवास,
५ →	आम्बगाँव में बैंक्वा पाठ,
६ →	दृढ़पन उपवास पुरनापानी में,
७-८ →	गिरजा की तैयारी,
९-१४ →	कुम्हारगाड़िया में दृढ़पन के उपवास,
१५ →	छुट्टी (अवकाश),
१६-२० →	कुम्हारगाड़िया में दृढ़पन उपवास,
२१-२२ →	गिरजा के लिये तैयारी + गिरजा आम्बगाँव में।
२३-२४ →	गिरजा तैयारी + गिरजा आम्बगाँवमें,
२५ →	अवकाश,
२६ →	समाज + दृढ़पन उपवास कुम्हारगाड़िया में।
२७-३० →	दृढ़पन के लिये लड़के लड़कियों को इकट्ठा हो जाना + पुराने नियम पर शिक्षा देना।
३१ →	घर वापस जाना।

कान्दुहात पाठ केरकेट्टा
१-५-९९

A. Say

बोंगजांगा मिशन फिल्ड का रीपोर्ट
दिसम्बर महीना १९५२ई 20/XII

मान्यवर J. Say. Esq. योड़ुसंघ में आप को पिछले महीने का रीपोर्ट भेजते हैं, कृपया ग्रहण कीजिये।

ता: १-१२-५२ को विहान स्कूल चलाया, दूसरी वेला वजार परीक्षा किया। ता: २-१२-५२ को स्कूल चलाया अथवा लड़कों को परीक्षा किया। ता: ३-१२-५२ को से ता: ६-१२-५२ तक लड़कों को टेस्ट परीक्षा किया।

ता: ७-१२-५२ को सप्तवार गिर्जा चलाया।

ता: ८-१२-५२ को स्कूल लड़कों के साथ उम्बुलवाहा अन्तिम परिक्षा के लिये गये। परीक्षा ९-१२-५२ से १३-१२-५२ तक हुआ। ता: १४-१२-५२ को ३रा आडवेन्ट रविवार का विशेष चलाया। ता: १५-१२-५२ को स्कूल को समाज का प्रचार करते हुए प्रभुभोज का काम किया और घर २ भजन भी कीये। ता: १६-१२-५२ को भी प्रभुभोज के साथ स्कूल को समाज का प्रचार कीये।

ता: १७-१२-५२ को जन्म पर्व के तैयारी के लिये (समान लेने के लिये) चक्रधरपुर बजार गये, बजार से आते समय आरा: आंगा गोदा के घर गया पर गोदा को नहीं पाया इससे वहां धर्म प्रचार ठीक से नहीं हुआ। उसके बाद सुनबुड़ा में रहे, सांझ को सापाविवार मिलन के सांझ का आराधना वचन के साथ गिर्जा विन्ती हुआ। विहान को १८-१२-५२ को मोसोडीह के खुसफ के घर २ किया वहां भी सप्त सापाविवार मिलन के प्रार्थना समाज विन्ती हुई। बड़ेडीह आ कर लड़कों के साथ स्कूल को स्कूलपाठ के चाल व्योहारों को प्रचार करते हुए को घर२ भजन करते हुए प्रभुभोज का काम किये।।

ता: १९-१२-५२ को भी प्रभुभोज का काम किये।

ता: २०-१२-५२ को भी प्रभुभोज का काम किये और दुसरी वेला उम्बुलवाहा गया वहां मास्टरों का मिटिंग था। ता: २१-१२-५२ को ४था आडवेन्ट का गिर्जा चलाया ता: २२ को पहीले वेला प्रभुभोज का काम किये, दुसरी

बेला और मोरा बजार गया।
ता: २२-१२-५८ को अनुजीत का काम किये।
ता: २४-१२-५८ को जन्म पर्व के तैयारी के लिये स्कूल छुट्टी किया, सांझको लड़कों के साथ गिर्जा घर को साज सिंगार किये और सांझ को पुन्य रात का गिर्जा चलाया गिर्जा में स्कूल लड़के लड़कियां और गांव के लोग फूल देखने को प्रभाष के उपदेश को सुनने के लिये सामील हुए। गिर्जा बाद भजन किये।
ता: २५-१२-५८ को प्रभु के जन्म पर्व का गिर्जा चलाया और गिर्जा बाद स्कूल लड़के लड़कियों को गांव के मरदों के साथ भजन कीये और प्रेम भोज भी हुआ ता: २६-१२-५८ को और ता २७-१२-५८ को स्कूल को छुट्टी हुई और २६-१२-५८ को शाकगाड़ा के हमारे रिस्तेदार परिवारों से भेंट को इस काने गया वहां सांझ को गिर्जा बिन्ती हुआ।
ता: २७-१२-५८ को शाकगाड़ा से हमारा घर आया।
ता: २८-१२-५८ को मान्यवर-[illegible] आये और हमको ज गिर्जा हुआ गिर्जा बाद दोपहर के दो बजे को नया धर्म ले, उनके पास गये और दोनों को और एक बुढ़ा को भी धर्म प्रचार कीये, और—

और घर लौटे स्नान पान के बाद गिर्जा घर के बनाने के बारे गांव के मुख्य आदमीयों साथ सलह और विचार किये और मान्यवर जे. सोय को घर बनाने का बहुत अच्छे २ उपायों को बताये।

ता: २६-१२-५२ को मान्यवर-ई. Soy लौटे और मैं बजार गये।
ता: 30.12.52 को लन्तोगांव में प्रभु प्रीत का काम कीये।
ता: 27.12.52 को स्कूल चलाये और दौरा बनाया।

दिसम्बर महीने का गिर्जा आमदी हिसाब रोसी है।

किती	३।।)।।।+
चहा	१।।।)।।
बाजवदी	- ⊃।।
कटनी	१।।।=)
प्रभुप्रीत	।।)।
प्रभुभोज	।।=)
	७।=) रोखले

मान्यवर ई Soy को खोवासक्षय —

आगे आप सापरिवों का कुशल मंगल देखकर पित्ता की ओर से होवे। आगे लिखने का मतलब यह है कि आप को कहने आनुसार लड़की का बन्दोबस्त हो गया है यदी हो सके तो ~~[illegible]~~ चौखट और छार का काट चिरवाने के लिये २०)० बीस रुपैया रवाने समय भेजेंगे। तो और दी ठीक होगा कि घर को जल्दी तैयार होवे॥

लि० आन्तोनी प्रचारक बोंगा जांगा मिशु फिलड।

S. Dang — १९५८ दिसम्बर महिना की डायरी। 19/811

१-१२-५८ को घोड़ाबन्धाइन में एक बिमारी खस्तान के घर में ईश्वर के बचन से सुधि दिया। बिमारी
२-१२-५८ बलन्डा में एक नया खस्तान को बिन्ती द्वारा सेवा किया।
३-१२-५८ कुलपाल में घूमा और सुसमाचार सुनाया।
४-१२-५८ एक नया खस्तान को ईश्वारीय ज्ञान और दुनियांदारी ज्ञान के विषय
५-१२-५८ तम्बला कांटा मनसुख के घर में बिन्ती किया।
६ई-१२-५८ जाम्माल पतरस के घर में बिन्ती किया।
७-१२-५८ गिर्जा किया।
८-१२-५८ बलन्डा के नये धर्म खोजकों को दान देने के बिषय समझाया
९-१२-५८ जाम्माल में एक नया खस्तान को पुराना नियम से समझाया।
१०-१२-५८ एक हिन्दु भाई के साथ धर्म बिषय बातचीत किया।
११-१२-५८ एक नया खस्तान को ज्ञान के बिषय समझाया।
१२-१२-५८ तम्बला कांटा खस्तान भाईयों के यहां गया था।
१३-१२-५८ जाम्माल के नये खस्तानों को यीशु मसीह का जन्म बिषय समझाया और धर्म गीतों को सिखाया।
१४-१२-५८ गिर्जा किया।
१५-१२-५८ कुलपाल में एक नया खस्तान दुःख में था बिन्ती द्वारा सेवा किया
१६-१२-५८ बलंडा में एक नया धर्म खोजक के घर में दुःखाली को प्रार्थना द्वारा सेवा किया।
१७-१२-५८ कुलपाल का एक नया खस्तान को सुसमाचार बचन समझाया
१८-१२-५८ मेरा बच्चा बुखार हुआ उस के सेवा में था।
१९-१२-५८ जाम्माल के नये खस्तानों को मत्ती ६ः३३ से समझाया।
२०-१२-५८ जाम्माल में धर्म गीतों को सिखाया।
२१-१२-५८ गिर्जा किया।
२२-१२-५८ जाम्माल का गौंझू के साथ धर्म बिषय बात-चीत किया
२३-१२-५८ मेरा बेटा को कान दर्द किया उस को सेवा किया।
२४-१२-५८ पूराय रात गिर्जा किया।
२५-१२-५८ प्रभु का जन्म पर्व्व गिरजा किया।
२६ई-१२-५८ खोरर डीह के दो जन संसार बहिनों को यीशु मसीह के शक्ति के बिषय बताया।
२७-१२-५८ बलन्डा में एक धर्म खोजकं के घर में झगड़ा था उन को समझा के मेल किया।
२८-१२-५८ गिर्जा किया।
२९-१२-५८ दुर्गा डीह प्रचारकं के यहां गया था।
३०-१२-५८ बलन्डा में नया धर्म खोजकों के घर में बिन्ती किया।
३१-१२-५८ जाम्माल में एक नया खस्तान दुःख में था वहां बिन्ती किया।

Cate. Simon Dang
G. E. L. Church
Kulpail.
31-12-58.

महा मान्यवर
रेव. जे. सोयं,
आप को मेरा यीशुसहाय,
महाशय,
मेरी बेटी का शादी है सो बातचीत करने के वस्ते मेरे घर वाले बुलाये हैं। सो कृपा करके ८ दिन की छुट्टी मिले। ७-१-५९ — १४-१-५९ तक का।
आप का ओड्डा चीन सेवक प्र० शिमोन डांग कुलपाल

P.C. Minz Dec. 1958.

17/XII

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH. *Joint Secretary*— MR. P. DANG, B. A.
~~*Secretary*— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A.~~ *Treasurer*— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref: *Dated* 5. 1. 1958.

To
The Secretary,
J. M. B. Chaibasa.

Dear Sir,

Hereby I submit my short report of work in the month of Dec. 58. As reasons are known to you I could not do properly my work in the month past. yet I am in peace inspite of the death of my dear ~~in~~-est wife. I am very much thankful ~~for~~ to you for your ardent prayer offered for my consolation.

Dec. 1— Burial ceremony of my wife in Sector 18 at 2.30. P.M.

" 2— I spent the day along with Rev. J.D. Adivadam and showed him Jhirpani colony, Tarapore co. and Modern India construction and he gave us a talk on N.M.S. works in the evening at Rourkela-1.

Dec. 3. Remained at home.

" 4. Sector 18, 19, 2. informed the people about Church Service at Sector 18.

" 5 Burial ceremony of Mariam of Durgapur (Rourkela). in the evening.

" 6. Visited Bishop Cuttack to submit our application to get permission to build a temporary chapel in Rourkela-1.

" 7. And visited the people of Labour colony in the evening.

Church Service at Sector 18. 11 A.M.

Mass Service at Sector 4- 4 P.M.

" 8 — Jamposh in the evening.

" 9 - Ranchi along with Dr. E. Pensch and back.

" 10. — I made a programme with the Sisters of Talitha Training School to meet the people of Rourkela 18. 2.

" 11. — Prayer meeting in Sector 18. Two Sisters of Talitha Training school gave us nice talks there.

" 12 — Labour colony Hospital in the evening.

" 13. I took a Eucharistic Service of Patras Lekra with Susanna Khalkho at Loco Shed.

G. E. L. CHURCH, ROURKELA.

SUNDERGARH, ORISSA.

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH.
Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A.

Joint Secretary— MR P. DANG, B. A.
Treasurer— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref:

Dated .....

Dec. 14. — Church Service at. Rourkela and Mandla Church meeting. Union Service — Miss Guy.

Dec 15. Lal Tinkey in the evening. Confirmation class at 12. Noon.

" 16. Burial ceremony of Mrs. Mansa in Sector 18 — and Lher in the evening. Confirmation class at 12. Noon.

" 17. Confirmation class at 12. Noon Lal Tinkey and Lalsaw Colony Hospital in the evening.

" 18. Sector 4, 18 and I met & consulted with Dr. Perseh Low & receive Director doctors confirmation class at 12. Noon.

" 19. Rev. C. B. Aind from Rajgangpur came to me. And I accompanied him.

" 20. Plant Sida Road.

~~Dec~~ 21. Rourkela and Sector 4.

Dec 22. Meeting at Dr. Jensen residence. President and others left Rourkela.

" 23. Confirmation class at 12 Noon Loco shed in the evening.

" 24. Confirmation class at 12 Noon, Remained at home.

" 25. Received Director Lokeis and his wife at the Rly. station Church service at sector 15.

" 26. Sangsat in the evening. Confirmation class.

" 27. Burial ceremony of Magduli Birua at Rumapani Confirmation class in the evening.

" 28. Lords Supper at Confirmation Rourkela. Mass service by me.

" 29. Marriage ceremony of Lumberus Chajras Bara with Hiramani in the evening.

" 30. Mahulpali Gujjetoly in the evening.

" 31. Burmah shell in the evening.

Schlinz

14/XII

Prachorak Jhuria Sisibaha Ka ripot-

December 1958.

1-12-1958. एक रोगी को परीक्षा कर के दवा पीलाया।
फिर पोष्ट आफिस गया।

2-12-1958. प्रचारिन तोपनो के लिये दवा बनाया और पोष्ट आफिस गया

3-12-1958. चक्रधरपुर खिड़की के लिये गया।

4-12-1958. नाकटी में दो जनो की दवा बनाया एक संधनी का और
गीत ज्वार का और मदको बेड़ा में मन्नी ६:३३ से वहां के
भाइ लो बहिनो को उपदेश दिया।

5-12-1958. जंगल दवा कोड़ने गया और बाद में बाजार गया।

6-12-1958. पाठ तैयार किया और गांव में घुमा।

7-12-1958. गिरजा चलाया संख्या २.

8-12-1958. कुलियो को काम करवाया था पर वे ढग दिये अन्त में गांव
में घुमा।

9-12-1958. नाकटी गिरजा गया था।

10-12-1958. चक्रधरपुर खिड़की के लिये गया पर खिड़की में लोहा नहीं लगाया
था।

11-12-1958. सुरबुड़ा में २० व्यक्तियो को प्रचार किया। मोसोड़ी में आदमी नहीं
मिले। फिर पेटे इकिर में १७ व्यक्तियो को जो मुन्नि समाज के थे
जिन से बहुत वाद विवाद हुआ। मैं अकेला था वे चिढ़ गये
पर मैं उन को फिर कोमलता से समझाया और खुशी से वहां
से चल पड़े। जब मैं वहां से कुछ दूर जाते समय उन की मुंह
की आवाज मेरे कान में आ पड़ी। वे आपस में वार्तालाप
करने लगे कि खिस्तान धर्म बहुत अच्छा धर्म है। हम ही लोग
नहीं समझे हैं। मुझे इसी बात में कुछ अच्छा लगा।

12-12-1958. - सांसी रोग का दवा बनाया और बाद में बाजार गया।

13-12-1958. दो रोगियो का दवा बनाया, कुलियो ने ढग दियो।

14-12-1958. गिरजा चलाया संख्या २. फिर नाकटी गिरजा में सामिल हुआ।

15-12-1958. बड़ी डी में पुनी रोग का दवा बनाया तथा २ जनो को प्रचार किया

16-12-1958. कुलियो ने ढग दिया फिर दूसरे कुलियो को खोजने गया।

17-12-1958 घर बनवाया कुलियो को देखा।

18-12-1958. कुलियो को काम करवाया।

19-12-1958. एक कुली को गोवर लिपवाया। बाजार तथा खपरा के बारे कड़ाई की गया।

20-12-1958. पाठ तैयार किया।

21-12-1958. गिरजा चलाया संख्या १, फिर नाकटी गिरजा में हाजिर हुआ।

22-12-1958. घर का काम किया।

23-12-1958. घर जाने के लिये गाड़ी पकड़ा।

24-12-1958. छुट्टी में।

घर पहुंचा तो पुराय रात का उपदेश वचन कुसुम टोली खिस्त गिरजे घर में उपदेश देने के लिये पाठ दिया गया। मैं खुशी से इस काम को ले लिया और उपदेश दिया।

25-12-1958. जन्म पर्व का गिरजा पूरा सौंपा गया। मैं शरीर में कमजोर था पर चूंकि मेरा तबियत रस्ते ही से खराब हो गई। मैं खाली पेट इस को काम को पूरा किया। इस गिरजे में कई हिन्दु लड़की हाजिर थीं और वे बड़े आनन्द से वचन सुनती थीं इससे मेरा आनन्द और बढ़ गया था। मेरे जाने से वहां के भाई तो बहिन और ही आनन्द से भर गये। वे बोले कि हम लोग खाना इतना दिन नहीं अघाये हैं। बड़ा पर्व में आप अच्छा भोजन खिलाइये। बड़े आनन्द से उपदेश के बीच में गीतों के द्वारा उन को उत्साहित करते थे। जिससे बड़ा पर्व में सब भाई तो बहिन आत्मिक और शरीरिक तौर से बड़ा पर्व को मनाये।

26-12-1958. इस विशेष काम के निमित कनारोंवा गया।

27-12-1958. कनारोंवा से बड़ेविहन को सिरिरमा चला गया।

28-12-1958. पोंदा टोली मंडली में गिरजा गिया।

29-12-1958. डोमटोली आया। वहां के भाई तो बहिन सिंह आत्मा में उपदेश देने के लिये बोले पर मैं वहां रहने नहीं सका चूंकि मुझे समय नहीं था

30-12-1958. विशेष काम के निमित रुका गया तो इन को इधर के लोगों को रहन सहन धर्म्म के बारे बताया।

31-12-1958. कनारोंवा लौट आया।

1-1-1959. को कनारोंवा में नया साल पर्व मनाया तो वहां राज्यवृद्धि कार्य्य के बारे गिरजे में भाई बहिनों को बताया।

नोट :- बीबीवा के लोग धर्म्म में आने का बोलते हैं पर वे एक मनुष्य के दो पुत्रों के समान हैं। जो जाने का वचन दिया पर वह नहीं गया उसी पुत्र के समान ये लोग हैं। जो गिरजा जाते थे सो भी इधर उधर आग चलाते तो बहाना करते हैं जिससे गिरजा संख्या कम है। पूछने से तो बोलते हैं नहीं धोड़ेंगे पर वे लाते नहीं खोज खोज के जमा करना पड़ता है और गिरजा करना पड़ता है।

(ख) बीरा जगह में संख्या बढ़ने की उमेद है।

Cali Murmu
9-12-58

नकटी जोड़ी

दिसम्बर १९५६

ता० काम का जगह

१ गांव का करखानामें ४० आदमियों को सुसमाचार सुनाया।

२ - - - बाजार लिया।

३ भाइयों का दुःख सुख देखने के लिये मदओवेरा गया।

४ पोस्ट लोफिस गया।

५ बाजार लिया।

६ भाइयों को देखने के लिये तेन दा: ओर जो को गया

७ गिरजा हुआ

८ कटनी पर्व्व के लिये तैयारी पाठ तैयार किया।

९ कटन पर्व्व का गिरजा था।

१० घर को काम किया और पुचा के ग्रेड़ लड़को पढ़ाया।

११ राजा परोम में २ भाइयों को सुसमाचार सुनाया।

१२ बाजार लिया।

१३ पाठ तैयार किया

१४ गिरजा हुआ

२ मिशन बोड़ी.

ता०	काम का जगह
१५ —	मद को वेरा गया वहां भिजाहुआ
१६ —	बाजार किया।
१७ —	चक्राधर पुर विशेष काम के लिये।
१८ —	घर का काम किया
१९ —	बाजार किया।
२०	औंक चाने गया भाई को विमार देखने
२१	औंक चाने में भिजा किया
२२	औंक चने से लौटा चाईबासा।
२३	चाईबासा से नागरी लौटा।
२४	पव्वी का भिजा हुआ
२५	" "
१६	पव्वी के बाद मई पुर तक हुआ
२७	
२८	
२९	
३०	प्रचारक Prabhudas Hansdah
३१	

१९५८ बाईबेड़ा जोइन्ट मिशन बोर्ड का रिपोर्ट, दिसम्बर का ।

Sri Mahamaneyanear Rece H: Klass
Rece J: Sony Vijhusahary:

ता: १ गिर्जा आशदनी हिसाब किताब किया ।
२ मनिमा उर आया है बोलके मोछो ओफीस गया ।
३ कुटीपोड़ि गया और भाईबहीनों को प्रभु का बचन सुनाया संख्या ३५ ।
४ बजार किया ।
५ मूसलाता और सरान्डेमा के संसारी भाईबहीनों को ईश्वरका बचन सुनाया संख्या ६
६ गिर्जा पाठ तयारी किया ।
७ गिर्जा किया ।
८ घर का काम किया ।
९ पाता हन्नु गया और भाईओं को बचन सुनाया सुनेंवालों की संख्या ३ ।
१० मनसोवा के भाईओं को मुक्तिदाता यीशु मासीह का बचन सुनाया संख्या ८ ।
११ बजार किया ।
१२ सोबुआ गया और लौटते समय मूसलाता में भाईओं को बचन सुनाया संख्या १ ।
१३ बुन्डुई गया और भाईओं को बचन सुनाया संख्या — २ ।
१४ गिर्जा किया ।
१५ फूल खरिदने केलिये चक्रधरपुर गया ।
१६ चक्रधरपुर से घर लौट आया ।

ता: २६ घर का काम किया ।
२८ बजार किया ।
२६ तबियत अच्छा नहीं (किया) था ।
३० गिर्जा पाठ तायारी किया ।
३२ गिर्जा किया ।
२२ प्रभु का जन्म पर्व्व के लिये तायारी ।
२३ पर्व्व का तायारी में था ।
२४ पुनम रात गिर्जा किया ।
२५ प्रभु को जन्म पर्व्व का गिर्जा किया ।
२६ पर्व्व के करण घूमने नहीं गया ।
२६ ~~घर का काम किया ।~~ गिर्जा पाठ तायारी किया ।
२८ गिर्जा किया ।
२६ घर का काम किया ।
३० पढ़ा हुआ गया और भाईबहीनों को ईश्वर का जन्म सुनाया संस्था २५ ।
३१ नये साल का गिर्जा पाठ तायारी ।।

जन्म, तबिक नहीं है रहा हूँ, पर धर्म खोजकों का इसी २६ जनवरी
दी में बप्तिस्मा हो जाय ।। आप का विश्वास्त Israil Topno

Th. Bhengra ~~सप्ताह~~ वृद्धि काम का रिपोर्ट- होरो एरिया.
दिसम्बर महीना १९५८ ई०।

11/XII

तारीख-

१ स्कूल किया
२ स्कूल किया
३ स्कूल किया
४ स्कूल किया
५ स्कूल किया और गोइलकेरा बाजार गया था
६ सेरंदा बाजार गया था
७ गिरजा किया
८ स्कूल किया
९ स्कूल किया
१० स्कूल किया
११ स्कूल किया
१२ स्कूल किया
१३ स्कूल किया
१४ गिरजा किया
१५ से १९ ता: तक स्कूल लड़कों को परिक्षा किया।
१९।१९ स्कूल कर के ग्राम की गाड़ी से बिसरा पर्व के लिये समान लाने गया। २० ता: को बिसरा में ठहरा।
२१ को होरो लौटा (आया)
२२ ~~कि~~ स्कूल किया
२३ स्कूल किया और प्रभु का जन्म पर्व और नये साल के लिये छुट्टी दिया।
२४ ग्राम को गिरजा किया और २५ ता: बिहान को गिरजा किया
२६ को घर में रहा

P. T.

26 ता: को चितौल गया वहां पर मेरे बिमार हो जाने के लिये।

27 + 28 को को वहां ही ठहरा।

30 को हो रो आया।

31 घर में रहा।

मेरे गांव के दो भाई यों ने कुछ आशा करते हैं।
आप के साथ 2 ने को ठीक से पढ़ेंगे।

आप का विश्वस्त.

Jh. Bhargava
Hora.
20.4.1-59

J.K. Hemrom December 58 9/XII

दिसम्बर महिना का रिपोर्ट १८पेज

१-१२-५८ को मैं दिरिपसिला को गया था, फ्लानेग्राफ दिखाने का जांच के लिये, एवं सन्ताल के साथ में पुराना नियम में से चुम्बक२ बातों के साथ में नया नियम का भी चुम्बक बातों को बताया —

२-१२-५८ को मैं आनन्दपुर को गया था —

३-१२-५८ को मैं उरिकिया को गया था, मुनीसमाज वालों के साथ में बहुत वादविवाद हुआ —

४-१२-५८ को मैं जराइकेला जमदा को गया था —

५-१२-५८ को मैं जराइकेला जमदा से लौट आया —

६-१२-५८ को मैं घर ही में था —

७-१२-५८ को मैं विश्राम दिन था —

८-१२-५८ को मैं बांगाके मुन्डा टोला को गया था, एवं जन के साथ में खृस्त धर्म के विषय में बात चीत किया —

९-१२-५८ को मेरा तबियत ठीक नहीं था, इस लिये कहीं नहीं गया —

१०-१२-५८ को मैं जराइकेला जमदा को गया था —

११-१२-५८ को मैं उरिकिया को गया था। एवं कुरमी लड़की को कुत्ता कुत के विषय में समझाया।

१२-१२-५८ को मैं उरिकिया को गया था - एवं मुन्डारी को इस समय का बुद्धि ज्ञान के विषय में बात चीत किया —

१३-१२-५८ को मैं मनोहरपुर को गया था —

१४-१२-५८ को विश्राम दिन था —

१५-१२-५८ को मैं उन्धान को गया था - एवं साहूली के साथ में सृष्टि के विषय में बात चीत किया —

१६-१२-५८ को मैं उरिकिया को गया था - एवं मुन्डारी के साथ में खृस्त के विषय में बात चीत किया —

१७-१२-५८ को मैं बांगा को गया था - बहू के बाइबल को मैं सत्य पुराण को पढ़वाया

१८-१२-५८ को मैं दिरिपसिला को गया - किसी के साथ मुलाकात नहीं हुआ —

१९-१२-५८ को मैं कहीं नहीं गया —

२०-१२-५८ को मैं उरिकिया के पुराना टोला को गया - मैं उन को बहुत सी बात धर्म के विषय में बताया —

२१-१२-५८ को विश्राम दिन था —

२२-१२-५८ को मैं उरिकिया को गया था एवं साहूली के पास जो ता: २५ का क्रिसमस को देखने चाहती है —

२३-१२-५८ को मैं हपल टांड़ के मुन्डा लोगों के पास गया था - जो के बोले थे कि ता: २४ का क्रिसमस सलन कुरलबेड़ा को जाने के लिये बोले थे —

२४-१२-५८ को जन्म पर्व का क्रिसमस था —

२५-१२-५८ " " " " " —

२६-१२-५८ को मैं एक मुनीसमाज मुन्डा को खृस्त के विषय में बताया - वह सुनने नहीं चाहा और वहां से भाग गया —

26-12-52 को मैं चिरिया को गया —

22-12-52 को मैं चिड़िया से लौटा, दो जनों को 8 माइल रास्ता सुसमाचार सुनाया —

28-12-52 को मैं मनोहरपुर को गया था —

30-12-52 को मैं मुरलीडीह और सिरका को गया। चर्म प्रचार के लिये चर्म मजदूर को प्रोग्राम बनाने के लिये —

31-12-52 को मैं जराइकेला गया था —

आप का प्रिय प्रचारक

J. K. Hemrom Dumirla

P. O. Purulia

19-1-53

S. Lakra कटनी पोदार हाई 8/XII

ता. 30.12.42

श्रीयुत महाशय

पादरी बाबू नाथ को मेरा दण्डवत

सहाय

महाशय

नाथ को मालूम होवे।

ता. 1.12.42 को मैं गंगर मुंडे गया था।
ता. 2.12. को मैं पलिनपुड़ा गया था
ता. 3.12. को मैं मोरगेन डांव माइयों के यहां गया था
ता. 8.12. को मैं मुतैत मंया किसान माइयों को यहां गया था
ता. 9.12. को मैं सरैडा किसान माइयों के यहां गया था
ता. 6.12. को मैं तालडीह मेघरात्न माइयों के यहां गया था
ता. 7.12. को मैं टिकली पड़ा खरिया माइयों के यहां गया था
ता. 8.12. को मैं डोमा परेत किसान माइयों के यहां गया था
ता. 10.12. को मैं मुक्तजी गुड़ा किसान माइयों के यहां गया था
ता. 11.12. को मैं पोदा डीह के किसान माइयों के यहां गया था।
ता. 12.12. को मैं पतरा माझ किसान माइयों के यहां गया था।
ता. 13.12. को मैं तुलुक डीह के उरांव माइयों के यहां गया था
ता. 14.12. को मैं बेलवन उरांव माइयों के यहां गया था।
ता. 15.12. को मैं रोयड़ा किसान माइयों के यहां गया था।
ता. 16.12. को मैं लोड़े किसान माइयों के यहां गया था।
ता. 17.12. को मैं गुरलिया किसान माइयों के यहां गया था
ता. 18.12. को मैं डोंगापचल किसान माइयों को यहां गया था
ता. 20.12. को मैं झुमरा पुरुड़ा किसान माइयों के यहां गया था
ता. 22.12. को मैं टिकली पड़ा खरिया माइयों के यहां गया था।
ता. 23.12. को मैं बड़ादन के लिये घूमने पर कहीं नहीं गया था
ता. 24.12. को मैं मेरजी घर को सिंगार ने रह गया था।
ता. 25.12. को मैं डोंगापरेत किसान माइयों के यहां गया था।
ता. 26.12. को मैं बेलवन उरांव माइयों के यहां गया था।

ता. 25.12. को मैं गांव में मदुम कुमारी दिवस मनाने मधुपुर गया।
गांव की माटुन होवे में 18 रुपैया महाल्ती पैसा मधुपुर पाई
के पास पेज दिया हूं।
अभी तक पूरापुरी सभी खोजका पैसे महाल्ती में नहीं जमा पाये हैं
पर होंगे ऐसा बोलते हैं।

नौबेरवा का महाल्ती आमदनी — घड़ा ढाका 2 रुपैया
पुड़ी दोना ॥=)
मोठ: 8॥=)
घटनी धान 28 सेर
कुमा का
ओरका 2 रुपैया
चावल सेर 4 सेर का
उरीका ॥)
मोठ 8॥) कुमा
रावजीमा मोठ 6=) आना कुमा

दिवाम्बर का महाल्ती आमदनी — घड़ा 2॥)
पुड़ी ।॥=)
मोठ 8 =)
कु. धन्यवाद =)
रावजमा 8॥=)

महाल्ती आमदानी जो पहले 25) कुमा का उरीको
बाद जनवरी महीने में वे वेतन लेवे की
बार होगी उसे बाकी जो है उसे को आम
आधा बार जीजी ये बाकी आधा कुमा को
देना चाहिये।

प्रचारक। स्तुपा तलकड़।
चलचा पोड़ाई।

J. Lugun दिसम्बर महिना का डयरी
१९५८:

7/XII

ता:१ को जटेयाडीह के संसारीयों को समझाया।
२" को खृष्तान पुरवाली के घर में वचन सुना के प्रर्थना किया।
३" को बलान्डा के नये खृष्टीयानों के घर में वचन सुनाके प्रर्थना किया।
४" को घोड़ाबन्धाईन खृष्तानों को धर्मि के बातों से समझाया।
५" को कुलपाल के संसार गई को ईश्वर का वचन सुनाया।
६" को जामाल में वचन सुना के गित भजन और प्रर्थना द्वारा शांत हुई।
७" को कुलपाल में गिरजा किया।
८" को घोड़ाकोना के संसारीयों को ईश्वर का वचन से समझाया।
९" को तोमला कोटा पुराना खृष्टीयानों के घर में प्रर्थना किया।
१०" को लोदो पाल के संसारीयों को ईश्वर का वचन सुनाया।
११" को जमाल में नये खृष्टीयानों के यहाँ गिरजा किया।
१२" को तोमला कोटा डुकुडीह में गाँटीया के सत धर्म विषय बत चित किया।
१३" को सर्दिजोर खृष्टीयों के घर प्रर्थना किया।
१४" को कुलपाल बलान्डा में गिरजा किया।
१५" को दुर्गा डीह के प्रचारक के सत जमुमाल के नये खृष्टीयानों को समझाया।
१६" को बलान्डा में खृष्टीयानों के घर में दो २ जन संसारीयों को समझाया।
१७" को लोदो पाल संसारीयों को ईश्वर का वचन सुनाया।
१८" को लोदो पाल नये खृष्टीयान पुरवाली के घर में प्रर्थना किया।
१९" को जमुमाल गकँटीया के सत धर्म विषय बत चित किया।
२०" को सोरोई के १एक भाई १एक बहीन को वचन सुनाया।
२१" को कुलपाल में गिरजा किया।
२२" को जमाल में ईश्वर वचन को गित भजन के बद शांत हुई।
२३" को कुलपाल में घर २ बुम कर गिरजा में उपस्थीत होने के लिये कहा।
२४" को कुलपाल में पुरथा रात गिरजा हुई।
२५" को कुलपाल में गिरजा किया।
२६" को कुलपाल नया खृष्टीयानों को वचन सिखाया।
२७" को जटेयाडीह के संसारीयों को समझाया।
२८" को कुलपाल में गिरजा किया।
२९" को सिरिड़ रानीगुला गया वहाँ भी पु: खृष्टीयनों के साथ प्रर्थना किया।
३०" बिहाबारी से जमुमाल आया और वहाँ वचन सिखाया।
३१" को संसार खृष्टीयन मान बन के यहाँ आर्चीत समझाया।

मनन्थावार पड़ी बाबु आप को शाचार यीशु सहाय।

आप के यहाँ हम दोनों प्रचारक दिसम्बर महिना में मंडली आमदानी उचर में है उसको उतरना आर्चीत आसुल करते नहीं सके इस वस्ते आप को जन्ती दी जती है।

मंडली सम्बन्धी खर्च १२-४आना बकी १५-८-२ है।

जामा मेठ सलतमा आम दानी २७ ॥)"

लि: आप का आज्ञाकारी प्रचारक
इसरायल लुगुन
३१-१२-५८

J. Samad

Bodhanna.

6/XII

ना: दिसम्बर १९५२ का डायरी ॥

१ - मैं आज ढाई तीन गांव भाईयों के साथ गया था ॥
२ - मंगल को मैं वहां से - गया।
३ - मैं चेयोटाय ठहर के आया किया ॥
४ - आज अपना गांव बोड़रायां आ के बाजार किया ॥
५ - ना: अभी हैं नसीब गांव से बाहर नहीं गया ॥
६ - आज इतवार को गिर्जा किया ॥
८ - मैं विशेष करि संसदों के पास गया था।
९ - आज अपना घर में आराम किया ॥
१० - चेयोटाय गांव गया था ॥
११ - गांव का बाजार गया था।
१२ - ना: से १३ ना: को बोड़रायों में आराम किया ॥
१४ - आज इतवार को गिर्जो किया ॥
१५ - आज मैं संघवटपुर गया था ॥
१६ - वहां से अस्वस्थ होते हुये राजरत्नम का वंशज
१६ - फिर वहां से किरिमिरपुर ज्येठोंगे किरा-पंडुआ जहां अपना लड़का स्कूल करता है
१८ - आज मैं वहां ठहर गया ॥
१९ - अकेला आज लड़का के साथ किरिमिरपुर गाड़ी में पैदल राजरत्नम
२० - वहां से दोनों - शाम का वास में बोड़रायां पंडुआ ॥ आया ॥
२१ - इतवार को गिरजा किया ॥
२२ - घर में खुब मदद बनाया ॥
२३ - खुब बनाने में दिन बिताया ॥
२४ - गिर्जा घर का सिंगार में शाम को गिर्जो किया ॥
२५ - आज क्रिसमस का गिर्जो किया ॥
२६ - आज मैं कहीं नहीं गया ॥
२७ - मैं आज अपना डायरी किखा ॥

J. Samad

26-12-52 :

दिसम्बर का - 1-5-0- आमदानी ।

M. Dangi दिसम्बर १९५८ की डायरी। 5/XII

ता. १-१२-५८ छमड़ा से दुरगाडीह आया।
ता. २-दि। दुरगाडीह में था।
ता. ७-१२-५८ दुरगाडीह + छमरा में गिरजा किया शाम को वचन सिखाया।
ता: ८-१२-५८ दुरगाडीह आया।
ता. ९-१२-५८ कोलापट गया एक बिमारी के लिए प्रार्थना किया।
ता. १०-१२-५८ पोढ़ाडीह गया।
ता. ११-१२-५८ दुरगाडीह आया।
ता. १२-१२-५८ जमुनकिए में टूर किया।
ता. १३-१२-५८ कोलापट गया शाम को बिन्ती समाज किया।
ता. १४-१२-५८ कोलापट में वचन सुनाया और दुरगाडीह + छमरा में गिरजा किया शाम को बन्धाजई में वचन सिखाया।
ता. १५-१२-५८ दुरगाडीह आया।
ता. १६-१२-५८ तम्बलाकटा गया शाम को बिन्ती समाज किया।
ता. १७-१२-५८ अलपान आया।
ता १८-१२-५८ दुरगाडीह आया।
ता. १९-१२-५८ जमुनकिए गया।
ता. २०-१२-५८ दुरगाडीह में था।
ता. २१-१२-५८ छमरा में गिरजा किया शाम को वचन सिखाया।
ता. २२-१२-५८ प्रभु के जन्म पर्व के लिए फूल बनाया।
ता. २३-१२-५८ दुरगाडीह में था।
ता. २४-१२-५८ पुराय रात का गिरजा छमरा में किया।
ता: २५-१२-५८ प्रभु के जन्म पर्व का गिरजा छमरा में किया।
ता. २६-१२-५८ दुरगाडीह से कोलापट आया।
ता. २७-१२-५८ पोढ़ाडीह गया वहां का मंडलीसभा के लिए।
ता. २८-१२-५८ पोढ़ाडीह से छमरा गया वहां गिरजा किया।
ता. २९-१२-५८ दुरगाडीह आया अपना डायरी आदि लिखा।

आपका आज्ञाकारी
Cate- Manjith Dangi
Durgadih -
29-12-58 -

दिसम्बर महिना की आमदानी ५।=) आना खरच ६) आना बाकी ४॥=) नया ४-६४ पैसा। मंडलीसभा भेज दिया गया है।

P. Barla

4/ XII

Diary for the Month

of December 1958

1 12/58 स्कूल किये

2 12/58 स्कूल किये

3 12/58 लड़कों की परीक्षा के लिये हेड प्रचारक के पास आमगांव गये थे

4 12/58 उस रोज भी आमगांव में थे हेड प्रचारक आने के कारण से आ नहीं सका

5 12/58 को सरगीडीह आये।

6 12/58 स्कूल किये।

7 12/58 को गीरजा किये।

8 12/58 को स्कूल किये।

9 12/58 " " " " "

10 12/58 " "

11 12/58 " " " " "

12 12/58 " " " " "

13 12/58 " " " " "

14 12/58 गीरजा किये

15 12/58 स्कूल किये

16 12/58 " " " "

17 12/58 " " " "

18 12/58 " " " "

19 12/58 " " " "

20 12/58 बेबल का स्टाडि किया

21 12/58 गीरजा किया।

22 12/58

23 12/58

24 12/58 को फूल सब बनाया।

25 12/58 को गीरजा किये जन्म पर्व माने।

26 12/58 को सर में थे।

27 12/58 में घर गया छुट्टी में।

28 12/58 " " " "

29 12/58 " " " "

30 12/58 " " " "

Patras Barla Sargidih

31-12-58

Rev. S. Kujur

2/XII

Report of the month of December 1958

Gua.

1/12 — In the morning I went to Bakal Hating along with Rev. C.V. Dang. He left Gua in the afternoon by train. In the evening I went to Bajar Dhaura and talked with the treasurer of the Sunday School Committee about the programme of celebrating the Christmas Tree function.

2/12 — Went to Nuia on account of timbers for new building.

3/12 — Went to Nuia to bring timbers for new building.

4/12 — Prepared the report of the month of November 1958 and sent to Rev. H. Closs, Chaibasa.

5/12 — Received the Salary of two months — November & December. Solemnised Bachan Dat ceremony of a pair at Christ Church Gua at about 1.3 P.M.

6/12 — Went to Nuia on account of timber. In the evening went to Bara Pahar to conduct Church Service. There was a harvest festival there.

7/12 — Coming down from Bara Pahar visited some Christian families at Bakal Hating. Conducted Church Service at Gua. Attended a meeting of the Gua Christian Association.

8/12 — Did home work.

9/12 — Did home work. In the evening went to Bajar Dhaura for Singing practice.

10/12 — Prepared Sermon. Attended the Singing practice.

11/12 — Went to a village namely Lipunga and came back. In the evening went to Hospital to pay a visit the Christian patients. Building work was done.

12/12 — Supervised the building work.

13/12 — Supervised the building work.

14/12 — The Gua Congregation celebrated the Harvest festival & conducted the Church Service.

15/12 — Visited Hospital. Went to Bajar Dhaura ~~for~~ to have a Singing practice for Christmas day.

16/12 — Supervised the building work.

17/12 — Supervised the building work and the white wash of the Church building.

18/12 — Supervised the building work and the white wash of the Church building.

19/12 — Supervised the white wash of the Church building.

20/12 — Supervised the building work and the white wash of the Church building.

21/12 - Conducted Church Service. In the evening Celebrated the Christmas Tree function for children. I conducted the Service.

22/12 - Supervised the work regarding the Church building.

23/12 - Busy in the preparation for Christmas festival.

24/12 - Conducted the Holy Night Church Service.

25/12 - Conducted the Christmas service and joined the carols party.

26/12 - Visited a family at Bakal Hating.

27/12 - Went to Bara Pahar for Church Service.

28/12 - Conducted Church service at Gua. Attended a meeting of Christian Association. Went to the premises of Gua Police Daroga. He enquired about the Lutheran Congregation Christians in Gua.

29/12 - Visited a patient in Gua Sai.

30/12 - Went to Bajar Dhama for House visit. In the evening went to Upar Dhama to take in census account.

31/12 - In the morning went to Upar Dhama to take census and for the same went to Bakal Hating in the evening.

Note :- Church service takes place at three places - On Saturday at Bara Pahar and On Sunday at - Bakal Hating and Gua Sai. On the occasion of festivals such as Harvest festival and Christmas Day I tried to persuade the Christian brethren and sisters of Bara Pahar and Bakal Hating to have Church service at one place at Gua Christ Church Gua. but I could not get success.

There has been some improvement in the Church income. the whole income is supposed to be sent to the Parish treasury. The life of the Gua Congregation in one respect is as it was - in the respect of drinking, and illigal way of leading life. In another respect there is shown some revival in the Congregation - in the respect of going Church service. During the last whole year I tried my best level best to find out all the members of the Gossner Church Woking in Gua from ore mines. and I am satisfied that I have got success in this work. I will be sending a census report to Rev. C. V. Dang within this month. That will show the strength of the Gua Congregation.

Yours sincerely
S. Kerketta
a worker of the J.E.L.C.

Monthly Reports

Dated	Sector No	Quarter No	Members	Amdani	Place			Remarks
1/11/58	-	-	10 + 8		(दुरगापुर)	-	तीग्गा बाबू के डेरे में	
2/11/58	-	-	-		(राऊरकेला)	-	वैबल सोसइटी का प्रगमन, इसलिये नहीं हुआ	राऊरकेला में महिला सामाज है पर जैसा होना चाहिये, नहीं है।
3/11/58	-	-	-	Rs. 3-19 नया पैसा	(प्राहिराबन्ध)	-	झोपड़ी उजाड़ देने के कारण नहीं हुआ	
4/11/58	5	-	9 + 8			-	योहन बाबू के डेरे में	
5/11/58	18	C/1B	2 + 3			-	वालटर लकड़ा के डेरे में	
6/11/58	6	-	13 + 3			-	चरण कुजुर के डेरे में	
7/11/58	2	-	9 + 8			-	मनसौट जोजो के डेरे में	
8/11/58	18	-	9 + 23		(फुरनापानी)	-	निज स्थान में	
9/11/58	18	-	23 + 9			,, -	महिला सामाज, सराइ स्कूल	
10/11/58	-	-	-			-	Sick	
11/11/58	19	C/H5B	2 + 4			-	नर्स के घर में	
12/11/58	4	C/111B	-			-	सुशील तीग्गा के घर में बिमार	
			-			-	बहिन के पास गयी थी	
13/11/58	18	C/1B	1 + 3			-	वालटर लकड़ा के घर में	
14/11/58	-	-	-			-	जर्मनी होस्टेल कम्पौंड, कुछ काम नहीं हुआ	
15/11/58	18	-	7 + 25		(फुरनापानी)	-	निज स्थान में	

D. Khalko Nov. 58.

23/XI

Date	Sector No	Quarter No	Members	Amdani	Place		Remarks
16/11/88	18	-	17 + 6		(पुरनापानी) - महिला समाज ; सरडे स्कूल	पुरनापानी में महिला समाज है पर जैसा होना चाहिये ; नहीं है।	
17/11/88	-	-	1		(उड़नुम) - मानमसीह के डेरे में		
18/11/88	-	-	12 + 7		(बमीझोल) - ग्रामोस केरकेटा के डेरे में		
19/11/88	-	-	8 + 7		(महुलपानी) - पौलुस बागे के डेरे में		
20/11/88	-	-	5 + 9	Rs. 3-19 नया पैसा	(लोकोशेड) - मिंज बाबू के डेरे में		
21/11/88	-	-	13 + 6		(दुरगापुर) - सोहन नाग के डेरे में		
22/11/88 to					गोविन्दपुर की प्रचारिका मरियम कंडिर के साथ राजेरकेला में डुर निई।		
27/11/88							
28/11/88	18	C/9MB	1 + 5		जोन कुजूर के डेरे में नैयारी का दिन		
29/11/88	-	-	-				
30/11/88	18	-	20 - 9		(पुरनापानी) महिला समाज, सरडे स्कूल		D. Khalkho 16/12/88

Gladson Surin

नकती जोइन्ट मिशन फील्ड का दिया हुआ नवम्बर १ से ३० - ११ - ५८ ई०

22/XI

ता०	काम की जगह	
१	पाठ तैयार किया	
२	गिरजा हुआ	
३	किमतु गड़ गया था	काम नहीं हुआ
४	खुन सैई गया था	एक बहन को प्रभु आशीर्वाद सुनाया
५	घर का काम किया	
६	बाजार किया	
७	जंगल लकड़ी लाने गया था	
८	पाठ तैयार किया	
९	गिरजा हुआ	
१०	मगको सैई गया था	तीन भाईयों को मनपरिवर्तन से समझाया
११	घर में पढ़ाई हुआ	
१२	उरांग सैः गया था	कुछ काम नहीं हुआ
१३	बाजार किया	
१४	काला सोई गया था	कुछ काम नहीं हुआ
१५	इमुवा पुरस गया था	मारुआ भाषा बाइबल के लिये
१६	गिरजा हुआ	
१७	घर का काम किया	
१८	घर का पोताई का काम करवाया	
१९	" " " " "	
२०	बाजार किया	
२१	धन काटा	
२२	किमतु गड़ा गया था	दो बहनों को प्रभु आशीर्वाद से समझाया
२३	गिरजा	
२४	नकती जाया	
२५	बाजार किया	
२६	विशेष काम के लिये चकलधा पुर गया था	
२७	घर में पढ़ा	
२८	" " " "	
२९	पाठ तैयार किया।	
३०	गिरजा किया।	

नाम का विश्वस्त प्रचारक
ग्लेडसन सुरिन नकती
ता: २४-१२-५८ ई०

extract

नकतरी जोइन्ट मिशन प्रोई का रिपोर्ट अक्टोबर १६ से ३१-२० २८ ई

अक्टोबर महीने का रिपोर्ट

ता:	काम की जगह	कैफियत
१६	घर का काम किया	
१८	,, ,, ,, ,,	
१९	बगरना हुन्ना ,,	
२०	एकभाई को घर में बगरजा हुन्ना	
२१	घर का काम किया	
२२	रखुन सैई गया था	काम नदी हुन्ना
२३	रखुन वैसे सैई गया था बाद में बजार किया	एक भाई से था विवाद हुन्ना।
२४	घर का काम ६ केया	
२५	पाठ तैयार ६ केया	
२६	बिरना हुन्ना	
२७	काला सैई गया था	नर्सरी का मुलाकात नदी हुन्ना
२८	निमछु गाड़ गया था	दो महीनों को इस्यार का पचाती चुनोया। काम नदी हुन्ना।
२९	काला सैई गया था	
३०	बाजार ६ केया	
३१	रखन सैई गया था	दो महीने को कर्त्तव्य से काम गया।

नाथ का विश्वास्त प्रचारक
क्लेडसान खुरिन
नकतरी

Cand. Y. Kelkette November 1958

21/XI

ता०		काम
१	,, ⟶	पाठ तैयारी
२	,, ⟶	सन्डे स्कुल + गिरजा करना
३-५	,, ⟶	पाठ तैयारी + कुम्हारगढ़िया में दृढ़ापन के लिये पढ़ाना
६	,, ⟶	पाठ तैयारी + अम्बगाँव में शिक्षा देना ।
७	,, ⟶	,, ,, + पुरनापानी में समाज + दृढ़ापन क्लाश करना ।
८	,, ⟶	पाठ तैयारी करना ।
९	,, ⟶	पुरनापानी मंडली में गिरजा करना ।
१०-१२	,, ⟶	पाठ तैयारी + कुम्हारगढ़िया में दृढ़ापन क्लाश और समाज करना ।
१३	,, ⟶	पाठ तैयारी + अम्बगाँव में शिक्षा देना ।
१४	,, ⟶	पुरनापानी मंडली में समाज + दृढ़ापन क्लाश करना ।
१५	,, ⟶	पाठ तैयारी ।
१६	,, ⟶	सन्डे स्कुल
१७-१९	,, ⟶	पाठ तैयारी + कुम्हारगढ़िया में दृढ़ापन के लि क्लाश और समाज करना ।
२०	,, ⟶	पाठ तैयारी + अम्बगाँव में शिक्षा देना ।
२१-२२	,, ⟶	पाठ तैयारी + पुरनापानी मंडली में समाज और दृढ़ापन क्लाश करना ।

P. T. O.

तो० काम,

22 " → पुरनापानी मण्डली में गिरजा।

24-26 " → पाठ तैयारी + समाज और दृढ़ायन क्लाश कुम्हारगढ़िया में।

2७ " → पाठ तैयारी + बैठ्ल पाठ अम्बगाँव में।

2८ " → पाठ तैयारी + कुम्हारगढ़िया में समाज और दृढ़ायन क्लाश।

2९ " → ~~प्रभु~~ भोज के लिये अपने को तैयार करना।

30 " → प्रभु भोज लेना + पादरी साहब के साथ पुरना पानी जाना।

Cate. A. Soy. बोंगा जांगा मिशु फिल्ड का दो पोर्ट नोवेम्बर महीना १९५८।

मान्यवर - J. Soy. चैंवासा को यीशुसहाय - आगे आप को दस-महीने का दो पोर्ट भेजता हूं, सो कृपया ग्रहन कीजिये। 20/XI

ता: १-११-५८ को स्कूल चलाया, स्कूल छुट्टी के बाद केरा पोस्ट ओफीस गया।
ता: २-११-५८ को मिशु पर्व का गिर्जा चलाया। ता: ३-११-५८ को बिहान स्कूल चला चलाया, दुसरी बेला भोरभोरा बजार किया।
ता: ४-११-५८ को स्कूल चलाया। ता: ५-११-५८ को स्कूल चलाया, स्कूल छुट्टी के बाद शुरबुड़ा के मारे महिनों को भेंटने गया, सांझ को सापरिवार मिल के समाज बिन्ती हुई। ता: ६-११-५८ को बिहान को मोसोडीह गया वहां भी सापरिवार मिल के बिन्ती हुई - उसके बाद बयठीह आया. और स्कूल चलाया। ता: ८-११-५८ और ता: ९-११-५८ को स्कूल चलाया। ता: ९-११-५८ को रतवार गिर्जा चलाया, उस रोज होयोहातु का लुकोन हसदा: जो नया धर्म्म खोजक होने चहता है गिर्जा आया था, वह हमारे स्कूल ही में पढ़ा था, आज कल केरा मिडिल स्कूल में पढ़ता है। आज कल उसको धर्म्म की बातों का समझौता देते हैं, और नया नियम का इतिहास पढ़ने के लिये दिये हैं। हमलोगों के विचार है कि वह धर्म्म का ग्यान उसको पूरा पूरी समझे रस लिये उसको ट्रेनिंग भेजने से और - अच्छा होगा।
ता: १०-११-५८ को बिहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बजार गया।
ता: ११-११-५८ को दीवाली छुट्टी ४ दो दिन हुई।
ता: १२-११-५८ को शुरबुड़ा के का बोन्धस के साथ आरा: बांगा का गोरा को धर्म्म प्रचार ने के लिये गाये, पर उस दिन दिवाली के कारण उनलोगों को नहीं सिखाने सके। फिर १४-११-५८ को तारिख ठहराया। ता: १३-११-५८ को स्कूल चलाया। ता: १४-११-५८ को स्कूल चलाया। सांझ के समय आरा: बांगा गोरा के घर धर्म्म की बातों को सिखाने के लिये गया, प्रभु की बिन्ती को सिखाया और धर्म्म के गीतों को भी गाये, उनको गिर्जा जाने के लिये समझौता दिये। गोरा को कहने से तो गिर्जा जाने का करार करेगा पर अब तक नहीं आया है। उसकी स्त्री को पूछा कि अब तो धर्म्म की बातों को सिखने सिखेंगे, पर उसने जवाब दिया कि गांव वाले और कुटुम्ब सब हमलोगों को छिलान करेंगे, छिलान के बाद उसको बहुत समझाये पर अब तक उसका मन धर्म्म की बातों की ओर नहीं है। गोरा को भी कहे कि आप अपने घरनी को ठीक नहीं समझाये हैं, इसलिये धर्म्म के बारे आपस में बात-विचार करेंगे।।
ता: १५-११-५८ को स्कूल चलाया। ता: १६-११-५८ को रतवार गिर्जा चलाया। उस रतवार में लुकोन होयोहातु का बड़ा मारे कनु हसदा: भी गिर्जा आया था वे दोनों धर्म्म खोजक चहते हैं, गिर्जा बाद कनु को धर्म्म की बातों को समझौता दिये, और घरवालों को भी गिर्जा आने को चलाये। ता: १७-११-५८ को बिहान स्कूल चलाया बुखार पकड़ा -

इसलिये बजार नहीं इसने सका।
ता: १८-११-५८ को स्कूल चलाया। ता:१९-११-५८ को स्कूल चलाया।
ता: २०-११-५८ से ता: २८-११-५८ तक बिमार से हम को बहुत दुर्बल था।
इस कारण ९ दिन स्कूल भी नहीं चला सके और ट्रेन भी नहीं जासके।
ता:२९-११-५८ से बिमार छोड़ा अच्छा है पर दुर्बलताभव तक नहीं गया है।
स्कूल चलाया।
ता: ३०-११-५८ को रतवार गिर्जा चलाया।।

गिर्जा ~~आमदनी~~ आमदनी ऐसा है— ~~सिर्फ~~ रतवार सिर्फ ॥=)॥+
धड़ा सिर्फ -१।=)॥
राज्यबृद्धी दान -)॥
जमा २=)॥-

महामन्यवार- ~~ज~~ J. Soy. चैंबासा से आज्ञा यह है, कि बिमार के कारण इस महीने का रीपोर्ट ठीक समय में नहीं भेजने सका सो कृपाया माफ की जिये।।

लि०- आप लोगों का क्रान्तीधीन प्रचारक—
आन्तोनी सोय- बोंगा जोंगा- मिशु फिलड।
पोस्ट ओफीस- केरा।
जिला- सिंहभूम
ता: ४-१२-५८।

S. Dang १९५८ नोवेम्बर महिना की डायरी। 19/XI

१-११-५८ को जाम्माल में बचन सिखाया।
२-११-५८ " गिरजा किया।
३-११-५८ " जोटेया डीह में एक नया खृस्तान दुःख में था उस को दवा ओबिन्ती द्वारा सेवा किया
४-११-५८ " बलन्डा में एक बिमारी को प्रार्थना द्वारा सेवा किया।
५-११-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
६-११-५८ " मोहिजोर में एक संसार बहिन को समझाया।
७-११-५८ " बलन्डा में एक नया खृस्तान और धर्म खजकों को ईश्वर के बचन से सुधी दिया।
८-११-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
९-११-५८ " गिरजा किया।
१०-११-५८ " एक नया धर्म खोजक के घर में बिन्ती किया।
११-११-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
१२-११-५८ " बलन्डा और लोद्रोपाल में दो धर्म खोजकों के घर में दुःख था वहां बिन्ती किया
१३-११-५८ " बलन्डा में एक धर्म खोजक बहिन बहुत दुःख में थी उस की सेवा में था।
१४-११-५८ " बलन्डा में एक संसार भाई और एक बहिन को यीशु मसीह का सुसमाचार ~~का~~ बताया।
१५-११-५८ " प्र० इस्राएल कुजुर के साथ, बलन्डा धर्म खोजकों के घर में बिन्ती किये।
१६-११-५८ " गिर्जा किया।
१७-११-५८ " बलन्डा में बिमारियों के घर में ~~प्रार्थना~~ प्रार्थना किया।
१८-११-५८ " एक नया धर्म खोजक के घर में प्र: इस्राएल कुजुर के सं। प्रार्थना किये।
१९-११-५८ " नये धर्म खोजकों को जो ~~शैतान~~ शैतान के भय में थे यीशु मसीह के बचन से ढाइस दिया।
२०-११-५८ " एक नया खृस्तान को ईश्वर का बचन, पुराना नियम से बताया।
२१-११-५८ " झाड़ा से मैं दुर्बल था।
२२-११-५८ " संसार भाई बहिनों को बलन्डा में समझाया।
२३-११-५८ " गिर्जा किया।
२४-११-५८ " मोहिजोर में बिन्ती समाज किया।
२५-११-५८ " जाम्माल में एक नया खृस्तान को गिर्जा आने जाने के बिषय समझाया।
२६-११-५८ " एक हिन्दू भाई के साथ धर्म बिषय बात चित किया।
२७-११-५८ " ~~मु~~ धुनधुसा में एक उल्टा हुआ खृस्तान के घर में समझाया।
२८-११-५८ " जाम्माल में एक खृस्तान के घर में शुद्ध होने के बिषय समझाया और बिन्ती किया।
२९-११-५८ " बलन्डा में एक धर्म खोजक के घर में प्रार्थना किया।
३०-११-५८ " गिर्जा किया।

Cate. Simon Dang
G. E. L. Church Tulpai
4-12-58.

Rev. H. Tutti नोवेम्बर का रिपोर्ट

18/XI

1-11-58 बारिपदा गया था। वहां लूथेरान भाई बहिनों से मुलाकात किया।
2-11-58 रंगामाटिया में गिर्जा किया।
3-11-58 — 5-11-58, सिमली पहाड़ से भाई लोग आके मे उनके साथ घर में रह कर समय बिताया।
6-11-58 — 9-11-58 तक चाइबासा जाने औ आने में समय बिताया।
12-11-58 — 15-11-58 तक पश्चिम बंगाल में बाबू उमद टुडू के साथ टूर में समय बिताया।
16-11-58 — 21-11-58 लकड़ी चिरवाया। कुली लोगों को देख भाल करने में समय बिताया।
22-11-58, रंगामाटिया से जसीपुर जाने में समय बिताया।
23-11-58 जसीपुर औ बादम पहाड़ में गिर्जा किया तथा प्रभु भोज बांटा।
24-11-58 बादम पहाड़ से गिर्जा के बाद माझी गांव गया।
25-11-58 माझी गांव से आंलाजोड़ी जाने में समय बिताया।
26-11-58 गोरुमाहिषिरानी गया था, वहां गिर्जा किया औ प्रभु भोज बांटा।
26-11-58 गोरुमाहिषिरानी में रहा।
27-11-58 गोरुमाहिषिरानी से आंलजोड़ी आया औ वहां गिर्जा किया औ प्रभु भोज बांटा।
28-11-58 आंलाजोड़ी से रंगामाटिया आने में दिन बिताया।
30-11-58 गिर्जा किया कहीं बाहर नहीं गया।

H. Tuti
2-11-58

Cand. P. C. Minz.

G. E. L. CHURCH, ROURKELA.

SUNDERGARH, ORISSA

17/XI

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L TH. *Joint Secretary*— MR P. DANG, B. A.

~~*Secretary*— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B A.~~ *Treasurer*— MR. S. TIGA.

Adibasi Hotel, Rourkela.
Sundergarh, Orissa.

ROURKELA

Ref: Dated 8. XII. 58.

To

The Secretary,
G. E. C. Bd. Cheribasa.

Dear Sir,

Hereby I submit my monthly report for your information.

Nov. 1. Sector 2, 19 and Sector 5.

" 2. Church Services,

Rourkela — Mr. N. Hemrom.
Juradih " M. D. Tiru
Jurmapani " D. C. Hins
Union Service " Peter
Loharia Colony " N. Lugun.
Public Sector " J. Kandulna

Mandli Church meeting at Rourkela.

" 3. Tangerpali — Took a prayer meeting in the evening.

" 4. Tampost — took prayer meeting.

" 5. Jhuradih.

" 6. Loco shed.

" 7. Burmah shell & G. S. C.

" 8. Dugal — Colony in the evening.

Sunday services Conducted by me at Rourkela & Tangipali.

Nov. 9. Jarakudar — at the request of Jarakudar Christian people.

" 11. Spoke meeting at Jarakudar and back to Rourkela in the evening.

" 12. Remained at home because of ill health.

" 13. Does shed at Mr. N Hemrom's home.

" 14. Sector 6 and Police Hostel.

" 15. Durgapur

" 16. Church Services
Rourkela — Mr. N. Hemrom.
Jyraditi — " M. D. Tirii
Colony " me.
Public Sector. Nayanjam
Purnapani " J. Barra
Junior Servic Rev. B. B Das

" 17. Steel side Road and Mahulpali

" 18. Lal Tunky.

" 19. Mahulpali Gujetoly along with Miss M. Kundi Kuchaina from Coriapur.

" 20 Burmah shell and Sector 6.

" 21 Public Sector.

" 22 — 30. My wife Sunita and I

M. Barwa. Nov. 58. 15/XI

नोवेम्बर १९५८

१ ता - स्कूल पर दूसरी बैला टोला के माझियों के पास गया
२ ता - महुमरडुर निवास पर्वी मनाने गया. पादरी बाबू L. Topno, फ्रांच
३ ता: घर गया
४ ता तक घर से या इस बिच से तोलडिह, बालीमा पुर, सिगदी पोड़ाडिहा
कोई गावों से माझियों के पास ग़ैरि सेंसारी माझियों को सुनाया। मेरे
बहुत दिन से नहीं घूमने के करण उधार के भाई लोग लोगों के
द्वारा घर भी खबर भेजते हैं. इससे उधार घूम २ कर सुनाना
जरूरी है
६ ता: को खुड़री कोचा पहुचा
८ ता. को स्कूल किया
९ ता को निजी किया
१० ता: से साम को बैबेल स्कूल होता था।
१५ ता: तक
१६ ता से दोनों बैला स्कूल लगातार चलू था
२९ ता. तक सबेरे को घोड़ कर
स्कूल के बाद समय को धार्मिक कहनीयों को बतलाता हूं
या ग़ल्पकथी बातों को ग़ैर धर्मी के बातों को भी

दिसम्बर १९५८

१ ता. से
४ ता: तक स्कूल किया।
५ ता: को घर पैसा पहुचाने गया था
६ ता को लौटा
८ ता:
से
२० ता: तक स्कूल चलू था, मेरा खर्ची खतम होने के करण ग़ैर
खेती के काम के करण स्कूल किम नहीं होने के करण पत्नी का
निजी ग़ैरि का मार मुसाबनी के रुम भाई को सीपं कर घर
गुया पर जल्दी लौट नहीं सका क्योंकि प्रचारीन का तबियत
ठिक नहीं था।।

मेरा गुरुजी हैं, कुपाकर बगला को जाने वाले रुम प्रचारक इस
दलघुम के लिए दिया जाता कि घूम कर प्रचार करना तो गुरुवा
होता क्योंकि लोग सुनने चहते हैं, या रुम मुराडा बोलने वाले
को यहां खुड़री कोचा भेजते, हो सके तो इसके लिए बन्दोबस्त
करीयेगा।

मैं आप लोगों का विश्वास्त
मनोहर बाड़ा

Catechist Jhuri Sisibaha 1958 November.

की रिपोर्ट।

14/XI

1-11-58. पोषू क्लोफिस गया और रात को नाकटी में रहा चूंकि पैर में कांटा गड़ने के कारण घाव हो गया था। जिसका दवा लोपनो के पास था। उसी दवा के द्वारा घाव अच्छा हो गया।

2-11-58. दमुड़ी में गिरजा चलाया। प्रार्थी संख्या 8.

3-11-58. पोषू क्लोफिस गया तथा गांव में घुमा।

4-11-58. मद को वेड़ा के एक मुन्डा के घर गया जिस का लड़का बिमार था। मैं वहां जा के दवा बनाया और प्रार्थना कर के रोगी को खिलाया। उन को बोल रखा कि तुम लोग चिंता मत करो लड़का अच्छा हो जायगा।

5-11-58. चक्रधर पुर गया चावल + आटा खरीद ने।

6-11-58. दवा बनाया और २५ भाइयों को गीत गा २ कर समझाया।

7-11-58. बाजार कड़ाई के ला गया।

8-11-58 वचन तैयार किया फिर दाऊद सिंह के कारखाना में धर्म्म के बारे बातचित किया।

9-11-58. दमुड़ी में गिरजा चलाया संख्य २ था।

10-11-58. भाई बासा घर के बारे बातचित के लिये गया।

11-11-58. डाक्टर के घर को Rev. Joy के साथ ४००) रु. में बात तय किया।

12-11-58. तोपनो प्रचारिन के लिये चक्रधर पुर दवा खरीदने गया को लौट के दवा बनाया।

13-11-58. घर का काम किया।

14-11-58. बाजार गया कड़ाई के ला।

15-11-58. कर्म्मचारी के पास नाकसा को खतियान के लिये गया पर उस के हाथ में नहीं था (केरा) T.A. 0-4-0

16-11-58. दमुड़ी में गिरजा चलाया गिरजा संख्या 8। गिरजा के बाद फिर कर्म्मचारी के पास हुरांग दा गया वहां खतियान पाया को प्लोट नं० खतियान नं० सर्वे और रकवा को चौदधी को लिख कर सूर्य डूबने के समय आया। फिर उसी समय नाकटी जाना पड़ा चूंकि प्रचारक प्रचारिन की सेवा के लिये बुलाने आया था। रात को नाकटी में गिरजा चलाया चूंकि दिन को नहीं हुआ था। T-A-0-4-0

17-11-58. घर और बारी के विषय लिखा पढ़ी हुआ। सब विशेष जनों को बुलाया था। गांव के मुखिया और मुन्डा मुखिया जन को।

18-11-58. नाकटी प्रचारिन को सेवा गया और मद को वेड़ा गया।

19-11-58. चक्रधर पुर रिक्शा को बनुवाने गया।

T. A.
Bus fare. 0-12-0
Tra. 0-4-0

20-11-58. डोम्बरा गया वहां धर्म के बारे एक जन को समझाया। फिर वहां से करांडा गया वहां 10 जनों को प्रचार किया। T.A 0-4-0
वहां के एक व्यक्ति जो धर्म में लाने चाहते हैं वह बुखार था उस के लिये प्रार्थना किया और उसको समझौते दिई। कारण घर में सब केवल एक ही घर धर्म में लाने चाहते हैं पर डरते भी हैं।

21-11-58. बाजार गया।

22-11-58. भोजन तैयार किया और दाऊद सिंह के कारखाना गया।

23-11-58. गिरजा चलाया। गिरजा बाद गांव में घुमा। संख्या 3.

24-11-58. 2 जनों को प्रचार किया।

25-11-58. Rev. J. Roy के पिता को देखने Rev. J. Roy के साथ गया पहुंच के कुछ देरी के बाद Rev. J. Roy के पिता के पास जा के दुख की जांच किई। दुख जांच के लिये मैं उस के बाहु को रस्सी से नापा। नाप में एक लांग छम्बा और दूसरा लांग पुड़ा हो गया। इससे दुख मुरका हुआ सूचित हुआ।

26-11-58. रोगी को मालिस किया और प्रार्थना कर के दवा खिलाया।

27-11-58. गांव में घुमा और विक्रम के घर गया। चौकी वहां लाया। (चाकटी लाया)

28-11-58. बाजार गया।

29-11-58. खाट तैयार किया।

30-11-58. गिरजा चलाया। गिरजा संख्या 9।
फिर नाकटी गिरजा में हाजिर हुआ।

नो०:- (क) दिसम्बर की घर झाड़ा बांध कर दे चुंकि नया क्वार्टर में जाने पर है।
(ख) खिड़की को कुलियों के न मिलने से जबद मरामत न हो सका।
(ग) गिरजा हर एतवार को चलता है। संख्या 3 या दो रहता है। एक जवान गार्डमेन ट्रेनिंग में चला गया जिससे संख्या कम हो गया है।
(घ) अभी तक नया (आये) वाले चुप हैं ज्यादा काम में लगे हुए हैं।
(ङ) मेरे सेवकाई से घाव वाले 6, शीत ज्वर वाले 6, सुजाक का प्रदर वाले 2, पेट दर्द वाले 3, सिरदर्द वाले 1 चंगा हो गये हैं।

T. A. Bill.

15-11-58. Kera 0-4-0.
16-11-58 Huranqda 0-4-0.
19-11-58. chakradha 0-12-0 Bus fare.
0-4-0 Tea.
20-11-58. Dom. Aranga 0-4-0

1-12-0

Rs one and twelve As only.

Cale. Jhuria
8-12-58.

P.S. Topno

13/XI

नकटी जोइन्ट मिशन बोर्ड

ता०	काम का जगह
१	पाठ तैयार किया
२	गिरजा हुआ।
३	कुईतु का गया वहां एक जन को उपदेश सुनाया।
४	
५	
६	शीशीवा घर देखने गया।
७	
८	
९	
१०	
११	
१२	
१३	
१४	
१५	
१६	शीशुवे वह से धाका
१७	~~लिखा घर~~

का दिवौरी नोवेम्बर १ से ३०-११-५८ तक का

ता॰	काम की जगह	की फिसत
१८	प्रबन्ध के लिये गया लोग	
१९	काम किया गया।	
२०		
२१	नोट —: बाकी दिनों में	
२२	घर में रहा क्योंकि प्रचारीय	
२३	विमार थी उसकी सेवा के	
२४	लिये नहीं थे जिससे मुझे	
२५	घर में रहना पड़ता था लोग	
२६	२५ तारीख से ग्रेड्यल प्रचारक	
२७	को एक एक वेला	
२८	पढ़ाई होती थी।	
३०		

Cafe P.E. Thomas
Nakti
14-12-38

I. Topno

12/XI

ता: १-११-५८ बाईबेड़ा जोइन्ट मिशान कोई का रिपोर्ट ।।

Shri mahamanyawar Rere H: Klass: Shri J: Sary Rere. Ap-Salehang Ko ajishubahary :

नोवेम्बर का काम ।

ता: १ पाट तायारी ।

२ गिर्जा किया ।

३ घर का काम किया ।

४ मोखार हो गया ।

५ मोखार ही में था ।

६ बजार किया ।

७ मुजनिया गया धर्म्म बचन भाईओं को सुनाया संख्या ५ ।

८ पाट तायारी ।

९ गिर्जा किया ।

१० सोनुला गया ईश्वर का बचन सुनाया सुनेवाला — १ ।

नार्श मुझको बिशेस काम केलिये अपने साथ लूलती ले गया ।

११ बाईबासा में नार्श को एकबहिन मर गई इसलिये नार्श मुझको बाईबासा-
मो छोड़ूंगा और मैं अपनी घरवालों को शान्ती का बचन सुनाया ।।

१३ फीर उसी जगह में बाईबासा का डुलभाई ही में एस्पेजि मिशान के लोग-
और संसारी लोगों को ईश्वर का बचन सुनाया जाम्मा संख्या ३५ ।

१४ घर का काम किया ।

१५ पाट तायारी किया ।

अक्टोबर ता: २८ से ३१ ।।

बाम्बड़ा 8 दिन छुट्टि गया था बिसेस काम के कारण से ।

अक्टोबर का ता: २८ बाम्ड़ा का ह्याम लोगों के घर वालोंमें से १ जान (मृत्यु मर गया) गया और घर वालों को शान्ती का वचन सुनाया ।

२९ कुरमुलाई में भाईयों को वचन सुनाया संख्या २३

३० सोरणीड़ा गाँवमें प्रभु का वचन प्रचार किया भाईयों का संख्या २५ ।

३१ राजगांगापुर गया वहाँ से सोबला बाईबेड़ा लौट आया ।

नोवेम्बर का ।।

ता: १ गिर्जा किया ।

२ घर का काम किया ।

३ कुड़िमटी के भाईबहिनों को ईश्वर का वचन सुनाया संख्या ३ ।

४ गाँव दो में भाईयों को प्रभु का वचन सुनाया संख्या ५ ।

५ बजार किया ।

६ नुन्दुसाई गया ईश्वर का वचन भाईयों को सुनाया संख्या २ ।

७ पाट तयारी ।

८ गिर्जा किया ।

९ जो इवेन्स प्रचारक के साथ दोरा: गये, और मिटिंग इससाड़ा में फोटो देखलाये और वचन सुनाये भाईबहिनों की संख्या ६० ।

१० कोमों गये और वहाँ के भाईबहिनों को फोटो देखलाये और मुक्तिदाता यीशु मसीह को भी बतलाये भाईबहिनों की संख्या ६० से उपर थे । ३ कोमों से बाईबेड़ा लौट आया ।

११ बजार किया ।

१२ घर का काम किया ।

१३ पाट तयारी किया ।

१४ काटनी पर्व और गिर्जा किया ।

Anka bishwas Israil Tomro Catechrist:

Th. Bhengra

राज्य वृद्धि काम का रिपोर्ट हो रो रंरिया

नोम्बेबर महीना १६५८ ई॰

11/IX

१ तारिख - स्कूल किया
२ - गिरजा किया
३ स्कूल किया
४ - स्कूल किया
५ - स्कूल किया
६ - स्कूल किया
७ - स्कूल किया और गोइल केरा बाजार गया।
८ चिरिया गया
९ चिरिया में ठहरा
१० चिरिया से हेरो आया
११-१२ - को दिवाली पर्ब का छुट्टी किया था।
१३ - स्कूल किया
१४ गोइल केरा बाजार गया था।
१५ - स्कूल किया
१६ गिरजा किया
१७ - स्कूल किया
१८ स्कूल किया
१९ स्कूल किया
२० स्कूल किया
२१ घर ही में रहा।
२२ सेरेंदा बाजार धान खरीदने गया था।
२३ गदना किया।
२४ स्कूल किया और उसी रोज शाम को जोहनेस हेम्बरोम और इसाएल तोपनो के साथ मिलीगा हम सब गांव में फैनलग्राफ के द्वारा धर्म्म प्रचार किये। करीब ५० आदमी जमा हुए थे।

25 ता. स्कूल किया और उस रोज भी कोमोंग गांव शाम को
x कैनलग्रप द्वारा हम लोग ~~धर्म~~ सन्थाल भाईयों के
बीच धर्म प्रचार किये करीब साठ आदमी
जमा हुए थे।
26,— स्कूल किया
27 — स्कूल किया
28 — गोइलकेरा बाजार गया था।
29 — सिरंदा बाजार आलू खरीदने गया था।
30 — गिरजा किया।

आपके आप का विश्वस्त

Jh. Bhengra. Hero

D. 4. 12. 58 —

J.K. Hemrom नवंबर महिना का रिपोर्ट १९५२ 9/XI

१-११-५२ को मैं चिरिया को गया, रास्ता में एक ही औरत के साथ में धर्म के बारे में बहुत बात चीत किया —

२-११-५२ को विश्राम दिन था —

३-११-५२ को मैं चिरिया से घर को लौट आया, रास्ता में दो तीन लोगों के साथ में धर्म के बारे में बहुत बात चीत किया —

४-११-५२ को मैं दिरिपोसिला को गया, एक सन्ताल को मैं कहा कि आप धर्म को ठीक से जांच कर के देखिये कि कौन धर्म ईश्वर की ओर से आया है —

५-११-५२ को मैं मुड़ना को गया, संसारिक लोगों के पास उस दिन वे नाच्चा में थे इस लिये उन के साथ में बात चीत होने नहीं सका, एक गीत को बहुत सुनाया —

६-११-५२ को मैं वहां से पहानिया को गया, रात को प्रचारेल ग्राम दिखाया ६० आदमी तक उपस्थित थे —

७-११-५२ को मैं वहां से जोजो गुटु को गया - वहां एक सन्ताल घर में प्रचारेल ग्राम दिखाया —

८-११-५२ को जोजो गुटु से घर लौट आया, रास्ता में एक मुन्डारी को ईश्वर के बारे में बहुत सुनाया —

९-११-५२ को विश्राम दिन था —

१०-११-५२ को कालीपुजा पर्व था, इस लिये कहीं नहीं गया —

११-११-५२ को " " " " " "

१२-११-५२ को एक बैसय के साथ में ईश्वर पिता के विषय में बहुत बात चीत किया —

१३-११-५२ को मैं बरंगा को गया था, मैं एक साहूकी के साथ में दिवाली पर्व के विषय में बहुत चीत किया —

१४-११-५२ को हम पादरी बाबू के साथ में गोटमा के मुन्डा लोगों के पास रात को प्रचारेल ग्राम दिखाया १६ प्राणि तक जमा हुए थे —

१५-११-५२ को हम पादरी बाबू के साथ बरंगा के दुसरा मुन्डा टोला को गया, वे नहीं सुने हम लौट आये —

१६-११-५२ को हम पादरी बाबू के साथ में पाडोरडीह को गया —

१७-११-५२ को बाबू चाईबासा को गये मैं घर को लौट आया —

१८-११-५२ को दूर यात्रा के लिये तैयारी में था —

१९-११-५२ को मैं चाईबासा को गया —

२०-११-५२ को चाईबासा से रगोई को लौट आया —

२१-११-५२ को रगोई से चोवाडीह को गया, एक मुसलमान के साथ में एक ही को ईश्वर पिता के विषय में बहुत बताया —

२२-११-५२ को चोवाडीह से जोलियामाए को गया —

२३-११-५२ को विश्राम दिन था —

२४-११-५२ को हम इसाएल को तीनों के साथ में सोरे को गया, सिलिंग हमसादा में रात को प्रचारेल ग्राम दिखाया ४० आदमी तक थे, वे सुनते थे —

२५-११-५२ को हम तीनों जेंगा के साथ रात को कोमोंडा में प्रचारेल ग्राम दिखाया १०० से ऊपर मनुष्य इकट्ठा थे वे सुनते थे —

२६-११-५२ को मैं कोमोंडा से कुमडी को गया, वहां दो सन्तालों को सुसमाचार सुनाया —

२७-११-५२ को कुमडी से गोदाहुवां से को गया, दो धर्म खोजक के साथ में धर्म के विषय में बात चीत किया —

२८-११-५८ को गोलकुओं से घर चला आया —

२९-११-५८ को मैं ~~मन~~ मनोहरपुर को गया था

३०-११-५८ को विश्राम दिन था —

आपने आज्ञाचीन प्रिय प्रचारक

J. K. Hemrom Dumrita
P. O. Purtia
Dt. Singhbhum

8-12-58

NOV. 58 S. Lakra

कलचो पोटाहाड़ि

ता. ६ई. ११. पूद

श्रीयुक्त महामान्यवर

पादरी बाबू नाथन को मेरा

यीशु सहाय।

महाशय मैं नाथन को यह लिखता हूँ।

ता. १. ११. पूद को मैं टिकली पड़ा खड़िया माड़ियों के यहां
ता. २. ११.) को मैं डोमा मोरन किसान माड़ियों के यहां गया था।
ता. ३. ११.) था।
ता. ४. ११. पूद को मैं पोदाह ईद में धुआं + बचन प्रचार
ता. ५. ११.) किया।
ता. ६. ११. पूद को मैं गुम्बर बहादुर उरांव माड़ियों के यहां गया
था।
ता. ७. ११. पूद को मैं फुलटल किसान माड़ियों के यहां गया था
ता. ८. ११. पूद को मैं रोएड़ किसान माड़ियों के यहां गया था।
ता. १०. ११. पूद को मैं पार्तिव पुड़ फुरा माड़ियों के यहां गया
ता. ११. ११. और ईश्वर का बचन प्रचार किया हूं
ता. १२. ११. पूद को मैं बेलकम अंसार उरांव माड़ियों के यहां
ता. १३. ११. गया था।
ता. १४. ११. पूद को मैं कुटकु ईद गया था और उन को समझा
ता. १५. ११. पूद को मैं पतरस माड़ि किसान माड़ियों के यहां
ता. १६. ११. पूद को मैं डोंगल पत्थर मुरमु माड़ियों के यहां गया था
ता. १७. ११. पूद को मधु फु का पादरी बाबू नाथन था।
ता. १८. ११. पूद को गांव में प्रभु यीशु के बालक जन्म लिया
हुआ था इसलिये मैं घर छोड़ नहीं सका।
ता. २०. ११. पूद को मैं खेड़ा खेड़े गया था।
ता. २१. ११. पूद को फिर मैं टिकली पड़ा गया था।
ता. २२. ११. पूद को फिर बेलकम गया था।
ता. २३. ११. पूद को मैं पोदाह पुड़ा गया था।

ता. 24.11.42 को मेरी छोटी लड़की बीमार हुई थी।
ता. 28.11. } बीमार के चलते मैं 24 ता. को डंक में टिकी नहीं डाल सका।

इस बात को आप लकड़ी पैसा के विषय में लिखे थे इसलिये मेरी इच्छा है कि आप हिसाब हमारा आया काट लीजिये और आया मेरे पास भेज देवीजिये।

जिस का महीने का सिर्फ हिसाब में दूना आप हिसाब कर के काट लीजिये।

नोकरका महीने का — चार शेरी का रु)
पुत्री " रु)
बच्चाका चार दफे का रु)

Thakur

J. Lugun

7/XI

नोवेम्बर महिना का डयरी
१९५८

१ ता० को बलान्डा के खृष्टीयानों के घर में वचन सिखाया।
२ " " कुलपाल में गिरजा किया।
३ " " जममाल में एक संसर भाई को समझाया।
४ " " बलन्डा के खृष्टीयान दुखाली के घर में प्रर्थाना किया।
५ " " कुलपाल के एक नये खृष्टीयान को समझाया।
६ " " जममाल में वचान सिखाया।
७ " " बलान्डा के एक नये खृष्टीयान दुखाली के घर में प्रर्थाना किया।
८ " " लोद्रोपाल के संसरीयों को वचन सुनाया।
९ " " कुलपाल में गिरजा किया।
१० " " बलान्डा के नये खृष्टीयान दुखाली के घर में प्रर्थाना द्वारा सेवा किया।
११ " " लोद्रोपाला संसर भाई बहिनों को वचन सुनाया।
१२ " " लोद्रोपाल संसर दुखाली को प्रर्थाना द्वारा सेवा किया।
१३ " " बलान्डा के नये खृष्टीयन दुखाली के घर में प्रर्थाना किया।
१४ " " जममाल में एक संसर ~~क~~ भाई को समझाया।
१५ " " बलान्डा में समाज गिरजा किया।
१६ " " कुलपाल में गिरजा किया।
१७ " " जममालमें एक आन्या जाती हिन्दुओं के बिच में धर्म प्रचर किया।
१८ " " जममाल के नये खृष्टीयन को प्रचराक S. D any. Jasuwa samad Israil Lugun तिनों प्रचराक होके वचन सिखाया।
१९ " " २ दो संसर भाईयों को वचन सुनाया।
२० " " नये धर्म खोजकों के घर में वचन सुना के प्रर्थाना किया।
२१ " " जममल में एक संसर दुखाली के घर में प्रर्थाना किया।
२२ " " मटिजोर-पुराना खृष्टीयानों के यहाँ वचन सुनाके प्रर्थाना किया।
२३ " " रेव: योहान पट्टी गिरजा किया।
२४ " " बलान्डा के एक ससंर दुखाली के घर में प्रर्थाना किया।
२५ " " घोड़ाबन्धाईन के खृष्टीयन दुखाली के घर में प्रर्थाना किया।
२६ " " खोसर-डीह के संसरीयों के सब धर्म के विषय बत चित किया।
२७ " " बलान्डा के नये खृष्टीयनों को वचन सुनाके प्रर्थाना किया।
२८ " " मटिजोर खृष्तान के यहाँ बिन्ती समाज किया।
२९ " " जममाल में समझा किया।
३० " " कुलपाल में गिरजा किया।

Cat: Israil Lugun
Dt: E. L Church Kulpal
4-11-58

मंगलवार-
पादरी बाबु जे सोर आप को शहर योशु सहाया।
मंडली का आमदानी जनोवारी से जुलाई तक का दान पैसा आठ सयाया था लेकिन गिरजा घर बनाने में खर्च किये हैं
आगस्त महिना से नोवेम्बर महिना का कितना उधार है सब दिसम्बर महिना आपुल कर के भेज देंगे।

November 58 J. Samad
Borama

6/XI

नोवेम्बर ५८ का डायरी ॥

ता:

1 – आज इतवार को अपना गांव में आराम किया ॥
2 – – इतवार को शिकार किया ॥
3 – सोमर को मैं मेन्दुबेरना जाके आय किया ॥
4 – आज पड़िया बहादुर टोला जाके आय किया ॥
5 – आज मैं अपना घर लौटा ॥
6 – गांव का बाजार गया था ॥
7 – ता: से ८ ता: को अपना डेरा में रह गया ॥
8 – आज शिकार किया ॥
10 – अपना आय को कोये मेंपोटाय गया था ॥
11 – आज श्री अपना घर का आय किया ॥
12 – नया लटाई डरांव चाईयों के पास मैं गया था ॥
13 – आज बाजार किया ॥
14 – मैं विद्यालय को गया था ॥
15 – गांव से बाहर नहीं गया ॥
16 – इतवार को शिकार किया ॥
16 – आज मैं बलदेव जा के रात बिताया ॥
17 – वहां से आज सुर्चन्दा-कचहरी मैं गया था ॥
18 – सुर्चन्दा से लौट के मुलाकात में रह गया ॥
20 – सुबि सुबे 8 के बोरसाम पहुंचा ॥
21 – ता: से 22 ता: को Rev. J. Topno साहेब के आरसा से कहीं नहीं गया – शुक्र को शिकार हुआ – /
23 – इतवार को शिकार किया ॥
24 – मैं चौली लेने के लिये समाचार हुर गया था ॥
25 – आज अपना डयरी लिखना पर भेज ता हूं ॥

नोवेम्बर का मजदूरी – 1 – 10 – 0 रु: है /

J. Samad
25-11-58 /

M. Dang

नोम्बेम्बर १९५८ ई: की डायरी। 5 / XI

१-११-५८ दुरगाडीह में था।
२-११-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया श्री मिशन पर्व के लिए की प्रार्थना हुआ। शाम को छमड़ा में गीत वचन सिखाया।
३-११-५८ पु: अमुरा अड्डे के साथ दुरगाडीह में था।
४-११-५८ कोलापट में टूर किया।
५-८-" दुरगाडीह में था।
६-११-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया शाम को बन्धाडीह में वचन सिखाया।
१०-११-५८ दुरगाडीह आया।
११-११-५८ दुरगाडीह में था।
१२-११-५८ दुरगाडीह का मंडुमपुआरी के लिए घूमते हुए लिखा)
१३-११-५८ छछाबेर का मंडुमपुआरी के लिए गया।
१४-११-" दुरगाडीह में था।
१५-११-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया। शाम को वचन आदि सिखाया।
१७-११-५८ दुरगाडीह आया।
१८-११-५८ कोलापट मंडुमपुआरी के लिए और मंडुमी पैसा वसूल के लिए गया।
१९-११-५८ छमड़ा गया मन्यवर Rev. J. Topno से मुलाकात हुआ।
२०-११-५८ छमड़ा में Rev J. Topno के द्वारा गिरजा हुआ उसमें में शामिल था।
२१-११-५८ बड़सा से मन्यवर पादरी के के साथ गया।
२२-११-५८ दुरगाडीह में गिरजा हुआ। Rev. J. Topno के जरिए साथ में मैं भी था।
२३-११-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा हुआ/काटनी पर्व मनाया।
२४-११-५८ दुरगाडीह आया।
२५-११-५८ बच्चों की बिमार के कारण घर में था। और अब तक वही हाल है।
२८-११-५८ जमुनामिल गया।
२९-११-५८ दुरगाडीह में था।
३०-११-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया/शाम को छमड़ा में वचन सिखाया।

नोम्बेम्बर माह की आमदनी ७) ॥ पैसा नः ७, २५ पैसा।

खर्च १) मिशन पर्व के लिए बाबत में Rev. J. Topno को दिया
३) कागज + लिफाफा में खर्च।

नगद ६) ॥ पैसा — ११ पैसा

मंडुमी पैसा बिक्री में ३) जो ट्रेक्टर में दिया। पैसा अभी।

Cata - M. Dang
Dungadih
1-12-58

P. Barla

Diary For the Month of November 1958

4/XI

1 11/58 स्कूल किये 3 लड़के आये

2 11/58 को कटनी पर्व्व माने

3 11/58 स्कूल किये

4 11/58 स्कूल किये और एक हेन्दु साधु से योशु माशीह के विषय कोट छाट किया और उसको इसा मालोह का पहचान करवा दिया।

5 11/58 स्कूल किये

6 11/58 " " " " " " "

7 11/58 " " " " " " "

8 11/58 " " " " " " "

9 11/58 गिरजा किये

10 11/58 स्कूल किये

11 11/58 उस रोज गांव के उल्टे माइओं को प्रभु का वचन सुनाया

12 11/58 स्कूल किये

13 11/58 " " " " " "

14 11/58 " " " " " "

15 11/58 " " " " " "

16 11/58 गिरजा किये

17 11/58 स्कूल किये दुसरे बेला गाव के माइओं को प्रभु का वचन सुनाया

18 11/58 स्कूल किये

19 11/58 "

20 11/58 " " " " " "

21 11/58 " " " " "

22 11/58 " " " " " "

23 11/58 गिरजा किये

24 11/58 स्कूल किये

25 11/58 " " " " "

26 11/58 " " " " "

27 11/58 " " " " "

28 11/58 " " " " "

29 11/58 बैबल का स्टाड़ किये

30 11/58 गिरजा किये

Patras Barla Sargiolih

30-12-58

मान्यवर पादरी साहेब आ सब परिवार को
मोर नमस्कार होवे

हम लोग सब अच्छे हैं आप मुझे खबर
दिया था कि जिसने आदमी गोरजा जाते हैं उसका
खबर आप को देता हूं आज यहां कुल दो प्राणी
गोरजा आते हैं और हम बल बच्चे और बाकि नहीं
आते हैं और उठे हुए २३ प्राणी हैं कुल दोहल
२५ प्राणी हैं। भूलों को माफ करना

आप का विश्वास प्रचारक

Patras Barla Sargidih
Sainmara
Orissa

A-A Encl

Diary for the Months of October and November: 3/XI
(from the 24th of Oct. to the 27th of November) 1958.

Oct. 24+ Cand. J. Kerketta के साथ उरांव भाइयों को प्रचार करने के लिये आमगांव से
" 25 5 मील दूरी पर एक गांव में धर्म-प्रचार के लिये गया था। साम को पुरनापानी मंडली में दृढ़ीकरण वचन सिखाके ता. 25 को आमगांव लौट आये।

" 26&27 } Amgaon में गिर्जा किया और ता. 26 और 27 को घर में रहके पुस्तक अध्ययन
+28 } यन किया।

" 29: Cate. Patras Barla के साथ Masinta में धर्मप्रचार के लिये गया और वहां का गांवटिया श्री नरसिंग हो ने हमसे कहा कि आजकल काम का धुन में सब लगे हुए हैं। कटनी सम्पन्न होने पर सब ही लोगों को इकट्ठा करेंगे तब प्रचार के लिये आईये।

" 30+31: ता. 30 को उड़िया भाषा का स्टडी किया और ता. 31 को जंगड़ा के एक मुन्डा भाई को प्रचार किया।

November 1+2: मेरी छोटी लड़की का Typhoid बिमारी का अरजेन्ट लेटर पा कर उसको देखने के लिये Sambalpur गया। कुछ अच्छा पाने से मैं ता. 3 को नवेम्बर को दुर्गाडिह आया और Cate. Mansidh Baug को कहा कि वह, Kulpal जाके शिक्षा घर आदि के लिये, जमीन का बन्दोबस्त के लिये वहां के प्रचारक कुचिन्दा जाके आज़ी देखकरें।

4— Deogarh होके Barkot आया और साम को Amgaon पहुंचा।

5-12 मैं अपने घर के कामों को सम्भालने और प्रत्येक रात को जंगड़ा के एक मुन्डा मिस्त्री को धर्म्म की बातों को बतलाने का अच्छा मौका मिला, क्योंकि वह काम के लिये आया था, और वह निकट में डेरा किया था। ता. 9 को मैं ईश्वराधना में भाग लेकर।

13-21 मैं अस्पताल के दोलों में जाता था और कभी २ अस्पताल तरफ जाता था। लोग अपने खेत के कामों में फंसे हुए थे। केवल वे जो अस्पताल आते थे उनसे बातचीत कर सकता था और प्रतिदिन पुस्तक अध्ययन करता था।

22— मैं Rev. M. Biruttа को चिट्ठी पाया। उसमें भाई Mansidh Buck सम्बन्ध की बात भी थे। उसकी स्त्री उससे अलग हो गई है। मैं, Candidate बाबु के साथ, दोनों मिल कर मनसिंदु को समझाया कि वह अपनी स्त्री को लाने का यत्न करे।

23- मैं सन्डे स्कूल लेड़कों को देखने के लिये कुम्भरगड़िया गया था। उस दिन सब बच्चे भाग गये थे। इतवार गिर्जा को मैं ने चलाया। उस दिन कटनी पर्व्व और मृतकों का स्मरण दिन मनाया गया। गिर्जा में पुकार किया गया कि आगे को बच्चों का सन्डे स्कूल जरी रखा जावे।

24+25 Jhora Kondhol में किसानों के गांव में घूमने गया पर सब लोग अपने कामों में फंसे हुए थे। ता. 25 को मैं घर में पुस्तक अध्ययन किया और घर के कुछ कामों को किया।

26 Jorabandh के पादी Christopal Kandulna, यहां आने का तारीख बैठाने तथा ~~यहां का~~ Geemark लोगों का व्यवहार के लिये, यहां से प्रभु भोज कटेरा आदि को ले कर लौट गये। मैं चन्डीदात बाबु के साथ उनके साथ था। पादी बाबु ने इसीलिये ही मैं, अनीवार इतवार में यहां आने, तथा सभ्यमन्तों के काम का प्रोग्राम ठहराये हैं।

27. आज मैं अपने टरिंग तथा डायरी रिपोर्ट को तैयार किया। सप्ताह में एक दिन कम्पाउन्ड में रहने हारे लोगों को धर्म शिक्षा देने के लिये Bible क्लास होता है और धर्म सम्बन्धी बातचीत और गीत प्रार्थना भी होते हैं। अर्थात प्रत्येक बृहस्पतिवार साम को किसी एक कोठरी में यह होता है। उसके लिये मैं धर्मपुस्तक से Malachi नबी के पाठ पर ध्यान किया जो तीन सप्ताहों से यह पाठ चल रहा है। इसके पहले Jona नबी तथा Esther का पाठ डाक्टर साहेब Bischoff के समय में तथा उनकी अधिपत्य में हो चुका है।

Amos Aind,
Young Catechist
Bamra Field.
27-11-1958.

Cand. S. Kujur

2/XI

Report of the month of November 1958

1/11 — I went to Chaibasa to meet Rev. H. Closs regarding the new building. Came back to Gua.

2/11 — Conducted Church Service at Gua. Sunday School was conducted. Mahila Samaj did not take place due to another programme. Attended the Sunday School Committee meeting in the evening.

3/11 — One truk of Sand was brought about for building purpose. Supervised the building work. A Child - Samson Horo - six months old - son of Suleman Horo Bajar Dhaura, passed away. I conducted the burial Service.

4/11 — Supervised the building work.

5/11 — Supervised the building work. In the evening took Singing Class for children for Sunday School day celebration.

6/11 — Supervised the building work. Took Singing Class.

7/11 — I went to Nuia to arrange for timbers for new building.

8/11 — Supervised the building work. In the evening went up to Bara Pahar and conducted Church Service.

9/11 — Conducted Church Service at Gua proper. Went to Nuia to bring timbers with some persons.

10/11 — Did gardening work. Prepared the report of the month of October 1958.

11/11 — Supervised the building work. Feeling feverish.

12/11 — Feeling feverish. Consulted with the Sunday School Committee members regarding the programme of Sunday School day celebration

13/11 — Visited Upardhaura and Bajar Dhaura

14/11 — Went to Nuia for timber. In the evening attended Singing Class

15/11 — Supervised the building work. Prepared a programme for Sunday School day celebration.

16/11 — Conducted Church Service at Gua. After Church Service Sunday School day celebration started. I conducted the service. After the Service the Sunday School children were taken examination and Prizes were given to the successful ones.

17/11 — Supervised the building work. I went to Barai Buru and came back.

18/11 — Supervised the building work.

19/11 — Supervised the building work.

20/11 — Supervised the building work. In the evening visited Gua Sai.

21/11 — Supervised the building work.

22/11 — Supervised the building work. Went up the Top mountain ~~and~~ visited Helej Hating and conducted Prayer meeting. Went to Jhandi Buru and Conducted Church Service.

23/11 — Conducted Church Service at Bakal Hating and at Gua proper.

24/11 — Did gardening work.

25/11 — Went to Nuia village and visited a Christian family. There is another family there the members of which bear Christian names. I went to that family too and talked ~~about~~ with the head of the family. He told that they had Christian names but not baptised. Further he said that he should not go to Church because he ~~would~~ was a Bonga worshiper.

26/11 — Went to Nuia for timber. In the evening went to Gua Sai and Upar Dhaura.

27/11 — Supervised the building work.

28/11 — Supervised the building work.

29/11 — In the morning did gardening work. Rev. C. V. Dang came to Gua ~~for~~ on ~~tour~~. on his pastoral tour.

30/11 — Church service was held at ~~the~~ one place, - at Christ Church Gua. Rev. C. V. Dang Conducted the Church Service. In continuation of the Service

(a) One girl named Marsa Kandulna was received into the G-E-L. Church from S.P.G. Mission.

(a) Three girls took Confirmation.

(c) Seven persons — Three male and four female — were kept into Chhoti Saja (Excommunication) - due to unlawful way of living together. (Rakhna-Rakhni).

(d) Eleven Children of Christian parents were given baptism.

(e) Three Dharam Khojak Children were baptised. The following are their names —

(1) a Girl - Christ Elanti Rahil Barjo — about six years.

(2) a boy - Christo Seleeyan Umlelan Barjo " three "

(3) " " Christ Uday Nathaniel Barjo about one year.

They belong to Gua Bara Pahar.

(f) Lord's Supper was ~~this~~ held. There were 61 men and 59 women participated the Lord's Supper.

S. Kujur.
4.12.58.
G-E-L. Church Gua.

Monthly Reports

October 58. Prachanika (I). Khalkho

Date	Sector No.	Quarter No.	Members.	Amdani	Place	Subjects	Remarks.
1/10/58	–	–	–		Sick		
2/10/58	20	C1/10B	1 + 5		मिस्ट्रेस के घर में		
3/10/58	19	C1/54B	13 + 8		नर्स के घर में		
4/10/58	18	C1/1A	4 + 3		नुनास तिड्डू के घर में		
5/10/58	18	–	10	Rs. A. P. 4-5-0	महिला सामाज	राऊरकेला में थोड़े ही दिन हुए है बहिन सामाज चला रहे है पर जैसा होना चाहिये नहीं है।	
6/10/58	18	–	–		बिमार भाई के पास गयी थी केवल प्रार्थना किई		
7/10/58	6	–	11 + 9		पावल तिर्की के घर में		
8/10/58	5	–	45 + 20		मोहन के डेरे में		
9/10/58	18	–	–		बिमार बहिन के पास गयी थी केवल प्रार्थना किई		
10/10/58	–	–	9 + 13		(लोकोशेड) मिंज बाबू के घर में		
11/10/58	18	C1/45	2 + 4		जोन कुजूर के घर में		
12/10/58	–	–	–		Sick		
13/10/58	3	–	10 + 2		(नाहिराबाध) याकुब दर्जी के डेरे मे		
14/10/58	–	–	5 + 3		(हमीरपुर)		
15/10/58	20	C1/10B	3 + 5		मिस्ट्रेस के घर में		
16/10/58	19	C1/45B	8 + 3		नर्स के घर में		
17/10/58	18	–	5 + 16		(पुरनापानी) निज स्थान में		
18/10/58	–	–	10 + 12		(लोकोशेड) मिंज बाबू के घर में		
19/10/58	–	–	9		(राऊरकेला) महिला सामाज		

23/X

Date	Sect. No.	Qur. No.	Members	Amt. Jami	Place	Subjects	Remarks.
20/10/58	18	-	-		बिमार भाई के पास गयी थी		
21/10/58	20	C/633	2 + 2		पतरस होरो के घर में		
22/10/58	5	-	30 + 16		योहन के डेरे में		Monthly Amdani एक साथ
23/10/58	6	-	6 + 3		हाबिल तिर्की के घर में		
24/10/58	18	-	7 + 18		(फुरनापानी) निज स्थान में		
25/10/58	18	C/1A	4 + 5		जुनास तिड्डू के घर में		
26/10/58	18	-	8	Rs. A. P.	महिला समाज	फुरना पानी में बहिन समाज है पर जैसा होना चाहिये नहीं है।	
27/10/58	-	-	1	4-5-0			
28/10/58	-	-	11 + 5		(उड़कुम) प्रार्थना केवल किई (बर्माशैल) प्रापोस केरकेटा के डेरे में		
29/10/58	-	-	6 + 4		(महुलपानी) डाग बाबू के डेरे में		
30/10/58	-	-	6 + 8		(लोकोशेड) मिंज बाबू के घर में		
31/10/58	-	-	2 + 3		(उदित नगर) मिंज बाबू के घर में		D. Khalkho 13-11-58

October 58. Y. Rerketta.
ओक्टोबर २६ ५८

21/X

तिथि –	काम –
१४-१०-१६५८ —	दृढ़ापन्न पाठ कुम्हारगड़िया में ।
१५-१०-५८ —	बैप्टा पाठ तैयारी ।
१६-१०-५८ —	बैप्टा पाठ अम्बगाँव में ।
१७-१०-५८ —	दृढ़ापन्न पाठ पुरनापानी में ।
१८-१०-५८ —	पाठ तैयारी ।
१९-१०-५८ —	छुट्टी ।
२०-१०-५८ —	पाठ तैयारी ।
२१-१०-५८ —	दृढ़ापन्न पाठ कुम्हारगड़िया में ।
२२-१०-५८ —	बैप्टा पाठ तैयारी ।
२३-१०-५८ —	बैप्टा पाठ अम्बगाँव में ।
२४-१०-५८ —	धर्म प्रचार सिरखोमपली में + दृढ़ापन्न शिदा पुरनापानी में ।
२५-१०-५८ —	पाठ तैयारी ।
२६-१०-५८ —	गिरजा अम्बगाँव में ।
२७-१०-५८ —	बैप्टा पाठ तैयारी ।
२८-१०-५८ —	दृढ़ापन्न पाठ (शिदा) कुम्हारगड़िया में ।
२९-१०-५८ —	बैप्टा पाठ तैयारी ।
३०-१०-५८ —	बैप्टा पाठ अम्बगाँव में ।
३१-१०-५८ —	दृढ़ापन्न पाठ (शिदा) पुरनापानी में ।

यासु व केरकेटा क०
१-११-५८.

October

21/X

तिथि	काम
४ —	बस्मा छाँटना
५ —	राँचे ला जाना + कन्डीडात प्रभु कर मिजस मुलाकत।
६ —	राँचेला से राजगांगपुर सिनोड प्रेशीडेन्ड के पास।
७ —	राजगांगपुर में ठहरना।
८ —	राजगांगपुर से राँचेला पहुँचना।
९ —	अम्बगाँव पहुँचना।
१० —	पुरनापानी पहुँचना।
११ —	सिरखोमपली के आदिवासीन भाइ बहनों से मिलना औ उनके बीच प्रभु को प्रगट करना।
१२	पुरनापानी मण्डली में गिरजा करना।
१३	पुरनापानी से अम्बगाँव लौटना औ रिपोर्ट तैयार करना।

Xavella Candidat
C. E. L. Church Hospital
Ambgaon.

September 21/IX

तिथि -	काम
१७ —	अम्बगाँव पहुँचना ।
१८ —	आराम करना ।
१९ —	फार्मी भरना औ चस्मा बाँटना ।
२० —	गिरजा के लिए तैयारी ।
२१ —	अम्बगाँव में गिरजा करना ।
२२ —	चस्मा बाँटना
२३ —	बैस्त पाठ तैयारी (एस्थर अध्याय ७)
२४ —	एस्थर अध्याय ७ का शिक्षा देना ।
२५ —	चस्मा बाँटना + गिरजा पाठ तैयारी
२६ —	" " + पुरनापानी पहुँचना
२७ —	संसारी भाइयों के बीच प्रभु को प्रकाश करना खुटबहाल और बाम्हनीडिह में ।
२८ —	गिरजा करना + खुटबहाल में प्रभु को संसारियों के बीच में प्रकाश करना ।
२९ —	पुरनापानी से घर लौटना ।
३० —	बैक्का पाठ तैयारी (एस्थर अध्याय ८)

October

१ —	एस्थर अध्याय ८ का शिक्षा देना ।
२ —	~~देवगढ~~ देवगढ़ पहुँचना और रहना ।
३ —	देवगढ़ से अम्बगाँव लौटना ।

P. T. O.

Oct.58. A-Soy बोंगाजंगा मिशन फिल्ड का रीपोर्ट। 20/X.
अक्टोबर महीना १९५८।

मान्यवर J. Soy को योशुसहाय — आप को इस महीने का रीपोर्ट भेजता हूं, सो कृपया ग्रहन करेंगे।

ता: १-१०-५८ को चक्रधरपुर गया, दोरेफा हेम्ब्रोम से झुरबुड़ा बोआस के कन्या विषय बात चीत की और रीपोर्ट लिखने और भेजने का कायदा पुरा पुरी जानने के लिये दोरेफा से बातचीत किई। जाते समय झुरबुड़ा में रहा सांझ को वहां सापरिवार मिल के समाज किन्ती हुई।

ता: २-१०-५८ को बिहान को मोसोडीह गया वहां भी सापरिवार मिल के किन्ती हुई और गिर्जा आने जाने के बारे उनको समझौता दिया गया। उसके बाद स्कूल समय बड़ेडीह आया और स्कूल चलाया॥

ता: ३-१०-५८ को स्कूल चलाया। ता: ४, १०-५८ को स्कूल चलाया॥

ता: ५-१०-५८ को रतवार गिर्जा चलाया। ता: ६-१०, ५८ को मोर्निंग स्कूल चलाया दुसरी बेला बजार गया। बारा: आंगा के कारो से भेंट हुई वह बोला कि हम तो रौड़केला में रहते हैं, और वहां तो बनाकर गिर्जा करते हैं, और मेरा भाई को भी खृस्तान मत पर चलने को राजी है, सो आप एक दिन जरुर जा लीजिये। उसके कहने के अनुसर झुरबुड़ा बोआस - नरमा के साथ जाने का तारीख दिये।

ता: ७-१०-५८ को स्कूल चलाया स्कूल के बाद डाकगाड़ी टुर गया, वहां सांझ को सापरिवार मिलके सांझ के अराधना वचन के साथ गिर्जा चलाया। ता: ८-१०-५८ बिहान को बड़ेडीह आया और स्कूल चलाया ता: ९-१०-५८ स्कूल चलाया। ता: १०-१०-५८ को स्कूल चलाया स्कूल छुट्टी हो कर सांझ २ को झुरबुड़ा बोआस के साथ बारा: आंगा धर्म प्रचार करने को गये। वहां गोवा नाम आदमी से और दो तीन आदमीयों से धर्म की बातों से समझौता दिया गया। ता: ११-१०-५८ को मैं स्कूल चलाया।

ता: १२-१०-५८ को रतवार गिर्जा चलाया। ता: १३-१०-५८ को मोर्निंग स्कूल चलाया, और बेला बजार गया, बजार में नकरी प्रचारक और सिसिना प्रचारक के साथ भेंट हुए और फिर के बारा: आंगा के भाईयों को धर्म शिक्षा देने के लिये राय किये और १४-१०-५८ को धर्म प्रचार के लिये ता: ठहराय। ता: १४-१०-५८ को स्कूल चलाया स्कूल छुट्टी के बाद सांझ २ को तारीख अनुसर बारा: आंगा धर्म प्रचार करने के लिये गये और तीनों प्रचारक से वहां के लोगों को धर्म की बातों को समझाय। ता: १५-१०-५८ को तीनों प्रचारक मिल के हुंडगदा: कुना के घर में गये वहां फोटो के दिसा का विड़ी खरखाने वालों को प्रचार किये उसके बाद गुमानसई के मंगता के घर में भी धर्म प्रचार किये और वहां के विड़ी बनवाने वालों के पास भी गये वहां भी फोटो द्वारा से खृस्तान धर्म की बातों का समझौता दिये॥

ता: १६-१०-५८ को स्कूल चलाया। ता: १७-१०-५८ को स्कूल चलाया।

ता: १८-१०-५८ को स्कूल चलाया। ता: १९-१०-५८ को रतवार गिर्जा चलाया

ता: २०-१०-५८ को बिहान स्कूल हुआ दुसरे बेला बजार गया।

ता: २१-१०-५८ को स्कूल चलाया। ता: २२-१०-५८ को स्कूल चलाया

ता: २३-१०-५८ को स्कूल चलाया, स्कूल छुट्टी के बाद डाकगड़ा टुर करने को गया, सांझ को सापरिवार मिल के किन्ती समाज हुआ।

ता: २४-१०-५८ को स्कूल चलाया। ता: २५-१०-५८ को स्कूल चलाया।

ता: २६-१०-५८ को पवित्र प्रभुभोज गिर्जा हुआ गिर्जा बाद सांझ को मान्यवर - पादरी J SOY - प्रचार प्रभुसहाय तोपनो, जो सिसिवा प्रचारक के साथ आरा! आंगा गांव में धर्म प्रचार किये विहान को हमने गोदा को धर्म की बातों को सिखाने के लिये कहा, वह २-११-५८ से गिर्जा जाने का जबाब दिया। ता: २७-१०-५८ को बजार गया, ता। २८-१०-५८ को स्कूल चलाया। ता: २९-१०-५८ को स्कूल चलाया। ता: ३०-१०-५८ को स्कूल चलाया। ता: ३१-१०-५८ को के विहान को दोयोहातु गांव गया वहां के नोला और लुकोन धर्म खोजक होने को बोलते हैं, वे आने वाला इतवार को धर्म की बातों को समझने के लिये आने को कहे हैं।

सेप्तेम्बर और कोक्तोबर का गिर्जा आमदनी हिसाब ऐसी है —

सिनी	१।।७)।।+
बट सिनी	२ ≡)
कटनी दान	१।। ≡)
प्रभुभोज दान	।। ≡)।
आस्तान दान	≡)।४
राजपब्धे दान	≡)॥
जमा	६।।≡)।।।

ता: २६-१०-५८ को आस्तान या पर गड़बड़ी के कारण में आप को नहीं जनाया पैसे — बालक का नाम युसफ हस्सदा: गांव दोयोहातु थाना ईद
मा बाप का नाम — एसी हस्सदा: और पौलीन
धर्म मा बाप का नाम — दाऊद तोपनो और फूलमनी गांव बाकगाड़ा।
बालक का जन्म ता: २८-६-५८। आस्तान ता: २६-१०-५८।

लि० आप लोगों का आज्ञाधीन सेवक प्रचारक —
अन्तोनी सोय बोंगजांगा मिशु फिल्ड।
पो० ओ० केरा डिस्ट० सिंहभूम - बिहार।

Och.58 S. Dang. १९५८ ओक्टोबर महिने की डायरी।

१-१०-५८ को जाम्माल के नये खृस्तान सब अपने बांस में मृत्यु होने के कारण शोकित थे, उन को ईश्वर के बचनसे शान्ति दिलाया। 19/X

२-१०-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
३-१०-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
४-१०-५८ " " " " "
५-१०-५८ " गिर्जा किया और जोटिया डीह में यीशु मसीह को उद्धार-कर्ता कर के लोगों को समझाया।
६-१०-५८ " मेरा बेटा बिमार हुआ उस का सेवा में था।
७-१०-५८ " जाम्माल में बचन सिखया।
८-१०-५८ " बलन्डा में एक नया धर्म खोजक बहिन को ईश्वर के बचन से शान्ति किया।
९-१०-५८ " बलन्डा में एक नया खृस्तान के घर में बिन्ती किया।
१०-१०-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
११-१०-५८ " मोहिजोर में खृस्तानों के घर में बिन्ती किया।
१२-१०-५८ " गिर्जा किया।
१३-१०-५८ " लोद्रोपाल में संसार भाई बहिनों को समझाया।
१४-१०-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
१५-१०-५८ " धुनधुसा का एक उल्टा हुआ खृस्तान भाई के साथ धर्म बिषय बात चीत किया।
१६-१०-५८ " जाम्माल में एक बिमारी को प्रार्थना और दवा द्वारा सेवा किया।
१७-१०-५८ " कुलपाल में नये खृस्तान को संसार भाई बहिनों को समझाया।
१८-१०-५८ " प्रचारक इस्राएल कुजुर का बेटा बिमार हुआ उस को दवा और प्रार्थना द्वारा सेवा किया।
१९-१०-५८ " कोलापाठ में गिर्जा किया।
२०-१०-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
२१-१०-५८ " बलन्डा के संसार बहिनों को सुसमाचार सुनाया।
२२-१०-५८ " संसारों के घर में प्रार्थना द्वारा एक रोगी को सेवा किया।
२३-१०-५८ " धुनधुसा के उल्टे हुए खृस्तानों को समझाने गया था।
२४-१०-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
२५-१०-५८ " " " " "
२६-१०-५८ " गिर्जा किया।
२७-१०-५८ " एक दुखाली धर्म खोजक को प्रार्थना और दवा द्वारा सेवा किया।
२८-१०-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
२९-१०-५८ " " " " "
३०-१०-५८ " " " " "
३१-१०-५८ " " " " "

Cate. Simon Dang
G. E. L. Church Kulpail.
1-11-1958.

J. Kandulna

अक्टोबर महीने का रिपोर्ट -१९५८

16/X

१-१०-५८ को मैं जासिपुर आया था
२-१०-५८ को मैं घर में था
३-१०-५८ को मैं कुदागुड़ गया था दोजना को पचर किया
४-१०-५८ को मैं कुदागुड़ में था
५-१०-५८ को मैं कुदागुड़ से सरुदा आया था और सरुदा में गिरज किया
६-१०-५८ को मैं मोका को गाड़ी गया था मोकाबाड़ी में पचर कराने वाली साका
७-१०-५८ को मैं गोपिनाथपुर गया था एक बाईगा को पचर किया
८-१०-५८ को मैं सरुदा आया गाया था
९-१०-५८ को मैं मोहाड़ा गया था में काम नाही हुवा
१०-१०-५८ को मैं गिपीड़ा गया था बाईमों को समजेया और उदा राह गया
११-१०-५८ को मैं सरुदा आया था
१२-१०-५८ को मैं सरुदा में गिरज किया
१३-१०-५८ को मैं सरुदा से जासिपुर गया था
१४-१०-५८ को मैं जासिपुर में बजार किया
१५-१०-५८ को मैं जासिपुर से सरुदा आया था
१६-१०-५८ को मैं भुड़ाबलों गया था तिन जन को पचर किया और भुड़ाबलों से डुडुकमाफ गया था
१७-१०-५८ को मैं डुडुकमाफ में राह गया था
१८-१०-५८ को मैं डुडुकमाफ में था
१९-१०-५८ रविवार को मैं गिरज किया गिरज कि बादे मैं सरुदा आया
२०-१०-५८ को मैं सरुदा से रंगामाटियागया था
२१-१०-५८ को मैं रंगामाटिया से मारीपदा गया पाड़ी मारू के साते
२२-१०-५८ को मैं रंगामाटिया से सरुदा आया
२३-१०-५८ को मैं घर में था
२४-१०-५८ को मैं कुकुरकूका गया था काम नाही हुवा
२५-१०-५८ को मैं गिपिड़ी गया था
२६-१०-५८ को रविवार को मैं सरुदा मे गिरज किया
२७-१०-५८ को मैं कुदागुड़ गया था तिन जन को पचर किया
२८-१०-५८ को मैं कुदागुड़ में था और कुदागुड़ से आरसता कुलिवार तोरव गया था मुड़ा के से चतेविके क तिया
२९-१०-५८ को को मैं सरुदा आया
३०-१०-५८ को मैं कोरामापुर गया था और आरसता कुवा गया काम नहीं हुवा आरस कुवार में वसा किया
३१-१०-५८ को भी आरस कुवार मे राया

जुस्का बंदना ता० २-११-५८

Oct. 58 Rev. H. Tuti.

18/X

अक्टोबर का रिपोर्ट

१-१०-५८ - ९-१०-५८, मेरी पादरीयाइन की तबीयत अच्छी न थी इस कारण उसकी सेवा में घर से कहीं बाहर जाने नहीं सका। घर का काम किया, फिर लकड़ी चीरने वाले कुलियों का देखरेख में समय बिताया।

११-१०-५८ को किसोन डाही गांव के स्कूल में लोगों को प्रचार किया।

१२-१०-५८ को रंगामाटिया से पुडुलिया हो कर बरसोल गया था। वहां प्रभु भोज गिर्जा चलाया।

१३-१०-५८ को बरसोल से चोइनीसोल गांव खाने में सारा दिन बिताया।

१४-१०-५८ को चोइनी सोल से चंगड़ी गांव खाने में सारा दिन बिताया।

१५-१०-५८ को चंगड़ी से गुड्डीग्राम गया था।

१६-१०-५८ को गुड्डी ग्राम के S.P.G. भाई बहिनों को लूथेरान मंडली में ग्रहण करने का कार्य्य किया।

१७-१०-५८ को गुड्डी ग्राम से भालुकुड़िया गांव गया था।

१८-१०-५८ को चंगड़ी में प्रभु भोज गिर्जा चलाया।

१९-१०-५८ को चोइनी सोल में प्रभु भोज गिर्जा चलाया।

२०-१०-५८ को चोइनी सोल से पुडुलिया खाने में समय बिताया।

२१-१०-५८ को पुडुलिया में प्रभु भोज गिर्जा चलाया।

२२-१०-५८ को पुडुलिया से रंगामाटिया खाने में समय बिताया।

२३-१०-५८ को कहीं नहीं गया था।

२४-१०-५८ को बारियदा के खिस्तान भाई बहिनों को देखने गया था।

२५-१०-५८ को घर में रहा। रंगामाटिया के भाइयों को प्रचार किया।

२६-१०-५८ को गिर्जा किया। कहीं नहीं गया था।

२७-१०-५८ को रंगामाटिया में एक मसीही घराने में बपतिस्मा था। इसी उत्सव में सारा दिन बिताया।

२८-१०-५८ - ३१-१०-५८ तक मेहमानों के संग घर में रह कर समय बिताया।

H. Tuti

5-11-58

Oct. 58. P.C. Minz. 17/X

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L TH. *Joint Secretary*— MR P. DANG, B. A.
Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B A. *Treasurer*— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref: *Dated* 17: XI: 58.

To

The Secretary,
J. M. B. Chaibassa.

Dear Sir,

I am sorry that this time I was bit late to submit my monthly report. I am thankful to you for your kind favour to send my pay in time. Regarding the refunding of money the last of books I have to let you know that books ~~are~~ not ~~sold yet~~ sold. But we are to send the previous balance soon.

I suppose the President must have informed you regarding the acquisition of plots for the church Compound. He told me that he was going to convey a meeting ~~of them~~ at Rourkela in this month.

During the month of October 4 men and women were excommunicated on account of keeping Concubins.

We have already started Sunday

Schools at ~~two~~ places namely Durmapani and ~~Rourkela~~. Though there are lot of difficulties to gather together the children - they live in different colonies - I do hope the class will go on regularly.

Oct. 1 - Durmapani (See. K) ~~for~~ prayer meeting with a ~~short~~ sermon

" 2. Tarkera, Modern Indian Construction and Azad Hind colony also with two other gentlemen. We had a conference meeting at Azad Hind colony.

" 3. I visited the people in German Hospital Compound in the evening.

" 4. Tamjerpali along with our ~~Sr~~ Secretary & the local Congregation.

" 5. Sunday Services -
Rourkela — S. Tiga
Bilonili — M.D. Tiru.
Salian colony — "
Harvest thanksgiving — with German Congregation.
Kenili Sermon - V. C. Minz
Junior Service — Mr. Dati.

" 6. Sector 19 and Public sector.

X " 7. Rourkela — I ~~told~~ preached & a Christian family.

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH. *Joint Secretary*— MR P. DANG, B. A.
Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B A. *Treasurer*— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref: *Dated*.....

Oct. 8. — Ashirabad, Sector 4 & 19.
" 9. Durgapur, Lukoon Colony and Tangerpali.
" 10. I tried to meet the Resident Director H.S.P.L. in his office regarding our the application of our C.C. Secretary.
" 11 Sector 1— Lords Supper. 15th. Rev. C. B. Hind.
" 12. Sunday services —
Milsnile - M Bage.
Lukoon Colony. Rev. Hind.
Rourkela — P.C. Minz
Public Sector - D. Kondulna.
Union service — Rev. Das.
Durgapur — J. Bara.
Lords Supper — in the evening.
Baptism — at Loro shed.
" 13. Lukoon Colony Hospital compound, Tangerpali & Loro shed.
" 14. Lamposh.
" 15 Lamposh & Kharsadipper

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH. *Joint Secretary*— MR. P. DANG, B. A.
Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B. A. *Treasurer*— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref: *Dated*.....

Oct 28. Sept 16. I visited a sick woman at Nakulpali. Two others accompanied me.

" 29. Labour Colony and the new house.

" 30. Labour Colony and Laltendy.

" 31. Silent side Colony. Rev. Tigga President came here from Nagpur. & we both went to Dr. Jensen residence at night. Presidents left Rourkela on the following day.

X. Checks are the inhabitants in Orissa specially in Sundergarh District. ~~A Chief~~ one of the Chiefs told me there is great possibility that the Chiefs with Convert into

Christianity. He is inclined to become Christian. ~~Every day I hear~~

The christian people of Milomiti now settled at Gwadish. The Sunday services are held not at Milomiti but Gwadish.

Let me know your remarks in the my monthly report. Any suggestion will be thankfully accepted.

A good chance is drawing near to meet you on the dedication day of the Zarekudan Church.

With best regards,

Yours faithfully,

J. Klinn

Oct. 58 — M. Bara.
अक्टोबर १९५८ — 15/X

ता. १ घर में था
२ ता को सिगदी में
३ ता को खुडरी कोचा साम को पहुचा
४ ता. स्कूल शुरु किया
५ ता- गिर्जा.
६ ता स्कूल
७ ता स्कूल में
८ ता " "
९ " " "
१० ता. " "
११ ता " "
१२ ता गिर्जा घर मधुमाखर बजार गया
१३ ता: स्कूल में
१४ ता " "
१५ ता - " "
१६ ता
१७ ता: " "
१८ ता:
१९ ता को गिनी किया मुसाबनी गया था।
२० ता: स्कूल
२१ ता: " में गैर किचर में टोलो में घूमा करता था
२२ ता: स्कूल में
२३ ता: " "
२४ ता: " "
२५ ता:
२६ ता= गिर्जा घर बजार गया।
२७ ता: को स्कूल में
२८ ता: " " "
२९ ता: " " "
३० ता " " "
३१ ता " " " हर रोज स्कूल में गुरुजी खृस्तान बच्चो को बचन सिखाता: गुरुजी समझाता है। गैर बाद में बड़ा ले धर्म के विषय बात चित करता है।

मैं गुरुप लोगो का विश्वस्त
मनोहर बाड़ा-६-११-५८

October 58. J. Surin

Catechist J. Surin (vill) Sirbaha Ke October 1958 Ki Riport. 3-11-1958.

14/X

1-10-1958. दो व्यक्ति का दवा बनाया। तथा कुष्ठित तुका के एक टोन्हा को प्र: वा: २१: ८ और प्र: वा: २२: १५ को खोल कर उस को प्रचार किया। १० व्यक्तियो को पढ़ाया।

2-10-1958. झरांड़ा में १५ जनो को तथा पतासाई में १० जनो को प्रचार किया T.A.0-4-0 ५ जनो को पढ़ाया।

3-10-1958. रिपोर्ट तैयार किया तथा बाजार गया। ५ जनो को पढ़ाया।

4-10-1958. वचन तैयार किया तथा एक हिन्दु को प्रचार किया। कोई पढ़ने नहीं आये।

5-10-1958. दमुड़ी में गिरजा चलाया। एक नया जन गिरजा में सामिल हो गया और चार जनो की बपतिस्मा की आज्ञा है।

6-10-1958. २५ जनो को प्रभु का वचन सुनाया तथा ५ जनो को पढ़ाया।

7-10-1958. दवा कोड़ा और एक बहिन को दवा बनाया। ५ जनो को पढ़ाया।

8-10-1958. जमीन के लिये इधर उधर घुमा और पूछ पूछ किया पर कोई देने नहीं चाहे तथा एक तरफ (खास) दमुड़ी नाले देने चाहे पर मैं मंजूर नहीं किया चूंकि टोंगरी तथा किनारे हैं। कोई पढ़ने नहीं आये।

9-10-1958. वाइ. S. Topno को क्वार्टर के बारे बुलाये थे और दाऊद सिंह के घर के पास क्वार्टर बनाने का फैसला किया।
दुलमू हो के घर जा के दुलमू को अच्छी तरह धर्म के बारे समझाया वह भी धर्म में आने की राय दिई और यह भी धमकाया कि तुम्हारे कोई भाई धर्म में आवें तो न रोकना नहीं तो तुझे ईश्वर निश्चय दराड़ देगा।

10-10-1958. खाट से उठते दम मुझे एक भाई अपनी बच्चे को इलाज के लिये बहुत जुल्म के साथ ले गया। प्रभु के कारण मुझे उत्तर करना न बना और मैं जा के दवा बनाया तथा उन को (मां-बाप) नरक और स्वर्ग बारे बताया। नरक में कौन लोग रहते हैं तथा इन दोनो के बारे पूरा २ बत लाया दोनो के मन में डर हो गया कोई मुझे बहुत तकलीफ ठठाना पड़ा तथा भोजन के लिये बाहर जाना खर्चा किया T.A-0-12-0

11-10-1958. कुष्ठित तुका गया वहां एक रोगी को दवा बनाया जो को जादुगर है।

12-10-1958. दमुड़ी में गिरजा चलाया। गिरजा बास और वहा के कारखाना में १५ जनो को प्रचार किया।

13-10-1958. डोम्बरा गया। रोगी वहीं दवा से अच्छा हो गया था तथा मां-बापो को प्रचार किया। वहां से निश्चित पुर के बिहारो को बड़ी जोस के साथ प्रभु का वचन सुनाया। वहां से झरांड़ा गया वहां भाईयो से खबर मिली को हम लोग धर्म में आने चाहते हैं सो आप दोनो कल ग्राम को। क्या जाइये। वहां से भोर को रा होते हुए घर लौटे T.A. खर्चा 0-4-0

14-10-1958. विहान को ६ जनो को पढ़ाया तथा ७ जनो को प्रचार किया। को ग्राम को झरांड़ा में अन्तिम महा विचार के बारे वहां के भाईयो बताया तथा ४ घर के लोग धर्म में आने को वचन दिई।

T.A 0-12-0

15-10-1958. डुरंगढ़ा में १५ व्यक्तियों को और गोमासाई में ३० मर्द+औरतों को तथा रंगरोंग में ३० हिन्दु बुन्हारों को प्रचार किया तथा आस2 को घर लौटा।
T.A - 0-4-0 - आम को ५ जनों को पढ़ाया।

16-10-1958. ५ व्यक्तियों को धर्म के बारे समझाया तथा ६ जनों को पढ़ाया।

17-10-1958. बाजार गया तथा दो जनों को पढ़ाया।

18-10-1958 पाठ की तैयारी था तथा रात को १० जनों को पढ़ाया।

19-10-1958. दमुड़ी में गिरजा चलाया।

20-10-1958. तेन दा: गया वहां के भाई को बहिन गिरजा आना छोड़ दिये थे उन्हें समझाया।

21-10-1958. कुड़ित तुका गया वहां दवा बनाया।

22-10-1958. एक भाई के साथ दवा कोड़ने जंगल गया तथा दो भाइयों को रात को चार प्रकार की भूमि की बीज के बारे समझाया तथा पढ़ाया।

23-10-1958. चक्रधर पुर गया।

24-10-1958. बाजार गया तथा दो जनों को पढ़ाया।

25-10-1958. Rev. J. Joy के साथ घुमा।

26-10-1958. बड़ी डीह में गिरजा किया तथा साम को अरांड्रा के भाइयों को धर्म के बारे समझाया। दो भाई परिवार सहित धर्म में आने को वचन दिये।

27-10-1958. अरांड्रा से राजा पारोम आया वहां के दो भाईयों को धर्म के बारे समझाया। वहां से 12 बजे कोड़ का होते हुए लौटे T.A - 0-4-0

28-10-1958. दवा बनाया तथा ५ जनों को पढ़ाया।

29-10-1958. दवा खरीदने चक्रधर पुर गया तथा दो जनों को पढ़ाया।

30-10-1958. २ व्यक्तियों को पासिया के कारखाना में धर्म के बारे समझाया।
५ जनों को पढ़ाया।

31-10-1958. बाजार तथा पोष्ट ऑफिस गया। पोष्ट ऑफिस में रु. न होने के कारण रु. न मिला।

Note-(क) मैं बीज क्वार्टर में रह का बेकार में नहीं रहता हूं कोई एक पोईन्ट ले के भाइयों को समझाने को कोशिस में रहता हूं।

(ख) दो जवान तथा दो भाई बहिन और कई बच्चे धर्म खोजक हैं।

(ग) तीन परिवारों को धर्म में आने की मुझे पूरी आशा है।

(घ) एक भाई जमीन दे रहें हैं पर नहीं देखा हूं। फिर दूसरा भाई अपनी बीज घर पूरा समान सहित को कुछ वारी ४०० में दे रहा है पर दाऊद सिंह विरोध करता है किसको लें। अपनी बीज जमीन की जगह की दाम भी नहीं बताया हैं क्या उपाय करें किं तैयारी मकान को लें। मैं तो तैयार मकान को भी खुश हूं वह खास बीजी वहां में है डाबू के भाई माड़को का घर है जो धर्म में प्रवेश किये थे जहां बड़ी कारखाना है और जिसमें आनी आदमी हैं। इसके बारे मुझे जवाब दें यह एक छोटा घर है।

T. A. Bill for The month of October 1958.

2-10-1958. Sisibahato Arango - 0-4-0 Tea
10-10-" " " Dombro - 0-12-0 food
13-10-" " " Nichitpur 0-4-0 Tea
14-10-" " " Arango 0-12-0 food Night
15-10-" " " gomasaie 0-4-0 Tea
27-10-" " " Rajaparom 0-4-0 Tea
2-8-0

Rs Two and eight Annas only

Yours faithfully
Bailey Johan Surin

October 58 P. S. Topno

13/X

नकटी जोईन्ट मिशन बोर्ड का रिपोर्ट

ता. काम का जगह — अक्टोबर १९५८

१ कुईद तुका गया एक भगत को तारा और न्याय के विषय सुनाया प्रकाशित वक्य २१, ८ से.

२ — — लोरंगा गया उसको समझाया। वहां १५ जनों को सुसमाचार सुनाया और न्याय के विषय भी।

३ — — बाजार किया

४ पाठ तैयार किया।

५ गिरजा हुआ।

६ एक इम्पेट्टा के साथ चाईबासा गया

७ घर में काम हुआ।

८ कुइतुका एक बिमारी को सेवा के लिये गया

९ शीशी वहा गया वहां दुलमु हो को तारा और न्याय के विषय सुनाया प्रकाशित वक्य २१-८ से

१० — बाजार किया

ता० काम का जगह

११ — कुईद तुका में ४ मुन्डा भाइयों को सुसमाचार सुनाया और यूतों के विषय समझाया

१२ — — गिरजा हुआ

१३ निश्चौन्तापुर गया वहां खदौ भाइ ये ४ विद्यार्थियों को सुसमाचार सुनाया और एक कथाऊराइ को और वहां से कोटमकोर। प्रचारक के साथ बात करने का

१४ लोरंगा वहां रात का ठहरा और १५ जनों को समझाया और वहां करीब पाच घर का धरम खोजक होने का बात मिला

१५ — दूरंगदा गया वहां १० जनों को तीनों प्रचारक मिला का सुसमाचार सुनाया।

फिर गुमान साई में दो जगह समझाया और स्त्री पुरुष मिल का २० से ऊपर थे

ता॰ काम की जगह

१५ को॰ रंगरोंग में गौड़लोगों को सुनाय
करीब २५ जन थे यीशु ईश्वर का पुत्र है
उस सच्चा ईश्वर है इस के विषय
समझायागया।

१६ चक्कर पर पर गया जरूरी काम का

१६ बाजार किया।

१८ घटकवेरा भाईयों को देखने गया
वहां छोटी गिरजा हुई को एकहफ्ता
के साथ प्रार्थना हुई।

१९ गिरजा हुआ

२० तेन्दा के भाइयों को समझाने गया
दोनो प्रचारक।

२१ बिमारी को देखने के लिये कुछ
रुका गया।

२२ चक्कर पर पर जरूरी काम के लियेगया

२३ घर का काम किया।

२४ शोशी वहा गया पादी के साथ

२५ शोशीवहाये भाइयों से बतचीत
हुई। जगह सम्बन्धी

ता॰ काम की जगह

२५ ता॰ खुलासे वेला सरगाड़ागये।

२६ को बोगा जंगा में गिरजा किया
रात को लांगा लाये बड़ी भाइयों को
लाय जो धर्म में खोज होने वाले हैं उनसे
बात चीत हुई। को खुलासा भी
सुनायागया
और एक घर तुरत ही धर्म खोजक होने
का राय दिया को लन्तोनी प्रचारक को
इस में उसको वचन सीखने के लियेसे
सोंपागया।

२७ को बड़ी से राजा चरोम लाये को
बीमार हो को न्याय को चारा
का भी खुलासा चार सुनायग।

२८ से ३१ तक घर में रहा

Submitted-Cole. P. Zomo
4-11-58

October 58 J. Topno

12/X

बैबेड़ा जोइन्ट मिशन बोर्ड का रिपोर्ट ।

श्री महमन्यवार पादरी जेः सोम श्रीयुसहाय ।

अक्टोबर का —

ताः १ घर का काम किया ।
२ बजार किया ।
३ प्रभुसहाय प्रचारक मुक्त को बुलाया इसलिये नकटी गया ।
४ नकटी तरफ में था ।
५ गिर्जा किया ।
६ बजार किया ।
७ नुन्दुसई गया और ईश्वर का बचन भाईयों को सुनाया संख्या २।
८ जोम्पुरा गया ईश्वर का बचन सुनाया प्राणी संख्या २
९ घर का काम किया ।
१० गाँव ही में खीष्ट का सुसमाचार भईयों को सुनाया संख्या ५
११ गिर्जा पाठ तयारी ।
१२ सोनुआ में और सरन्डेया गोस में गिर्जा किया ।
१३ बैबेड़ा में गिर्जा किया ।
१४ गाँव ही में भाईयों को बचन सुनाया संख्या २ ।
१५ घर का काम किया ।

ता: १५ गाँव ही में भाईयों को बचन सुनाया संख्या २।
१६ बुन्दुसई गाँव में बचन सुनाया सुनेंवाला १।
१८ पाट ताखारी।
१९ सोन्धला में और सरन्डेयाघोस में गिर्जा किया।
२० स्यानिया में गिर्जा किया।
२१ मुन्दरी और मुजनिया में भाईयों को धर्म्म बचन सुनाया संख्या ५
२२ गाँव ही में बचन सुनाया सुनेवाला — १।
२३ बजार किया।
२४ तबियत अच्छा नहि किया।
२५ पाट ताखारी।
२६ गिर्जा किया।
२७ गोन्डासाई गाया और भाईयों को ईश्वर का बचन सुनाया — संख्या ११
२८
२९
३०
३१

धर्म्म खोजाकों को हमों में १ बार तक बचन सीखाते हैं उनको जनम पर्व के बदले बपतीस्मा देना चाहिये॥

इसराएल तोपनो प्रचारक।

Oct.59 राज्य बुद्धि काम का रिपोर्ट होरो सरिया
आक्टोबर महीना १९५८ ई०। 11/X
Th. Bhengra

तारिख.

१ स्कूल किया।
२ स्कूल किया।
३ गोइलकेरा बाजार गया था।
४ स्कूल किया।
५ गिरजा किया
६ स्कूल किया और होरो का एक भाई के साथ धर्म की बात किया
७ स्कूल किया और जोम दी पुचार के पास गया था।
८, स्कूल किया और के बरा का सोमा भाई को सुसामाचार बताया।
९ स्कूल किया
१० स्कूल किया गोइलकेरा बाजार गया।
११- चिरिचा गया
१२. चिरिचा में गिरजा करके दूसरी बेला मनोहरपुर गया ८ बजे शाम की गाड़ी से बिसरा गया।
१३ बिसरा में ठहरा
१४ बिसरा से होरा आया और स्कूल किया।
१५- स्कूल किया
१६ स्कूल किया
१७ स्कूल किया
१८ स्कूल किया और दशारह पर्व के लिये दिन की छुट्टी दिया इसी छुटी के बीच में चाईबासा गया थे गये थे।
२७ ता: को स्कूल शुरू किया।
२८ स्कूल किया
२९ स्कूल किया
३० स्कूल किया
३१- रिस्कूल किया। आप के विश्वास्त —
Thomas Bhengra.

आनरेबल महीना का रिपोर्ट परोडीह

ता- 2-11-52

Oct. 2
M. Savan

श्रीमान H Eloss

आप को मेरा धोतु
सहाय हो वे।

आप के पास मैं आनरेबल महीना का
रिपोर्ट भेजता हूँ। मैं पहला तारीख से
30 तक बिमार था। जिसके कारण घुमने
नहीं सका।

मैं 15 दिन घर जाने चाहता हूँ।
सो कृपा या करके 15 रोज की छुट्टी दी जाय
मेरा लड़का काम चलायेगा।
आप का विश्वस्त मनसुखि समद। N.

मण्डली आमदनी :

इस महीने का ₹ 1/12. 3 पैसा
मण्डली आमदनी हुआ है।

अनसिंह समद
पोड़ीह

October 52 J.K. Hemrom 9/X

अक्टूबर महिना का टुरिंग रिपोर्ट १९५२

१-१०-५२ को मैं जेरिनिया को गया था, वहां के माहली लोगों के साथ में
यूसुफ के और ईश्वर के विषय में बात चीत हुआ —
२-१०-५२ को मैं एक मुन्डारी के साथ में ईश्वर का काम के विषय में बात चीत हुआ —
३-१०-५२ को मैं बुखार में था —
४-१०-५२ — " " "
५-१०-५२ को विश्राम दिन था —
६-१०-५२ को भी बुखार में था —
७-१०-५२ को मैं दिरिसिदा को गया था वहां के सन्ताल लोगों के साथ में यीशु
के विषय में नबुवत के बारे में बात चीत किया —
८-१०-५२ को मैं सिमिरुल को गया था, कुरमी लोगों के साथ में हिन्दु शास्त्र का
नये बैद में जो यीशु के विषय में लिखा है बात चीत किया —
९-१०-५२ को मैं मचुपुर को गया था, वहां भी नये बैद और यीशु का जी
उठने के बारे में बात चीत हुआ —
१०-१०-५२ को मैं बरंगा को गया था - मुन्डा लोगों के साथ में खृस्त धर्म के बारे
में बात चीत हुआ —
११-१०-५२ को मैं बरंगा के दुसरा मुन्डा टोला को गया था, खृस्त धर्म के बारे में
बात चीत किया ——
१२-१०-५२ को भी विश्राम दिन था —
१३-१०-५२ को मैं मुन्डारी के साथ में ईश्वर और यीशु के बारे में बात चीत किया —
१४-१०-५२ को मैं जेरिनिया को गया था, मैं माहली लोगों को यीशु के विषय लिखा हुआ
छोटी २ पुस्तकों को पढ़वाया और मैं उन को उसका अर्थ बता दिया —
१५-१०-५२ को मैं बरंगा के दुसरा मुन्डा टोला को गया, वहां एक मुन्डा और
१६-१०-५२ को मैं जेरिनिया को गया - माहली लोगों के साथ में नइ एक धर्म
के बारे में बात चीत किया —
१७-१०-५२ को मैं दिरिसिदा को गया और मैं पहले वहां पर फ्लानेल ग्राफ
दिखाया था उस के बारे में पुछा तो कहता है वेद और भी एक
दिन आ कर के देखाओ —
१८-१०-५२ को मैं सत पोटका को गया, एक मुन्डारी के साथ में खृस्त
धर्म के बारे में बहुत बात चीत हुआ, वह बहुत पुछा —
१९-१०-५२ को विश्राम दिन था —
20-१०-५२ को मैं एत को कोदापोटको के मुन्डा टोली में फ्लानेलग्राफ दिखाया
१५-१६ आदमी थे, वे सुनते थे —

21-10-52 को मैं दिरिपोसला को गया एक सन्ताल के साथ मैं नशा और शैतान का अवगुणों के बारे में बात चीत किया —

22-10-52 को मैं उरिकिया को गया, वहां एक सन्ताल और एक उरांव को चर्म शास्त्र के बातों को संक्षेप से बताया —

23-10-52 को मैं सिमिरता को गया किसी के साथ मुलाकात नहीं हुआ —

24-10-52 को मैं उरिकिया को गया, माझली लोगों के साथ में ईश्वर पिता के बारे में बात चीत किया, मैं ने कहा कि राम ही कहा है तो कि पिता को आड़ा को पालन करना ही पुत्र को चर्म है। असली पिता ईश्वर है। —

25-10-52 को मैं बांगा का ४. पु. को चर्म शास्त्र में से बताया —

26-10-52 को मैं विश्राम दिन था —

26-10-52 को मैं फिर उरिकिया को गया, माझली लोगों को राम का वनवास के समय का बात और नूनक बेद के बारे में बताया —

27-10-52 को मैं उरिकिया के पास मास्टर के साथ में चर्म सम्बन्धी बातों को बात चीत किया —

28-10-52 को मैं रांची को गया, रात को फ्लानेल गाफ दिखाया ३० आदमी तन थे —

30-10-52 को मैं रांची से टोन्डराली होते हुए घर को चला आया —

31-10-52 को मैं घर ही में था —

आप का आज्ञा वीन प्रचारक

J. H. Hemrom. Dumiala

4-11-52

S. Lakra

कलकत्ती पोढ़ाहड़ 8/X

ता. 28. 10. 42

श्रीयुक्त महाशय वर

पादरी बाबू लाल को सी शुभ

सहाय।

महाशय,

लाल को चाहे दिखाया जा रहा है।

ता. 1. 10. 42 को मैं पोढ़ाहड़ में घुमा हूं।
ता. 2. 10. 42 को मैं कुचुक डीह गया था।
ता. 3. 10. 42 को मैं पटसाला डेरा गया था।
ता. 4. 10. 42 को मैं बेलवाक गया और वहां के संसार
पादरी सब को समझाये कुमाये
ता. 5. 10. 42 को मैं और गेन गये थे + ता. 6. 10. को
ता. 7. 10. 42 को मैं सब से घर घोड़ बनाये।
ता. 8. " " रुरटोला गये थे और पादरी
सब को समझाये हैं।
ता. 10. 10. 42 को मैं डोंगो पत्थर गये थे।
ता. 11. " "
ता. 12. 10. 42 को मेरी छोटी लड़की बहुत जोर बीमार
ता. 13. " " थी, जिस के बचाव से मैं कहीं नहीं गये
ता. 14. " "
ता. 15. 10. 42 को मैं टिकरवी पड़ा गये थे और वहां के
ता. 16. " " संसार पादरी सब को समझाये
ता. 17. " "
ता. 20. 10. 42 को मैं डोंगा मारेन गये थे।
ता. 21. 10. 42 को मैं पोढ़ाहड़ में घुमा।
ता. 22. 10. 42 को मैं बेलवाक गये थे।
ता. 23. 10. 42 को मैं रुरटोला गये थे।
ता. 24. 10. 42 को मैं कुचुक डीह गये थे। और
वहां के संसार पादरी को समझाये।

सेप्टेम्बर [illegible] का पत्र [illegible] कार्ड।
चेड़ा [illegible] की [illegible]
खुशी " का [illegible] "
[illegible] धन्यवाद ।

मोद कुमार।
प्रचारक Silakra

October 58 I. Lugun

अक्टूबर १९५८

महिना की डयरी 7/8

१ तारिक को बुधवार के करारा घर में रहा।
२ " " बलान्डा के नये खृष्टीयानों को वचन सिखाया।
३ " " बलान्डा के नये खृष्टीयानों को गित-और-वचन सिखा के प्रर्थाना किया।
४ " " एक संसरियों को ईश्वार का वचन से समझाया।
५ " " कोलापाट में गिरजा कर के शाम को बलान्डा में वचन सिखाया।
६ " " गोरेपाखाल खोरर डीह के संसरियों को वचन सिखाया।
७ " " पचरा के मनसिद्ध डांग सिमोन डांग के सथ जम्माल के नये खृष्टीयनों को समझाया।
८ " " " " " के सथ एक दुखाली के घर में प्रर्थाना किया।
९ " " नये खृष्टीयान दुखाली के घर में वचन सिखा के प्रर्थाना किया।
१० " " जम्माल के नये खृष्टीयनों को वचन सिखाया।
११ " " जम्माल के नये खृष्टीयानों के वचन गित-सिखा के प्रर्थाना किया।
१२ " " कुलपाल में गिरजा किया।
१३ " " लोद्रोपाल के संसरियों को वचन सुनाया।
१४ " " बलान्डा के संसरियों के सथ धर्म की बात चित हुई।
१५ " " जम्माल के नये खृष्टीयानों को वचन सुना के प्रर्थाना किया।
१६ " " महिजोर के पुराना खृष्टीयानों के सथ प्रर्थाना किया।
१७ " " जम्माल के नये खृष्टानों के सथ एक बेमारी पास प्रर्थाना किया।
१८ " " कुलपाल में गिरजा किया।
२० " " बलान्डा के संसरियों को समझाया।
२१ " " एक संसर दुखाली के घर में प्रर्थाना को दावा से सेवा की।
२२ " " जममाल में एक ब्रह्मान के साथ धर्म के विषय बात-चित किया।
२३ " " कुलपाल के नये खृष्टीयानों को समझाया।
२४ " " जम्माल मे एक दुखाली के घर में प्रर्थाना दावा से सेवा की।
२५ " " बलान्डा के एक संसरि के घर में प्रर्थाना किया।
२६ " " कोलापट में पुराने खृष्टीयनों के पास गिरजा किया।
२७ " " महिजोर के खृष्तान भई बहिनों को वचन सुना के प्रर्थाना किया।
२८ " " बलान्डा के नये खृष्टीयानों को वचन सिखाया।
२९ " " ~~नये~~ जम्माल के नये खृष्टीयान दुखाली के घर में प्रर्थाना किया।
30 " " बलान्डा के एक नये खृष्टीयानों को वचन सिखाया।
31 " " एक संसरी भाई के साथ धर्म का बात किया।

Cate; Israil Lugun
G. E. L church Kulpal
P. O. Bhojpur Dt 1-11-58

6/X

Bochama.

१६५२ अक्टोबर का डायरी ॥

१- मैं आज बाजार होके किन्दु बेरना भाईयों के यहां गया था ।।
२- वहांसे घोड़ा लाया और आया ॥
३- ता: मैं ४ ता: गांव सेंदरा के काम किया ॥
४- आज रतवा को छिट्टी किया ॥
५- आज मैं घर का काम किया ॥
६- बिश्राल पति मैं गया था ।
७- ता: को खुटादी पुन्डा गया ॥
८- आज गांव का बाजार किया ॥
९- बाबू कार्टि डुमांव भाईयों के यहां गया था ॥
१०- आज लटी नहीं गया ॥
११
१२- रतवा को छिट्टी किया ॥
१३- [illegible] गया था ।।
१४- मैं सेपोराय गया था ॥
१५- मंगना घर का काम किया ॥
१६- बाजार घर के काम को गया था ॥
१७- [illegible] मैं सेपोराय गया था ॥
१८- लटी नहीं गया ॥
१९- रतवा को छिट्टी किया ॥
२०- घर का काम किया ॥
२१- बिश्राल पति मैं गया था ॥
२२- आज मैं गांवसे बाहर नहीं गया
२३ Rev. J. top no. आने का बार देखने में रह गया ॥
२४- बाबू top no. नहीं आये/ ~~आज बाजार किया~~ ॥
२५- आज तक हम लोग आशा किये पर नहीं आये, ॥

सेप्रेश्वर का आशीर्वाद,
फा. 1-10-0-52

J. Samad.
24-10-52.

Oct 58 M. P. Dang

अक्टोबर १९५८ की डायरी।

5/X

१-१०-१९५८ कुलपाल बलंडा में शाम बचन + भजन दुरंगाडीह सिखाया।
२-१०-५८ दुरगाडीह आया।
३-४- " दुरगाडीह में था।
५-१०-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया।
६-१०-५८ दुरगाडीह आया।
७-१०- " दुरगाडीह में था।
११-१०-५८ महुलडीह गया शाम को गिरजा सम्बन्धी बातचीत किया।
१२-१०-५८ महुलडीह में शुबह बिनती समाज कर दुरगाडी आया और गिरजाकर छमड़ा में दूसरी बेला गिरजा किया/शाम को भजन दुरंग से गीत सिखाया।
१३-१०-५८ दुरगाडीह आया। मनचरा इ. अमुआ भइन से दुरगाडीह में मुलाकात हुआ।
१४-१७-५८- दुरगाडीह में था।
१८-१०-५८ कोलापट, छचाबोर, में घूमते हुए मसीह भइयों को गिरजा सम्बन्धी बातें बताया।
१९-१०-५८- दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया शाम को छमड़ा में बचन + भजन दुरंग सिखाया।
२०-१०-५८ दुरगाडीह आया।
२१-२२-५८- दुरगाडीह में था।
२४-१०-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया। छमड़ा में शाम को बचन + भजन दुरंग सिखाया।
२७-१०-५८ दुरगाडीह आ को आया।
२८-१०-५८ अपना महीने रिपोर्ट लिखा। जमूनकित गया।

अक्टोबर की आमदनी ५ ॥।) आना
पांच रुपया तेरह आना।

Cate Manasdh Dang
Dugadih
Date 28.10.58.

October/58 P. Barla

4/X

Diary For the month of

October. 1958

1 10/58 को स्कूल किये दुसरी बेला कोन मुन्डा गये।
2 10/58 को स्कूल किये तीन लड़के हाजीर थे
3 10/58 " " " "
4 10/58 " " " "
5 10/58 को गीरजा किये
6 10/58 स्कूल किया
7 10/58 " " " " " "
8 10/58 " " " " "
9 10/58 " " " " "
10 10/58 " " " "
11 10/58 को बैबल का स्टाड़ि किया
12 10/58 गीरजा किया सब औड़ आये थे
13 10/58 स्कूल किये दुसरी बेला बोमा गये और बोमा के भाभी को प्रभु का बचन सुनाया
14 10/58 स्कूल किये
15 10/58 " " " "
16 10/58 " " " "
17 10/58 " " " "
18 10/58 " " " "
19 10/58 गीरजा किया उस एक संसारक नाई के घर वाले सब गीरजा आये थे
20 10/58 स्कूल किये
21 10/58 स्कूल लड़कों को दस दिन की छुटी दिया गया
22 10/58 " " " " " "
23 10/58 को कोनमुडा गये।
24 10/58 लेमुरा० गये
25 10/58 फिर लेमुरा गये नाका के बुलाने से।
26 10/58 गीरजा किया
27 10/58 को बैबल का स्टाड़ि किया
28 10/58 सरगीडीह से दवा लेने के लिये आमगांव गये थे
29 10/58 को हेड पुचारक के साथ मसीहा के भाईयों को प्रभु का बचन सुनाया
30 10/58 आमगाव से सरगीडीह आये। Patras Barla Sargidih
31 10/58 चावल खरीदने बजार गये

5-11-58

October Oct. 58. Annual Hike.

1 को मैं Mashinta गांव गया था और गांकरिया के घर वालों को प्रचार किया।

2 को मैं बारिउदात बाबु के साथ कुम्हारगड़िया गांव घूमने गया और वहां का प्रचारक को प्रचारक काम के विषय समझाया।

3 को मैं पुस्तक अध्ययन किया और डाक्टर साहेब से मनस्तिक्ष बुढ़ के बारे बात चीत की।

4 को मैं अपना वेतन तथा विश्राम का पैसा लाने को बड़बोट गया था।

5 मैं उस दिन आमगांव में गिर्जा का काम चलाया।

6 को हम Dr. Bisehoff साहेब को विदाई दिये।

7 मैं आमगांव से सगीडिह चला गया। पतरस प्रचारक घरवाले को अच्छा पाया।

8 पौलामारा में विश्राम भाई को बैल खरीदने के लिये 40 रु. दिया।

9 को मैं भोजपुर तक गया जहां से मैं एक खृष्टीयान घर के लोगों को देखने गया जो प्रचारकपन से दूर में रहते हैं।

10 को मैं अपनी बेटी का एक पत्र पाकर सुन्दरगढ़ गया और एक दिन ठहर कर ता. 11 को सम्बलपुर पहुंचा और वहां Rev. Boruha साहेब को चिट्ठी का जबाब देने के लिये कुछ स्टम्पस खरीदा और ता. 12 को सम्बलपुर District Headquarters Hospital के कितने Lutheran नर्सों के लिये सामको ईश्वरोपसना किया।

13 को मैं बस पकड़कर Bodrama पहुंचा पर पौश्चर प्रचारक कहीं चले गये थे सो मैं वहां से बस में बैठकर सोझे दुर्गाडिह पहुंचा और वहां का प्रचारक से दूसरे 2 प्रचारकों का खबर मालूम किया। तब मैं Kulpal चला गया और दोनों प्रचारकों को पाके जो काम हुआ उसका रिपोर्ट मैं भेज चुका हूं।

14 को मैं Deogach पहुंचा और Rev. M. Boruha साहेब को Bamra Field का संक्षेप रिपोर्ट लिख भेजा। ता. 15 को आमगांव पहुंचा।

16 को सामको धर्मशिक्षा क्लास में सम्भागी हुआ। ता. 17 को मैं अपना रिपोर्ट चैबासा भेजने के लिये बड़बोट गया। बारिउदात बाबु की तबियत ठीक न होने के कारण इतवार ईश्वरोपसना का तैयारी में था और ता. 19 को गिर्जा काम चलाया। ता. 20–23 तक मैं मैं उड़िया भाषा को अध्ययन कर रहा हूं और अस्पताले आस-पास घूमता हूं।

Amus Kind
23-10-58.

S. Kujur

2/X

Report of the Month of October 1958. Gua.

1.10.58. Supervised the building work that was started on the 29th Sept.58. Received a Book Post sent by the Scripture Gift Ministry of India, 13, Cubbon Road, Bangalore, 1. The Book Post contains number of Christian tracts and leaflets in Hindi, Bengali, Oria and English.

2/10. Supervised the building work. Sent the report of the month of September to Rev. H. Closs enclosed with a letter.

3/10. The work of concreating the foundation of the building with lime and stone ballast was done. Sent the posting Charges Rs. 1/99 np. to the S.G.M. of India, 13, Cubbon Road, Bangalore.1

4/10 ~~Concreeting work of the foundation of the new building was Completed~~ Supervised the building work. In the evening went to Railway Quarter and Topa Piri for house visiting.

5/10. Conducted Church Service at Bakal Hating. At Gua proper Brother Jnel Topno Conducted liturgy and Brother David Bage delivered a sermon. After the Church Service the ceremonial laying up of the foundation Stone was done by Mr. Peter Surin in the presence of the congregation. Mahila Samaj did not take place due to another programme. Sunday School was held.

6/10 The concreeting work of the foundation of the new building was completed. In the evening I went to Hospital to have a visit to the Christian patients.

7/10 Supervised the construction work of the new building. Brick work started.

8/10. Supervised the building work. One truck of sand was supplied for building work. I had a talk with the members of the Sunday School Committee regarding the up lift of Sunday school.

9/10. Supervised the building work. One truck of sand was supplied.

10/10 Supervised the building work.

11/10 Supervised the building work. Went up to Bara Pahar and conducted the Church Service.

12/10. Conducted Church services at Bakal Hating and Gua proper. Sunday school was conducted by Mr. Luther Tete. Mahila Samaj did not take place.

13/10. Supervised the building work.

14–19. With the permission of the head Panch of ~~the~~ Gua Congregation I left Gua on the 14th oct. and went to Erinki my wife. On the the 19th oct. I came back Gua ~~togeth~~ along with my wife.

20/10. One truck of sand was supplied for building purpose. Rev. H. Samad had come to Gua for his personal matter. Prachorika Miss. M. Kandir. Came to Gua for her appointed work. I went to Nuia to enquire about the timbers for new building.

21/10 Supervised the building work. Prachaika Miss. M. Kandir went up to Bara Pahar for her work along with two women.

22/10. I went to Chaibasa to meet Rev. H. Closs. with regard to ~~new~~ the new building. But I could not meet him as he was away from Chaibasa, So I came back Gua with no Success. Building work was done. There was programme of Miss M. Kandir at Bakal Hating

23/10 Brick work was not done. The work of levelling the room was done. I went to Nuia along with Miss. M. Kandir for her work.

24/10 Supervised the building work. Went up to ~~Bara Pahar~~ Gua Sai and conducted ~~Church service~~ Prayermeeting. Prachaika visited Ba. Upar Dhaura.

25/10. Supervised the building work. Went up to Bara Pahar and conducted Church Service. Prachaika visited Bajar Dhaura.

26/10 Conducted Church Service and at Bakal Hating and at Gua Proper. Prachaika conducted Mahila Samaj at Gua. Sunday school was held. I visited a patient in Bajar Dhaura.

27/10 Building work was not done. I went to Nuia on account of timber for new building.

28/10. Supervised the building work.

29/10. Supervised the building work. The wall construction of the building was completed in the after noon.

30/10. Supervised the building work. The wall plastering with Cement and Sand was started.

31/10. The work of wall plastering was done.

Cand. S. Kujur.
10.11.58.
G.E.L. Church Gua.

Rev. H. Samad Report for October 1958

Date

1– 1st तारीख से 8 तारीख तक घुड़दौड़ गया, उसको जाने के लिये। 1/X

2– चाईबासा से जगन्नाथपुर आया।

10, कारांजिया गिरजा के लिये गया था।

11, – घर में स्वास्थ्य किया।

12– गिरजा किया।

13– जगपुर बजार हो के घर गया। घर में विश्राम करने के लिये।

14– बिंगबुरू गांव गया था संडे को घर गीत नाच सिखाये।

15, बलिया डो गया था।

16– महतो साहेब उपेन्द्र सिंकू के घर गया गीत और बजे सिखाये
बड़ा बाजा सिखाये।

17– कारांजिया गया था दूसरी बेला जोलडीहा बड़े हासा के
घर गया था, उन लखो कोड़ा के हाथ को छोड़ कर
हमें खोज रहे हैं।

18, घर में स्वास्थ्य किया।

19– गिरजा किया दूसरी बेला डंगुवापोसी गिरजा के लिये
गया था।

20– गुवा गया था, घोड़े लाने के लिये।

21– गुवा में था।

22– गुवा से जगन्नाथपुर आया।

23– बजार किया।

24– कारांजिया गया था, गिरजा के लिये।

25– घर में स्वास्थ्य किया।

26– गिरजा किया।

27– महतोसाहे गया था, एक लड़का खुशाल होने चाहता
है उनको समझाने।

28– कोलाएं साहे गया था, गुरु चरण कोरेया को गीत
सिखाने।

29– डंगुवापोसी गया था, एक घर उराव जब चर्च में जाते
चाहते हैं उनके पास।

30– बजार किया।

31– कारांजिया गया था, गिरजा के लिये।

नोट– हमने तक में झगड़ सो में रहते हैं। और रात को गीत और भजन
और वचन सिखाते हैं। इस न रुक संसारिक कहते थे और
इतवार के इतवार गिरजा जाते हैं। इतना गीत भजन
और वचन सिखाने पर भी बच्चों तक के बपतिस्मा के लिये तो
कोशिश नहीं करते हैं। पर कहते हैं बस्ते 2 सब कुछ
जानने से हम लोग गिरजा करेंगे ऐसा कहते हैं।

H. Samad

Prachārika D. Khalkho.

Monthly Report

23/IX

Month of September : 1958

Date	Sector. No.	Quarter. No	Place	Remark.
1/9/58	18		जोन कुजुर के घर में	
2/9/58	18	-	निज स्थान (पुरनापानी)	
3/9/58	~~Sector~~ 18.	-	चरगा कुजूर के डेरे में	
4/9/58	5	-	योहन के डेरे में	
5/9/58	18	-	निज स्थान, केवल बिमार बहिनों के पास प्रार्थना किई	
6/9/58	6	-	पावल तिर्की के घर में	
7/9/58	18	-	महिला समिति (पुरनापानी)	
8/9/58	-	-	(हमीरपुर) के भाई बहिनों के पास प्रार्थना किई	
9/9/58	18	C1/1A	जुनास विड़ू के घर में	
10/9/58	7	-	बिमार भाई के पास प्रार्थना किई (चरगा के डेरे में)	
11/9/58	-	-	(नया बाजार) मानमसीह खेस के घर में	
12/9/58	20	C1/10B	मिस्स हेमरोम मिस्ट्रेस के घर में	
13/9/58	19	C1/45B	नर्स के घर में	
14/9/58	18	-	महिला समिति (पुरनापानी)	
15/9/58	3	-	साहब Dr. E. Peusch के पास गयी थी वहां से ग्राया बहिनों के पास पहुंची	
16/9/58	5	-	योहन के डेरे में	
17/9/58	18	-	निज स्थान (पुरनापानी)	
18/9/58	18	-	बैबल सोसाइटी के ग्रगमना के कारगा; गिरजा के लिये भाई बहिनों की सेवना।	
19/9/58	7	-	चरगा कुजूर के डेरे में	
20/9/58	18	C1/1A	जुनास विड़ू के घर में	
21/9/58	18	-	महिला समिति (पुरनापानी)	
22/9/58	H	-	सुमाल तिग्गा ग्रौर सिरील खलखो के घर में प्रा: किई	
23/9/58	18		निज स्थान (पुरनापानी)	
24/9/58	18	C1/116B	डिमिट ग्रोड़या के डेरे में	
25/9/58	18	-	निज स्थान (पुरनापानी)	
26/9/58	-	-	(हमीरपुर) के भाई बहिनों के पास प्रार्थना किई	
27/9/58	6	-	पावल तिर्की के घर में	
28/9/58	18	-	महिला समिति (पुरनापानी)	
29/9/58	3		(ग्राहिराबन्ध) दर्जी के घर में	
30/9/58	-	-	(नया बाजार) मानमसीह खेस के डेरे में	

Subject – बैबल पाठ, मसीह घराना, शिशु पालन, चन्दा देना, इत्यादि –

(A) सराडे स्कूल, महिला समिति,
- बाल समिति और ज्योति सेना होता है, पर वर्षा के कारण नहीं होता है।

(B) दूर के समय बड़ा सिर्नी का जांच और उत्साह D. Khalkho

Praeharika
10-10-58

September 58 Antoni Soy

20/IX

To. Rev. H. Bosh Secretary. Joint mission Board-
Chaibasa. आप को सेप्टेम्बर महीने का रीपोर्ट बोंगजांगा मिशन फिल्ड का मैं भेजता हूँ, कृपया ग्रहन करेंगे।

ता: १-६-५८ को पहीलो वेला स्कूल चलाया दुसरी वेला बजार गया।
ता:२-६-५८ को १० बजे से ४ बजे स्कूल चलाया।
ता: ३-६-५८ को स्कूल चलाया।
ता: ४-६-५८ को दोरेका हेम्ब्रोम हमारे बोंगा जांगा मिशु फिल्ड का खर्च लेने को आये थे, आमलेसा चेयर मैन को चिट्ठी थी उम्बुलवाहा की चेयर मैन को चिट्ठी जो हमारे दस्खस्त के मुताबिक थी कौंसिल के फैसला मुताबिक फैसला का रजाजत चिट्ठी पाके और हमको दोरेका हेम्ब्रोम यह भी खबर दिये थे कि कि हमलोग बारबासा तुं Soy के साथ आने का प्रोगाम दिये थे पर वे आवे से मालूम हुआ कि दुःख के खातरा नहीं आये। दोरेका हेम्ब्रोम के प्रोग्राम मुताबिक यहां के मुख्य आदमी को हमारे खृस्तान मार्ई महिन में हलीम थे, यह मिशु फिल्ड फोरम्ट मिशु में मिलाने के बारे में और स्कूल को राजबुद्धी के समबन्ध में बहुत अच्छी शिक्षा दिये, जिसको सुन कर सब मार्ई को भाहीन खुसी हुए, और लौटने के समय में स्कूल घर जो बनाया गया है पर पुरा नहीं हुआ उसको भी देख कर और जल्दी तैयार होने का बन्ध-बस्त करने को सलह दिये।।

ता: ५-६-५८ को स्कूल चलाया
ता: ६-६-५८ को स्कूल चलाया
ता: ७-६-५८ को रतवार गिर्जा चलाया।
ता: ८-६-५८ बिहान स्कूल चलाया दुसरी वेला मोरमोरा बजार किया।
ता: ९-६-५८ स्कूल चलाया।
ता: १०-६-५८ को स्कूल चलाया सांझ को झुरबुड़ा गांव गया वहां सांझ को हमारे खृस्तान घर में बिल्ली को समाप्त गिर्जा हुआ। या गिर्जा बाद दामु नाम आदमी जो हमारे खृस्तान मत में चलने चहता है, उसको धर्म के बिषय समझौता दिया।
ता: ११-६-५८ को स्कूल चलाया। स्कूल बन्द कर शकुगाड़ा हमारे खृस्तान घर में गया वहां सापरिवारों के साथ गिर्जा बिन्ती हुआ।
ता: १२-६-५८ को स्कूल चलाया बुखार होने के कारण दूर नहीं जाने सके।
ता: १३-६-५८ को स्कूल चलाया।
ता: १४-६-५८ को रतवार गिर्जा चलाया।
ता: १५-६-५८ को पहीलो वेला स्कूल चलाया दुसरी वेला बजार गया।
ता: १६-६-५८ को स्कूल चलाया।
ता: १७-६-५८ को बिमार पकड़ा इस कारण स्कूल नहीं चलाने सका।
ता: १८-६-५८ को बिमार बढ़ जाने के कारण स्कूल १० दिन का छुट्टी करना पड़ा।
ता: २१-६-५८ को रतवार गिर्जा नहीं चला सकने के कारण याकुब हंसदा को हुकुम दिये।
ता: २२-६-५८ को थोड़ा अच्छा हुआ गिर्जा चलाया।
ता: २५-६-५८ को स्कूल चलाया दुसरी वेला बजार गया।
ता: ३०-६-५८ को स्कूल चलाया।।

September 58 Simon Daing १९५८ सेप्टेम्बर महिना का डायरी।

ता: १-९-५८ से ८-९-५८ तक बाल बच्चों को लाने के लिये छुट्टी लिया था।
" ९-९-५८ को जाम्माल में बचन सिखाया।
"१०-९-५८" बलन्डा में एक नया खुस्तान दुःख में था उस को ईश्वर के बचन से सुधी दिलाया।
"११-९-५८" जाम्माल में बचन सिखाया।
"१२-९-५८" बलन्डा में एक संसार भाई और एक हिन्दू भाई के साथ धर्म विषय बात-चीत किया।
"१३-९-५८" जाम्माल में बचन सिखाया।
"१४-९-५८" गिर्जा-किया।
"१५-९-५८" जाम्माल में एक नया खुस्तान भाई दुःख में था उस को बिन्ती ओ दवा द्वारा सेवा किया।
"१६-९-५८" जाम्माल में बचन सिखाया।
"१७-९-५८" जाम्माल में बचन सिखाया।
"१८-९-५८" जाम्माल में एक दुःखाली को दवा ओ प्रार्थना द्वारा सेवा किया
"१९-९-५८" बलन्डा के संसार भाई बहिनों को समझाया।
"२०-९-५८" जोटेया डीह में दुःखालियों के घर में बिन्ती किया।
"२१-९-५८" गिर्जा किया।
"२२-९-५८" मेरा बेटा बुखार था उस को सेवा किया।
"२३-९-५८" बलन्डा के नये खुस्तान ओ संसार भाई बहिनों को समझाया
"२४-९-५८" जोटेया डीह का एक नया खुस्तान के घर में दुखाली को सेवा किया
"२५-९-५८" बलन्डा और कुलपाल में प्रचारक मनसिद्ध डांग के साथ नये खुस्तान और संसार भाई बहिनों को ईश्वर के बचन से समझाये।
२६-९-५८" प्रचारक इसराएल कुजुर झाड़ा दुःख से बिमार थे। उनं के सेवा में था।
२७-९-५८" जाम्माल में बचन सिखाया।
२८-९-५८" गिर्जा किया।
२९-९-५८" कुलपाल का एक नया खुस्तान भाई को यीशु मसीह के भक्ति के बिषय में बताया।
३०-९-५८" एक बिमारी को सेवा के लिए बुलाने पर खोएर डीह गया था।

Catechist Simon Daing
G. E. L. Church Kulpal.
1-10-1958.

September 58 Rev. Ch. H. Tuti

सेप्टेम्बर का रिपोर्ट 18/IX

१-९-५८ – ६-९-५८ रंगामाटिया में और आस पास के गांवों में प्रचार किया।

७-९-५८ को रंगामाटिया में गिर्जा चलाया और प्रभु भोज बांटा।

८-९-५८ बारिपदा गया था, वहां गिर्जा चलाया और प्रभु भोज बांटा।

९-९-५८ बालडीहा प्रचार करने के लिये गया था।

१०-९-५८ वर्षा के कारण घर में रह कर समय बिताया।

११-९-५८ बारिपदा गया था, पोस्ट आफिस में काम था।

१२-९-५८ – १४-९-५८ वर्षा के कारण कहीं नहीं गया था। १४-९-५८ को गिजा चलाया रगामाटियामें

१५-९-५८ – १६-९-५८ बिमार था।

१७-९-५८ – २८-९-५८ तक सिमली पहाड़ में दिन बिताया। वहां मसीही लोगों के बीच गिर्जा चलाया और प्रभु भोज बांटा। वहां गितिल पिड़ी गांव में ता० २१-९-५८ को एक धर्म खोजक बालिका को बपतिस्मा दिया था। परन्तु अफसोस की बात है कि वह २३-९-५८ को प्रभु में सो गई। करीब उसकी उम्र १५ वर्ष थी। आनन्द की बात है कि उसकेमा, बाप और सब बच्चे बपतिस्मा लेने के लिये तैयार हैं। उस परिवार में अभी छः प्राणी हैं।

२९-९-५८ – ३०-९-५८ वर्षा के कारण कहीं बाहर नहीं गया था। रंगामाटिया ही में रह कर समय बिताया।

आप का विश्वस्त

H. Tuti

1-10-58

17/IX

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH. *Joint Secretary*— MR P. DANG, B. A.
Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B A. *Treasurer*— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref: To The Secretary J. M. B., Chaibersel

Dated 6. 10. 1958.

Dear Sir,

As I am asked by you to submit the repot of my work in detail I hereby do so. I am glad to inform you that the Joint S. S. of our congregation accompanied me both and on in my work. In my privious report I am had ~~let you know~~ informed you that evening is the best time to visit our people here when they come back from their duty

Sep. 1— I visited the christian people of Milmili in the evening. we had had a prayer meeting there.

Sep. 2. I went in the evening. we have fixed Tuesday to have our church Service there so I dosnt get time to go here on Sundays.

Sep. 3. — Sector 3 and Ashirabera.

Sep. 4. — Plant side and Doco shed

Sep. 5. — Western and Burmah shell.

P. T. O.

Sep. 6. I remained at home as I was not keeping well.

Sep. 7. Church services conducted by me and others.

Rourkela I — 9.30 A.M. by Amos Kerketta
Lakow colony 10. AM. Nistar Kujur
Nilmili 7.30 A.M. Manbdas Tirkey.

Union Service in Sector 4. at 4.30 P.M. ~~at~~ by me.
" Hatlia Sector 7.30 P.M. " "
" Jamapani 9 AM. Jakub Bara
Sector I 9 AM " Manasidh Jojo.

Sep. 8. Modern India Construction.
" 9 Lakow Colony and Tangerpali.
" 10. Sector 18 and 4.
" 11 Sector 18 and 3.
" 12. Panposh, Tarkera, Modern India Construction, Lakow colony and loco shed in order to distribute papers to be signed by christian people in support of the application of the see C. C. Secy Gurcharan to the Resident Director.
" 13. Sector 20, 18, along with the Secy.

G. E. L. CHURCH, ROURKELA,
SUNDERGARH, ORISSA

Chairman— CAND. P. C. MINZ, L. TH. *Joint Secretary*— MR P. DANG, B. A.
Secretary— MR. C. I. K. K. OKIL NAG, B A. *Treasurer*— MR. S. TIGA.

ROURKELA

Ref: *Dated*.....

Sep. 14. Church Services
Nilmile 7.30 Am. by me.
Rourkela 9.30 Am. " "
Laleau Colony " M.D. Tirie.
Public Section " Johan Kandulna.
Purnapani " Jacob Barua.
Sector 1 " Manasicha Jojo.

Sep. 15: Sector 19 in the morning.
Mr. P. Dang. Secy. ~~Am~~ Jan 3 Baptist and I went to Dr. Church Rourkela -nce to talk with in connection with the mission compound at Rourkela.

Sep. 16. S. S. W. (Plant Area) to meet the with the secy. union Service.
Church Service at Panposh Conducted by Mr. K. M. Kujur.

" 17. Rourkela - Town with a printer. I gave him Order

" 18. Sector 18, P. Sector, and Sector 19.

Sep. 19. - Durgapur in the evening.

" 20. Tarkera and Tarapur.

" 21. Church services

Milimili — M.D. Tirkey

Labour Colony - B.C. Tigga

Rourkela - — S. Tiga

urdu service — by me.

Public sector " "

Durgapur " Yakub Baraik

sector I " Manasi Jojo.

" 22. I met Dr. Leuschke ~~in the evening~~. ~~He~~ and the people Durgapur.

" 23. I again went to Durgapur along with the party. to bring the man to go to Cuttack. We started for Cuttack by mail Train.

" 24 — 27. Rourkela to Cuttack.

" 27. Lords Supper Service in the evening in sector 20.

" 28. Lords supper & Service

milimili . at 7.30 A.M.

Rourkela " 11.30 " "

urdu service " 4. P.M.

Public sector 7. P.M.

Baptism at Loco shed 9. P.M.

" 29. Lords supper service at Panposh in the evening. Rev. C. B. Hind left. Rourkela in the morning.

" 30. - sector 19. in the evening.

J. Kandulna. September 58.

16/IX

सेप्टेम्बर महीना का रिपोर्ट १९५८

१-९-५८ को मैं सरुदा: से निकाले साम को जसिपुर रहागया
२-९-५८ को मैं कोरोजीया कचाईरी काम भेगया था
३-९-५८ को मैं जसिपुर से कादोडीया गया था राते को मैं गिरज किया
४-९-५८ को मैं जसिपुर में रहागया
५-९-५८ को मैं जसिपुर से नीकले साम को पुंचे सरुदा: पुंचे
६-९-५८ को मैं घर में रहागया था
७-९-५८ रतोवार को मैं सरुदा: में गिरज किया
७ तारीक से पानी किया तिन दीना कई जने नही सका
८-९-५८ को मैं घर का में था
९-९-५८ को मैं घर का में था
१०-९-५८ को मैं घर का में था
११-९-५८ को मैं गोपिनातपुर गयाथा काम नही हुवा हम रहन पड़ा
१२-९-५८ को मैं एक संसर गई को धरमा के बेंसई भतया ग्रौर गोपिनापुर से दुसर बेल मोक वाही ग्रया ग्रौर ईसाक के घर मे हम रहगया
१३-९-५८ को मैं मुरगोडे घे को पचर किया
१४-९-५८ रतोवार को मैं गोपिनापुर मे गिरज किया ग्रौर गिरज के बादे मैं सरुदा ग्राया
१५-९-५८ को मैं सरुदा से निकले साम को गोउगोउडीया मे भस किया
१६-९-५८ को मैं जासिपुर में था
१७-९-५८ को मैं जसिपुर से कोरोजीया गया ग्रौर काचईरी काम कताम के जसिपुर ग्राया
१८-९-५८ को मैं जसिपुर में रागया
१९-९-५८ को मैं जसिपुर से निकेले ग्रौर कोवारीगोड़ा मे भस किया
२०-९-५८ को मैं सरुदा पुंचे
२१-९-५८ रतोवार को प्रभुभोज गिरज का ग्रौर पादी बाबू के सते हम रहगया
२२-९-५८ को मैं घर था
२३-९-५८ को मैं घर था
२४-९-५८ को मैं पादी बाबू के सते गया गिपिनापुर में प्रभुभोज गिरज हुवा
२५-९-५८ को हम पादी बाबू के सते रहगया
२६-९-५८ को मैं सरुदा ग्राया
२७-९-५८ को मैं घर था
२८-९-५८ रतोवार को मैं सरुदा में गिरज किया
२९-९-५८ को पानी किय हम जने नहीं सके
३०-९-५८ को मैं भुड़ाबलं गया था ग्रौर दो जन को पचर किया

जुसफ कुडुलना
ता० २-१०-५८

Sep. 58 M. Barua

सेप्टेम्बर १९५८

15/IX

१ ता गोंव मे था
२ ता अपने जगाह खुड़री कोचा लौटा।
३ ता: से स्कूल शुरु किया।
४ ता: " स्कूल अैर दुसरी बेला टोला मे घुमना
५ ता " स्कूल में
६ ता " "
७ ता गिर्जा घर बजार को
८ ता स्कूल में
९ ता " "
१० ता " मे दुसरी बेला घुमना
जुरसात होने पर क्योंकि कोई २ रोज
घर से बास या लकड़ी अैदि का जोगाड़
करता हु
११ ता स्कूल- दुसरी बेला घुमता हु
१२ " "
१३
१४ ता रतवार —
१५ ता स्कूल सवेरे से १२ बजे तक रोज करते है
१६ फिर सास को ६½ बाजे से ६बजे
१७ तक होता है।
१८
१९
२०
२१ ताइतवार
२२ ता सोमार को घर चला अैया क्योंकि
२३ ता बुखार से पिड़ीत था।
२४ ता.
२५ ता: अैर घर से पुरा महिना था
२६ ता: क्योंकि बुखार अैर कमजोरी से
२७ ता: तगात होने मे लगा २८ ता: रतवार को
२९ ता: मुसाबनी के माझी लोग अैकर गिर्जा
३० ता: चलाये- इस तरह से काम अैया करते
है।

मै अैप का बिश्वस्त
मनोहर बाड़ा
६-११-५८

J. Surin. September 58

शीशी वहा प्रचारक जे. सुरिन के सेप्टेम्बर महिने की रिपोर्ट १६ अक्टूबर।

1-9-58. चांईवासा छुट्टी मांगने को रिपोर्ट देने गया था। 14/IX
शाम को एक भाई के साथ धर्म विषय बातचित किया तो अपने को गुप्त खिस्तान को प्रचारक बतलाता है।
2-9-58. अपनी बेटी की सेवा के निमित रांची गया।
3-9-58 — 11-9-58 तक रांची में था।
12-9-58 को कुलवुरु बेटा को देखने आया।
13-9-58. को दवा बनाया।
14-9-58. को कुसुम टोली नीज मंडली में प्रभुभोज रखाया।
15-9-58 को कुलवुरु छोड़ दिया।
16-9-58. को शीशी वहा आया।
17-9-58. खाने पीने की इन्तजाम किया।
18-9-58. १० जनो को प्रचार किया तथा ६ जनो को पढ़ाया।
19-9-58. बाजार गया तथा ७ जनो को पढ़ाया।
20-9-58. चक्रधरपुर गया तथा ६ जनो को पढ़ाया।
21-9-58. नाकटी कौर दमुड़ी में गिरजा चलाया।
22-9-58. १० जनो को प्रचार किया तथा दवा बनाया एवंग ७ जनो को पढ़ाया।
23-9-58. २२ जनो को " " " ५ जनो को पढ़ाया।
24-9-58. ३ जनो को दवा बनाया और ६ जनो को पढ़ाया।
25-9-58. पताहसाई के १५ जनो को प्रचार किया तथा ६ जनो को पढ़ाया।
26-9-58. ५ जनो को प्रचार किया तथा ७ जनो को पढ़ाया।
27-9-58. १५ जनो को प्रचार किया और दवा बनाया तथा १० जनो को पढ़ाया।
28-9-58. दमुड़ी में गिरजा किया ३ व्यक्ति थे तथा १० जनो को पढ़ाया।
29-9-58. दवा बनाया तथा एक भाई मेरे पास आ के मुझे कहा कि मैं धर्म में आने चाहता हु। मैं ने उससे पूछा क्या तू सच्चे दिल से आने चाहते हो। क्या किसी के धमकाने से धर्म को छोड़ोगे। उसने जवाब दिई कि मैं किसी की धमकाने से भी नहीं छोड़ूंगा। फिर मैं उससे १० जनो को पढ़ाया। आने वाले इतवार से हमारे गिरजा में सम्मिल हो जावो।
30-9-58. पोछ्ह को क्लिस गया तथा १० जनो को पढ़ाया।

नोट :- (क) हिन्दु की के साथ लोग रहते हैं और उन्हीं की बातों को मानते हैं जिससे धर्म में नहीं आते हैं।
(ख) सक्रामेन्ट में डोकर खाते हैं। वे कहते हैं कि खिस्तान लोग एक ही जाति बनाने वाले हैं।
(ग) शीशी वहा वाले अभी तक कोई धर्म में आने नहीं चाहते हैं।
(घ) कितने सोचते हैं कि ये लोग कोई दिन रह कर चाले जांयगे। वे हम लोग को छोड़ देंगे।

Yours faithfully Servant
Cāli. J. Surin
3.10.58

Sop. 58 P. S. Topno.

नक्शरी जोइन्ट मिशन बोर्ड का रिपोर्ट

ई. डब्लू. का

ता. काम होने की जगह 13/IX

१ ई. डब्लू. रिपोर्ट तैयार किया।

२ " " नक्शरी मरवाहीमें ४ जानोंको सुसमाचार सुनाया।

३ " " चक्रा धा पूर विशेष काम के लिये गया

४ " " शीशी वहा गया वहां ६ जनों को सुनाया तो दो जनों को पढ़ाया।

५ " " बाजार किया।

६ " " पाठ तैयार किया।

७ " गिरजा हुआ ४ जन उपस्थित थे। फिर शीशीवाहा में भी हुआ।

८ " शीशी वहा गया वहां दो जनों को पढ़ाई हुई तो बिमारियों की चिकित्सा हुई।

९ " वहां हुई जिसके कारण कहीं नहीं गया।

१० " चक्रा धा पूर। लाटा पिलाई के लिये गया।

११ " बिमारियों को देखने के लिये शीशी वहा गया। प्रार्थना हुई

ता॰ ग्राम की तरह
१२. बाजार किया।
१३ पोस्ट ऑफिस में ग्राम का इसलिये बहुत गये।
१५ गिरजा दुआ। शिशी बहुत औंगनबो में
१५+१६ वर्षा हुई।
१७ को चक्रधर पुर विशेष ग्राम के लिये गये।
१८ कारोगा गया बहुत आखाने दो अगर सुबह चा सुनाया और ४ बजे सुनने वाले थे।
१९ बाजार बंद था।
२० तेन दा: गया भाईयों को देखने के लिये।
२१ गिरजा दुला
२२ फिर शीशी बहुत गये। को सब प्रजा के साथ विशेष ग्राम
२३. तेन दा गया भाईयों के पास उनसे समझाने के लिये।
२४ चक्रधर पुर दवा खरीदने गये। को बनाने।

September 58 Israel Topno

12/IX

बाईबेड़ा जोईन्ट मिशन बोर्ड का रिपोर्ट ।

सोमेश्वर का ।

स्त्री माहामन्त्रावार क्रोस मात्री और —
स्त्री सोफ मात्री दोशुसदाध ।

ता: काम ।

१ आदम की सेवा की ।
२ आदम की सेवा की ।
३ आदम की सेवा की ।
४ बजार किया ।
५ आदम की सेवा की ।
६ आदम की सेवा की ।
७ गिर्जा किया ।
८ आदम की सेवा की ।
९ आदम की सेवा की ।
१० आदम की सेवा की ।
११ बजार किया ।
१२ आदम की सेवा की ।
१३ आदम की सेवा की ।
१४ गिर्जा किया ।
१५ आदम की सेवा की ।

काम।

ता: १६ आदम को सेवा की।
१७ आदम की सेवा की।
१८ बजार किया।
१९ आदम की सेवा की।
२० आदम की सेवा की।
२१ गिर्जा किया।
२२ आदम की सेवा की।
२३ आदम की सेवा की।
२४ आदम की सेवा की।
२५ बजार किया।
२६ आदम की सेवा की।
२७ आदम की सेवा की।
२८ गिर्जा किया।
२९ आदम की सेवा की।
३० मनिआडर आया। ई बोलके पोसटो दीसा गया।।

० आदम का बेमार अभी तो अच्छा होता है और दोड़ा ऐसा है।।

इसराएल तोमबे प्रचारक।।

September 58 राज्य वृद्धि काम का रिपोर्ट होरो एरिया Thomas Bhengra.

तारिख- सेप्टेम्बर महीना १९५८ ई०।

11/58

१- स्कूल किया
२- स्कूल किया
३, स्कूल किया
४ - स्कूल किया
५- स्कूल किया
६ स्कूल किया
७ गिरजा किया
८ स्कूल किया
९ स्कूल किया
१० स्कूल किया
११ स्कूल किया
१२ स्कूल किया और गोइला मेरा बाजार गया।
१३ स्कूल किया
१४- गिरजा किया
१५- स्कूल किया
१६- स्कूल किया
१६- स्कूल किया
१७ स्कूल किया
१८- स्कूल किया
१९- स्कूल किया
२०- स्कूल किया
२१ ~~स्कूल किया~~ गिरजा किया
२२- स्कूल किया
२३- स्कूल किया
२४ स्कूल किया
२५- स्कूल किया
२६ धान काटा
२७ स्कूल किया

१२८ गिरजा किया
२९- स्कूल किया
३० स्कूल किया

आप का विश्वस्त-

Thomas Bhengra
Hare P. 8. 10. 58

September 58 Mansidh Samad. 10/IX Jaraikela Parodih Date-19.58

श्री मान H Ireloss,

हम लोगों को मोर से यीशु सहाय होवे, आप को सितम्बर महीना का रिपोर्ट भेजा जाता हो।

1 घर में था रिपोर्ट बनाया।
2 घर में था।
3 जराइकेला कम्पौंड के पास गया था।
4 पाचंपहिया गया भेंट मुलाकात किया।
× ——— ×
5 बाजार गया था (सुक्रवार)
6 पढ़ तैयार किया।
7 गिरजा किया।
8 जराइकेला के पास्टर के पास गया
9 घर में था।
10 घर में था।
11 कादसिंग गया गुरु के साथ धर्म के बारे बताया
12 जमालो गया वहां के सुख साथ बात किया।
13 पाठ तैयार किया।
14 गिरजा किया।
15 पुरना डीह गया, मंगुला के साथ बात किया।
16 डोमलाड गया दोन्दो के साथ बात किया।
17 घर में था।
18
19 करोहीपजार गया वहां पर डोमलोड़ के सरदार से बात किया
20 पाठ तैयार किया।
21 घर में था गिरजा किया
22 घर में था।
23 जयालो गया था घर बिसा मुलाकात नहीं हुआ
24 घर में था।
25 नया दैली गया और मंडा के साथ बात किया
26 परोहीपजार गया और वहां पर पहिपोत गुडा के साथ बात किया
27 पाठ तैयार किया
28 गिरजा किया
29 घर में था।

सेवा में,

फर-ाडीह गया किसी से मुलाकात नहीं हुआ।

विषय :- आप को यह सूचित किया जाता है कि अक्टोबर महीने का (गिद्ध) का खाता है उसे आप मेरा वेतन को काट लिजिये गा और भेज दीजियेगा।

धेरा महीने का 111)
2 वाँ " " 31)
3 " " " 31)
4 " " " 11)
2 वाँ " " 2)
3 " " " 1)

10 11)

धन्यवाद।

प्रार्थी का विश्वास

Hamad
Parodih
Jaraikela
Singbhum.

J. K. Hemrom September 52.

सितम्बर महिना का रिपोर्ट १९५२

9/IX

१-ई-५२ को मैं करीजोड़ा को गया था, मुंडिया लोगों के साथ में ईश्वर के बारे में और यीशु का कहा हुआ बात कि अन्तिम दिनों में क्या२ चिन्ह जगत में दिखाई देगा बताया ——

२-ई-५२ को मैं बंगा को मुन्डा लोगों के टोला को गया, वे कहते हैं कि हम लोग भी मिशन से जायेंगे ——

३-ई-५२ को मैं बंगा के माहली टोला को गया था, कइएक आदमी के साथ में हिन्दु शास्त्र और खिस्तान शास्त्र के बारे में बात चीत हुआ ——

४-ई-५२ को मैं मनोहरपुर मिशन हसपिटल को गया, बिमारी बेटी को लेने के लिये ——

५-ई-५२ को मैं उरुकिया को गया था, माहली लोगों के साथ में खिस्त के बारे में बात चीत हुआ ——

६-ई-५२ को मैं बंगा के माहली टोला को गया, माहली लोगों के साथ में खिस्त धर्म के बारे में बहुत कार कार हुआ ——

७-ई-५२ को मैं विश्राम दिन था ——

८-ई-५२ को मैं बंगा के मुन्डा टोला को गया, एक जन के साथ में बात चीत किया कि काल में तुम सबों को खिस्त धर्म के बारे बताने के लिये आऊंगा ——

९-ई-५२ को मैं फिर मुन्डा टोला को गया और मैं उन को खिस्त धर्म के बारे में बहुत सुनाया ——

१०-ई-५२ को मैं दो जनों सुसमाचार और प्रकाशित बाक्य मेंसे बहुत सुनाया ——

११-ई-५२ को मैं होड़ बंगा को गया और वहां के ऊंच लोगों को सुसमाचार मेंसे बताया ——

१२-ई-५२ को मैं बंगा का मुन्डारी लोगों को खृस्त धर्म के बारे में बताया ——

१३-ई-५२ को मैं परच्यानपाली को गया था ऊंच लोगों को प्रेम के बारे में बताया ——

१४-ई-५२ को विश्राम दिन था ——

१५-ई-५२ को एक मुन्डा के साथ में खिस्त धर्म के बारे में बात चीत किया ——

१६-ई-५२ को मैं घर ही में था ——

१७-ई-५२ को मैं दिरिपासला को गया था, वहां तीन सन्तालों को पहाड़ी उपदेश मेंसे बताया ——

१८-ई-५२ को मैं बंगा के मुन्डा टोला में रात को फ्लानेल ग्राफ दिखाया, वे काल भी देखने चाहते हैं ——

१९-ई-५२ को मैं फिर मुन्डा टोला को रात के समय में गया और फ्लानेल ग्राफ दिखाया, २०-२५ जन थे ——

२०-ई-५२ को मैं फिर मुन्डा टोला को गया और रात के समय में फ्लानेल ग्राफ दिखाया ४० आदमी तक थे, वे सुनते थे ——

२१-ई-५२ को विश्राम दिन था ——

२२-ई-५२ को मैं दिरिपासला में रात को फ्लानेल ग्राफ दिखाया १६ आदमी थे, वे सुनते थे ——

२३-ई-५२ को मैं रात का नींद के कारण कहीं नहीं गया ——

२४-ई-५२ को मैं फिर मुन्डा टोला में रात को फ्लानेल ग्राफ दिखाया ३० आदमी तक थे ——

२५-ई-५२ को मैं फिर बंगा के मुन्डा टोला को रात के समय में गीत सिखाया और बीच बीच में मैं उसका अर्थ को बताया, वे बहुत प्रसन्न पाते हैं ——

२६-ई-५२ को मैं फिर मुन्डा टोला में गीत सिखाया ——

२७-८-५८ को मैं रात के समय में पिपासिला में फ्लानेल ग्राफ दिखाया ३५ आदमी तक थे - वे सुनते और देखते थे —

२८-८-५८ को मैं छापलटांड़ में रात के समय फ्लानेल ग्राफ दिखाया, वे मुन्डा लोग हैं। और वहां एक S.P.G. मास्टर भी हैं, वे गान भजन भी सिखाये हैं और इसलिये रात तक भजन किया ——

२९-८-५८ को नींद के कारण से कहीं नहीं गया ——

३०-८-५८ को मैं जरंगा के मुन्डा टोली में भजन गीत सिखाने को गया रात के समय में, ~~इस सेल~~ एक बुढ़िया से गाली भी मुझको सुनना पड़ा

आप का आज्ञाधीन प्रचारक

J. H. Hemrom. Dumirla
P. O. Purkia
15-10-58

September 68 - Stiphan Lakra

पोढ़ा डीह 8/IX

ता. २५.६.५८

श्रीयुत महामान्यवर

पादरी बाबू नाथ को चाय सहाय।

महाशय,

नाथ को जनाया जाता है।

ता. १.६.५८ को मैं बेलवन गया था और वहां के
ता. २. " " किसान भाई, बहिनों को समझाये।
ता. ३. " "
ता. ४. " "
ता. ५. " "
ता. ८.६.५८ को मैं रोड़ो गया था और वहां के भाई
ता. ९. " बहिनों को ईश्वर का वचन सुनाये।
ता. १०. " "
ता. ११. " "
ता. १२. " "
ता. १३. " "
ता. १५. ६. ५८ को मैं गुरेटया गया था और वहां के
ता. १६. " " किसान भाई, बहिनों को ईश्वर का
ता. १७. " " वचन सुनाये।
ता. १८. " "
ता. २०. " "
ता. २१. ६.५८ को मैं लोरगेन गया था और वहां के
किसान भाई बहिनों को ईश्वर का
वचन सुनाया।
ता. २३.६.५८ को डोंगापचार में मैं किसान भाई बहिनों
ता. २४.६.५८ को ईश्वर का वचन सुनाया।
को मैं पोढ़ा डीह के किसान भाई बहिनों
ईश्वर का वचन सुनाया।

मार्च काच्च महिने से लेकर अगस्त महिने तक
का मुठी शेराणी और घड़ा शेराणी का काम दणी।
~~मार्च~~ मार्च से अगस्त तक ~~की~~ मुठी शेराणी का काम दणी
मार्च से अगस्त तक के ~~मुठी~~ घड़ा शेराणी (३१) रु.
का काम दणी
(३॥) रु.
पुना दान २) रु.
न्यायाधीश गोविन्दजी २) रु. दोनों का मोठ करने से कुल
जादा (३३) मुठी शेराणी
१६॥) घड़ा ८
रु.
८
मोठ-रु५)॥ पैसे।

September 58

Israel Lugun

१९५८ सेप्तेम्बर

महिना का डयरी

7/IX

१ तरिक को जाम्माल में नये खृष्टानों को औ धर्म खोजकों को वचन सिखाया।
२ " " दूर-प्रचारक के साथ जाम्माल में वचन सिखाया।
३ " " जाम्माल के नये खृष्टीयान दुखाली के घर में प्रर्थना किया।
४ " " " " " " " " " " " " " "।
५ " " एक खृष्टीयान भाई को वचन सिखाया।
६ " " घटेघाडीह के संसारीयों को वचन सिखाया।
७ " " कुलघाल में गिरजा किया।
८ " " तेलिडीह के एक बेमारी के घर वचन सुना के प्रर्थना किया।
९ " " कुलघाल नया खृष्टीयानों को वचन सिखाया।
१० " " जाम्माल में नये खृष्टीयानों को वचन सिखाया।
११ " " सोरोई के एक संसारी भाई के सत धर्म बिशय बत चित किया।
१२ " " गोरेचा बहाल खोरडीह के संसरीयों को वचन सुनाया।
१३ " " बलान्डा के दो संसरियों के सथ धर्म बिशय बत चित किया।
१४ " " कुलघाल में गिरजा किया।
१५ " " बलान्डा के एक दुखाली के घर में प्रर्थना औ दवा से सेवा किई।
१६ " " एक संसारीयों को ईश्वार का वचन से समझाया।
१७ " " बलान्डा में एक दुखाली घर में प्रर्थना किया।
१८ " " बलान्डा के एक भाई एक बहिन संसरीयों को समझाया।
१९ " " घोटेघाडीह के एक दुखाली के घर में प्रर्थना किया।
२० " " जाम्माल में वचन सिखाया।
२१ " " कुलघाल में गिरजा किया।
२२ " " सिमला कोटा के एक दुखाली के घर में प्रर्थना किया।
२३ " " घोटेघाडीह के नये खृष्टीयानों के घर में वचन सुना के प्रर्थना किया।
२४ " " से झड़ा बेमार औ सरे शरिर दुर्बल के करण घर में थे।
२५ " " " " " " " " " " " " " "।
२६ " " एक संसरी भाई को समझाया।
२७ " " बलान्डा के नये खृष्टीयानों को वचन सिखाया।
२८ " " कुलघाल में गिरजा किया।
२९ " " बलान्डा में वचन सिखाया।
३० " " जाम्माल में एक संसारीयों को समझाया।

~~मने नार~~ प्रदाशय

यादु बाबु जे सोरे आप प्रेम यीशु सहाय। कुलघाल मंडली में बेमार हरएक घर में प्रर्थना होते जा रही है तौभी प्रभु उस समय आर्थात दुख सुख में दया करते आता है मंडली में संसार सब आस्ते २ आना जाना कर जा रहे हैं। उन्नेद आ रही है। आज पहिले आप लिखे आनुसार खोरडीह जा रहा हूँ। जुन जुलाई का डयरि नहीं पाये हैं बोलते हैं बहुत मोसकील की बात क्या होती है जो कि आप नहीं पाते जो आप पाते हुए भी नहीं बोलके लिख देते हैं आबर डयरी फिन भेज रहा हूँ रिपोर्ट तो ठिक बात हैं दुःख सुख अच्छे ही हैं। (मंडली) आमदानी एक ही में दिखा किये हैं घड़ा : मुठी पैसेनी दोनों दान मिला के १॥ आना आप को मलूम हो।

Oct. 5=10+5P—

September 58 J. Samad

Bodhrama 6/IX

सितम्बर 58 की डायरी ॥

1 - मैं सोपोर को घर को वापस किया ॥
2 - आज मैं बेपोटास गया था ॥
3 - संगम को आज बुध को वहीं नहीं गया ॥
4 - आज गांव का बाजार किया ॥
5 - आज से 6 ता: को मैं अपना गांव में आप किया ॥
6 - इतवार को गिर्जा किया ॥
7 - सोपोर को A. Qadir के साथ बिशाबटी गये थे ॥
8 - आज घर से कहीं नहीं गया ॥
9 - आज भी बिशाबटी गया था ॥
11 - बाजार किया ॥
12 - ता: से 13 ता: को अपना आप किया ॥
13 - इतवार को गिर्जा किया ॥
14 - आज मैं श्रीनगर घुडा गया था ॥
15 - संगम को भी वहीं आप किया ॥
16 - वहां से आज शाम को मैं लौटा ॥
17 - आज बाजार किया ॥
18 - आज से 20 ता: को घर का काम किया ॥
21 - इतवार को गिर्जा किया ॥
22 - बिशाबटी मैं गया था ॥
23 - आज मैं पत्रपोक गांव गया था ॥
24 - आज वहां से मैं लौटा ॥
25 - बाजार करके अपना डायरी लिखा ॥

अगस्त का आमदनी - 2 - 4 - 0 पा:

J. Samad

25 - 8 - 58

September 58 Mansidh Dang

सेप्टेम्बर १९५८ की डायरी।

5/IX

ता. १-९-५८ छमड़ा से दुरगाडीह आया।
ता: २-५- दुरगाडीह में था।
ता. ६-९-५८ शाम को दुरगाडीह में बिन्ती समाज किया।
ता ७-९-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में इतवार का गिरजा किया।
ता. ८-९-५८ दुरगाडीह आया।
ता. ९-९-५८ जसूनकिरा होके रबेरडीह गया।
ता. १०-९-५८ दुरगाडीह में था।
ता. ११-९-५८ बुधवार मसीह भइयों के यहां गया। गिरजा आना जाना सम्बन्ध में शिक्षा दिया।
ता. १२-९-५८ जसूनकिरा गया।
ता. १३-९-५८ दुरगाडीह में रह कर इतवार का उपदेश पर धयान किया।
ता. १४-९-५८ इतवार का गिरजा दुरगाडीह + छमड़ा में किया।
ता. १५-९-५८ दुरगाडीह में था।
ता. १६-१७- पानी बरषा खूब था। कहीं भी जाने का सुविधा न मिला।
ता. १८-१९- बुधवार + लोंगाबहाल में टूर किया।
ता. २०-९-५८ इतवार का बचनों पर धयान किया।
ता. २१-९-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया।
ता. २२-९-५८ छमड़ा में नवाखनी का बिन्ती किया (गिरजा किया) शाम को गीत बचन भी सिखाया।
ता. २३-९-५८ दुरगाडीह आया।
ता. २४-९-५८ कुलपात जाकर शाम को जामाल में धर्म सम्बन्धी शिक्षा दिया। और बचन भी सिखाया।
ता. २५-९-५८ प्रचारक शिमोन डांग के साथ कुलपात के प्रत्येक मुंडा भइयों के घर जाकर धर्म की (प्रभु का बचन) बातें सुनाया।
ता. २६-९-५८ दुरगाडीह में आया।

Catechist Mansidh Dang
G.E.L. church.
Durgadih.
26-9-58

September 58 Patras Barla.

Dairy for the Month of

September 1958

4/IX

1 9/58 स्कूल किया। 2 9/58 को स्कूल दुसरे बेला कोन मुन्डा के संसार माड़ीयों को प्रभु का बचन सुनाया/ 3 9/58 को स्कूल किया 4/ 9/58 को स्कूल किया। 5 9/58 को स्कूल किया 6 9/58 को स्कूल किया 7 9/58 को गीरजा किया नवा खातुन पढ़ी माने
8 9/58 को स्कूल किया। तीन भुईया लड़के एक मुन्डा लड़का चार हैं
9 9/58 ... " " "
10 9/58 " " " "
11 9/58 " " " "
12 9/58 स्कूल करके दुसरी बेला पाईनभन्डार के माड़ीयों के पास गये
13 9/58 स्कूल किये।
14 9/58 गीरजा किया
15 9/58 स्कूल किया।
16 9/58 " " " "
17 9/58 स्कूल किये और दुसरी बेला स्कूल लड़कों के मां बापों को
18 9/58 समझाने गये
19 9/58 स्कूल किये " " "
20 9/58 " " " "
21 9/58 को गीरजा किया
22 9/58 स्कूल किया दुसरी बेला बोमा के संसार माड़ीयों के पास गया
23 9/58 " " " "
24 9/58 " " " " "
24 9/58 " " " " "
25 9/58 " " " "
26 9/58 " " " "
27 9/58 बेबल का स्टाड किया
28 9/58 को गीरजा किया
29 9/58 स्कूल किया
30 9/58 " " " "

Patras Barla
Sarjiolih
6-9-58

Monthly Report (16th September से लेकर 3/IX
23rd October तक) 1958:—

September 16 को अपना पहिले का रिपोर्ट चाइबासा भेज दिया और उस दिन पुस्तक अध्ययन किया। ता. 17 को भी घर में रह कर पुस्तक अध्ययन किया।
18. को कारिउदत्त बाबु Jacob Kolkatta से मुलाकात हुई। वे C.C. के द्वारा नया भेजे गये है जो आमगांव में रह कर J.M.B. के नीचे काम करेंगे।
19+20 को नये कारिउदत्त बाबु के साथ कम्पौण्ड आस पास घूमधाम किये।
21 को नये कारिउदत्त को गिर्जा कराये।
22-26 में मलेरिया ज्वर से अति पीड़ित हुआ और अस्पताल से दवा और दो इंजेक्शन लिये जिससे मैं चंगापन में आ गया।
27 को मैं कारिउदत्त बाबु के साथ बमनीडिह आदि संसारिक गांवों में प्रचार करने गया। सुनने हारे खुशी से ईश्वर का वचन सुनते थे।
28 को हम पुरनापानी मंडली में गिर्जा किये।
29+30 अस्पताल में रोगियों को देखने गये और पुस्तक अध्ययन किये।

Cand. S. Kujur

2/IX

Report of the month of September 1958.

1.9.58. Monday :- Prepared a monthly report of the month of August 1958. In the evening visited the families of Mr. Nathaniel Soy, B.N.R. Line and of Mr. Ishak Bhengra, Topa Piri.

2.9.58. Tuesday :- Monthly report of the month of August 1958 was sent to Rev. H. Closs, Chaibasa, I received the salary of ~~the~~ the month of August 1958. Visited Christian families in Nicia Bari Piri.

3.9.58. Wednesday :- A free Gospel Preacher Mr. Samuel Chelladorai, Madurai South India, came to my premises. I talked with him about the method of preaching. His method of preaching the Gospel is ~~the~~ the distribution of Christian booklets and leaflets to non-Christian and Christians too. I took addresses from him for Christian booklets and leaflets. I visited some Christian families in Bajar Dhaura.

4.9.58. Thursday :- Sent orders for Christian Booklets and Leaflets to ① Fed. A. Merion, Chutu Palu, Ranchi District, and ② V.P. Paulus (Gospelworker) Gungu toli Lane, Ranchi. Visited some Christian families in Bajar Dhaura and Upar Dhaura.

5.9.58. Friday :- Visited Christian families at Lalji Hating, Chatom Buru, Jata Hating, Murdar Hating and Gara Hating. In the evening went to Upar Dhaura.

6.9.58. Saturday :- In the morning ~~pre~~ got ready for Church Service. In the evening I was going up to Top Mountain for Church Service. But came back as it was rainning for a long time and so there was too late to go up.

7.9.58. Sunday. Conducted Church Service in Gua proper. Sunday School and Mahila Samaj ~~wo~~ took place. In the evening went to Gua Bai. to see a patient.

8.9.58. Monday - Went to Lalji Hating for house visiting.

9.9.58. Tuesday - Got V.P. Parcel No. 74, from N.I.C. Tract and Book Society Allahabad. The Parcel contained 300 copies of Christian leaflets in Hindi Costing Rs. 3/ 49np. (Rupees three and forty nine naiPaisa) Visited a patient in Gua Bai.

10.9.58. Wednesday :- Juliani Topno, two years old, the youngest daughter of of Mangal Topno Upar Dhaura, passed away. I conducted burial Service

11.9.58. Thursday - Went to Bajar Dhaura and collected monthly Mandali Subscription. The monthly Subscription has been again newly started from the month of August. The subscription taken from each worker half of his daily wages.

12.9.58. Friday :- I was engaged with my personal work at home.

13.9.58. Saturday :- Went to Bajar Dhaura to see a patient. I did not go up to Top Mountain for Church Service as it was rainning.

14.9.58. Sunday – Conducted Church Service. Church attendance was rather larger than before. The amount of Ghara Sirni was increased as bags for Ghara Sirni were supplied to each Hating. Mahila Samaj and Sunday School took place. Attendance in Sunday School was larger than before.

15.9.58. Monday – Sent orders for Christian Booklets and Tracts in many languages to (1) Evangelical Literature Depot, P.B. 2340. 11/1 Mission Row, Calcutta 1. and (2) Scripture Gift Ministry of India, 13 Cubbon Road, Bangalore, Mysore. I went to Lalji Hating to see a patient. Went to Upar Ghaura and had a house visit.

16.9.58. Tuesday – Went to Lalji Hating to see a patient. Visited some families in Bajar Ghaura. In the evening visited the Christian patients in the Hospital. In the evening Rev. H. Samad came to Gua.

17.9.58:– Along with Rev. H. Samad visited Christian families in Bajar Ghaura and Upar Ghaura. In the evening I went to Barajamda to conducte Church Service. I conducted Church Service There. I distributed numbers of Christian leaflets at Gua Station and at Barajamda.

18.9.58. Thursday – Came back Gua from Barajamda. On the way to Gua from Barajamda I distributed Christian tracts to non Christians. In the evening along with Rev. H. Samad visited Christian families in Bajar Ghaura.

~~19~~. 19.9.58. Friday – Rev. H. Samad left Gua in the morning. I visited Christian families in Gara Hating.

20.9.58. Saturday – Prepared my self for Church Service. Went up to Top Mountain and conducted Church Service. There was a large gathering in the Church Service.

21.9.58. ~~Sunday~~ Sunday – In the morning came down to Lelel Hating ~~on~~ from Top Mountain and visited Christian brethren there. Then came to Bakal Hating. Visited Christian families. Attended Church Service there and delivered Sermon. From there came down to Gua proper and conducted Church Service. Sunday School was conducted. Mahila Samaj did not take place.

22.9.58. Monday – Made arrangement with Mr. A.M. Topno for transportation of stone ballast. One truck of stone ballast containing 150 Cft. was transported ~~that~~ for building purpose. The transportation charge was Rs. 12/- (Rupees twelve only). Four empty tines were bought for Rs. 2/8 (Rupees two and annas eight) for building purpose. Received a letter from Rev. C.V. Dang, Chaibasa concerning the coming of the Brachariika Miss M. Kandir, to Gua on 20th Oct. and her ~~programme~~ work here from 21st – 26th Oct. 58.

23.9.58. Tuesday. Talked with Mr. A.M. Topno about the nature of the work concerning the construction of the new building. Went to Bajar Dhaura and Bhati Hating. Sent a letter to Rev. C.V. Dang Chaibasa in reply to his letter. In the evening went to Bicha Ikir, conducted prayer meeting and came back home.

24.9.58. Wednesday - In the morning went to Huia Basi Pirri and Huia village for house visiting. In the evening went to Chatom Buru There are two Dharamkhojaks there I taught them and conducted prayer meeting and came back home. Received a letter from Rev. J. Soy, Chaibasa. In the letter the matter of official direction for preparing monthly report, was given.

25-9-58. Thursday - In the morning went to Upar Dhaura and visited two patients. After noon visited one patient in Gua Sai. In the evening went to B.N.R. Line and Topa Pirri for house visiting. Visited Christian patients in the Hospital. At night went to Upar Dhaura to see a patient. Gave reply to the letter of Rev. J. Soy, Chaibasa.

26.9.58. Friday - In the morning stayed at home. Prepared Sermon. In the evening went to Lalji Hating. Visited three Christian families.

27.9.58 Saturday - Went to Bhati Hating and met Samuel Kerketta. In the evening went up to Top Mountain for Church Service. I visited Christians in Holej Hating. Conducted Church Service at Jhandi Buru.

28.9.58. Sunday - In the morning came down to Bakal Hating from Top Mountain. and Conducted Church Service there. Then came down below Gua and conducted Church Service. Mahila Samaj took place but Sunday School did not take place as the appointed teacher did not come. In the evening went to Bara Jamda and conducted Church Service there.

29.9.58. Monday - Came from Bara Jamda. Started the work for the construction of the new building. Two Kulies were engaged. Received salary of the month of September, Sent by Rev. J. Soy. Got a reply from the Scripture Gift Ministry of India, 13. Cubbon Road, Bangalore1. In the evening went to Chatom Buru Bicha Ikir. Taught the Dharamkhojaks and conducted prayer meeting.

30.9.58 Tuesday - Came back from Bicha Ikir. Building work continued. Three kulies were engaged. In the evening went to Upar Dhaura and collected Subscription for new building and Monthly Subscription.

In the report of the month of August 1958 I had mentioned about the baptism of two Kharam khojaks. Here by I am stating ~~in detail~~ about them in detail.

(1) Kharam khojak Kolhai Mundu s/o ~~of~~ Late Birsa & Budhani. village Melgandi, P.S. Bandgaon, P.O. Bandgaon, Dist. Singhbhum. Halmokam Gua Holej Hating, a mines labourer, aged about 30 years of old at the time of baptism, date of birth unknown belonging to Munda Community. Baptised by Rev. C. V. Dang Parish Pastor, Chaibasa, at ~~Gua~~ Christ Church Gua, on the 3rd August 1958 with the Christian name Nirmal Mundu. He took Confirmation on the same day. ~~Condition of becoming Christian is marriage.~~

(2) Kharam khojak Rupan d/o Arjun, village Bandu, P.S. Sunua P.O. Sunua, Dist. Singhbhum. Halmokam Gua Holej Hating, a mines labourer, aged about 25 years old at the time of baptism, date of birth unknown, belongs to Munda Community. Baptised by Rev. C. V. Dang, Parish Pastor, Chaibasa, at Christ Church Gua on the 3rd August 1958 with the Christian name Salomi Barwa. She took Confirmation on the same day. ~~Condition of becoming Christian is marriage.~~

Silas Kujur.
2. 10. 58.
The worker of the J. M. B.
Gua.

September 58 Report for September 1958, Rev. Ch. H. Samad

Date -

1, - गंजरिया गया था।
2- महेता साई गया था, वहा उपेन्द्र सिंकु के घर में गीत गाया और धर्म के विषय में समझाया।
3 - सिमतु गड़ा गया था, वहां एक बुढ़िया कमर दर्द से बेचैन थी उसको दवाई दिया।
4 - बजार किया।
5 - कांसिलिया गया था गिरजा के लिये।
6 - मलुका गया था, रसिका मुन्डा के घर और उसको धर्म के विषय बहुत समझाये।
7 - गिरजा किया। दूसरी बेला डांगुआपोसी गया था गिरजा के लिये।
8 - डांगुआपोसी से जगन्नाथपुर आया।
9 - कोलाच साई गया था, वहां कुमारया कोरेस्टोन को बिमार थे उनको समझाये।
10 - मलुका कोटा हेसा के घर गया और धर्म के विषय समझाये, और धर्म ओ पानी चाहते हैं उनको सिखाने के लिये समय नहीं होता है, वहां मलुका गेट, वहां एक उरांव सहायक है उसको धर्म की शिक्षा बराबर देने से आ सकते हैं।
11, - घर के बजार किया।
12 - कंसा जोगा गिरजा के लिये गया था।
13 - घर में झाड़ी किया।
14 - गिरजा किया।
15 - पानी के बारण से बाहर नहीं जाने सके।
16 - गुवा तरफ गया था।
17 - बजार दौड़ और उपर दौड़ कलीदास के साथ दर्शन गया, दूसरी बेला गुवा तरफ गया था।
18 - पहाड़ उपर गया था।
19 - गुवा से जगन्नाथपुर लौटा।
20, - घर में झाड़ी किया।
21 - गिरजा किया। दूसरी बेला डांगुआपोसी गया था गिरजा के लिये।
22 - डांगुआपोसी से जगन्नाथपुर लौटा।
23 - मलुका गया कोटा हेसा के घर।
24 - डांगुआपोसी गया, एक घर धर्म खोजकों के पास उनके धर्म और खुशखबरी कैसा किया होगा उसके बारे में समझाये।
25 - बजार किया।
26 - सिमतु गड़ा गया था। वहां एक दो और लोगों के घर में पुराना किया।
27 - घर में झाड़ी किया।
28 - गिरजा किया दूसरी बेला डांगुआपोसी गया था।
29 घर में काम किया।
30 जेटका बजार गया गिरजा के लिये हाट खरीदने के लिये।

नोट - आज कल रोज सब एक घर में रहते हैं भजन गीत और पुराना सिखाते हैं।
5, 6, औरत जुवाती जाते हैं सिखने के लिये।
डांगुआपोसी में तीन पुराणी धर्म खोजक हैं। उनको तैयार करना है, अभी तक सगुड़ा के लोग धर्मांतरण के सम्बन्ध में कुछ नहीं कहते हैं। इन लोगों के लिये अभी बहुत समय है।

घर के विषय — सकुचा तरफ किया महाँ भी ईंटा नहीं मिला जब तक ईंटा नहीं बनवायेंगे तब तक घर का काम शुरु नहीं होगा। मैं इधर उधर बहुत कोशिश किया।

घुमने के सम्बन्ध — आसपास सब तरफ लोग बुलाते हैं बिमारी का दवाई बनाने के लिये बहुत से आदमी मेरे पास आते हैं। और जो जानते हैं उनलोगों के पास दवाई करने जाता हूँ। जिसके कि धर्म के बातों को भी बताने को मौका होता है। मेरा एक सहायक होने से और अच्छा बहुत से गांव टोलियों में घुमना पड़ता है।

August 58. S. Dang.

१९५८ अगस्त महिना की डायरी। 19/VIII

१-८-५८ को रेभ. जे. सोय की कुलहट पत्री को पाया।
२-८-५८ को घर से निकला।
३-८-५८ को कुलपाल पहुंच कर, साम को जाम्माल के नये खृस्तानों को बचन सिखाया।
४-८-५८ को गोरेया बहाल खोरर डीह का एक नया खृस्तान के साथ धर्म्म विषय बातचित किया
५-८-५८ " जाम्माल के नये खृस्तानों को, औ धर्म्म खोज कों को ईश्वर का बचन समझाया।
६-८-५८ " महिजोर के खृस्तानों के घर में प्रार्थना किया।
७-८-५८ " जाम्माल के नये खृस्तान + धर्म्म खोज कों को बचन सिखाया।
८-८-५८ " जाम्माल के नये खृस्तान + धर्म्म खोज कों को दस आज्ञा और धर्म्म गीत सिखाया।
९-८-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
१०-८-५८ " कुलपाल में गिर्जा किया।
११-८-५८ " गोरेया बहाल के भाई बहिनों के संग धर्म्म विषय बातचित किया।
१२-८-५८ " खोरर डीह के संसार भाई बहिनों को समझाया।
१३-८-५८ " एक बिमारी के घर में बिन्ती किया।
१४-८-५८ " जाम्माल में नये खृस्तान + धर्म्म खोज कों को बचन सिखाया।
१५-८-५८ " जाम्माल " " " " " " " " " "।
१६-८-५८ " जाम्माल में एक संसार भाई को समझाया।
१७-८-५८ " कुलपाल में गिर्जा किया।
१८-८-५८ " टंगोरपाली सामान लाने गया था।
१९-८-५८ " टंगोरपाली से लौट कर जाम्माल में बचन सिखाया।
२०-८-५८ " जाम्माल में बचन सिखाया।
२१-८-५८ " " " " " "।
२२-८-५८ " एक संसार भाई और एक बहिन के साथ धर्म्म विषय बातचित किया।
२३-८-५८ " बलन्डा के खृस्तान + संसार दुखालियों के घर में बिन्ती किया।
२४-८-५८ जाम्माल में गिर्जा किया।
२५-८-५८ " बलन्डा और जाम्माल में दुखाली संसारियों के घर में बिन्ती किया।
२६-८-५८ " लोद्रोपाल में एक संसार भाई के घर में दुखाली की सेवा प्रार्थना और दवा के साथ किया।
२७-८-५८ को लोद्रोपाल में दुखाली को प्रार्थना के द्वारा सेवा किया।
२८-८-५८ को जाम्माल में बचन सिखाया।
२९-८-५८ " कुलपाल में ईश्वर के बचन से समझाया।
३०-८-५८ " कुलपाल में नये खृस्तानों के बीच ~~झड़~~ झगड़ा था, उन को समझाया
३१-८-५८ " जाम्माल में गिर्जा किया।

श्रीमान जोइन्ट मिशन बोर्ड के
इन्चार्ज चेयरमेन Rev. J. Soy
आप को मेरा यीशु सहाय।
महाशय, मैं बाल बच्चों को लाने के लिये घर जाता हूं। सो कृपा करके मुझे १-९-५८ से
८-९-५८ तक की छुट्टी मिले। आप का विश्वास्त सेवक - Cate. Simon Dang
C. E. L. Church Kulpal.

Cate. Shimon Dang
Cl. E. L. Church Kulpal.
31-8-58.

August 58. Rev. H. Tutti. अगस्त १९५८ का रिपोर्ट 18/VIII

१-८-५८-22-८-५८ तक घर में रह कर समय बिताया। मुझे को कमर दर्द किया, जिसके कारण बाहर जाने नहीं सका। प्रति रतवार को गिर्जा चलाया। कभी कभी कई लोग मेरे पास गीत सुनने आये, उनको मैं ईश्वर का वचन सुनाया।

२३-८-५८ को रंगामाटिया से जसीपुर ग्राने में समय बिताया।

२४-८-५८ को जसीपुर ग्रौर बादम पहाड़ दो जगह गिर्जा चलाया ग्रौर वहां पवित्र प्रभु भोज बांटा।

२५-८-५८ को बादम पहाड़ से ग्रॉलाजोड़ी गया था।

२६-८-५८ को ग्रॉलाजोड़ी ग्रौर गोरुमहिलिराणी दो जगह गिर्जा चलाया ग्रौर दोनों जगह पवित्र प्रभु भोज बांटा। गोरुमहिलिराणी में एक संसारी बहिन को पवित्र बपतिस्मा दिया।

२७-८-५८ को ग्रॉलाजोड़ी से कुसनुपुर ग्राने में समय बिताया।

२८-८-५८ को कुसनुपुर ग्रौर कुलडीहा दो जगहों में गिर्जा चलाया ग्रौर दोनों जगह में पवित्र प्रभु भोज बांटा। कुसनुपुर में एक नई संसारी बहिन को पवित्र बपतिस्मा के द्वारा प्रभु में मिलाया।

२९-८-५८ को बारियदा में एक मसीह घराने में रह कर समय बिताया।

H. Tuti
३०-८-५८ ई०

August 58. P. C. Minz 17/ VIII

To
The Secretary,
Joint Mission Board Chaibasa.
Sir,

I hereby Submit my Short monthly report of Rourkela. As the rainy season is going to its end without Sufficient rain people are from different places are Coming to Rourkela good in number. Thus our Congregation is increasing day by day. At present we have 7 Congregations in existence. And we expect one more Congregation from the next Sunday. Some of the young men have voluntarily offered themselves to take church services. Yet I have to take at 3 Church services every Sunday.

In the absence of Chapels we have had our Church services under the trees and open places. People are being ready to give money and other sort of helps if the plot for Church Compound is alloted by the H. S. P. L.

Officials. Besides a suitable Church compou-nd we need more Churches in different directions. These will be done by a Commi-ttee ~~of Three~~ selected by the Synod of Rourkela..

Colonies are such in number that I could visit one in a fortnight when I am regular in daily visit. Evening is the only suitable visiting time when almost all people come back from their day duties

Except the R.C. all other Christian people depend upon me for their Church Services. Once a month the Baptist Pastor comes from Sambalpur for Lords Supper. I do hope they will willingly co-operate for the acquisition of the Central Church in township area.

Miss Dayamani Khalkho is working satisfactorily specially among the Ayas. I have a great problem to go with her in the evening to the remotest Colonies

She is regular in her daily visit.

I am getting unexpected help from Dr. G. Pusch. He is helpful to me in many ways.

Rev. Z. Khalkho met me once at Lamposh where I had been to take the ~~tent~~ church service there. He was saying that I should stay at Rourkela because it is under his jurisdiction. Moreover he was threatening me saying if there will be breach of peace I shall be responsible before the Court. But I am not all afraid of such threatening. From a reliable source I came to know that they are also trying to acquire a plot for the central church within the Township area. But I know it is nothing but a hinderance in our plan.

I

Yours truly
A Ekka

August 58 J. Kandulna.

16/VIII

अगस्त महीने का रिपोर्ट १९५८

Report, August 1958

मैं इतवार को टुर कर ते हैं और सप्ताह पर बउत जना पाइत था

3.8. ३-८-५८ को मैं गोपिनपुर में गिरजा किया

10.8. और दुसर इतवार को मैं इडरचप्प में गिरजा किया ता० १० को गोपिनपुर में। और हम जसिपुर कोरोनीया काम में लगें हुई हैं इसी लीया मैं मदसी कमा टिक से नही कर सके। जाबा काचईरी आते हैं तो मैं मदसी काम बड़ी प्रेमा से देता हैं

16.8. १६-८-५८ इवर को मैं जसिपुर में था

24.8. २४-८-५८ इवर को मैं सरदा में गिरजा किया

31.8. ३१-८-५८ इवर को मैं सरदा का गिरजा घीड़ा में गिरजा किया

जुसफ कुजुलना

ता० ४-९-५८

58 August. M. Bara

अगस्त १९५२

15/VIII

१ से २ ता: तक घर में था
३ ता: खुड़री बोचा गया
४ ता: से १४ तारीक
तक खुड़री बोचा ही से मलेरिया बुखार से सताया गया
घर जाने का इच्छा था, पर यहां का सेवाकाई को छोड़
कर जाने का इच्छा नहीं हुआ, सहकारजार से दबा ला
कर अब तक इच्छा ही हूं, कैसी बिमारी हालति पर भी
स्कूल चलाता ही रहा, विशेष नहीं जाने का कारण
के उसी आस पास से लड़कियां भी स्कूल आना शुरू
कर दिये हैं, दौड़ कर जाना इच्छा नहीं सब को
४ लड़की - और २ लड़के हैं, इन्हीं में से पांच छः दिन को
आते हैं, रुकने में आता है, और आने वाले हैं
इस कारण आजी तक ता १५ सेप्टेम्बर तक यहां हूं, छ
विजेटो माई बहिनो का खर्चा बरचा के कारण कोई २ रोज
स्कूल से बिना से नहीं जाना होते हैं २ - ३ घंटे हमारे
करण में चले गये हैं, खेती या पानी नहीं होने के
होते हैं, एक घर का तो दूसरा आने वाले पे, पर औरत
संसार है, उसी के करण कभी २ रोक टोक ऐसा चलता
बढ़ता है, लड़का एक दम राजी है, है - विजाने रोक
टोक का करण कितने बेचारा का कपड़ा ना होने के करण
जाने नहीं चहते हैं, कभी सोसाइटी लोग भी आते हैं
हमारे माइं य हम ही लोग उनको बेकार सिखाते हैं
जोर से बोलने नहीं बनता है, बहुत कोशिश से काम
ले रहा हूं, धिरज धरना है, यही सोच कर सीजोर
से नहीं दबाता हूं, अभी हमारे और संथालीयों के बिच
में भीतरी तौर से शैतानी लड़ाई भी है, इसी से कभीर
हमारे माइं गिरने और फसाने चहते हैं, विशेष दुश्मन विधा
से, इसलिए हर कहीं हमारे ऐस छोटे गलतियों को
लिए सदा प्रार्थना से समझाया करेंगे
अभी सादी खसी का किनार इस अंसोपास
बच्चों को बहुत सता रहा है

से आप का विश्वस्त
मनोहर बाड़ा
डुमरोडीह - हाल मो - खुड़री बोचा
ता. ६-९-५२

58 August. John Surin 14/III

Sisubaha Pracharak J. Surin के
अगस्त महिने की रिपोर्ट १६ पृष्ट।

1.8.58. दो मुंडा भाइयो को खिस्तान धर्म और संसार धर्म को मिलान करते हुए समझाया।
नाकटी प्रचारिन की सेवा किई।

2.8.58. पोष्टोफिस गया को दवा खरीदा।
5 व्यक्तियो को पढ़ाया।

3.8.58. नाकटी में गिरजा चलाया।
5 व्यक्तियो को पढ़ाया।

4.8.58. दो रोगियो का दवा खरीदा। एक रोगी के घरवाले के साथ विन्ती किया।
6 व्यक्तियो को पढ़ाया।

5.8.58. 8 व्यक्तियो को जेंगा के बारे समझाया और दो रोगियो को दवा दिया को विन्ती किया।
7 व्यक्तियो को पढ़ाया।

6.8.58. कई भाइयो के साथ धर्म के बारे बातचित को कितनो को दवा दिया।

7.8.58. 7 जनो को पढ़ाया।
रोगियो की सेवा किई। एक भाई के साथ जंगल दवा खोजने गया रस्ते में मैं उससे पूछा कि क्या आप लोग मिशु में लौटेंगे की नहीं उसने जवाब दिया कि हम लोग कब लौटेंगे। मैं उससे कहा यदि आप लोग धर्म में स्थिर रहेंगे तो दूसरे लोग भी आवेंगे चूंकि मुझे वचन दे रहे हैं।
8 व्यक्तियो को पढ़ाया।

8.8.58 बाजार गया और दवा खरीदा।
8 जनो को पढ़ाया।

9.8.58 दवा बनाया और 30 जनो को लोगा के बारे समझाया
8 जनो को पढ़ाया।

10.8.58. नाकटी में गिरजा किया।
8 जनो को पढ़ाया।

11.8.58. दवा बनाया और 20 जनो को प्रचार किया।
8 जनो को पढ़ाया।

12.8.58. Rev.J.Soy के साथ घुमा।
8 जन पढ़ने वाले आये।

13.8.58 चक्रधरपुर गया। रस्ते में दुलमू हो नाम का एक भाई जो
दमुड़ी ग्राम का था प्रचार किया। उसने अन्त में बोला
कि हम लोग भी धर्म्म में आवेंगे।
8 जनो को पढ़ाया।

14.8.58. 30 जनो को मीतो को गा २ कर प्रचार किया। इनमें से
एक भाई बोला कि हम लोग बातचित कर लेंगे तब से
धर्म्म में आवेंगे।

15-8-58. बाजार गया।
8 जनों को पढ़ाया।

16.8.58 डाऊट के देड़ी कारखाना में पढ़ाया और प्रचार किया
10 जनो को पढ़ाया।

17.8.58 नाकटी गिरजा गया।
10 जनो को पढ़ाया।

18.8.58. चक्रधरपुर गया।
5 जनो को पढ़ाया।

19.8.58 प्रचार के ई. तोपनो भाई नेउ। एक रोगी को सेवा के
लिये बड़े जुलम कर के ले गया। रोगी को मती ११:२८
से उपदेश दे के विन्ती किया।

20.8.58. दवा बनाया और रोगी को मरहा गया दर्द बिलकुल कम हो गया और शांत से रहा।
एक परिवार को प्रचार किया वे धर्म लाने वाले हैं, मैं उन्हें कहा कि जन्म पर्व के पहिले वपतिस्मा लेवो
21.8.58. मैं वहां से निकल के कुछ दूर रस्ते पर से वहां से मुझे फिर लौटा ले गये। चूंकि कुछ दर्द उठा था। इसी रोज मुझे बुखार का जाड़ा, सिरदर्द और बोखार पकड़ लिया और अति कमजोर हो गया।
22.8.58. बिमार। वाई बेड़ा में।
23.8.58. बिमार। " "।
24.8.58. बिमार। " "।
25.8.58. बिमार कुछ कम हो गया कि मैं वहां से गाड़ी द्वारा नानंटी आया।
26.8.58. नानंटी में रह चूंकि बाबू P.S. Topno और पुजारिन मेरी कमजोरी को देख के बीबी वहां लाने उन्हें अच्छा नहीं लगा।
27.8.58. बीबी वहां आया।
28.8.58. दमुड़ी में दवा बनाया और प्रचार किया। 6 जनों को पढ़ाया।
29.8.58.- रोगियों के लिये दवा बनाया और प्रार्थना किया।
30.8.58.- प्रो. ऑफिस गया फिर लौट के तीन जनों को प्रचार किया एक जन धर्म में आने का वादा किया।
31.8.58. दमुड़ी में बाबू P.S. Topno की संगवाई में दो भाइयों के साथ गिरजा किये।
दो रोगी वालकों की सेवा किई।

नोट :- (a) क्वार्टर में बदल दिया चूंकि घर मालिक बरांड़ा के छत के खपरे उतार लिये और लकड़ी को नहीं उतारा जिससे खर्चे को जो मरामत का ज्यादा हो गया। लगभग रु. में पूरा घर मरामत नहीं हो सकता चूंकि भीतर भी बिल्कुल खराब हो गया था। इन कारणों से मैं ने मुखिया को अर्जी किया और उसने अपनी बरांड़ा को एक कोठरी दिया है।
Rev. J. Soy नीज आंखो से देखा है।

(b) श्रीघोवहा के नजदीक दमुड़ी नाम का ग्राम है वहां के तीन व्यक्ति चर्च में आने का वचन दे रहें है।

(c) मैं उसी दमुड़ी में नीज क्वार्टर बनाने चाहता हूं जहां कि अति सुविधा पड़ता है।

(d) खास श्रीघोवहा वाले अभी तक मन नहीं फिराते हैं।

(e) मेरा वहिने इ जाना बहुत प्रभाव शाली हुआ चूंकि वहां के टोन्दे खुद दुख को देखे और नहीं सके। ईश्वर की दया से मैं वहां जा के रोगी के लिये दवा बनाया जो दुख देखने में भयानक थी फूला और दर्द बहुत ही कम हो गया था।
मुझे वहां हो सिर दर्द, ज्वर और भाड़ा पकड़ा बहुत ही मुश्किल से 25-2-58 को नाकटी आया।

(f) 31-8-58 को दमुड़ी में दो भाइयों के साथ P.S. Topno की लड़ाई में गिरजा हुई।

(g) मैं मुखिया के घर में अशांति से रहता हूं चूंकि उसके लोगों सब खाने से तो इसी कोठरी में उन का खानपान होता है।

(H) मेरे लिये सेपरेट्य (महिना ही में 60) की एक कोपड़ी बनाया जाय।

August. 58. P.S. Topno.

13/VIII

नकरी जोइन मिशन बोर्ड

इला अगस्त ता. ३१.८.५८

ता० काम जाने की जगह

१ बजार किया
२ पाठ तैयार किया
३ गिरजा हुआ
४ शिक्षो वहां गया साथियों से बातचीत
५ करने लिये।
६ जरूरी काम के लिये चक्रधरपुर गया
७ ~~किये~~ कुईदतुआ गया वहां दो साथियों
प्रचार किया।
८ शुभाना खाई में दो भाईयों को प्रचार किया
९ पाठ तैयार किया।
१० गिरजा हुआ।
११ शिक्षो वहां गया जो कई जने थे
को वचन सुनाया।
१३ ~~बजार~~ बजार किया
१४ दर का काम किया।
१५ बजार किया।

पंचायत लोगों के विशेष काम लिये
बुलाया गया। सिंगरई।

ता० काम का जगह

१८ बिमारियों को सेवा के लिये तैयार हुआ

१९ मटकुवेश बिमारियों की सेवा के लिये गया।

20 पादरी के साथ विशेष बात चीत के लिये चक्राधरपुर गया।

21 शिशी वहा पढाने के लिये गया था प्रचारक के मन उपजीत के आधार बिमारी की सेवा के लिये वे वाहा बेहुए थे।

22 ~~को को बजार किया~~ मटकुवेश बिमारियों को देखने गया।

23 को करार केला गया ~~का~~ पोस्ट आफिस में आई विशेष चिट्ठी ~~देनी पड़ी~~। भेजना था।

24 को ~~का~~ शिरजा हुआ मटकुवेश जो शिशी वहा मे एक बिमारी के घर में प्रथना हुआ।

25 बिमारियों को देखने के लिये तैयार हुआ

26 ता० को जमशेदपुर में विशेष मिटींग जोने चाँ ~~का~~ वहा गये। वहा एक तेलगु भाई विशेष बात चीत हुई।

२६ चावल खरीदने के लिये चक्राधरपुर गया।

२८ बिमारियों के लिये दवा तैयार के लिये जंगल गया।

२९ बजार किया।

३० - को दवा बनाया और तलाब लेने के लिये ~~गोताखोर~~ बोलाया गया

३१ को मटुकु बेरा में गिरजा हुआ और उसी बेला डीरुडी बहार में गिरजा हुआ।

Submitted By
P. Tiru

नोट

यहां के ~~बारोज मसौही~~ मसीहियों बीते महिना मैंने। प्रगाधार 1. 9. 68
यहां के गरीब मसीही भाइयों को लिख दिया है उसका अभी तक कोई जवाब नहीं मिलता है

नकटी मंडली की आमदानी का हिसाब
१९५८ १ला जनवरी से अगस्त ३१
१९५८ तक और खर्ची

	आमदानी रु. आ. पाई	खर्ची रु. आ. पाई
जनवारी	0 0 — 0	वेदी कपड़ेपर
फरवारी	— ही — 0	फुल केलिये १ — 0 0
मार्च	१ — ११ — ही	वेदी कपड़ा सुधन 0 ही — ही
अप्रेल	3 — 3 — 0	कटींग जोखसे — १ — 0 —
मई	१ — 3 ही	टुटींग खर्चे — २ — 0 — 0
जुन	१ — ७ — ही	कुल ४ — ही — ही
जुलाई	0 १० — 0	
अगस्त	२ — १२ — 0	
कुल मीजत	११ — ५ — ही	

P. T. O

Cafe P.S. Lko
3-9-68

नोट लाभी हाथ में नक्ट ~~[illegible]~~ [illegible]

है

पर मंडली बैठने के लिये चढाई नहीं है

चढाई खरीदने का विचार है

मक्खियों को चिनता कहते हैं पर नहीं बनाते हैं

Month of August 58. Israel Tofrm.

काईबेड़ा जोईन्ट मिशान क्लोड का रिपोर्ट।

12/VIII

स्त्री सादामन्दावार —

हेरमन क्लोस पाड़ी योशुसदास।

अगस्त का ता:

१ गांव दो में ईश्वर का बचन भाईओं को सुनाया संख्या ४।
२ गिर्जा पाट ताधारी।
३ गिर्जा किया।
४ घर का काम किया।
५ पोस्टोफोवीस गया।
६ तोन्दो साई गया और भाई बहीनों को ईश्वर का बचन सुनाया संख्या ७।
७ बजार किया।
८ स्कानिया दो में भाईओं को बचन सुनाया संख्या ४।
९ गिर्जा पाट ताधारी।
१० गिर्जा किया।
११ स्कानिया दो में लोगों को बचन सुनाया संख्या ४।
१२ जोमबुरा गया और बचन सुनाया सुनेवाला १।
१३ आदमी की सेवा की। दिन और रात।। ईमहिना तो
१४ आदमी की सेवा की। जोमार दोने न कराया
१५ आदमी की सेवा की। लोलन्ग बिछार सो नहिं घूम सका क्योंकि
१६ आदमी की सेवा की। उसको दिन और रात देखना होता है।
१७ आदमी की रेवा की।
१८ आदमी की सेवा की।
१९ आदमी की सेवा इनसरटल तोपनो।
२० आदमी की सेवा की।
२१ आदमी की सेवा की।
२२ आदमी की सेवा की।
२३ आदमी की सेवा की।
२४ आदमी की सेवा की।
२५ आदमी की सेवा की।
२६ आदमी की सेवा की।
२७ आदमी की सेवा की।
२८ आदमी की सेवा की।
२९ आदमी की सेवा की।
३० आज भी एक बैलगा सेवा की।
३१

इनसरटल तोपनो।

August 58. Thomas Bhengra.

मध्य वृद्धि काम का रिपोर्ट होरो रगरिया

अगस्त महीना का १९५८-ई०

ता०

1 पैर में घाव होने के कारण घर ही में था। 11/VIII

2 स्कूल किया

3 गिरजा किया

4 स्कूल किया

5 स्कूल किया

6 स्कूल किया

7 स्कूल किया

8 स्कूल किया

9 स्कूल किया

10 गिरजा किया

11 स्कूल किया

12 स्कूल किया

13 स्कूल किया

14 स्कूल किया

15 अगस्त का छट्टी था।

16 स्कूल किया

17 Rev. j. Soy. गिरजा किया

18 स्कूल किया

19 स्कूल किया

20 स्कूल किया

21 स्कूल किया

22 स्कूल किया

23 स्कूल किया

24 गिरजा किया

25 स्कूल किया

26 स्कूल किया

27 स्कूल किया

ता०

27 स्कूल किया

28-31 गोमा पुनो पर्व का छुट्टी दिया।

31 गिरजा अकिया।

आप के विश्वास्त

Thomas Bhengra

S. 26.9. 58

August 58 M. Samad.

10/VIII Jamilola
Parodih
Dt-1-9-58

ओमान [illegible] को हम लोगों की ओर से यीशु मसीह में
आप को अगस्त महीने का रिपोर्ट भेजा जाता है।

ता० १ रिपोर्ट बनाया।
" २ कार्यक्रम तैयार किया।
" ३ गिर्जा किया।
" ४ जमाल गया किजा के घर में।
" ५ साग जुड़ी गया।
" ६ बड़ा साग जुड़ी गया भाई बन्धु के साथ धर्म के बारे बात किया
" ७ तुलसी कानो गया खोली वाले के साथ बात किया।
" ८ जराइकेला बजार गया अभयपुर भाई बन्धु भेजा।
" ९ घर में था पाठ तैयार किया।
" १० गिर्जा किया।
" ११ कोप सिंगा चैपा के घर गया।
" १२ घर में था
" १३ घर में था।
" १४ जराईकेला गया।
" १५ अगस्त के घर में था।
" १६ पाठ तैयार किया।
" १७ गिर्जा किया।
" १८ पुरना डीह गया किसी के साथ मुलाकात नही हुई।
" १९ तुलुग गुड़ गया बुद्धु राम मुन्डारी से बात किया।
" २० सभी डीह गया सीमा उराँव से बात किया।
" २१ जयकेला फोरेस्टर के पास गया।
" २२ बजार गया
" २३ घर में था पाठ तैयार किया।
" २४ गिर्जा किया।
" २५ नया टोली सुकरा के पास गया धर्म के बारे बात किया
" २६ पुरनाडीह गया जगाल से बात किया।
" २७ डोमलोई गया गोदुड़ के साथ धर्म के बारे बात किया
" २८ मकरानू बुधू उराव के पास गया धर्म के बारे बात किया
" २९ बजार गया
" ३० पाठ तैयार किया।
" ३१ गिर्जा किया।

अगर आप का दिल दुखता है

Bansal

Village Parodia

P.O Jarakeka

August 58. J. K. Hemrom

अगस्त महीना का रिपोर्ट पेश्चर

9/VIII

१-८-५८ को मैं रिपोर्ट बनाया —

२-८-५८ को मच्चुपुर को गया था किसी से मुलाकात नहीं हुआ —

३-८-५८ को विश्राम दिन था —

४-८-५८ को मेरी छोटी बेटी को बिमार के कारण हॉस्पिटल में भरती करने को के लिये मनोहरपुर को गया था —

५-८-५८ को मैं बरगा के मुन्डा टोला में सुसमाचार सुनाया —

६-८-५८ को मैं डिरिपसिला को गया था, सन्ताल लोगों के साथ में यीशु धर्म के बारे में बात चीत हुआ। वे यीशु धर्म को नहीं समझ सकते हैं —

७-८-५८ को मैं सिमरता के लोगों के साथ में अकाल की ओर से यीशु की कही हुई बातों को निकाला और मैं खुब सुनाया —

८-८-५८ को मैं मच्चुपुर को गया था, उन को मैं यीशु के न्याय को बताता हूँ तो वे अन्याय की ओर दौड़ते हैं —

९-८-५८ को मैं जरा टोली को गया था वे भी यीशु धर्म को तुच्छ करके मच्चर्म की ओर करते हैं, और दुसरी बेला चिड़िया को गया, रास्ता में दो स्त्री पुरुष को अन्तीम समय को चिन्हे के बारे में मैं बताया —

१०-८-५८ को मैं चिड़िया से लौट आया, रास्ता में एक सा के साथ में खृस्त धर्म के बारे में बहुत बात चीत हुआ —

११-८-५८ को मैं मनोहरपुर के मिशन हॉसपिटल २-४ सांसारिक लोगों को यीशु के जन्म के बारे में बताया —

१२-८-५८ को मैं बरगा के मुन्डा टोला को गया और मैं उन को ईश्वर को एजा के बारे में बताया, वे सुने थे —

१३-८-५८ को मैं उरिकिया को गया था मनोअडर होने को —

१४-८-५८ को मैं मनोहरपुर को गया था, दो सौ लोगों को मैं खृस्त धर्म के बारे में बहुत समझाया —

१५-८-५८ को मैं बरगा को गया मुन्डा टोला को गया, एक जन खृस्त धर्म के बारे में पुछा, मैं यीशु की कही हुई बातों को बताया —

१६-८-५८ को मैं एक उरिंव को यीशु के द्वारा से नाश मिलने के बारे बताया —

१७-८-५८ को मैं विश्राम दिन था —

१८-८-५८ को मैं घर ही में था —

१९-८-५८ को मैं डिरिपसिला को गया था, मैं एक सन्ताल को बताया कि ईश्वर ने यीशु पर विश्वास करने के लिये किस प्रकार मनुष्यों को सिखाता है बताया —

20-2-52 को मैं उच्चान को गया था, रास्ता में ~~मैं मनुष्य को~~ एक मनुष्य को युसपफ को बेचा जाने के बारे में बताया, कि कैसा ही ईश्वर अपने लोगों को बचाने के लिये जगत में खृस्तानी गालीसा को रखा है जिस के द्वारा से मनुष्य नरक के दुःख से बच जावें ——

21-2-52 को मैं रात को बंगा के मुन्डा टोला को ~~ग~~ गया और मैं उन को गीत के द्वारा से समझाया ——

22-2-52 को मेरा तबियत ठीक नहीं के कारण कहीं नहीं गया ——

23-2-52 को मैं एक एबसुत बालु को यीशु ख्रीस्त की बातों को सुनाया ——

24-2-52 को विश्राम दिन था ——

25-2-52 को मैं बंगा को गया, एक होम, दो हो को यीशु के जी उठने के बारे में, जगत अन्त होने के बारे और यीशु फिर आने के बारे में सुनाया वे सुनते थे ——

26-2-52 को मैं बंगा के मुन्डा टोला को गया था, प्रचार करने के लिये बहुं एक बच्चा बहुत बिमार था, इस लिये मैं प्रचार करने नहीं सका ——

27-2-52 को मैं एक सन्ताल और एक मुनी ~~समझ~~ मुन्डारी को सुसमाचार सुनाया, पर मुन्डारी अपना ही बातों को आगे आगे बोलने लगा ——

28-2-52 को मैं बंगा के माझ्ती टोला को गया, किसी से बात चीत होने नहीं सका,

29-2-52 को संसारिक लोगों का मोह्ता पर्व था सब लोग नशा में थे, इस से प्रचार होने नहीं सका ——

30-2-52 को भी लोग नशा में थे ——

31-2-52 को विश्राम दिन था ——

आप का विश्वासी प्रचारक

J. K. Hemrom, Dumirla

P. O. Purtia

Dist. Singhbhum

Date 5-3-58

Months of August. 58.
S. Lakra.

कटक चौदह
8/VIII
ता. २५ दि. फूल

श्री युक्त महा मान्यवर
पादरी साहिब आपको
यीशु सहाय।

महाशय — आप को मालूम होवे।
ता. १ द. ५८ को मैं टिकरी पड़ा खिड़िया माझियों
ता. २ " " के यहां गया था और ईश्वर का
ता ४ " " वचन उच्चार किया और समझाये
ता. ५ " "
ता. ६ " "

ता. ७ द. ५८ को मैं डोंगामरेन को गया था + वहां
ता. ८ द. ५८ किसान माझियों समझाये।
ता. ९ द. ५८

ता. ११ द. ५८ को मैं कुलुकडीह गया था +
ता. १२ द. ५८ वहां के किसान माझियों समझाये
ता. १३ द. ५८
ता. १४ द. ५८
ता. १५ द. ५८
ता. १६ द. ५८

ता. १७ द. ५८ को मैं पतरा माझिर गया था + वहांके
ता. १९ द. ५८ किसान माझियों समझाये कुमाये।
ता. २० द. ५८
ता. २१ द. ५८

ता. २२ द. ५८ को मैं बेलवाद गया था + वहां
ता. २३ द. ५८ के उरांव और किसान माझियों
ता. २४ द. ५८ को समझाया कुमाये।

ये सब जात ईश्वर का वचन मानते हैं कुछ
नहीं करते हैं परन्तु मिशन में आजाओ कहते
से वहां से बचा कर लेंगे। ऐसा कहते हैं।

August 58. J. Lugun.

अगस्त = १९५८
महिना की डैरी

7/VIII

१-८-५८ को जमाल के नये खृस्तानों को बचन सिखाया।
२-८-५८ को नये खृस्तान और धर्म खोजकों को बचन सिखा कर बिन्ती किया।
३-८-५८ को कुलपल में सबेरे और समको जममाल में गिरजा किया।
४-८-५८ को खोरुर डीह का एक नया खृस्तान के सथ धर्म बिषय बात चित किया।
५-८-५८ को जमाल के संसार को नये धर्म खोजकों ईश्वर का बचन सिखाया।
६-८-५८ को महिजोर के खृस्तानों के घर में बचन सुना कर प्रर्थना किया।
७-८-५८ को बलान्डा के संसारीयों को ईश्वर का बचन सुनाया।
८-८-५८ को कुलपाल के नये खृस्तानों को दाश आज्ञा धर्म शित सिखाया।
९-८-५८ जमाल के नये खृस्तान और धर्म खोजकों को बचन सिखाया।
१०-८-५८ को कोलापाट खृस्तानों यहाँ गिरजा किया।
११-८-५८ गोरेया बहाल खोरुर डीह भाई=बहिनों के सथ धर्म बिषय बत चित किया।
12-८-५८ को खोरुर डीह के संसार भई=बहिनों समझाया।
१३-८-५८ बलान्डा के खृस्तान एक भाई बिमारी के पास बिन्ती किया।
१४-८-५८ कुलपाल के नये खृस्तानों को बचन सिखा कर बिन्ती किया।
१५-८-५८ जमाल में नये खृस्तान और धर्म खोजकों को बचन सिखाया।
१६-८-५८ जमाल में एक भाई दो बहिन को समझाया।
१७-८-५८ कुलपाल में गिरजा किया।
१८-८-५८ जमाल के नये खृस्तनों को और धर्म खोजकों को बचन सिखाया।
१९-८-५८ कुलपाल के एक बिमारी के घर में प्रर्थना किया।
20-८-५८ जमाल में बचन सिखाया।
२१-८-५८ " " " " "
२२-८-५८ जटेया डीह के संसार भाई बहिनों के सथ धर्म बिषय बत चित किया।
२३-८-५८ बलान्डा के नये खृस्तन दुखालियों के एक घर में बिन्ती किया।
२४-८-५८ कुलपाल में गिरजा किया।
२५-८-५८ बलान्डा के नये खृस्तन दुखालियों के एक घर में बिन्ती किया।
२६-८-५८ लोदोपाल में एक संसर भाई के घर में दुःखालो की सेवा प्रर्थना और दावा के साथ किया।
२७-८-५८ बलान्डा के नये ॥ खृस्तान दुखाली एक घर में प्रर्थना के सत सेवा किया
२८-८-५८ को जमाल में बचन सिखाया।
२९-८-५८ को कुलपाल में ईश्वार को बचन से समझाया।
३०-८-५८ को कुलपाल में नये खृस्तनों के बिच में झगड़ा था उनको समझाया।
३१-८-५८ को नये खृस्त गिरजा घर में गिरजा किया।

दुःख सुःख दोनों बिचो बिच दिन औ रात व्यातित कर रहे हैं।
सो पादी आप की भी सुःकमना चहता हूँ। एक छोटी सी गिरजा घर बनाये हैं।
कैवाल लिखना छावना बाकी है। छांटी की जरुरात होती है।

श्री मानन्वार जोईन्ट मिशान बोर्ड के इन्चार्ज
चेयार मेन Rev. J. Soy.

आप को मेरा यीशु सहाय। हमारे मंडली में पुचा आत्म बाढ़ जाने का आशा है। कई कि २ दो हार गिरजा आते हैं। उन लोगों बचन सिखाने के लिये कोशिस करते हैं। नया धर्मी स्वीकार कर्ते दोनो पुरुषी हैं और उन से ज्यादा मुंह में बोलते हैं।

{ मंडली दान }

जनवारी १६५८ महिना का झाड़ा, मुट्ठी मिला के ३ रुपाया १२ दो पैसा
फ्रवारी " " " " " " " " २ " ८ आना) - ०
मार्च " " " " " " " " ४ " ० — ६
आप्रेल " " " " " " " " ३ " १२ — ०
माई " " " " " " " " १ " ० — ०
जुन " " " " " " " " २ " ३ — ०
जुलाई " " " " " " " " ४ " ६ — ०

जामा टोटाल २२-" · १ आना

प्रचारक सिमोन डांग को दिन ३ सप्ताह मेरे तराफ से पैसा जामा चवाल का खर्च आकेला १६ रुपाया इआ सो आप को मलूम हो हार सप्ताह ६ चट रुपाया हिसब से।

आप का सेवक Col Israil Lugum
G. E. L Church. Kulpal.
Dt: 2-9-58

१६५८ आगस्त महिना का डयरी

१-८-५८ को जम्माल के नये ४ खृष्टीयानों को बचन सिखाया।
२-८-५८ को जम्माल में बचन सिखा कर प्रर्थाना किया।
३-८-५८ को सवेरे कुलपाल में शाम को जम्माल में गिरजा किया।
४-८-५८ को खोयर डीह का एक नया खृष्टीयान के साथ धर्म बिषय बत चित।
५-८-५८ को जम्माल के नये खृष्तानों को औ धर्म खोज कों बचन सिखाया।
६-८-५८ को महिजोर के खृष्तान भाईयों के घर में प्रर्थाना किया।
७-८-५८ जम्माल में नये खृष्तान औ धर्म खोज कों को बचन सिखाया।
८-८-५८ को जम्माल में दाश आज्ञा और गित सिखाया।
९-८-५८ को जाम्माल में बचन सिखाया।
१०-८-५८ को कुलपाल में बचन सिखा कर गिरजा किया।
११-८-५८ को गोरेया बहाल खोयर डीह के संसार भई बहनों को समझाया।
१२-८-५८ को खोयर डीह संसार भाई बहिनों के संग धर्म बिशय बात चित।
१३-८-५८ को एक बिमारी के घर में प्रर्थाना किया।
१४-८-५८ को बलान्डा के संसारीयों के संग धर्म बिषाप बत चित।
१५-८-५८ को कुलपाल के नये खृष्तानों को बचन सिखाया।
१६-८-५८ को जम्माल में एक संसर भाई को समझाया।
१७-८-५८ को सवेरे कुलपाल में शाम को जम्माल में गिरजा किया।
१८-८-५८ को जम्माल के नाये खृष्टीयान औ धर्म खोजकों को बचन सिखाया।
१९-८-५८ को जम्माल में बचन सिखाया।
२०-८-५८ को ,, ,, ,, ,, ।
२१-८-५८ ,, ,, ,, ,, ,, ।
२२-८-५८ को कुलपाल में एक बेमारी के घर में बचन सुना कर प्रर्थाना किया।
२३-८-५८ को बलान्डा खृष्तान कुखाली के घर में बिन्ती किया।
२४-८-५८ को कोलापार खृष्टीयान भाई बहिनों के यहाँ गिरजा किया।
२५-८-५८ को बलान्डा औ जम्माल संसारीयों को ईश्वार का बचन सुनाया।
२६-८-५८ को लोइडीपाल में एक संसार भाई के घरमें कुखाली की सेवा प्रर्थाना औ दवा के साथ किया
२७-८-५८ को लोइडीपाल मे कुखाली के घर प्रर्थाना सेवा किया।
२८-८-५८ को जाम्माल में बचन सिखाया।
२९-८-५८ को कुलपाल में ईश्वार का बचन समझाया।
३०-८-५८ को कुलपाल में नये खृष्तनो औ संसरीं के बिच में झगड़ा था उन को समझाया।
३१-८-५८ को जम्माल में बचन सिखाया। और शाम को गिरजा किया।

मनन्वार रेभः पाद्री बाबु आप को सां प्रेम यीशु खृष्त।

आगस्त महिना का डयरी १ सेक तेम्बार को प्रचारक Shimon Ekka को हांथ से P.O. में दिया गया था बहुत आचम की बत है।

फिन रिपोट भेज रहा हूँ। कुलपाल का गिरजा घर तेयार किये हैं। घन्टा केवाल देरी होगी। टेबुल सब तो निजे बनायेगें।

आप जो बदली के बारे में लिखें है सो सच ही बात है लेकिन छोटा मोटा चास किये हैं उसको नहीं देखने से तो बनता नहीं सो आप शरा सार लिख दिजिये। जमिम को भी देखना पड़ता है। उतना दुर से आकर काम नहीं कर सकूँगा। आप जिनको भेजने चहते हैं। उसको आप लिख दिजिये मेरे कहने का मतलाब है। कि जमिन इन साल राजस्टी कारवाना हैं। ईस से आर्ज कर रहा हूँ।

। बिल।

आप के कहने अनुशार तीन ३ सप्ताह का खर्चा से प्रचराक सिमोन डांग को पुराया।

तरिक १७-६-५८ से ३१-८-५८ तक

१ एक सप्ताह में एक आदमी में चय नस्ता के साथ मिला के ४ चर रु० दो २ आना खर्चा होती हैं।

४ रुपाया २ आना।
४ ,, २ ,,
४ ,, २ ,,

जामा १२-६-० महँगी के करारा १ रु० मे २ दो सेर देते हैं पर घर में लाने से दो सेर भी नहीं होती है।

दाल - सबूल - तारकारि छोड़ के आर्थात तेल्हान ईत्यादी

मछली आमदानी आगस्त महिना का ३ रु० ६ आवो पाई था पर गिरजा घर बनाने में सब खर्चा हो गई।

गिरजा आना जाना आस्ते २ बढ़ते जा रहा हैं।

आनी हल में दोनों प्रचारक कुलपाल ही में रहते हैं

सो आप को मलूम हो

भुल चुक माफ करेगें।

लि: आपका आज्ञा अधिन प्रचराक ईसरारुल मुर्मू

G. E. Lehardh Kulpal
P.O Bhoghpur
DIST Sahibganj

58 August. Joshua Samad.

Bochrama.

6/111

१९५८ अगस्त का डायरी ॥

1- आज मैं टिकिर कानी दवा लाने गया था ॥
2- शनिवार को कहीं भी नहीं गया ॥
3- रतवार को गिर्जा किया ॥
4- सोमर को मैं रेवरमुंडा बिल्ली करने गया था ॥
5- आज से ६ ता: को घर का काम किया ॥
6- बाजार के कारण कहीं नहीं गया ॥
7- बिशलपली दवा न देने मैं गया था ॥
8- आज मैं घर का काम मैंकताया ॥
9- रतवार को गिर्जा किया ॥
11- बिशलपली दुबारा गया था ॥
12- पहाड़ा बहाव बाजार होके बेंदुबेरता गया था ॥
13- ता: से १४ ता: तक मैं बहुत रट के काम किया ॥
14- आज से १६ ता: को कहीं भी नहीं गया ॥
16- रतवार को गिर्जा किया ॥
17- मैं आज चेंगोरा गया था ॥
18- आज भी किसी काम के लिये वहीं जाना पड़ा ॥
20- आज मैं घर में काम किया ।
21- आज बाजा किया ॥
22- ता: से 23 को कहीं भी नहीं गया ॥
24- रतवार को गिर्जा किया ॥
25- आज मैं घर में रट के अपना डायरी लिखा ॥

- जनवरी से ले-जुलाई तक का आयदनी - सब मुल्क ६-४-०
- सरमे बही ४-४-०
- बेढ़ी बपड़ा ३-४-०
खर्चे - ३-८-०

पंड की पेसा ३-०-०
खर्चे कोट के जमा-12-४-०-है ॥
जिजो घर बनाना है,
जेकी मदे खर्च करना है

J. Samad
25-8-58.

August 58. ~~J. Samad~~ M. Dang. अगस्त १९५८ की डायरी । 7 VII

ता. १-८-१९५८ जमूनकिरा होके छमड़ा गया ।

ता. २-८-१९५८ लोगांबहाल छत्तीसगढ़ होके कलामटा गया शाम को किसी प्रार्थना किया ।

ता. ३-८-१९५८ कोलापट में बिहान को गिरजा करके दुरगाडीह + छमड़ा में भी दूसरी बेला गिरजा किया ।

ता. ४-८-१९५८ दुरगाडीह आया ।

ता. ५-७- .. दुरगाडीह में था ।

ता. ६-८-१९५८ जमूनकिरा ओफिस को गया ।

ता. ९-८-१९५८ दुरगाडीह में था ।

ता. १०-८-१९५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया शाम को बन्धा ईंट में गीत बचन आदि सिखाया ।

ता. ११-८-५८ दुरगाडीह आया ।

ता. १२-८-५८ दुरगाडीह में था ।

ता. १३-८-५८ कुलपाल गया शाम को बचन सिखाया ।

ता. १४-८-५८ भोजपुर होके दुरगाडीह आया ।

ता १५-८-५८ जमूनकिरा गया । कुलपाल के मुखियों के साथ धर्म सम्बन्धी बातें कुछ लोगों को बताया ।

ता १६-८-५८ दुरगाडीह में था ।

ता. १७-८-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया शाम को बन्धा ईंट में हल्ला । बिमारों की शुद्धि किया ।

ता. १८-८-५८ दुरगाडीह आया ।

ता. १९-२३- दुरगाडीह में था ।

ता. २४-८-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया ।

ता. २५-८-५८ दुरगाडीह आया ।

ता २६-२७- दुरगाडीह में था ।

cate - mansidh Dang
Durgadih.
27-8-58

August 58 Patras Barla.

Dairy for the Month of 4/VIII

August 1958

1 C/58 7 बजा ता० से मुंडा लड़को को गोतिया चमकाया और नहीं आते हैं
2 C/58 आज खालि हिंदु लड़के चार मेरे आते हैं उन्ही को पढ़ाता हूं
3 C/58 गीरजा किये 4 C/58 को स्कूल किये, 5 C/58 स्कूल किये।
6 C/58 को स्कूल किये 7 C/58 को स्कूल किये 8 C/58 को भी स्कूल
किये 9 C/58 को स्कूल किये 10 C/58 को गीरजा किये
11 C/58 स्कूल किये दुसरी बेला बोमा के माईयों को वचन
सुनाया 12 C/58 को स्कूल किये। 13 C/58 को स्कूल किये
दुसरी बेला स्कूल छोड़े उनके पिताओं से बातचित किया
पर गोतिया के ऊपर दोष लगाये
14 C/58 स्कूल किया
15 C/58 " " " "
16 C/58 " " " "
17 C/58 गीरजा किये
18 C/58 स्कूल किये
19 C/58 " " " "
20 C/58 " " " "
21 C/58 " " " "
22 C/58 " " " "
23 C/58 " " " "
24 C/58 गीरजा किये
25 C/58 " " " "
26 C/58 " " " "
27 C/58 " " " "
28 C/58 " " " "
29 C/58 " " " "
30 C/58 " " " "
31 C/58 गीरजा किये " "
C/58

Patras Barla Sarjidih
11-9-58

August + September 58.

A. Aind.

Monthly Report from the 1st of August to the 15th of September 1958.

3/VIII + IX

1-8-58-ई में घर में रहके वर्षा के समय पुस्तकों का अध्ययन किया।
12-8-58 और कभी 2 अस्पताल आमा जाया करके वहां आनेवालों से साथ बातचीत करता था और यीशु मसीह के विषय में सुनाता और समय 2 मिस्स क्विना एलीज़बेथ को दृढ़ीकरण वचन सिखाया।

13-18 : मेरे मुंह के निकट एक दुःखदाई गुड़ा निकला और डाक्टर से दो इंजेक्शन लिया और कुछ मलहम दिया गया।

18/8 डाक्टर साहेब की आज्ञा से मैं बाइबरसा जाने को निकला और उसी दिन साम को दौरकेला पहुंचकर ट्रेन पकड़ा और राजखरसोंवा स्टेशन में रात काटी

19/8 Chaibasa पहुंचा और Rev. Klow साहेब से डाक्टर साहेब की चीजों को और मेरा अगस्त महीने का तनखा भी पाया।

20/8 मैं ट्रेन से दौरकेला पहुंचकर उस दिन वहीं रहा।

21/8 मैं दूसरी बस में साम को Bonaigarh पहुंचा।

22/8 मैं आमगांव पहुंचकर डाक्टर साहेब की चीजों को जिमा किया और साम को दृढ़ीकरण वचन सिखाया और गीत भी।

23/8 " " " " " " " "

24/8 आमगांव में गिर्जा का काम चलाया।

25+26/8. घर में पुस्तक अध्ययन किया।

27-31/8. मनसिङ्ह बुढ़ की स्त्री बाबत देवगढ़ गया और पंचों के साथ दो दिन बैठकी की। पश्चात मैं पोढ़ाडिह गया। स्तेफन प्रचारक के साथ घूमा और ता. 30 को डुगाडिह पहुंचा। ता. 31 को गिर्जा करके घमड़ा में मनसिङ्ह प्रचारक के साथ जाके गिर्जा किया और साम को वचन और गीत सिखाया।

1-8 : ता. 1 ला को बोड़सरा पहुंचा और योशुवा प्रचारक के साथ भाईयों को देखने गया। ता. 2 साम को कुटपाल पहुंचा। साम को गीत और वचन सिखाया। भाई बहन प्रभु की प्रार्थना, 10 आज्ञा और उसका मूल और अर्थ अच्छी तरह सुना सके। गंगाजाल होते हुए ता. 5 को सर्गीडिह पहुंचा। पतरस प्रचारक के बताने से एक घर धर्मद्रोहियों के समान गिर्जा तो आते पर वे खृस्तान होने को साहस नहीं करते हैं। तब मैं पोलाभारा आके भाई विश्राम पुर्ति के घर में रहा और ता. 6 को भोजपुर आके बस से देवगढ़ पहुंचा और ता. 7 को वहां गिर्जा किया। पश्चात ता. 8 को आमगांव आने के लिये रवाना हुआ।

9-15 मैं पुस्तक अध्ययन किया और अस्पताल में कितनों से मुलाकात की। ता. 12 को कुम्हारगाड़िया भाईयों को देखने गया और ता. 13 को खूब वर्षा हुई और मैं घर में रहके इतवार वचन पढ़ा और अध्ययन किया। ता. 14 को गिर्जा ता. 15 को रिपोर्ट तैयार किया और मसिन्ता गांव के गोंदिया को धर्म की बातों को सुनाया।

Amos Aind

15-9-58.

August 58. Cand. S. Kujur.
Gua.

2/VIII

Reports of the month of August 1958.

A. Main Events.

1. Dy. 3-8-58. Rev. C. V. Dang, Parish Pastor Chaibasa, had come to Gua and conducted Church Service. Attendance was satisfactory. The Church was full so much so that number of the members were out side the Church.
During the Church service various ceremonies were performed viz.
(1) Reception of Excommunicants – six excommunicants were received in to the Church. (2) Church membership – The following persons from other missions were received as members of the G.E.L. Church Viz. – (1) Hanna Hemrom (from R.C. Mission). (2) Susánni Soy (from R.C. Mission) and (3) Salomi Purti (from S.P.G. Mission). (3) Confirmation. Altogether Eighteen boys and girls took confirmation – twelve boys and six girls. (4) Participants in the Lord's Supper. Altogether 149 members ~~took~~ participated in the Lord's Supper. There were 87 male members and 62 female members. (5) Baptism. The following two Catechumen (Sharamkhojaks) took baptism – (1) Nirmal Mundu, (2) Salomi Barwa. The other ten Children of Christian parents were baptised.

2. Dy. 4-8-58. five pairs got married by the Rev. C. V. Dang in Gua Church.

3. Dy. 13-8-58. I went to Chaibasa to meet Rev. H. Closs, regarding the new building. I came back on the same day.

4. Dy. 15th to 19th Aug. I took leave from Rev. H. Closs for personal matter During these days I was away from Gua.

B. New Building. The real work is still to be started. Materials are being collected. There is no possibility of purchasing Cement as the rate is very high.

C. Evangelistic Work. For the purpose of Evangelistic work I have sent orders for Christian Tracts to the following places.

(1) The N.I.C. Tract and Book Society
18 Clive Road Allahabad.

(2) The Oriental Watchman
Publishing House Poona 1.

I have sent an order, ~~too~~ for Gospel Records ~~too~~, to
The Gospel Recordings Incorporated
124, Witmer Street
Los Angeles, California.

I am planning to purchase Flannel graphs too for the purpose of preaching the Gospel.

Yours Sincerely
S. Kujur.
1st Sept. 1958
A Worker of the J.M.B.
Gua.

Date - August 58.

Rev. Ch. H. Samad.

Report for Month of August 1958

1/VIII

१, — करंजिया मिशन के लिये गया था।
२ — घर में खाड़ी किया।
३ — मिशना किया; दूसरे बेला डांगुआपोसी गया था।
४, — हटगमरिया गया था। वहाँ रम•ही कुड़िया S.P.G मिशन की है उसमें पास।
५ — जशपुर गया था, अजय हो के घर; उनके घर में धर्म के किया कुछ सलाहें।
६ — कुन्देरु-जुर गया था, दो लोगों के बस्ती में उनको धर्म के बातों को बताया।
७ — कजरु किया।
८ — करंजिया गया था मिशन के लिये।
९ — घर में खाड़ी किया।
१० — मिशना किया। दूसरी बेला डांगुआपोसी गया था।
११ — डांगुआपोसी से अगरबापुर लौटा।
१२ — जेटमा गया था।
१३ — बालिया जो गांव गया था।
१४, — बजार किया।
१५ — कोलाय मोड़ गया था, वहा गीत सिखाये।
१६ — घर में खाड़ी किया।
१७, — मिशना किया। दूसरी बेला डांगुआपोसी गया था।
१८ — डांगुआपोसी से अगरबापुर आया।
१९ — इनको स्वप्न में कुड़िया पहाड़ पर उतर गया।
१९ तारिख से ३१ तारिख तक रहा।
२० — भाईबसा पहुंचे उसी रोज Rev. Jay के साथ अगरबापुर आये।
२१ — केन्दपोसी में व्यातिस्मा हुआ।
२२ — केन्दपोसी से अगरबापुर आया।
२३ — करंजिया गया था।
३० — छटा जैंत गया था, पतर टिंगुआ के घर।
३१, मिशना किया। इसरी बेला डांगुआपोसी गया था।

नोट — इसने मंत नों में लोगों को धर्म की बातें नहीं जानते हैं। इस लिये हम लोग जहां जाते हैं वहां बात के समय गीत और कहानी सिखाते हैं ताकि उनकी मन में धर्म की बातें बैठ जाये तब वे व्यातिस्मा के लिये गवाह देते हैं। कुछ लोगों को सामिल होता है।

58. July P.C. Miwg

17/VII

To
The Secretary
J. M. B. Chaibasa,

Dear Sir,

1 Hereby I submit a short monthly report of my work and experiences here. As Rourkella is going to be a big industrial town best of its kind it has given opportunity to lot of people to work and leive together. working and living together with nonchristian & many young men and women have gone stray from the right path. eg; Christian people are found keeping two wife wives together though their married wives are alive. Similarly young women are living together with non-christians as husband and wife. Besides this people are found neglecting in attending church services and giving donation.

2 In the first visit of Rev. C. B Amed (Raj-gangpur) three are Baptized. One of them was nonchristian Converted into christianity. I do hope his younger brother along with his wife will Convert soon. They are living here adjoing to my quarter.

Till now 6 (Six) died of different diseases.

3 Fortunately, we have found a small house at Rourkela proper which is used as church. We have named it G. E. L. church, Rourkela. Moreover we have got 16 interested and active man to be its Parish (members of the goverig body) The General and joint Secretaries both of them are graduates. They are holding very good positin in the H.S.P.L Office. The treasures also is a Superviser of Malaria Departoment in the same Office.

4 We have seven congregations in all. I have to take three church services on each Sunday. In my absence church services are conducted by volunteers. I have to visit our enrolled people at Panposh the next station from Rourkela in the west.

5 In rainy season our daily prayer meeting is being neglected due to the lack of suitable houses. Most of the people live in very small hut. Day by day the member

& volunteers increasing. But I

6 I am much thankful to the C.C which has appointed a Coworker for me. I do hope you she will be a great help to me to work ubler our Christian people.

7 I suppose you might heve heard about another Candidate who has been sent by the North Zone. He is staying at Jhinpani Colony.

8 Regarding Cycle. I shall buy it at very soon. Encourge us with your prayer.

yours sincerely,

[illegible]

58 July. Joseph Kandulna

जुलाई महीने का रिपोर्ट १९५८ 16/VII

१-७-५८ से मैं कुमीरजा हमको मना कर दीया की गुमनफ्रेंटुरा कार नेसे
इक जला दी प्रचा नहीं होगा इस लीया में नहीं गुमाते हैं
मैं एक कम करते हैं की रतोवर को गिरजा करते हैं
यह मेरा कम होता है

६-७-५८ रतोवर को मैं डुड़रुचमफ में गिरज किया

१०-७-५८ बिफे को मैं सयदा का गितीलापिड़ी में मैं गिरजा किया
गिरजा के बादे मैं मोकवाड़ी गया मुगुड़ू हो को पाचर किया

१३-७-५८ रतोवर को मैं गोपिनतेपुर में गिरजा किया

१७-७-५८ बिफ को मैं सरुदा से मोकावाड़ी गया और दुसरा दिन
मैं मोकावाड़ी से बोड़ोदा गया वा बोड़ोदा में एक बुड़ीय
को पचर की बुड़ीया बोती हैं कि हम इदार हम दो जन

१८-७-५८ को मैं बोड़ोदा से गोपिनपुर में प्रागारु गोपिनपुर में रागरु

२०-७-५८ रतोवर को मैं गोपिनापुर में मैं गिरज किया और गिरज
के बादे मैं सरुदा प्रया

२२-७-५८ को मैं सरुदा से कोरोजीय काचईरी कम में लिया प्रया —
प्रोदा रासता में रागाया

२२-७-५८ को मैं कोरोजीया में कम हुवा

२३-७-५८ को मैं जासिपुर में रागया दो दीन मैं जासिपुर में वा

२५-७-५८ को मैं जासिपुर से चाईकासा आय वा

२६-७-५८ को मेरा कम चाईकासा में हुवा। कम कता सा होने के बादे
मैं चाईकासा से इलादीपुर प्रया

२७-७-५८ - रतोवार को मैं डुकुरडीया गिरज के लिया गया वा

२८-७-५८ को मैं डुकरडीया से इलादीपुर के प्रगया - इलादीपुर में रागया

२९-७-५८ को मैं इलादीपुर में गिरज हुई और गिरज के बादे मैं
जासिपुर प्रागाया

३०-७-५८ को मैं जासिपुर से सिकला बड़ा प्राया

३१-७-५८ को मैं सरुदा पुंचा

जुस्फ कंडुलना ता० २-८-५८

July 58. M. Bara.

जुलाई १९५८

15/VII

ता: १-२ कुकुरडिहा में था
- ३ ता: को गिरजा किया. सप्ताह में
४ ता: को खुड़िरी वापस लौटा
५ ता: से स्कूल किया साथ ही दूर वालों के लिए दिन को स्कूल होता है. दिन को बन्द करने का था, पर साथ लोग नहीं मान सकने से करना दिन को करना ही पड़ता है
६ ता: क्योंकि घर बनाने में बहुत मदत किये हैं. और यहाँ मेला के समाय भी स्कूल के बोर भाई लोगों ने तथा पादरी साहब भी कहे हैं - दिये हुए जबान के करना पड़ता है इतवार छोड़ सब रोज स्कूल चलू रहता है -
१० ता: को ग्रेंदोमोही पल्ली जाने का निश्चय था, पर अचानक एक बलाक का मृत्यु होगया।
इस करना अच्छी तरह पल्ली नहीं हुआ दुःखी घर में प्रार्थना कर उस दिन को बिताया।
११ से

२१ तक स्कूल होता रहा और स्कूल के बाद प्रार्थना और संसार के तजुबी चिजों को बयान करता हुआ घर को दर्शाता हूं. और कोई २ रोज संसारी भाइयों के टोले में और हमारे भाइयों के घरों में प्रार्थना करता हूं. संसारी रोगी दुःखी भाइयों को सुपरवीस देता हूं. यहां का आम खिस्तान. और संसार भाइयों के बिच किसी प्रकार का छुत छात. दुःख सुख है सब में एक मत है. हमारे भाई ईसमें उनके साथ बराबर रहते हैं (खान पान में भी ईसको दूर करना है कोशिश में हूं. यहीं एक प्रचारक को ठोकर का मरवा होता है राजबुद्धि गर्जो से तथा आपने प्रार्थना में सदा याद करते रहियेगा
३१ ता: सोहर को घर गया।

मैं आप का विश्वास
मनोहर बाड़ा
खुड़िरी. कोया
६. ६-५८

दो महिना सिरनी — २ रु ६० आना

यात्रा खर्च आना आना

धुलाई-भाड़ा २-२-०

नस्ता वगैरा खासा से ०-२-०

मजदूरी — २-२-०

०-२-०

कुल रुपये = ५-४-०

58 July. John Surin 14/15

श्री श्री वहा प्रचारक जे. सुरिन की जुलाई १९५८ की रिपोर्ट।

24-7-58. इस तारिख को रिपोर्ट तैयार किया को पोष्ट ऑफिस गया तथा शाम को नाकटी में रहा।

25-7-58. हेसाड़ी गया जहां संसार और खिस्तान प्रेम से एक संग रहने का उपदेश फरखराड़ लिड़री से मिला। शाम को नाकटी आया।

26-7-58. सुबह को जेड़ा गया वहां ६ घंटे दुरंग गा के शांति का उपदेश दे के प्रार्थना किया। फिर वहां से श्रीश्रीवहा और पांच जनो को पढ़ाया।

27-7-58. नाकटी में गिरजा किया।
5 जनो को पढ़ाया।

28-7-58. 25 जनो को एक गीत गा कर स्वर्ग और यीशु के बारे बताया।
5 जनो को पढ़ाया।

29-7-58. 15 व्यक्तियो को लौकिक और आत्मिक जीवन को स्वर्ग को नरक के बारे बताया।
3 व्यक्ति धर्म्म में आने का वचन दिया।
5 जनो को पढ़ाया।

30-7-58. 19 जनो को लोड़ बिना नाश नहीं को खिस्तान धर्म्म और संसार धर्म्म को मिलान करते हुए बतलाया।
3 व्यक्ति धर्म्म में आने का वचन दिया
5 जनो को पढ़ाया।

31-7-58. 16 व्यक्तियो को आदि से अन्त तक का प्रचार किया।
7 जन पढ़ने आये।

Yours faithfully Servant
Cath Surin
1-9-58.

58 July Report. P.S. Topno. 13/VII

जोइन्ट मिशन बोर्ड नकटी Nakti

जुलाई १९५८ 25.7.58

ता० कार्य का जगह

30 जून ५८ - 2 जुलाई ५८ चाईबासा में था पद्री के साथ पास गया। विशेष काम के लिये बुलाया गया था।

3 - १५ तक बुरवार के कारण तबियत खराब था एक दिन के बाद बुरवार होता था

16 - ८ ५८ को सरकुबेरा भाइयों को देखने गया वहां गिरजा किया हुआ

१८ ता० बाजार किया।

१९ ता० लौटा गया वहां कुछ गाइयों को सुसमाचार सुनाया।

20 ता० को कोचा मंडली में गिरजा किया

21 को वापस लौटा।

22 को तेनदा: भाइयों का दु:ख सुख देखने के लिये।

23 घर का काम किया।

24 को रिपोर्ट तैयार किया

P.T.O

नोट :- आजा कल भाइयों की हालत बहुत खराब है

1. जिससे गिरजा आना जाना बहुत कम करते है। अधिकतर है
(a) 1 लोग कारण कितनेक और बिमारी से रोगग्रस्त है
(b) 1 या गरीबी हालत से बहुत मुश्कील से दिन कटते है।
(c) 1 :- एक परिवार जैसा मसीह गरीबी के कारण अपने बच्चों के साथ आपने दो जना पुरुष औरत्ती और दो बच्चे रोमन कैथोलिक तरफ चले जाते गये हैं क्योंकि उधा सहायता दी जा रही है। मैं ने उन को समझाया पर वे अब तक हमारे गिरजा में नहीं आते हैं।

तो J.M.B. Secretary & Treasurer से मांगा है कि अगर कोई रकम का फन्ड हो तो इन गरीब मसीहियोंको कुछ मदद मिलने की कृपा किई जाए नीचे लिख दी जाती है।

Late P.S. Johno
Raketi

July 58. I. Lugun Topno.

12/VII

बाईबेड़ा जोईंट मिशन बोर्ड का रिपोर्ट जुलाई — — महिना का परिशराम।

श्री महामान्यवार ओस माड़ी, ओशुसहायम।

ता: १ सरडिया में ईश्वर का बचन भाईबहिनों को सुनाया संख्या ५।
२ सुन्दरी में ईश्वर का जीवन धर्म्म और उद्धार का बचन भाईयों को सुनाया — संख्या ४।
३ मनिषा ३२ आया है बोलके पोस्टोफीस गया।
४ सोमुरा में ईश्वर का बचन भाईयों को सुनाया संख्या ३।
५ मनिषा ३२ रुपया लाने केलिये पोस्टोफीस गया।
६ सोनुआ में सरडिया पोस्ट में और बाईबेड़ा में गिर्जा किया।
७ घर का काम किया।
८ नकरी और सोसीबाड़ा गया था।
९ बजार किया।
१० बिसेश बात केलिये सरडिया पोस्ट और सोनुआ गया।
११ घर का काम किया।
१२ स्थानिया दी में लोगों को बचन सुनाया संख्या ४।
१३ गिर्जा किया।
१४ बजार किया।
१५ गाँव दी में ईश्वर का बचन आदमियों को सोरवा संख्या २।
१६ स्थानिया दी में ईश्वर का बचन भाईयों को सुनाया संख्या —।

ता: १७ बजार किया।
१८ फोटो लाने केलिये दोरा गया।
१९ गिर्जा पाट तायारी।
२० गिर्जा किया।
२१ दिन भार पानि किया इसलिये दूरभर ने नहीं गया।
२२ गाँव दी में ईश्वर का बचन भाईयों को सुनाया संख्या ३।
२३ स्थानिया दी में लोगों को ईश्वर का बचन सुनाया संख्या ४।
२४ बजार किया।
२५ गाँव दी में ईश्वर का बचन आदमियों को सुनाया संख्या ३।
२६ गिर्जा पाट तायारी।
२७ गिर्जा किया।
२८ घर का काम किया।
२९ सोखार
३० सोरवार
३१ सोरवार में पड़ा हूँ।

इसराएल तोपनो।

July 58. Thomas Bhengra.
जुलाई महीना १९५८ ई०।

11/VII

तारिख -

१ स्कूल किया
२ स्कूल किया
३ स्कूल किया
पैर में घाव होनेकेकारण — ४ जुलाई से २७ जुलाई तक
स्कूल बन्द किया था।
२८ जुलाई को स्कूल शुरु किया चलन न सकने के वजहसे गिरजा घर
से स्कूल किया।
२९ स्कूल किया।
३० स्कूल किया
३१ स्कूल किया।

आप का विश्वस्त -

Thomas Bhengra
Hqrs. 29-5-10-58 —

July 58. M. Samad. ता 8-7-58

श्री युत मन्यवार Rev. H. Closs. साहेब को मेरा यीशु
सत्य सेवे। आप को गुलाई महीने का रिपोर्ट दिया
जाता है।

1 घर में था। रिपोर्ट बनाया।
2 घर में था।
3 Jaraikela स्टेशन गया।
4 कुर्दा टोली गया था मेंढ़या से बात चीत किया।
5 गया टोली बुद्धू के पास गया राम और कृष्ण के विषय
बात चीत हुआ।
6 Sunday. गिर्जा किया।
7 कोपाडिंगा गया स्टेशन से फर लौट।
8 कोपाडिंगा उराँव टोली गया और
9 श्यामः पिड़ी गया था मुन्डा के साथ चीत किया।
10 गिर्जा किया।
11 सागजुड़ी गया आनन्द मसीह से मुलाकात किया।
12 एड़ पिड़ा गया था
13 Sunday गिर्जा किया।
14 जमा वा गया।
15 गड़ोम लाई गया।
16 गया मानुअ के साथ बात चीत किया
17 बड़ा सागजुड़ी गया।
18 फुल बाड़ी कुमार्ग से गए गया।
20 फुल बाड़ी गया था वहाँ के हुनियां से साथ चीत किया
21 गिर्जा किया Sunday
22 बड़ा डोम बाड़ी गया हिन्दुओं के पास
23 बिमार हुआ।
24 " "
25 " "
26 घर में था तब तैयार किया।
27 गिर्जा किया Sunday
28 तापरोम भर गया।
29. एड़ली सेर गया।
31. घर में था।

नोट:- य चेरें दूरें बिमार होते हुए भी छोड़ गया।
आप को विश्वास M. Samad. Parodih. P.O. Jaraikela

July 58. J. K. Hemrom.

जुलाई महिना को रिपोर्ट रहेगा

9/VII

१-७-५८ को मैं मुन्डीपानी को गया था, वहां मैं झारखेल ग्राम को दिखाया ४०-५० आदमी जमा हुए थे —

२-७-५८ को मैं मुन्डीपानी से घर को लौट आया, रास्ता में ६ मनुष्यों के साथ मैं मुलाकात हुआ, मैं उन को पुराना और नया नियम में से बताया —

३-७-५८ को मैं मच्चुपुर को गया था किसी से मुलाकात नहीं हुआ —

४-७-५८ को मैं सिमिरता को गया था, साहूली लोगों के साथ मैं खस्ता चर्म के बारे में बात चीत हुआ —

५-७-५८ को मैं दिरिपसिला को गया था, वहां एक सन्ताल के साथ में बात चीत हुआ तो कहता है कि मैरे बाल बच्चे खिस्तान होने नहीं चाहते हैं —

६-७-५८ को विश्राम दिन था —

७-७-५८ को मैं दिरिपसिला और दलकी को गया था, वहां पे और सन्ताल लोगों के साथ में यीशु के जन्म और जी उठने के और दुनिया अन्त होने के विषय में बात चीत किया —

८-७-५८ को मैं बागचटा को गया था, रास्ता में एक मुन्डारी के साथ में सुसमाचार का बात चीत किया और बागचटा वालों का मन अब तक कठोर है —

९-७-५८ को मैं बागचटा से घर लौट आया —

१०-७-५८ को पर्व था —

११-७-५८ को मैं दिरिकिया गया था, साहूली लोगों के साथ में खस्ता चर्म और पुजा गोस्त खाने के बारे में बात चीत हुआ —

१२-७-५८ को मैं दिरिपासिला को गया था किसी से मुलाकात नहीं हुआ लौटते समय बांगा का एक मुन्डा भाई ने मुझ को कहा कि अब हम लोग भी मिशन होने चाहते हैं, पर अभी चेचक होगा इस लिये अभी नहीं चाहते हैं —

१३-७-५८ को विश्राम दिन था —

१४-७-५८ को मैं बरंगा को मुन्डा लोगों को खिस्त धर्म के बारे में बताया तो कहते हैं कि हम लोग भी कहते हैं कि हम लोग ऐसे महते हैं तब महते हैं सो अच्छा होगा कि हम लोग भी मिशन हो जावें —

१५-७-५८ को मैं अपना तोसक भाई और एक मुन्डा भाई को दुनिया में गड़ बड़ के बारे में बताया —

१६-७-५८ को मैं घर में था —

१७-७-५८ " " " "

१८-६-५८ को मैं जरडीकेला को गया था —

२०-६-५८ को विश्राम दिन था —

२१-६-५८ को वर्षा जोर था, इस लिये कहीं जाने नहीं सका —

२२-६-५८ को मैं दिरिपसिला गया था, वहां से बरगा के मुन्डा टोला को गया, उन के मन में खिस्त धर्म का याद घुसता है।

२३-६-५८ को मैं सिमिरता को गया था, मैं वहां के दो भाइयों को मैं कहा कि सच्ची चर्म वाले जानते हैं कि मरने के बाद के लिये स्थान है। इस में I सुख स्थान या दुःख स्थान में। और सच्ची चर्म वाले सुख स्थान ही को चाहते हैं और जाने का रास्ता को खोजते हैं। मैं ने सच्ची चर्म को जांच किया तो देखा कि खिस्त चर्म नहीं कर नहीं सुख स्थान में पहुंच सकता है। दुसरा चर्म हो कर नहीं है। —

२४-६-५८ को मैं सिमिरता को गया, मैं तीन माहली लोगों को बात चीत करते कहा कि ब्राह्मन लोग हिन्दु लोगों को अन्धा बना दिया है। क्योंकि वे हिन्दु वेद को संस्कृत में कहा है, इस लिये लोग नहीं समझ सकते हैं। —

२५-६-५८ को मैं जुलियस को गया, वहां के ग्राम सेवक को पहाड़ी उपदेश और इश्वर ने ये वचन कहा किताब को दे कर पढ़वाया, तो कहता है, अच्छा किताब है। —

२६-६-५८ को मैं बरगा के मुन्डा टोला को गया, मैं उन को कहा कि तुम लोग जगत में इतना दुःख देखते और पाते हो लिस पर भी तुम लोग इश्वर को क्यों नहीं ढुढ़ते हो।

२७-६-५८ को विश्राम दिन था —

२८-६-५८ को मैं एंडवेडा, कोसीजोडा को गया किसी से मुलाकात नहीं हुआ, मैं अपना साला को कहा कि तुम अनन्त दुःख को नहीं डरते हो, तो कहता है कि मुझ को कुछ भी नहीं लगता है। —

३०-६-५८ को मेरा तबियत अच्छा नहीं लगा, इस से कहीं नहीं गया —

३१-६-५८ को मैं सिमिरता को गया, एक दो के साथ में धर्म के बारे बात चीत हुआ, तो वह मेरा बात को अनसुनी कर के अपना ही बात पूछा। —

३१-६-५८ को मैं बरगा को गया, वहां एक माहली साथ में अन्तीम समय के बारे में बहुत बात चीत हुआ —

आप का आज्ञाकारी प्रचारक

J. K. Hemrom

Dumirla

P.O. Urkia

1-8-58

S. Lakra 8/01

कटक-चाँदोद ड़ाक

ता. 28.7.22

श्री युक्त महामान्यवर

पादरी साहब

आप को यीशु सहाय।

महाशय

आप को जनाया जाता है।

ता. 7.6.22 को मैं टुकटी पड़ाव बड़ियां माझियों के यहां गया था और वहां के माझियों समझाये।

ता. 11.6.22 को मैं चाँदोद डाक के किसान माझियों को समझाये

ता. 15.6.22 को मैं सिरचोदद डाक के एक किसान कुरमी समझाये

ता. 22.6.22 को मैं पतरामाकर के किसान माझियों को समझाये हैं कुमाये

ता. 23.6.22 को मैं तुलुकडीह के किसान माझियों को समझाये कुमाये हैं।

वर्षा के पटवटो इस महीने में मांचिक नहीं कुछ से मैं। रिसाना न लिखा।

58 July. Report. J. Samad.
Bodhana.

6/VII

५८ जूलाई का डायरी ॥

१ - मैं ममता घर का काम किया ॥
२ - आज मेरी घर का काम में छिन बिनाया ॥
३ - आज बाजार के कारण नहीं ना गया ॥
४ - मैं बिश्वकरी गया था ॥
५ - आज नहीं नहीं गया ॥
६ - बोड़रामा में रिजर्व किया ॥
७ - मैं रमेश को चेपोटाम गया था ॥
८ - मंगल को भी चेपोटाम, एक बियर के पास पुर्थना करने गया था ॥
९ - बुध को गांव में रहके काम किया ॥
१० - आज मोटोनोयो पर्व का रिजर्व किया ॥
११ - रक्त आई के साथ, बुराई बहाल डरांव आई थो के पास गया था ॥
१२ - आज मैं नहीं ना गया ॥
१३ - एतवार को रिजर्व किया ॥
१४ - चेपोटाम घर का काम करने गया था ॥
१५ - मंगल को वहीं काम करने गया था ॥
१६ - बुध के कारण नहीं ना गया ॥
१७ - बोड़रामा का बाजार गया था ॥
१८ - रमेश सतिशोर मोलिस गया था ॥
१९ - मैं नहीं नहीं गया पढ़ियों के बाद देखते थो ॥
२० - आज नये बप्तिस्मा थों को बुला के, Rev. J. Soy रिजर्व को स्नान दिये ॥
- मैं तसकंद इय तीनों, M. Sang. को J. Soy सखंतपुर गये ॥
२१ - सुबे बस पकड़ के हिरा कुंद देखने गये थे ॥
२२ - मंगल को इय दो जन बोड़रामा लौटे ॥
२३ - मैं २४ ता: को घर से मैं रहके अराम किया ॥
२४ - आज ममता डायरी लिखके तैयार किया ॥

J. Samad
Bodhana.
२५-७-५८.

July 58. M. Dang.

5/VII

जुलाई १९५८ को डायरी ।

ता: १-७-५८ - रेवेरडीह में घूमते हुए दुरगाडीह आया ।
ता. २-७-५८ जमुनकिरा होके छमड़ा गया ।
ता. ३-७-५८ बन्धाभूई में शाम को प्रभु का बचन सुनाया ।
ता. ४-७-५८ दुरगाडीह आया ।
ता. ५-७-५८ दुरगाडीह में था ।
ता. ६-७-५८ दुरगाडीह में गिरजा करके छमड़ा में भी गिरजा किया ।
ता. ७-७-५८ दुरगाडीह में आया ।
ता. ८-१०-—— खूब पानी बरषा ।
ता. ११-७-५८ जमुनकिरा गया ।
ता. १२-७-५८ - कोलापट में शाम को बिन्ती समाज किया ।
ता. १३-७-५८ कोलापट में बिहान को बिन्ती समाज करके दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया ।
ता. १४-७-५८ दुरगाडीह आया ।
ता. १५-७-५८ दुरगाडीह में था ।
ता. १६-७-५८ बन्धाभूई में एक बिमारी को देख रेख किया ।
ता. १७-७-५८ दुरगाडीह आया ।
ता. १८-७-५८ दुरगाडीह में Rev. J. Soy गिरजा किए उसमें शामिल था ।
ता. १९-७-५८ Rev. J. Soy के साथ छमड़ा गया वहां गिरजा हुआ ।
ता. २०-७-५८ Rev. J. Soy के साथ बड़रमा जाकर वहां गिरजा में शामिल था ।
ता. २१-७-५८ - हम सम्बलपुर होके हीरा कूद बांध देखने गया ।
ता. २२-७-५८ वहां से दुरगाडीह आया ।
ता. २३-७-५८ दुरगाडीह में था ।
ता. २४-२६ - दुरगाडीह में था ।
ता २७-७-५८ दुरगाडीह में + छमड़ा में गिरजा किया ।
ता. २८-३०- दुरगाडीह में था ।

Cati - M Dang
Durgadih
30-7-58 -

1958 July. Patras Barla.

4/41

Dairy for the Month of July. 1958

1 ई० पाठ पढ़ाया
2 ई० पाठ पढ़ाया
3 ई० " " " "
4 ई० " " " "
5 ई० " " " "
6 ई० को गीरजा किये
7 ई० स्कूल किये
8 ई० " " "
9 ई० " " "
10 ई० ओटोनोमी पर्व्व माने
11 ई० स्कूल किये दुसरी वेला बजार गये "
12 ई० स्कूल किये
13 ई० गीरजा किये
14 ई० स्कूल किये
15 ई० स्कूल किये
16 ई० " " "
17 ई० " " "
18 ई० " " "
19 ई० " " "
20 ई० गीरजा किये।
21 ई० स्कूल किये। दुर्गाडीह गये 23 ई० को दुर्गाडीह से
22 ई० को दवा के लिये 24 ई० को कुलपाल आये 25 ई० को सरगाडीह आये
26 ई० को स्कूल लड़को को छुटी किया रोपा के लिये पन्द्रह दिन कि
27 ई० को गीरजा किये 28 ई० को कही नही गये बैजल का स्टाड़ी किये 29 ई० सोरसीरा गये 30 ई० को पानी किया
31 ई० को बोनाडुडा गये।

School work

Patras Barla Sarguidih
1-8-58

1958 July. Amgaon Hosp.

3/III

Report for the month of July, 1958.

1st–6th Mrs. Bina एक हिन्दू ~~हिन्दू~~ स्त्री को मैं आमगांव में दोनों वेला बपिस्मा का वचन सिखाया और वह ता: ६ठी जुलाई को डाक्टर साहेब के द्वारा बहुत खुशी से पवित्र बपिस्मा पायी।

7-7-58 मैं कुम्भारगड़िया के आसपास घूम के भाई बहनों से मुलाकात की।

8/7 " मैं घर में रहके पुस्तक अध्ययन किया।

9/7 मैं आमगांव के आस पास घूमा।

10/7 मैं Autonomy पर्व्व को मानने का ईश्वराधना किया।

11th–15th मैं चारबस्ता से शिक्षा ह्रास के बारे जानने की आशा में था और अस्पताल आने वालों से मौका अनुसार मुलाकात करके धर्म सम्बन्धी बात चीत किया।

16/7 Doctor साहेब की सन्ध्या की शिक्षा ह्रास जो प्रति बुधवार को हुआ करती है भागी हुआ।

17th–19th भारी वर्षा के कारण घर में पड़ा रह के अपने कामों में व्यस्त थे।

20/7 मैं ईश्वराधना में भाग लिया।

21st–25th गांव वाले कामों में व्यस्त थे और बिमारी लोग अस्पताल में कम आते थे क्योंकि समय २ वर्षा हुआ करती थी सो मैं घर में खबर कागजों को पढ़ता रहा और ता. 23 के सन्ध्या को डाक्टर साहेब की शिक्षा ह्रास में भागी हुआ।

26/7 डाक्टर साहेब की आज्ञा से Mrs. Bina के घर वालों को समझाने के लिये और धर्म प्रचार के लिये मैं Compounder बाबु Lubhu Minz के साथ "बालो" गया था जो आमगांव से १२,१३ मील की दूरी पर है।

27/7 मैं यहां का इतवार आराधना में भाग लिया।

28th–31st ता. २८-७-५८ से ता. ३०-७-५८ तक घर के कामों को देखा और पुस्तक अध्ययन किया। ता. ३१ वीं जुलाई को भारी वर्षा हुई और मैं अपना घर को मरम्मत किया।

द्रष्टव्य: (1) मैं वर्षा के कारण दूसरे २ प्रचारकों की देखभाल करने के लिये दूर २ स्थानों में दौर नहीं कर सका। मैं आशा करता हूं कि मैं अगस्त महीने के भीतर सभी तरफ घूमूंगा और उसका पूरा रिपोर्ट दूंगा। मा० साहेब से मेरी निवेदन है कि वे कृपया मेरा तलब July महीने का आमगांव में C.O. Bankon होकर भेज दें जिससे मैं पैसा बांट कर दूसरे २ प्रचारकों के पास दौर कर सकूं।

(2) Mrs Bina को महानद्द का प्रभुभोज वचन सिखाने की आवश्यकता हो रही है। उसके माता पिता बहुत कोशिश में हैं कि उसको फिर हिन्दू धर्म में ले आवें। अभी उसका मन स्थिर है।

Amrs Amed
Catechist
G.E.L. Church Hospital
Amgaon
3-8-58.

58 June - Report. Rev. H. Tuti.

रंगामाटिया
3-6-52 18/4

जून महीने का रिपोर्ट

1-ई-52 जसीपुर और बादम पहाड़ में प्रभु भोज दिया।
2-ई-52 बादम पहाड़ से आँलायोड़ी आया और वहीं रात बिताया।
3-ई-52 गोरुमहिषिरानी गया था; वहां प्रभु भोज दिया।
4-ई-52 आँलायोड़ी में था, वहां प्रभु भोज गिर्जा चलाया।
5-ई-52 आँलायोड़ी से कुसनुपुर आने में समय बिताया।
ई-ई-52 पहिली बेला कुसनुपुर में और दूसरी बेला कुलडीहा में प्रभु भोज गिर्जा चलाया।
7-ई-52 कुलडीहा से जसीपुर आने में दिन बिताया।
8-ई-52 जसीपुर में इतवार का आराधना चलाया।
9-ई-52 जसीपुर से रंगामाटिया आने में दिन बिताया।
10-ई-52 — 12-ई-52 रंगामाटिया में था।
13-ई-52 रंगामाटिया से पुटुलिया आने में दिन बिताया।
14-ई-52 पुटुलिया से बरसोल आने में समय बिताया।
15-ई-52 बरसोल में S. P. G. मिशन के भाइयों को हमारी मंडली में ग्रहण किया, उनके बालकों को बपतिस्मा दिया और उन को प्रभु भोज दिया।
16-ई-52 बरसोल से मोना पाड़ा धंगड़ी आने में दिन बिताया।
17-ई-52 धंगड़ी में S. P. G. भाई और बहिनों को हमारी मंडली में ग्रहण किया और बालकों का बपतिस्मा हुआ।
18-ई-52 दूसरी बेला चोइनीसोल गया और वहां भी S. P. G. भाई बहिनों को हमारी मंडली में ग्रहण किया।
19-ई-52 चोइनीसोल से रंगामाटिया आने में बिताया।
20-ई-52 बारिसदा गया था वहां नये मसीहियों के साथ भेंट किई, उन के घर में प्रार्थना के बाद घर लौट आया।
21-ई-52 — 30-ई-52 तक घर में रहा और रंगामाटिया के नये मसीही भाई और बहिनों को उनके घरेलू कामों में मदद करता हुआ समय बिताया।

Dear sir,

आप को मालूम होवे कि ता० ई-ई-52 को एक हिन्दू परिवार के दो व्यक्तियों को बपतिस्मा दिया, फिर 12 से 18 जून को मिदनापुर जिले में 19 घर से 119 प्राणी जो पहिले S. P. G. के हमारी सुधरान मंडली में आये। इतना ही लिखता हूं। आप को और मेम साहेब को मेरा प्यार यीशु सहाय।

आप का विश्वस्त H. Tuti

17/VI

Rourkela
30.6.58.

To

The Secretary,
J. M. B. Chaibasa.

Sir,

Hereby I submit you the monthly report of the work at Rourkela. By the order of the C.C. I joined my duty here on the 17th May 58.

1 As it is going to be a big industrial area people from different parts of India and abroad have come here. They are scattered here. Before I came here they do not have regular church services. So far I met about 8 hundred people belonging to different denomination. I am glad that all came together for church service without any feeling of denomination and province and caste. 2 At present we have consolidated them in 4 big and small Congregation. Fortunately we have formed house and halls for temporary use.

3 Each Sunday I have to take more than 3 Church Services in the absence of suitable

volunteers. 4 we have prayer meetings daily in different Colonies in the evening. 5 I face difficulty in the absence of a Cycle. Sometimes I failed in my duty.

6 As regards Purnapani – again the newly built hut which was used as a church is damaged by the H.S.L. We are having our church service there in ~~a~~ newly built quarters when our people are staying. 7 I am told by the people of Purnapani that they will get ground some where in public sector. 8 Moreover the H.S.L will give Compensation for damaged church building at Purnapani.

9 There is a Catechist at Purnapani who was priviously the treasurer of Wake. He is taking services there requarly. I think he ~~of~~ is worthy to get some remuneration. It is under your consideration. I shall tell this matter to Rev. B. Hed the orissa Synod President who is coming here on the 13th July for Lords Supper and Boptism.

May your prayer give me strength to do my duty successfully.

Yours faithfully

Month of May 1958. Joseph Kandulna.

मई महीना का रिपोर्ट १९५८

16/E+H

— १-५-५८ को मैं उड़ाकले गया था दूंवा की दो जन को पत्थर किया
२-५-५८ को मैं महिपीड़ि गया था एक जन को पत्थर किया
३-५-५८ को मैं डुइफ्याफ गया था
४-५-५८ को मैं गिरजा किया गिरजा के बादे मैं सरुदा ग्रया
५-५-५८ को मैं सरुदा से रंगामाटिया गया था
६-५-५८ को मैं कारिपादा गया था
७-५-५८ को मैं रंगामाटिया से सिकाल पाहड़ गया बकुता गराम हो गया
८-५-५८ को मैं डुक में पड़े गाश

मई महीना से ~~तारीक~~ त० ८ तारिक से जून — १५ तारिक तक मैं डुक में था

जुन महीना त० १६-६-५८ से मैं सरुदा से बाकुवा होके ग्रया
किजीरिया में दो रात पकेड़े रात को जसिपुर ग्रया जसिपुर से
ओरोजीया संगा बाबू के संते गय था ग्रौर डुइफ्याफ ग्रौर कुकारचू को
सबों को इजीता मे थे जीमा से नीकाल दीया त० १७ को
१८-६-५८ को मैं जसिपुर से बाद्म पहाड़ गया था
१९-६-५८ को मैं बद्राम से कटावरी चेईया पैई गया था दवा बचाने के लीये
२०-६-५८ को मैं चेईंयापै मे रामाय
२१-६-५८ को मैं चेईंयापै के ग्रास पास दवा कोजे लीया कुकोरजा के संते
२२-६-५८ को दवा त्रनादीया
२३-६-५८ को मै चेईयापे से जसिपुर गया
२४-६-५८ को मैं जसिपुर से को जिरोजीया मे डुइरी फ्याफ सइयों त्रिचार था
उपर मैं गया था
२५-६-५८ को मैं जसिपुर से सिकीत पाहड़ गया था
२५-६-५८ को मैं घर मे था
२६-६-५८ को भी घर मे था
२७-६-५८ को मैं डुइफ्याफ गया था
२८-६-५८ को मैं रागया
२९-६-५८ रवार को मैं गिरजा किया
३०-६-५८ को मैं सरुदा ग्रया

जसफ कंडुलना

त० ५-७-५८

M. Bara, June 58

जून १९५८ धलभूम. प्रचारक
१ता- को इन्दौरसार से आ। मनोहर बाड़ा 15/VI
२ता: सबेरे बस में खुड़री ओचा. वहीं से लिया — बरहबजे का सर्च
३ता: से स्कूल चलू किया
६ता: बन्द
८ता को फिर घर लौटा कोकि खोराकी के लिशय-
९ता: जिसके साथ था बड़ी बना
१०ता: तक घर से आ
११ता: को पुनने जगाद खुड़री ओचा लौटा
१२ता: से लगातार स्कूल चलू आ
२८ता: तक
२९ता: को घर जा दुःखसुख ~~का~~ व तलाक मा प्रभा से
जथा
३०ता: घर से आ।

यहां का स्कूल रात को लिशेष कर होता है. दिन को काम रहते हैं. क्योंकि यहां सभी लोग आया करते हैं रात को दिन के बच्चे और जवान पढ़ते हैं, उनका संख्या ज्यादा है। हैं, घर वाले रात को नहीं आता है दो जन तक दिन के पढ़ने वालों का संख्या रात को पढ़ने के बाद दुनिया दारी बातों को बतलाते साथ थाने के बताना शुरू करता हूं. कभी हिन्दी नहीं बोलने वाले पढ़ना लिखना कुछ बिलम्ब से आने पीछे से बोलने वाले होने से पकड़ते हैं. और पुराना भाव है. जे. दी. से नहीं जैसा तैसा पुनः बोता हूं।
से ज्ञान लोगों का।

लिखस्त — मनोहर बाड़ा
हलबो: खुड़री ओचा
ता:

58 May + June - (1) John Surin Sisiguha. 14/7/58 26-7-58.

श्री श्री नाहा प्रचारक जे. सुरिन के जुन और जुलाई का रिपोर्ट।

जुन। 1958.

दिन — शाम

27.6.58. रोगियो के लिये दवा खोजने एक भाई के साथ गया — ६ जनो को पढ़ाया।

28.6.58. बचन स्टाडि किया — ६ " " " "

29.6.58. नाकटी में गिरजा चलाया — न्याय के बारे को प्रभुभोज के बारे भाईयो को समझाया। ६ जन पढ़ने आये।

30.6.58. तीन जनो को यीशु के बारे बताया — १ जन " "

जुलाई 1958.

दिन। शाम।

1.7.58. कड़ाईकेला से नाकटी गया वहां पुरोहित को इलाज किया — ४ जनो को पढ़ाया।

2.7.58. डेवी के घर में कई भाइयो को उपदेश दिया को एक रोगी को दवा दिया, — २ " " " "

3.7.58. शाम पन्चायत के मुखिया से स्कूल विषय बातचित हुई — ४ " " " "

4.7.58. पेड़, पौधो को खेती बारी के बारे भाईयो को उपदेश दिया — ६ " " " "

5.7.58. चाईबासा गया — शाम को ७ " " " को उन्होने मुझे पूछा कि साहेब क्या कहा मैं उन्हें बताया कि मैं बंगाल जाने के लिये तैयार था पर साहेब मुझे जाने नहीं दिया वे बोलते हैं कि आप मत जाइये आप यहीं रहिये हम लोग पढ़ेंगे और धर्म में आयेंगे।

दिन	ग्राम
6.7.58. नाकटी में गिरजा किया —	६ जन पढ़ने आये ।
7.7.58. चक्कधरपुर गया —	६ " " " ।
8.7.58. नाकटी प्रचारक बुखार से उस को देखने गया को दवा दिया ——	६ " " " ।
9.7.58. मसीह के को अन्तिम दिन के बारे कई भाईयो को बतलाया —	कोई पढ़ने नहीं आये चूंकि उनका एक पर्व था ।
10.7.58. पानी किया को गीत को वचन पढ़ा —	६ जन पढ़ने आये ।
11.7.58. स्कूल विषय बातचित मुखिया से —	६ " " " ।
12.7.58. स्कूल को धर्म के बारे ६ जनो को —	६ " " " ।
13.7.58. नाकटी में गिरजा चलाया —	६ " " " ।
14.7.58. २ रोगियो का दवा बनाया —	६ " " " ।
15.7.58. डेवी के पास घर के बारे गया —	६ " " " ।
16.7.58. घर मालिक घर मरामत का तारिख दिया पर नहीं आया ——	६ " " " ।
17.7.58. घर मालिक घर छरने का तारिख दिया पर नहीं आया ——	६ " " " ।
18.7.58. १६ जनो को संसार धर्म और खिस्तान धर्म के बारे बताया ——	६ " " " ।
19.7.58. घर मालिक काज भी छाग दिया —	६ " " " ।
20.7.58. नाकटी में गिरजा चलाया —	६ " " " ।
21.7.58. मुखिया से लौकिक उन्नति के बारे बात चित ——	६ " " " ।

22-7-58. 22 जनों से धर्म की शिक्षा के बारे बातचित किया — 6 जनों को पढ़ाया।

23-7-58. दो जनों को मार्ग में धर्म की शिक्षा के बारे समझाया — 6 " " " "।

नोट :- (क) घर बरांडा छत गिर गया को वहां मैं नहीं रह सकता हूं को मुरिया के घर में रहेंगे। चूंकि भीतर घर भी गोहर घर के समान है को बिमारी का आसंका है।

(ख) बीची वहा के लोग जल्दी धर्म में नहीं आवेंगे पर उन को आने में देर है पर धर्म में आने का तो बोलते हैं।

(ग) मेरे विद्यार्थियों में से कोई एक आवेंगे पर हमें कन्या खोजना होगा।

(घ) बीची वहा में अपना निज का घर होना चाहिये चूंकि दूसरो के घर रहना बहुत दुख है

Sir,

To The

Rev. H. Kloss. G. E. L Church Chaibasa.

And Rev. J. Soy. G. E. L Church "

आप दोनो को यीशु सहाय।

मैं अपना रिपोर्ट भेजता हूं को जो गलती हो आप मुझे सुधारें। मैं अपनी बेटी को पढ़ाने के कारण पैसा खतम किया सो आप घर भाड़ा को वलप जल्द भेजने की कृपा करें।

Yours faithfully Servant.

Eah. Johan Guru Sisibara.

24-7-58.

13/VI

P. S. Topno, June 58

१-१८ ता. तक कोई खास जगह दौरा नहीं हुआ केवल ~~भाइयों~~ रिश्तेदार भाइयों के पास चुआ जाने की विनती प्रार्थना हुई। चूंकि प्रचारीन देश गए थे

१० ता० — को शोशीवा गये वहां के भाइयों से बात चीत हुई

१२ ता को ~~जाना~~ गये वहां २० आदमियों को सुसमाचार सुनाया गया।

१३ ता० को बाजार किया

१४ ता० पाठ तैयार किया

१५ - १८ तक चाईबासा में लड़कों के स्कूल में वहां का कराना था।

१९ ता० रविवार को में काम हुआ।

20 को बाजार किया।

21 तैयारी उमा मिजाज का

23 ता० को जाना: गये वहां सुसमाचार सुनाया गया सुनने वाले बच्चों के साथ कीर्तन

छोटा - बड़ा जन स्त्री पुरुष सब उपस्थित थे। और वहां एक रिश्तेदार महिला हमलोगों को मिला (दूसरे के है) वह हमारा जो बहुत पक्का रिश्तेदार है उसके तो रिश्तेदार हुई है फिर भी उसको इतना सताहट मिलती है कि हाल ही में एक नया मकान बनाई थी मैरियों ने आकर रात को जला दिया बहुत बड़ा मकान था बहुत नुकसान हुआ पर उसी वह बहिन अपने विश्वास में स्थिर है जो भी उसके मां भाई सब उस को संगति में नहीं मिलाते हैं। सो हमें को लगी है कि उस बहिन को लग ही सके तो कुछ सहायता किया जाय। ताकि हमों का काम उसके द्वारा भी सफल होवे। लोग सुनने वाले बहुत दिलचस्पी के साथ सुनते थे बाजार

P.T.O

~~हमारा मालिक के बगैर~~ से हम उनसे मुलाकात नहीं कर सके। और उस वहिना के घर में भी जल जाने के कारण ठहरने का असुविधा, जिससे हम ठहर नहीं सके।

२५ ता० ३८ तक लोगों का काम करते हैं।

आप का विश्वास्त

प्रचारक प्रभु सहाय तोपनो

ता २८. दि. ५८

Israel Topno, June 58 12/VI

Baibera joint Mishan bord Ka ripot.

Shri Mahamanenpawar Rero H: Klass Rero j: Song-
yishusahay: amin.

जून मा ता:१ गिर्जा किया।
२ दोन्डू में भाई बहीनों को ईश्वर का बचन सुनाया।
३ तबियत अच्छा नहीं किया।
४ मुन्डुरी में एक आदमी को धर्म्म का बचन सुनाया।
५ बजार किया।
६ बिशेष काम के लिये नकरी गया था।
७ बोदाबाईल गया था।
८ गिर्जा किया।
९ तबियात अच्छा नहीं किया।
१० चाईबासा गया था।
११ घर का काम किया।
१२ बजार किया।
१३ मुन्डुरी गया २ जन को ईश्वर का बचन सुनाया।
१४ गिर्जा बाट तायारी।
१५ सुनुवा में और सरन्डेया में गिर्जा किया॥

ता: १६ बैबेड़ा में गिर्जा किया॥
१७ स्थान दौ में ३ जन आदमीयों को बचन सुनाया।
१८ बुखार हो गया।
१९ बखार " " ।
२० बुखार दौ में था।
२१ बैबेड़ा में गिर्जा किया।
२२ सरन्डेया में गिर्जा किया।
२३ घर का काम किया।
२४ गाँव दौ में २ जन भाई बहीन को बचन सुनाया।
२५ स्वामिआ दौ में ३ जन आदमीयों को बचन सुनाया।
२६ सुनुवा गया नर्स का घर में समाज किया और बजार गया।
२७ मुन्डुरी और मुजनी गया ३ जन आदमीयों को बचन सुनाया।
२८ नोन्दोसई गया और ३ जन आदमीयों को उद्धार का बचन सुनाया
२९ सरन्डेया और सुनुवा में गिर्जा किया।
३० गाँव दौ में बचन सुनाने का प्रोग्रेम। अन्त कितने लोग धर्म्म मानने के लिये पसन्द कर रहें हैं॥

58 June - Reports. Thomas Bhengra 11/14

राज्य बुदि काम का रिपोर्ट होरो खरिया- जून महीना १९५८-

1, बिहान को होरो में गिरजा किया और दुसरी बेला कोमदी मंडली में।

2+2 गोड़ा धान बोया

४- हल जोता-

५के केवरा गांव घुमने गया

६, गोइलकेरा बाजार गया।

७ घर में रहा और बचन पढ़ने गया था।

८ गिरजा किया

९ तमभय चपरासी का घर गया था

१० घर में रहा और बचन न पढ़ने गया था।

११- हल जोता

१२ स्कूल शुरू किया गोइलकेरा बाजार गया।

१४- स्कूल किया और बचन पढ़ाने गया था।

१५- गिरजा किया

१६- जगंल शिकार खेलने गया था।

१७ स्कूल किया और मकाई बोया।

१८ स्कूल किया।

१९ स्कूल किया और मोरेंगा गांव घुमने a गया था।

२० स्कूल किया

२१- स्कूल किया।

२२-गिरजा किया

२३-गिरजा किया

२४- स्कूल किया

२५- स्कूल किया

२६- स्कूल किया

२७- स्कूल किया और पोलिंग हमसद: गया था।

२८- स्कूल किया

२९-गिरजा किया

३०- स्कूल किया।

आप का विश्वासी Th. Bhengra

12-7-58।

M. Samad, June 58

10/VI

श्रीमान पादरी साहब Mr. Ross. चाइबासा के हमारे मोर यीशु सहाय, मैं जून महीने का रिपोर्ट दे भेजता हुए प्रकार का

१ गिर्जा किया।
२ घर में था।
३ जमाला गया कुमी टोला।
४ जराईकेला आगम बाबू के पास गया रामायण की विषय बातचित किया
५ कोपसिंगा गया था।
६ बजार गया।
७ घर में था पाठ तैयार किया।
८ गिर्जा किया।
९ जराईकेला स्टेशन गया।
१० जराईकेला बस्ती गया यीशु के जीवन चरित्र का बारे बताया
११ बहुत बात चीत हुआ।
१२ घुमने गया मानू ठरांव के पास गया पर मुलाकात नहीं हुआ।
१३ साग जुड़ी गड़ा तेली गया।
१४ साग जड़ी आनंद मसीह यौसुस के पास गया
१५ नले तेली मेंड्या के पास गया।
१६ गिर्जा किया।
१७ रिपोर्ट बनाया।
१८ बड़ा साग जुड़ी मुन्डा के पास गया श्री कृष्ण के अवतार का
१९ और उसके काम का तर्क वितर किया।
२० साग जुड़ी में था
२१ रथ मान्ना जराईकेला गया
२२ बजार गया।
२३ घर में था पाठ तैयार किया।
२४ गिर्जा किया।
२५ फूलझाड़ी निरसा ठरांव से कबीर पंथि धर्म के विषय बात चीत किया।
२६ माकरन्डा जुधुरू मसी. से: पी सरना पूजा के विषय पूछपाछ किया
२७ फूलझाड़ी सोहराइ ठरांव से कबीर पंथ काम के विषय पूछा
२८ पांचपटिया के सुखराम हो: और ढेबू हो: से नानेक बातचीत हुए
२९ घर में था बजार गया।
३० घर में था पाठ तैयार किया।
३१ गिर्जा किया।
३२ घर में था।

आप मंगलाकांक्षी भाई।

Masih Das Singh Barodih
P.O Jarakela
Dist Singhbhum
ता० १-७-५८ ई०

58 June Report. J.K. Hemrom

जून महिना का रिपोर्ट १८९८

१/५

१- ई- ५८ को पादी बाबु के साथ में आम्बाकोना में था, एक चम्मा भोजन को उपस्थित किया —

२- ई- ५८ को हम लोग पादी बाबु के साथ में मनोहरपुर को गया —

३- ई- ५८ को मैं डुमरिता में ३ आदमियों को यीशु की पहाड़ी उपदेश को सुनाया —

४- ई- ५८ को मैं सिरका गया था, वहां विश्वासी चिन्हे को देख कर समझाया —

५- ई- ५८ को मैं सिमिरिता गया था वहां फ्लानेल ग्राफ दिखाया ६- ८ आदमी थे, वे सुनते थे —

६- ई- ५८ को मैं कुड़ना गया था, वहां फ्लानेल ग्राफ दिखाया ८- १० मनुष्य थे —

७- ई- ५८ को मैं कुड़ना से आम्बाकोना सोते हुए घर लौट आया —

८- ई- ५८ को विश्राम दिन था —

९- ई- ५८ को मैं घर से सोनुआ को गया. वहां फ्लानेल ग्राफ दिखाया —

१०- ई- ५८ को मैं सोनुआ से चाईबासा को गया —

११- ई- ५८ को चाईबासा से रंगामटिया को गया —

१२- ई- ५८ को हम पादी बाबु के साथ में रंगामटिया में था —

१३- ई- ५८ को हम रंगामटिया से पुटुलिया को गया —

१४- ई- ५८ को बोडसोल में था —

१५- ई- ५८ को बोडसोल में एस. पी. जी. से बुधेश्वर में ग्रहण किया —

१६- ई- ५८ को हम बोडसोल से चंगड़ी को गया और वहां वालों को ग्रहण किया —

१७- ई- ५८ को हम चंगड़ी से बोडामचाटी को गया —

१८- ई- ५८ को हम बोडामचाटी से चोइनीसोल को गया, वहां वालों को ग्रहण किया —

१९- ई- ५८ को हम लोग चोइनीसोल से चाईबासा को आया —

२०- ई- ५८ को मैं चाईबासा से डुमरिता को पहुंचा —

२१- ई- ५८ को मैं घर ही में था —

२२- ई- ५८ को विश्राम दिन था —

२३- ई- ५८ को मैं तीन महिने का रिपोर्ट बनाता था —

२४- ई- ५८ " " " " " " " " —

२५-६-५८ को मैं उरीकया को गया था, ग्राम पंचायत के मुखिया को मैं कहा कि हम लोग जिस चर्म का आनन्द को पाये हैं उसी को प्रचार करते हैं। जो चाहेगा उस को देते हैं, और जो नहीं चाहेगा उस को जबरजस्ती नहीं देते हैं। —

२६-६-५८ को मेरा तबियात अच्छा नहीं लगा —

२७-६-५८ को मैं चौदहे माहतो को युग का समय और अन्त समय के बारे में बताया —

२८-६-५८ को मैं तीन माहतो लोगों को सुसमाचार बताया। —

२९-६-५८ को एतवार था —

३०-६-५८ को मैं पोटका का एक मुन्डारी को संक्षेप से उत्पति से ले कर यीशु स्वर्ग चढ़ जाने तक का सुनाया —

आप का सच्चा भाई प्रिय प्रचारक

J. K. Hemrom. Dumirta

5-7-58

S. Lakra
June 58

जून महीने का कटनचो पोटाह जोह रिपोर्ट 8/VI ता. २४-६-५८

श्री युत महामान्यवर H. Klaus

आप को च. शु. सहाय

महाशय

आप को मालुम होवे कि पोटाह के दक्खिन दिसन भाग में बिलकुल जंगल से भरा हुआ है। बर्षा के दिन में आवेदा जाना बड़ा कठीन लगता है। कारण कि बर्षा के आने से जंगल बड़ा भयानक हो गया है। और बड़ा डर की बात है। कि हाती भुराड के भुराड रहते हैं। केवल दूध काटा घुमना आच्छा लगता है और दक्खिन भाग में खटवी और गेन्दु और मुचेरुवा ये दो गांव हैं। ये दोनों गांवों को जाने का मयानक जंगल है।

ता. ३. ४. मं को मैं घुटुकडीह गये थे। वहां के मार्झी बाहन को कुमाते हैं। उस गांव में किसान उरांव और मुराडा लोग हैं।

ता: ६. ४. को मैं सोडी गया था। वहां किसान उरांव और मुराडा लोग हैं। दूसरा जाति गोंड लोग हैं।

ता. १०. ४. को मैं और गेन गये थे। वहां किसान और मुराडा लोग हैं। वहां मैं ईश्वर का वचन प्रचार किया गया। ता: १२. १३. और १४. को मैं रुका किया और डोंगा पटार गये थे। ये दोनों गांव में किसान और मुराडा लोग हैं।

वहां भी मैं ईश्वर का वचन प्रचार किया
बहुत दिन का जकड़ा हुआ संसार है। उन को
समझाना स्पष्टीकरण करना बड़ा भारी है।
बूझाने से भी नहीं बूझते हैं। मेरा काम है
ईश्वर का वचन सुनना। मैं वचन सुनने में
नहीं हिचकिचाऊंगा। पर जहां तक बनेगा,
मैं वो सहज ही करूंगा।

ता. १६. ६. को मैं टिकरापड़ गया था।
वहां किसान और खोड़या लोग हैं। मैं एक
दिन रह कर वहां से घर लौट गया।

ता. २०. को मैं पटरामोड़ गया था। वहां
वो वहां किसान लोग हैं। वहां भी मैं
ईश्वर का वचन को बोया हूं। इस
तरह से मैं अपना काम करता हूं।
ता. २३ और २४ को मैं घर ही में था।

प्रचारक स्टीफन लकड़ा
बलरामपुर छत्तीसगढ़

June 58 जुन महीना का डयरी Israil Dang Lugun

१९५८

7/VI

१ तारिक को एक संसार भाई के घर में ईश्वार का बचन सुनाया।
२ " " सबेरे कुलपाल में शाम को जमाल में गिरजा किया।
३ " " खुन धुसा गया वहाँ एक बहिन और दो भाईयों को बचन सुनाया।
४ " " एक दुःखाली के घर में प्रर्थाना किया।
५ " " जमाल में नये खृष्टीयानों को बचन सिखाया।
६ " " कुलपाल में बचन सिखा के प्रचाना किया।
७ " " जमाल में प्रभू की बिन्ती औ बिश्वास दर्पाण सिखाया।
८ " " कुलपाल में नये खृष्टीयानों को बचन सिखाया।
९ " " कुलपाल में गिरजा किया।
१० " " दो संसार भाईयों को ईश्वार का बचन सुनाया।
११ " " कुलपाल में बचन औ गित सिखा के प्रचाना किया।
१२ " " एक नये खृष्टीयान के घर में बचन सुना के प्रचाना किया।
१३ " " जमाल में बचन सिखाया।
१४ " " बलान्डा में बचन सुना के प्रर्थान किया।
१५ " " जमाल में नये खृष्टीयानों को बचन सिखाया।
१६ " " कुलपाल में सबेरे शामको जमाल में गिरजा किया।
१७ " " पादरी बाबु जे: सोय जमाल में बचन सुना के प्रर्थाना किया।
१८ " " कुलपाल से बिजीं पाली वहाँ के संसारीयों को बचन सुनाया।
१९ " " बिजीं पाली से खम्लसा घोड़ा कोना वहाँ के संसारीयों को ईश्वार का बचन सुनाया।
२० " " धर्म खोजकों को बफतिसमा प्रभिन्न प्रभु भोज हुई। और उसी रोज मोर जोड़ा हो कर कुलपाल पहुंचे।
२१ " " धुन धुसा के भाई बहिनों को ईश्वार का बचन सुना के पदरी बाबू प्रचाना किया।
२२ " " जमाल में बचन औ गित सिखा कर प्रर्थाना किया।
२३ " " कुलपल में गिरजा हुई भाई बहिन जामा ओताईस १९ प्रभी उपस्थीत थे।
२४ " " जमाल में नये खृष्टीयानों को बचन सिखाया।
२५ " " कुलपाल में बचन औ गित-सिखा के प्रचाना किया।
२६ " " खोरर डीह गया वहाँ के संसर भई बहिनों को बचन सुनाया।
२७ " " घोड़ा बन्धाईन होकार जमाल चलीआया।
२८ " " कुलपाल में गिरजा कर के जमाल में गिरजा किया।
२९ " " धुन धुसा के नये खृष्टीयानों को ईश्वार का बचन सुनाया।
३० " " कुलपाल में चार भाई दो: ई बहिनों को बचन सिखाया।

मननीय पादरी बाबु जे: सोय
आप को बिचित छो ईश्रेल भेजते रहते हैं पर आप नही पाते हैं
बोलके लिखते हैं आबर फोन उसी डयरी को भेज रहू।
दुःख सुःख दोनो के मध्याम से दिन व्यातित कर रहे हैं
लि: आप का आज्ञा कारी प्रचारक Israil Lugun

G. E. L. church Kulpall.
P. O Bhojpur
Sambalpur DIST.

J. Samad, June 58

Bachranca

6/VI

१९५८ - जून का डायरी ॥

१- आज रतवार को मैं गिर्जा किया ॥
२- मैं ३ ता: को कहीं नहीं गया ॥
४- बुध को बिशलपटी गया था ॥
५- बाड़राया में बाजार किया ॥
६- आज मैं खैरमुंडा भाईयों के पास गया था ॥
७- मैं बाड़राया ही में रह गया ॥
८- रतवार को गिर्जा किया ॥
९- आज फिर मैं बिशलपटी-ससंतरों को समझाने गया था ॥
१०- आज कल घर में रह के शाम को नये वालों को बचन सिखाता हूं
११- मैं घर ही रह के नये ससारों को बचन सिखाता हूं-
१२- आज स्नान पाने वालों को हिसाब करने में गया था-
१३- मैं १४ ता: घर ही में काम किया ॥
१५- ~~एक~~ रतवार को गिर्जा किया ॥
१६- मैं १७ ता: वर्षा के कारण कहीं में नहीं गया ॥
१८- घर में एक लड़का बुखार हुआ - कहीं चोथे जान लगा ॥
१९- मैं २० ता: को गांव से बहार नहीं गया ॥
२१- आज गांव में एक बिशोष सिटिंग हुआ - जिसे मैं रह गया ।
२२- आज रतवार को गिर्जा किया ॥
२३- मैं २४- ता: को दिनाजपुर जाने किया - घर ही में रह गया.
२५- आज मैं अपना डायरी किख के जाता हूं ॥
- इस महिना में नये ससारों को सिखाने होये समझाया हूं ।
- अब से अब १०- ११ तक स्नान पाने वाले हैं ॥

J. Samad
Bachranca.
२५-६-५८.

58 June. Report M. Samad

जून १९५८ की डायरी। 5/VI

ता: १-६-५८ रतवा का गिरजा दुरगाडीह + छमड़ा में किया।
ता. २-६-५८ दुरगाडीह आया।
ता. ३-६-५८ खेरडीह में एक बिमारी के यहां जाकर बिन्ती प्रार्थना किया।
ता. ४-६-५८ जमून चिरा गया।
ता: ५-६-५८ दुरगाडीह में था।
ता. ६-६-५८ खेरडीह में वही बिमारी को देखने गया।
ता. ७-६-५८ दुरगाडीह में था।
ता. ८-६-५८ दुरगाडीह और छमड़ा में गिरजा किया।
ता. ९-६-५८ कोलाघट में मंडली सम्बधी बातें थी उसके लिए गया अर्थात वहां छूट फूट हुए थे उनको समझाने गया।
ता. १०-६-५८ दुरगाडीह में था।
ता. ११-६-५८ छत्ता बोर गया वहां के मसीह भइयों को गिरजा आने के विषय समझाया।
ता. १२-६-५८ लोंगा बहल में संसारिक भइयों को धर्म की बातें समझाया।
ता. १३-६-५८ जमूनचिरा गया।
ता. १४-६-५८ दुरगाडीह में था। बच्चनों पर ध्यान किया।
ता. १५-६-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया।
ता. १६-६-५८ दुरगाडीह आया।
ता. १७-६-५८ गोडपुड़गा में एक बिमारी को दवा आदि किया।
ता. १८-६-५८ खेरडीह में हट किया।
ता. १९-६-५८ दुरगाडीह में था
ता. २०-६-५८ दुरगाडीह में था।
~~सोम~~ ता. २१-६-५८ कोलाघट में गया। शाम को बिन्ती समाज किया।
ता. २२-६-५८ कोलाघट में बिन्ती प्रार्थना करके दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया
ता. २३-६-५८ दुरगाडीह आया।
ता. २४-६-५८ भोजपुर होते हुए तमलाचटा में शाम को बिन्ती समाज किया
ता. २५-६-५८ दुरगाडीह आया।
ता. २६-६-५८ दुरगाडीह में था।
ता. २७-६-५८ दुरगाडीह + छमड़ा में गिरजा किया।
ता. २८-६-५८ दुरगाडीह में था।

Cate Mansidh Dang
Durgadih
Date 2-7-58

58 June. Report. P. Barla 4/4

Dairy for the month of

Jun 1958

1 6/58 गोरजा किया ।।

2 6/58 को स्कूल किया आठ लड़के थे ।

3 6/58 को मैं दवा के लिये लामगांव गये ।

4 6/58 उस रोज डाक्टर से मुलाकत हुआ और दवा मांगा ।

5 6/58 उस रोज भी लामगांव में था ।

6 6/58 उस रोज सबेरे उठ कर सरगोडाह गया ।

7 6/58 स्कूल किये दुसरी बेला बोमा के संसाएं के पास गये

8 6/58 [redacted] को गोरजा किये ।।

9 6/58 को स्कूल किया

10 6/58 " " " "

11 6/58 " " " "

12 6/58 " " " "

13 6/58 " " " "

14 6/58 " " " "

15 6/58 को गोरजा किया

16 6/58 को स्कूल किया

17 6/58 " " " " " "

18 6/58 " " " " " "

19 6/58 " " " " " "

20 6/58 को स्कूल किया दुसरी बेला बेबहं को पढ़ाई किया

21 6/58 " " "

22 6/58 को गोरजा किया

23 6/58

24 6/58 स्कूल किया

25 6/58 " " " " "

26 6/58 " " " " "

27 6/58 " " " "

28 6/58 उस रोज से दो लड़के नहीं आते हैं

29 6/58 गोरजा किया

30 6/58

P. Barla Sargiolih
3-4-58

58 June - Reports. Cat. A. Aind.

Report for the month of June 1958. 3/4

29-5-58 अपना मवेशियों को लाने के लिये आमगांव से कुर्तावेड़ा गया।
30-5-58 कुर्तावेड़ा पहुंचके वहीं ठहर गये।
31-5-58 " " " " " "
1-6-58 मवेशियों को लेकर बिस्रा बिरकोरा में डेरा किये।
2-6-58 किसी गांव में रात बिताये।
3-6-58 Lohunipara गांव में रात बिताके ता. 4-6-58 के शाम को आमगांव पहुंचे।
5-6-58 – ता. 11-6-58 } इन दिनों में दाहिना बांह की इलाज के लिये आमगांव मिशन हास्पिटल में जाया किया।
12-6-58 जंगड़ा के मुन्डा मरियों के पास जाके उनको वचन सुनाया।
13-6-58 मेरे चार बैलों को खोजने के लिये करिया टोला घूमा।
14-6-58 मैं अपना वेतन लाने के लिये बड़कोट गया था और ले आया।
15-6-58 मैं आमगांव में गिर्जा किया।
16-6-58 – 23-6-58 } इन दिनों में आमगांव में रहके Rev. Klos साहिब का काई मुताबिक उनके यहां आने की आश में रहकर आसपास घूम कर अपना समय बिताया।
24-6-58 Reverend और Mrs. Klos तथा President Mijga साहिबों
25-6-58 } से मुलाकात की और बात चीत की। ता. 25-6-58 को Klos साहेब
26-6-58 } तथा मेम साहिबा के साथ कुम्हारगड़िया घूम के लौट आये और ता. 26-6-58 को आमगांव में रहके ठहर रहे।
27-6-58 को मैं साहेब तथा मेमसाहिबा के लौट जाने का इन्तिजाम के लिये जंगड़ा के आगे का गांव में बैलगाड़ी खोजने को गया पर मयस्सर न मिला। पश्चात जकादेकोड़ा में मिंज बाबु का घर जाके उनके संग जंगड़ा घाट पहुंचा। हम दोनो साहिबों से मुलाकात करके उनको बनाइगढ़ तक पहुंचा कर तुम्बकेड़ा घाट में उनको बस पकड़वाकर घर लौटा।
28-6-58 गिर्जा की तैयारि में घर में रहा
29-6-58 मैं उस दिन आमगांव में गिर्जा किया।
30-6-58 Miss Bunce बप्तिस्मा लेने को तैयार है मैं उसको वचन सिखाने के लिये उसके पास गया था।

Amos Anid
Touring Catechist
Banga.
30-6-1958.

2/VI+
VII

GUA.

General Report.

1). As soon as I came to Gua the situation of the congregation forced me first to take up the congregational work. So the Evangelistic work came next. The following are the brief reports of the congregational and Evangelistic work.

(A) CONGREGATIONAL WORK:
1. New Development: (i) Sunday School - As soon as I came to Gua Sunday school was started. Sunday school takes place at the same time as the church service starts. Ladies are taking active part in this matter. Sunday school is conducted by the voulunteers; There is a Sunday school committee to look after it.

(ii) Mahila Samittee: Recently Mahila Samittee has been started. The Samaj takes place just after the end of the Sunday church service.

(iii) New Building: A Pastor's house attached to it Chapel and Reading room, has been proposed to construct. Materials are being collected one by one.

2). Pastoral Work: (a) Church Services: On every Sunday I conduct Church service at Gua proper. On every Saturday evening I go to Bara Jamda for the same. Some times I go to Borbil on Wednesdays for prayer meeting. Similarly I go to Bicha Ikir for prayer meeting.

(b) House visit: I try my level best to visit Christian families daily. I even go to and meet the Christians who are in the state of excommunication for the purpose of bringing them into repentance.

(c) Confirmation Class: Confirmation Class has been started. Most of the boys and girls are being taught in Mundari, others are in Hindi. The confirmation class was started before Easter therefore candidates are being rather impatient because of not coming of the Parish Pastor.

(B) Evangelistic Work: (1) Individual approach:
As I find inappropriate for open air preaching I try to come to contact with individuals. Along with verbal preaching selling of literature is being used. Thus far I have sold the copies of Gospels according to St. Luke in Ho language.

(2) Communicants (Dharam Khojak): At Gua on the top mountain there are two communicants. They are being instructed. There are six communicants in Bicha Ikir they are also being instructed.

(C) PROBLEMS: 1. In preaching the Gospel: (a) Language - Among the Aboriginals Ho's and Mundas are in greater number. I have the language problem to preach among these people in their own language.

(b) Christian Tracts: There are number of literate people among whom ~~it~~ can be preached the Gospel through Christian Tracts. But I am not having Christian Tracts in any language.

2). In Congregations: (a) At Gua proper - (1) In Church Service: There is a problem in the Church service. Church service is conducted in Hindi. There are some illiterate Christian sisters and bretheren who do not understand Hindi.

Continued:

At present I am unable to give sermon suitable to their understanding.

(2) Sunday School: All children do not attend Sunday school. Only these children attend Sunday school when their parents come to Church service. The time for Sunday school is fixed and it takes place at the same time when Church service takes place.

There is a problem of language too. Sunday School is conducted in Hindi and some children do not understand Hindi

(3) Ethical life: Ethical life is very low. (a) Drunkenness is ruling over the christians. To stop them from drinking is a very difficult task.

(b) Rakhna Rakhni: The case of Rakhna Rakhni is a very great problem in Gua. This problem is found in all over Mine's areas. In this case there are found some who have their real wives but they left and kept another woman and vice versa. This case is very difficult one to solve. The children of such are suffering for baptism. Some times I find very difficult in dealing with them because on the other side there is the law of the Church.

(c) Divided in Unions: Christians in Gua are divided in Labour Unions. Some christians are in the United Mineral Workers Union which is the Union of Communist Party. They have joined it not for political purpose but for their wages. They have been so much grasipped into that it seems very difficult to take them out from it.

(b) At Bara Jamda: (1) Church building: - There is no Church building. Church service is conducted in a house of Christian family. There is a dire need of Church building there.
(2) Grave Yard: Christians in Bara Jamda are in great need of Grave Yard. There has been no arrangement of land for the purpose.

(c) At Borbil: There is a demand of a full time worker in the congregation. For that they want a well qualified, upto date Candidate.

CONSIDERABLE MATTERS: From the report I am giving the following points for your kind consideration :-

(1) Christian Tracts: I want christian Tracts in Hindi, Oria, Urdu, Bengali and English. But I have money problem.

(2) Church Building and land for grave yard for Christians in Bara Jamda.

(3) Arrangement of a Candidate for the Christian congregation in Borbil.

Yours Sincerely,
S. Kujur
24/7/58

(S. Kujur)
Worker of the J.M.B.,
G U A.

H. Samad Report For June, 1958. 1/VI

तारिख

1 - छिर्जिनाकिया।
2 - जगन्नाथपुर से गुवा गया था।
3 - गुवा में कन्डीडात S. Kujur को धर्म खोजकों के हाथों में घुमाये।
4 - कड़ा जामदा गया था।
5 - कड़ा जामदा से जगन्नाथपुर गये।
6 - गांव तरफ से मेरा मामा का बिमारी का खबर सुनकर मेरी दिदी को पहुँचाने लिये घर गया था।
7 - बिरनिनाथपुर से घर पहुँचे।
8 - गाँव में मिसिना किया।
9 - पार्टीलाईन के लिये चावल पहुँचाने इटकी रुक गया।
10 - इटकी पहुँचे।
11 - इटकी से राँची गाये।
12 - राँची से जोजिबाबू को लाने के लिये रामझोदपुर गया था।
13 - रामझोदपुर से जगन्नाथपुर पहुँचे।
14 - घर में शादी किया।
15 - मिस्सा किया।
16 - जोटया गया था।
17 - कोट गढ़ गया था, डेविड गुड़िया के पास।
18 - बजार किया।
20 - अरोंजो मा गिरजा के लिये गया था।
21 - घर में शादी किया।
22 - गिरजा किया।
23 - एक स्कूल लड़का राँची स्कूल में भर्ती करने के लिये उसके माता पिता सब राँची गेले।
24 - राँची स्कूल में एडमिशन के लिये छोड़ रह गये।
25 - राँची से चाईबासा गाये।
26 - चाईबासा से जगन्नाथपुर गाये।
27 - अरंजोमा गिरजा के लिये गया था।
28 - घर में शादी किया।
29 - गिरजा किया।
30 - घर रहा।

नोट - यहाँ भाग तक कोई धर्म खोजक या बपतिस्मा लेने के लिये कोई सलाह नाम नहीं किये है। गिरजापुरा: करके गाते हैं गाँव के उराँव लड़के सब। जगन्नाथपुर से बाहर धर्म खोजक नहीं है।

58 May-Report, Tuti

Jashipur 18/V.
8-6-58

My dear sir,

आप को मेरी ओर से बहुत बहुत प्यार यीशुसहपा। आज कल मैं अच्छा हूँ। यहां के सभी मसीही भाई और बहिनें भी अच्छे हैं। परन्तु प्रचारक बाबू युसफ कन्डुलना बिमार में है। करीब एक महीना हो गया। अभी वह अपना घर सिमली पहाड़ में है। मैं यह चिट्ठी जसीपुर से लिख रहा हूँ। मुझे माफ कीजिये कि मैं मई महीनेका रिपोर्ट नहीं भेजा हूँ। मैं इसी पत्र द्वारा मई महीने का रिपोर्ट बताता हूँ। ता २ मई को चाईबासा तरफ से लौटा था। लगातार ६-२-५८ से १२-५-५८ तक मेरी और मेरी धर्म पत्नी की तबीयत खराब थी जिसके कारण मैं कहीं जाने नहीं सका। १३-५-५८ से २०-५-५८ तक सिमली पहाड़ में समय बिताया। वहां भाइयों के साथ रहा। वहां की मंडलियों में पवित्र प्रभु भोज बांटा। २१ ५-५८ से २६-५-५८ तक घर में रहा। धूप अधिक होने के कारण दूर दूर गांवों में जाना और प्रचार करना अति कठिन मालूम पड़ता है। मैं ३०-५-५८ से घर छोड़ कर कादम पहाड तरफ जाऊंगा। कल मैं घर वापस लौट जाऊंगा। एक बड़े अफसोस की बात यह है कि हमारे रांची जिले के लूथेरान भाई लोग जो सिमली पहाड़ में रहते हैं Forest department की ओर से अत्यन्त दुःखित किये रहा है। अभी वे कारिजया में बहुत हैरान हैं। डुडकु चम्पा, तितिलपिड़ी, और बड़ा गोमाबाड़ी के भाई लोग हैरान हैं। अन्त में एक आनन्द की बात बताता हूँ कि जसीपुर नामक ग्राम में जो कुलडीहा के स्टेशन के पास है एक परिवार के दो व्यक्तियों को पवित्र बपतिस्मा के द्वारा विश्वास में मिला लिया हूँ। इतना ही लिख कर अन्त करता हूँ।

आप का विश्वासी
H. Tuti

Yusuf Kandulma hat Brustbeschwerden,
wahrscheinlich T. B. C.

Report for May: ~~Do~~ Tuti was ill for some time
Two new baptisms
Some people of the congrega-
tion are in the lock-up

Report of Cand. Minz for May 58

17/V.

From:

Mr. S.C. Minz
C/o. Adibasi Hotel, Rourkella.
Dt. Sundergarh, Orissa.

To

The Secretary,
Joint Mission Board, Chaibasa, Singhbhum.
Dated the 6th June 58.

Dear Sir,

Awaiting a long time both for your arrival and m.o. I saw the necessity to submit my report to you in writing.

Though it is quite a new place for me being God my shepherd has protected me from all dangers with His mighty hand. I feel happy to work here. really it is a vast area and our christian people are scattered within an area of 6 miles. Except few Colonies I have visited almost all colonies where our christian people are living. Whether the Colony I went I could hear that they were without a

shepherd. Certainly my visit and several times visits increases their worldly joy as well as strengthens their spiritual life with the arrangement of God.

Since I joined here only three Sundays have elapsed. In those Sundays I had a chance to conduct each Sunday Services at three different places each Sunday and held 8 prayer meetings. At present according to the place situated we have arranged Sunday Service mainly at 4 or 5 different centres in big gathering numbering 50 - 120, and 2 centres in small gathering below 50. I could see on the last two Sundays we had a union Service (inter denominational) because Non-Lutherans namely Baptist and

Anglicans also joined the Services. For next Sunday I have been invited by to conduct Service purely by non-lutherans. Really I feel happy to work among such people who has no descrimination of denominations and believe one Christ the Lord and Saviour. It was the prayer of Jesus Christ " And now I am no more in the world, but these are in the world, and I come to thee. Holy Father, keep through thine own name those whom thou hast given me, that they be may be one, as we are." (John 17: 11).

As regards Chapel our Sunday Services and prayers meetings were held under the trees in open air and in family quarters.

I have a mental list of the Christians

people living in my jurisdiction at Rembella proper and neighbouring colonies and found ~~they are~~ 494 christian people including S.P.G. and Baptist (in figures)

S. P. G. ——	32.
Baptist	11.
Lutheran	451
Total.	494.

This number will rise because I am due to get the list of the ~~Christian people~~ Lutherans as well as the ~~Baptist~~ non-Lutherans.

As regards our permanent chebels we have selected with the President three places namely, Matulpale (Rembella) Purnapani. and These two will be opened ~~by~~ purely by Lutherans and the third will a nuwon church near ~~the~~ the Roman Mission Corp. owned at Hemirpur.

(1) They will not allow me to work in their jurisdiction.
(2) They have decided not to give me any chance to conduct any sort of prayer meetings in their local Church at Mudulpeli.
(3) She has sent me 2.
(4) I have been beat in a dangerous place.

Since I am here Rev. Z. Khalkho came several times to Rourkella but he never met me but instigated the people of his party against me. But I am confident I know "For the wisdom of this world is foolishness with God. For it is written, He taketh the wise in their own craftiness. And again, the Lord knoweth the thoughts of the wise, that they are vain."

Yishu sahay to you at the bottom of my heart.

Yours faithfully
R Lim

As Christian people are scattered within and without Ramkella for the Sabbaths I have to walk over 6 miles to visit them. Sometimes I used to hire a cycle and buses wherever they were available. For the conveniences of my work some arrangements should be done immediately.

I do hope you might have received my T.A. Bill. I had mentioned my present financial condition in the previous letter. I was expecting your earlish arrangements for that. Now I am depending upon others.

Since I am here the opponent party of the church which is popularly known N. Zone was threatening me. I have heard the following from reliable sources;

M. Bara, May 58

15/V.

मई १९५८ चलचूब का प्रचारक
मनोहर बड़ा का रिपोर्ट

हम सब परिवार समेत बिते महिना के ब्यौरा जो
नीचे है।

१-) तकरीब से खुड़री कोचा का, गिर्जा
से लकड़ी का दिवाल और उसके मरी लिखना चह
१०तारीख काम होता रहा।

११- ता को घर का सिंगार करने और पुराने वालो
के लिए जानी प्रार्थना का बन्दोबस्त करना
८ बजते बजते बहुत सारा वाले आये और
१० बजे मुसाबानी वाले पेदाल पहुचे
आराम करने करने के बाद खाना खाकर
टाटा वालो का इन्तजार देखते ३ बज गया हम ही
लोग आराधना सुरु करने पर था, कि टटा के पहो
सदाब बहुच गये - बहुचते ही, घर का संस्कार
हुआ और उसके बाद. लाशो का काम होने लगा
पादरी बाबू ने उपदेश दिया, और प्रार्थना
पर खेला ५ बजे बन्द हुआ, बाद मे संसारी भाई
यो के साथ चाय जानी हंसी खुसी से प्रार्थना
देश गांव को पुध तारु करते हुए. खाये और सब
संसारीयो से हाथ मिलाते हुए बिदाई हुए
ता १२- को फिर घर का कुछ २ काम बकी था किया
ता १३ से फिर स्कूल चलू किया गया, जो कुछ
रोज के लिए बन्द था, समाय २ पर बसेरा खेलो
से में घूमता तो करता था पर आशा के बरसा लाचार
२५ तक रहता था - स्कूल में १६ बच्चो के साथ जवान छोकड़ी भी
है जो रात को पढ़ते है
२६ ता. को घर को लौटा
३१ ता. तक था - क्योकि बच्चे बुखार ही बुखार पीये थे
गये - अच्छा नहीं हुए थे

से आप का विश्वस्त
मनोहर बड़ा
ता:

Johan Surin, Report
May + June '58

Sisibaha
Date 27.6.58.

14/V.VI.

शीशीवहा प्रचारक जे. सुरिन के काम का विवरण।

माई २३-१९५८ — जून २६, १९५८ तक की।

23.5.58. चार दिन व्यक्तियों को मसीह के बारे बताया — गाम कोई पढ़ने नहीं आये।

24.5.58. वचन की तैयारी में था — गाम को ६ जनों को पढ़ाया।

25.5.58. नाकटी में गिरजा चलाया — गाम को ८ जनों को पढ़ाया।

26.5.58. ग्राम पन्चो की आसे में था को दरखास्त लिखा - " " २ जनों को पढ़ाया।

27.5.58. सूरवूड़ा धर्म्म मेला के लिये गये — " " साक्षी दिये बुद्धि के बो

28.6.58. अराकांगा, राजा परोम को नाकटी हो घर लौटे — " " कोई नहीं आये।

29.5.58 नाकटी हो घर (कुलवुरु) चले — " " सरीता में था।

30.5.58. को कुलवुरु पहुंचा — छुट्टी में। परिवारों को इधर का हाल बताया

31.5.58 आराम किया को वचनों को पढ़ा —

1.6.58 नीज मंड़ली (कुसुमटोली) में गिरजा का भार सौंपा गया - को गिरजा चलाया

2.6.58 कुरकुरा बाजार गया - मेट्रिक सी.टी. एक जवान स्कूल में पढ़ाने के लिये आने को वचन दिया।

3.6.58 घर ही में था।

4.6.58. इधर आने के लिये घर से निकल के नवाविरा आया।

5.6.58. गर्मी के तेजी के कारण शरीर में कमजोरी तथा पेट में गड़बड़ी हुई।

6.6.58. तबियत के गड़बड़ हो जाने के कारण आने नहीं सका।

7.6.58. बस द्वारा शीशीवहा आया।

8.6.58, नाकटी में गिरजा लिखा - ग्राम को ६ जनों को पढ़ाया

9.6.58. घर की पुताई (लिपा) किई — " " 4 " " " "

दिन — शाम ।

10.6.58. दो जनों को मसीह के बारे बताया – नाकटी में प्रचारक के घर में था ।

11.6.58. दमूड़ी के एक परिवारों को नारा के बारे बताया – शाम को ६ जनों को पढ़ाया ।

12.6.58. नारकंडा गये नहां ६० जनों को प्रचार किया – " " ५ " " "

13.6.58. देवी के घर गये – " " १ " " "

14.6.58. मीत्र के बारे दो जनों को बताया – " " जवानों के साथ नाकटी गये

15.6.58. नाकटी में गिरजा किया – " " नाकटी में था ।

16.6.58. विद्या के बारे भाइयों से वार्तालाप किया – " " पढ़ने नहीं आये ।

17.6.58. घर से पुराल निकाला गया, साफ किया – " " ३ " आये ।
तथा ३ जनों को सृष्टि के बारे बताया ।

18.6.58. ४१ जनों को सृष्टि के बारे बताया तो – " " ४ " "
मनुष्य के पापी हो जाने के बारे ।

19.6.58. एक रोगी की सेवा किई तथा १० जनों को उपदेश दिया – " " ४ " "

20.6.58. रोगी को देखने गये – " " ६ " "

21.6.58. रोगी की सेवा में था – " " ४ " "

22.6.58. नाकटी गिरजा गया – " " वहीं रहा ।

23.6.58. नाकटी से बस, और चक्कलधर पुर से ट्रेन द्वारा चक्का-चक्का आया
वहां ६० भाइ बहनों को सृष्टि के बारे तो मनुष्य के पापी चक्कलधरपुर में
जाने के बारे उपदेश दिया । शाम को मुसाफिर खाना में रहा ।

24.6.58 बीबी वहा आया और दो रोगियों की सेवा किई – शाम को ५ जन पढ़ने आये ।

25.6.58. बच्चों को देखा को पढ़ा तथा एक रोगी की सेवा किई – " " ५ " " "

26.6.58. दो रोगियों के पास गया —— " " ५ " " "

नोट :– १) दो रोगियों को प्रभु ने मेरे द्वारा चंगा किया ।
२) स्कूल में जगह अब तक नहीं मिला है ।
३) एक भाई चर्च पुस्तक चाहता है ।
Yours faithfully - Calt Thakur

Report for May 58, P. S. Topno

नक्टो जोइन्ट मिशन बोर्ड का रिपोर्ट 13/V
माई महीने का.

ता.	काम करने की जगह.	सुनने वालों की संख्या
५-१०-को	घर वापस किया।	
११.	कुलडा मंडली में गिर्जा किया	
१२	"वहां से लौटा	
१३	बाजार किया	
१४	बाईसाई सोगोद इकौर, लाडुपादा में ईश्वर का वचन सुनाया. सुने वाले क्रीश्चान बाइसाई ३०। सोगोद इकौ २०	
१५	स्वगरिहन पर्व	लाडु पादा वेंदो जन
१६ से २२ ता. तक	गिर्जा करके उसी रोज मरलाताफ पढ़ो J. Soy के साथ गया। इन इन स्थानों में वचन सुनाया गया. कोन्धा में एक ता. को रात को करीब संसार लोग २० से ३० प्राणी हजारी थे फ्रानेल थारफसाद सुनाया गया	
१७ ता. को	मरलां में सुनाया	
१८ ता०	सिंको में .. और बाड़ी डीह में प्रचार हुआ	
१६ - २२	टोकाद में मैं युवक संग का वैवल क्लास चा वहां हमों ने भी गया कोई वहां शिक्षा भी दिये।	

ता०	काम आने की जगह	सुनेवालों का संख्या
22	ता० को घर लौटा ।	
23-24	को फिर बहुत विशेष काम के लिये कंरजटोली पादरी के पास गया	
25	ता० को पेंतिकोष्टु पर्व मिजालुआ	
26	घर में रहा । फ्रान्सीस्त्र ग्राफ का पाठ तैयार किया	
27	ता० सुरबुरा धर्ममेला के लिये गया वहां धर्म मेला तो ठीक से नहीं हुआ था रात को करीब १०-१५ जन~~ग~~ गांव के भाइयों को हमों ने पारी आ के प्रभु का वचन सुनाया	
28	ता० लारांगा ठीक होते हुए घर आया।	
29	ता० को अभी घर ही में हूं चूंकि घर में कोई नहीं है। पचारिन छुट्टी चली गई।	

नोट:— १५ से २२ ता० के दरमे हमों ने यहां पाया कि जितना गांव हमों ने घुमा उन जगहों में केवल संथाल के झुंड़ा आई सब हैं। लोर वेह कभी भी ईश्वर का वचन उन को नहीं प्रचारा गया है लोर जब हमों ने सुनाया तो बड़े चाव से लोर ध्यान से सुने। इसे यह प्रगट होता है कि हम जोईट मिशन लोड़ी को लोर से लगा उस लाग धालमें अच्छी तरह काम किया जाय तो (हमोद) आशा है कि लोग प्रभु का वचन ग्रहण करेंगे सो उन जगहों के लिये सोच लिया किया जाय। टोकद से करीब ८-१० मील पूर्व की ओर।

प्रचारक प्रभुसहाय तोपनो

नकटी

ता० ७-६-५८

Recommendation to send Catechists for the Bandgaon-area!

Report Israel Topno May
Baibera joint mishan bord Ka riport.
Mai mahine Ka: 1.5.– 31.5.58
12/V

Sri Mahamaneyaavar Rev Colob Rev
j: Soy yishusakay.

मई का।

ता: १ केबोरा में बचन प्रचार किया। ता:१६ चईबासा गया था।
२ दोरो: और सोनुवा में। १७ सोनुवा गया।
३ गिर्जा पाट तयारी। १८ गिर्जा किया।
४ गिर्जा किया। १९ सरन्डेमा गया।
५ बजार किया। २० बकरी और सीसी बाधा गया।
६ घर का काम किया। २१ बी.सेक्स काम बन्दी गाँव गया।
७ घर का काम किया। २२ बी.सेक्स काम सोदु गया।
८ सोनुवा छापा। २३ बी.सेक्स काम सगो गया।
९ घर का काम किया। २४ गिर्जा किया।
१० पाट तयारी। २५ सोनुवा गया।
११ गिर्जा किया। २६ घर का काम।
१२ बजार किया। २७ सरन्डेमा गया।
१३ मुन्डरी गया। २८ गाँव दो में घुमा।
१४ गाँव दो में प्रचार किया। २९ सोनुव गया।
१५ स्वर्गारोहण गिर्जा किया। ३० दोसे गराम है।।
३१ दुसरे जगह प्रोगराम है।

Ap Ka Sevak Israil Topno Barachara:

Thomas Bhengra, May 58

तारीख राज्य वृद्धि काम का रिपोर्ट होसे करिया मई महीना १९५८ई०-

11/V

१- स्कूल किया
२- गिरजा किया
३, स्कूल किया
४- गिरजा किया
५- स्कूल किया
६. स्कूल किया
७- स्कूल किया
८- स्कूल किया
९- स्कूल किया
१० स्कूल किया और सेरेंदः बाजार गया ।
११- गिरजा किया ।
१२ स्कूल किया
१३- आनन्दपुर बाजार गया था
१४- स्कूल किया
१५- स्वर्गारोहण पर्व्व का गिरजा किया ।
१६ स्कूल किया और गोइल केरा बाजार गया ।
१७- गोइल केरा प्रचार का घर में रहा कारण उसका घर आदी था ।
१८ गोइल केरा से आ डेरा आया और गिरजा किया ।
१९- स्कूल किया
२०- स्कूल किया
२१- स्कूल किया
२२- स्कूल किया
२३- स्कूल किया
२४- स्कूल किया
२५- गिरजा किया
२६ स्कूल किया और गर्मी छुट्टी १५ दिन का दिया ।
२७ तमझप चपरसी के घर बीमारियों को देखने के लिये गया ।
२८-२९- को घर ही में रहा ।
३० गोइल केरा बाजार गया ।
३१- हल जोता उसी रोज धानबोना शुरु किया ।

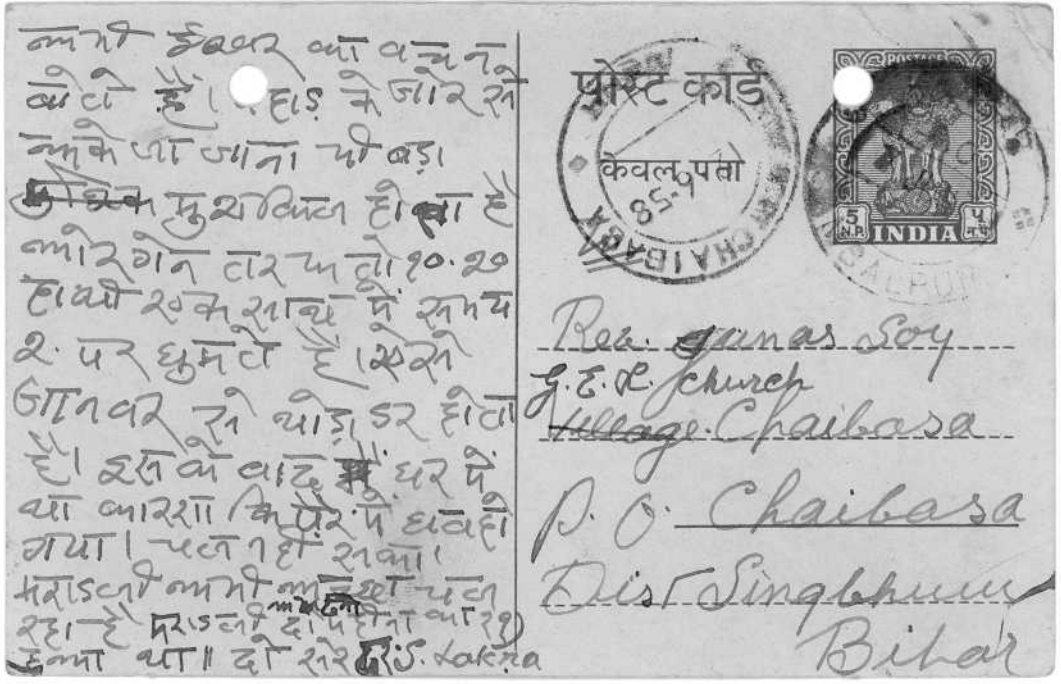
आपके विश्वस्त Thomas Bhengra HORO
ता. 11-6-58 ।

M. Samad, May 58 10/V

श्रीमान पादी साहेब Fr Ross को योशु सहाय मै आपने कामका रिपोर्ट हेतु
Month of May 1958

	बात का विषय मे था
३	"हरदा" टोली गया था
४	गिरजा किया Sunday
५	पोहने काथा प्रेमरत्न
६	स्टेशन गया फारेस्ट के पास
७	मुन्सियो के पास गया।
८	रैका पाठ गया
९	मनोहरपुर गया फोन पहुचाया
१०	घरमे पाठ तैयार किया
११	Sunday गिरजा किया
१२	नवा टोली गया पूजा पाठ के विषय बात किया
१३	नवा टोली बुधु मुन्डा से धर्म का बात किया
१४	मेन्डेया के पास गया।
१५	स्वर्ग रोहन पर्व गिरजा किया।
१६	बाजार किया
१७	पाठ तैयार किया
१८	Sunday गिरजा किया
१९	साग जोडी गया
२०	फूलवाडी गया विरसा धर्म की बात किया
२१	बडा साग जोडी गया
२२	मुरता गया मंतु के पास गया
२३	मुरता मे था
२४	पाठ तैयार किया
२५	Sunday गिरजा किया
२६	घर मे था
२७	घर मे था
२८	पादी बाबु आये ८
२९	गिरजा हुआ स्नान दान हुआ। प्रभु भोज दान हुआ।
३०	घर मे था
३१	घर मे था

आप के आज्ञा धीन सेवक
Maurdh Samad Panchbahuya
P O Jaraikela
Dist Singhbhum



St. Lakra, May ... C. Church

... Kalchipondi

... Soy Date. 6/V/58

... को यीशु ... 8/V/58

... मैं मच्छा हूँ।

महाशय — ... को मालूम हुवे ... को वेलवोद गये वो वहां ... दो दिन रह गये। ... को मैं कुटुंब को छोड़ गया था वहां उराव भाई ... या अपना कुटुंब को छोड़ मैं रुक्सिन रह गया। ता. 20.5.58 को मैं ... गांव के पुरोहित, बेसावा ... गये थे। वहां को उराव भाई ... रुपया भाये, बिन्दी ... गया गया। ... दो दो बारी ... के बीच में रुकाया गया। ... वहुत खुश होते हैं। ... भाई ... बपतिस्मा पाने वाला था सो ... वहां ... गया

Josua Samad Bodrama. Report, May 58

6/V

१९५८ मई का डायरी ॥

१ – मैं चेथोटाय गांव घुमने गया था।
२ – आज मैं घुसरा गुड़ा कुकलो सिंहनों के बीच गया था।
३ – मैं कहीं ना गया।
४ – इतवार को बोड़रामा में रिजो किया ॥
५ – मैं विश्राम दिन गया था ॥
६ – मदवा मुंडा लोगों को बीच समझौता गया था।
७ – आज पत्रपत्रो मैं गया था ॥
८ – जोसेफ किरा पढ़वाने के बाद गया था ॥
९ – बोड़रा या में रह के काय किया ॥
१० – आज कहीं चले ना गया ॥
११ – विश्राय दिन को रिजो किया ॥
१२ – घुसरा बहाल घुमने गया था ॥
१३ – पैरमुंडा ~~क-ि~~ एस पी जेथों के यहां मैं गया था ॥
१४ – वहां से आज मैं बोड़रा या कोठा ॥
१५ – अपना डेरा में दिन बिताया ॥
१६ – एकादशी पर्व को रिजो किया ॥
१७ – १७ ता: को बोड़रा या ही में काय किया ॥
१८ – इतवार को रिजो किया ॥
१९ – बन्दु बेरा घुमने मैं गया था ॥
२० – गांव में गड़बड़ के कारण कहीं ना गया ॥
२१ – आज-जूनरस गांव के हकीयाओं बुढ़ा पोथेयार के कथाए रिटिंग किया ॥
२२–२३ – दो दिन गांव से बहर नहीं गया ॥
२४ – विश्राम पर्व था ॥
२५ – पेन्तेकोस्ट पर्व को रिजो किया ॥
२६ – आज मैं घर में रह के अपना डायरी तैयार किया ॥

J. Samad
Bodrama
26-5-58.

Report Mansidh Dang. 1.5. – 28.5. May 58

मई १९५८ की मिशन काम
की रिपोर्ट।

5/V.

ता. १-५-५८ - को दुरगाडीह में था।
ता. २-५-५८ - कुलपाल के प्रचक के साथ जमुनकिला ओफिस गया
ता. ३-५-५८ - छमड़ा शाम को ठहरा। गीत भजन आदि सिखाया।
ता. ४-५-५८ - छमड़ा में एतवार गिजा किया।
ता. ५-५-५८ - दुरगाडीह आया।
ता. ६-५-५८ - दुरगाडीह में था।
ता. ७-५-५८ - परबन्धा होके खैरडीह आया।
ता. १०-५-५८ - छमड़ा में शाम को ठहरा।
ता. ११-५-५८ - " " एतवार का गिजा किया।
ता. १२-५-५८ - दुरगाडीह आया।
ता. १३-~~१४~~-५-५८ - दुरगाडीह में था।
ता. १५-५-५८ दुरगाडीह में स्वर्गारोहण का दिन में गिजा किया
ता. १६-५-५८ - जमुनकिला ओफिस गया।
ता. १७-५-५८ छमड़ा में शाम को ठहरा।
ता. १८-५-५८ " " एतवार का गिजा किया।
ता. १९-५-५८ - दुरगाडीह आया।
ता. २०-५-५८ कुलपाल गया।
ता. २१-५-५८ - कुलपाल से दुरगाडीह आया।
ता. २२-५-५८ दुरगाडीह में था।
ता. २३-५-५८ जमुनकिला होके खैरडीह गया
ता. २४-५-५८ - दुरगाडीह में था।
ता. २५-५-५८ - छमड़ा में गिजा किया।
ता. २६-५-५८ - दुरगाडीह आया।
ता. २७-५-५८ - जमुनकिला गया।
ता. २८-५-५८ - खैरडीह होके परबन्धा सेंटर किया।

Cate. Mansidh Dang
Durgadih
Dati 28-5-58

Patras Barla, May 58

4/V

Diary for the Month of

May 1958

1/5/58 को बच्चों को पाठ पढ़ाया दुसरे वेला
भोजन मुड़ा गये
2/5/58 स्कूल किये
3/5/58 स्कूल किये " " " "
4/5/58 गोरजा किये " " "
5/5/58 बच्चों को पाठ पढ़ाया दुसरे वेला पार्थना मराजा गये।
6/5/58 " " " " " "
7/5/58 " " " " "
8/5/58 " " " " "
9/5/58 " " " " "
10/5/58 " " " " "
11/5/58 गोरजा किया
12/5/58 बच्चों को पाठ पढ़ाया। को दुसरी वेलाइ भोजवा जेइ गये
13/5/58 " " " "
14/5/58
15/5/58 स्वर्ग रोहन पर्व्व माने
16/5/58
17/5/58
18/5/58 गोरजा किये
19/5/58 बच्चों को पाठ पढ़ाया दुसरो वेला बैबास अभ्यास किया।
20/5/58 " " " " " " "
21/5/58 " " " " " "
22/5/58 " " " " " "
23/5/58 " " " " " "
24/5/58 " " " " " "
25/5/58 पेन्तिकोष्ट पर्व माने
26/5/58 बच्चों को पाठ पढ़ाया
27/5/58 " " " " "
28/5/58 " " " " "
29/5/58 " " " " "
30/5/58 " " " " "
31/5/58 "

P. Barla Sargidih
6-5-58

H. Samad, May 58 मई महिना का रिपोर्ट। १९५८ - 1/V

तारिख -

१- जगन्नाथपुर बजार किया।

२- Rev J. Say के साथ कांजीखा गया था वहाँ एक बालिका और एक बहन की बपतिस्मा ग्रहण हुई।

३- Rev. J. Say के साथ कांजीखा से पटाजैंत होते हुए जैंतगढ़ बजार गये थे।

४- गिरजा किया।

५- ~~चेक पोस्ट गया था~~। उपहार खरीदा, और हरबोला, सनिचर सोज से बरता शुरू किया। सोमार व्रत रखा किया

६- नवा गांव सुलकु हो के घर गया था, उनको धर्म शिक्षा दिया।

७- ~~जैंत गढ़~~ डेविड गुड़िया के पास गया था।

८- बजार किया।

९- कंरजीखा गया था, गिरजा के लिये।

१०- पटाजैंत पतर पिंगुला के घर गया था, उन लोग गाँव में एक एल.पी. स्कूल मिशन तरफ से खोलने चाहते हैं।

११ गिरजा किया।

१२- फिर पटाजैंत गया था गांव के लोग मिटिंग के लिये बुलाये थे पर हो नहीं सका जादा नहीं हुए केवल ग्वाला सब जमा हुए थे।

१३ जंगोलापोसी गया था, कटेरा संस्कार के लिये Rev, W. Dang द्वारा कटेरा का संस्कार हुआ।

१४ डाबुंगापोसी से जगन्नाथपुर आया।

१५- ~~ग्वारोहणपर्व~~ गिरजा किया।

१६- कांजीखा गिरजा के लिये गया था।

१७ पटाजैंत गया था।

१८ जगन्नाथपुर में गिरजा किया।

१९- हटगमारिया गया था।

२०- जेटया सुदन कुरिन के पास गया था।

२१- चाईबासा गया आदी के खबे के लिये।

२२- ठहरा गया था।

२३- ठहरा से लौट कर नकटी गया, इटकी के लिये कलचीमा बन्दोबस्त के लिये।

२४- कलची लेकर इटकी पहुँचा।

२५- इटकी में गिरजा किया।

२६- इटकी से सैं सैं चोइ वापस आया।

२७- चाईबासा से नकटी धर्म केला गया था।

२८- चीरोदा से चाईबासा, से जगन्नाथपुर पहुँचा।

२९- बजार किया।

३०- कंरजीखा गया था, गिरजा के लिये।

३१- जैंत गढ़ गया चावल खरीदने के लिये।

नोट- जगन्नाथपुर में अभी खोजम लड़कों को अभी तक बपतिस्मा नहीं दिये हैं। बपतिस्मा लेने का अभी तक कुछ बात नहीं किये हैं।

C.H. Samad Rev. Jagannathpur

1958

18/IV

अप्रेल महीने का रिपोर्ट

April-Bericht Pastor Tutis

१-४-५८ पश्चिम बंगाल गया था और बरसोल गांव में संसार लोगों के बीच वचन प्रचार किया।

२-४-५८ को पश्चिम बंगाल के S.P.G. भाइयों के साथ रहा।

३-४-५८ को पुरुलिया से रंगामाटिया आने में समय बिताया।

४-४-५८ — ६-४-५८ जी उठना पर्व की तैयारी में कहीं बाहर जाने नहीं सका।

६-४-५८ युवकों से प्रचारक को लाने के लिये बारिदा गया था।

८-४-५८ बोड़दा और चपुकडीह गाँव गया था। वहां संसार लोगों को ईश्वर का वचन सुनाया और तस्वीर उनको दिखाया।

९-४-५८ बोड़दा से रंगामाटिया लौट आने में सारा समय बिताया।

१०-४-५८ बारुता साहेब की बिदाई में देने के लिये बरसोल गांव देशी सरांगी लाने गया था।

११-४-५८ को बरसोल ही में रह गया ~~था~~।

१२-४-५८ बरसोल से रंगामाटिया आने में समय बिताया।

१३-४-५८ को सबेरे गिर्जा के बाद चाईबासा आने के लिये रंगामाटिया छोड़ा, जमशेदपुर में रात बिताया।

१४-४-५८ को जमशेदपुर से ~~टाटा~~ रांची होते हुए अपना घर दामी रातको पहुंचा।

१५-४-५८ - १६-४-५८ अपना घर में शादी के काम में रहना पड़ा।

१६-४-५८ को दामी से बिचना गया।

१८-४-५८ को बिचना से चाईबासा आया।

१९-४-५८ - २०-४-५८ चाईबासा में रहा।

२१-४-५८ को चाईबासा से अपना ससुराल बिचना गांव आया।

२२-४-५८ - ३-५-५८ तक तबीयत अच्छी न रहने के कारण बिचना में रहा।

Ch. H. Tuti

7-5-58

April 1968. Joseph Kandulna.

प्रेरित मदीना का रिपोर्ट १९५८

16/IV

मैं पादरी हुड्रुमा से सिंबलपाइड़ा में रहते हैं

१-४-५८ को मैं मोरामपुर गया था दो जन को पचार किया
२-४-५८ को मैं गिलेलापिड़ा गया था एक ससुर बाड़ी को सकाय
३-४-५८ को मैं घर सेरु था
४-४-५८ को मैं चेला शुक्रवार गिरजा के लिय हुड्रुचाप गया था
५-४-५८ को मैं हुड्रुचाप में रहा गया
६-४-५८ को मैं हुड्रुचाप मे गिरज किया
७-४-५८ को मैं सकुदा प्रार्थना आया
८-४-५८ को मैं घर मे था
९-४-५८ को मैं गोपिनाथपुर गया था
१०-४-५८ को मैं बड़ा माका बाड़ी गया था
११-४-५८ को मैं माका बाड़ी में रागया
१२-४-५८ को मैं सकुदा प्रार्थना था
१३-४-५८ को मैं रवार को हुड्रुचाप गया था
१४-४-५८ को मैं सकुदा से रंगामाटीया गया था कुचोल गादी में बास कीया ता
१५-४-५८ को मैं रंगामाटीया गया था रंगमाटीया से कुलाडिया गया था कुलाडियामे बसा किया
१६-४-५८ को मैं बारिपाड़ा गया बारिपाड़ा से जसिपुर गया था
१७-४-५८ को मैं जसिपुर से चाईबासा गया था
१८-४-५८ को मैं चाईबासा
१९-४-५८ को मैं चाईबासा
२०-४-५८ को मैं चाईबासा
२१-४-५८ को मैं चाईबासा से हातदीपुकर गया
२२-४-५८ को मैं हातदीपुकर से जसिपुर गया
२३-४-५८ को मैं जसिपुर से सकुदा गया
२४-४-५८ को मैं घर में रायया
२५-४-५८ को मैं घरम में था
२६-४-५८ को मैं हुड्रुचाप गया था
२७-४-५८ रवार को हुड्रुचापा मे गिरज किया मैं गिरज के बादे सकुदा प्राय
२८-४-५८ को मैं सकुद से रंगामटीया गया था
२९-४-५८ को मैं रंगामटीय से बारिपाड़ा गया था
३०-४-५८ को मैं रंगामाटीया से सिंबालपाइड़ा गया थे

जुसफ कंडुलना

do १-५-५८

April - Report, Manohar, Bāṛā

received 14.5.58

15/IV.V.

मार्च १९५८

तारीख

धर्मप्रेम डिवीजन का रिपोर्ट

प्रचारक मनोहर बाड़ा

१-४-५८ शनिचार घर में था

१-४-५८ बुकरिडिहा में गिर्जा किया

३-४-५८ दौरा गया था

४-४-५८ प्रचार के जोहन के साथ पास गांव में गया और सुनाया

५-४-५८ संसार लोगों का पक्षी था, देश से कहीं नहीं गया

६-४-५८ हमारा [illegible] तरफ जाते हुए कार्ड भाईयों को पोस्ट

७-४-५८ कार्ड देते, और तारा उसी से दे बताया।

८-४-५८ गुरुदेव दौला के धर्म किस लिए मनाते हैं बताया

९-४-५८ सिंगदी में गिर्जा किया, रात को चढ़ाई में भाईयों साथ था

१०-४-५८ को मदुमराडर पहुंचा, सुबह को सुंदरी कोचा भाईयों के पास

से पहुंचा,

२४-४-५८ सुंदरी कोचा में घर बनाने में रहा और रात को

वहां के भाईयों को वचन सिखाता था, जो दड़ाधिन

बोलने वाले हैं। और प्रचार पास के में समाप्त कर

२५-४-५८ धर्मता फिरता हुआ, वचन सिखाते सुनाता रहा।

२६-४-५८ को चैबासा जाने के लिए निकला और तरोंग

२७-४-५८ से चैबासा में था, वहीं था। सुंदरी कोचा का रिपोर्ट

से देने गया था

२१-४-५८ घर में था बच्चे बिमार थे।

May - Report

अप्रैल १९५८

१-५-५८ } तक मैं घर ही में बच्चे बिमार से नहीं अच्छा हुए थे

५-५-५८ }

फिर ५-५८ को सुंदरी कोचा आदमे में जमदा को पहुंचा और एक दौरा

से महाराज का स्वेत चलू करना पड़ा क्योंकि वहां के संसार भाई

१२-५-५८ इस बात में बहुत जोर दिये, और घर बनाने में भी

यथेष्ट मदात देने लगे, और रात को बचन भी

रात को सिखाता रहा, प्रचारक प्रभुदास भी एकट्ठा

१३-५-५८ रह कर उनको बचनों में से समझाया

में उनका दड़ाधन था और धर्म मेला का निर्बाध भी.

था पर आंधी बातों के कारण नहीं हो सका

और न उनका दड़ाधन हुआ।

तारीख

18-2-52 यहाँ दो प्रचारक और पार्टी बाबू हम वहां से घर लौटे
14-4-52 और घर ने के बा. और आस पास के टोला और
15-4-52 जाने लोगों से तसवीरों को दिखा २ कर प्रचार का
करता रहा।
16-4-52 से 22-4-52 मनोहरवासा में विदाई के लिए गया
23-4-52 से 27-4-52 घर में था
28-4-52 से 2-5-52
2-5-52 रात आरती के आने पर मेरे बनाने कुछ कैसा का
से घर आए था और फिर मेला के विशेष बात
2-5-52 आरती में हुए
30-5-52 को अहमदाबाद होते हुए खंडवा पहुंचा,

मैं
ग्राम व विश्वस्त
मनोहर बाड़ा
हाल मुकाम, खंडवा (मोघा)
ता. 13.6-54

सिसीवा प्रचारक Johan Lurin के काम का विवरण। 14./IV.

Report 21.4 - 22.5.58

April + May अप्रेल। १९५८।

तिथि -	दिन।	रात।
२१-४-५८.	चाईंवासा से सिसीवा।	प्रार्थना करके सोये।
२२-४-५८.	नाकटी गये।	सीसीवा आया। कई भाइयो को वचन पढ़ाया।
२३-४-५८.	राजा परोम वस्ती गया।	वचन और गीत सिखाया।
२४-४-५८.	माटको वेड़ा में उपदेश दिया।	" " " "
२५-४-५८.	नाकटी में थे।	" " " "
२६-४-५८.	तीनगाछ में वचन सुनाया -	" " " "
२७-४-५८.	नाकटी में गिरजा चलाया	" " " "
२८-४-५८.	E. Topno को कड़ाईकेला तक पहुंचाया।	" " " "
२९-४-५८.	दो भाइयो को वचन सुनाया -	" " " "
३०-४-५८.	एक भाई के घर में वचन सुनाया -	" " " "

माई १९५८।

१-५-५८. जंगल जड़ियो को खोजने गया था - रात को दो भाइयो को वचन सुनाया और साथ में प्रार्थना किया।

२-५-५८. बाजार गया - रात को वचन पढ़ाया।

३-५-५८. फिर ४: भाइयो के साथ बाजार गया - वचन पढ़ाया

४-५-५८. एक भाई के घर दवा बनाया - वचन को लिखना पढ़ना सिखाया।

५-५-५८. दमुड़ी के बेड़ी कारखाना में - " " " "

६-५-५८. दो भाइयो को उपदेश दिया - " " " "

तिथि - दिन । रात ।

6.5.52. बाजार गया - वचन को लिखना, पढ़ना सिखाया

7.5.52. कड़ाई केला जाते समय सृष्टि को दिखा कर मसीह का वचन एक भाई को प्रचार किया तथा लन्डपदा में तीन जगह छः लोगों को व्यक्तियों को वचन सुनाया —— " " " " "

8.5.52 कड़ाई केला बाजार गया " " " " "

10.5-52 वचन दृढ़ाई किया — " " " " "

11.5.52 बाकटी में गिरजा चलाया — " " " " "

12-5-52. आठ भाईयों को प्रचार किया - " " " " "

13.5.52. एक भाई को मसीह के बारे बताया - " " " " "

14.5.52 दो भाइयों को " " " " - " " " " "

15.5.52. बाकटी में गिरजा चलाया - " " " " "

16.5.52 बाजार गया — " " " " "

16.5.52 गिरजा की तैयारी में आ - " " " " "

17-5-52 बाकटी में गिरजा चलाया - " " " " "

18-5-52, बिद्या के विषय समझाया - - " " " " "

20.5.52 " " " " (6) - " " " " "

21.5.52 " " " " (10) - " " " " "

22-5-52 " " " " (2) - " " " " "

नोट :- जो गलती हो कृपया आप मुझे सुधारें को गलती को माफ करें।

Carl Surin

Report for April 58, P.S. Topwo

नकटी जोड़ना मिशन चौड़ का रिपोर्ट 13/IV

अप्रैल १९५८.

ता०	१- ३०-४-५८. काम करने की जगह
४ ता०	घर में रहा पाठों को तैयार किया
७ ता०	को कुहरी कोचा के लिये रवाना हुआ
७ ता०	चांदवाला. वाको चांदवाला से कुहरी कोचा गया
६ ता०	को से इधर आईयो रवाजा लोग रात को बहो के आईयों को वचन पढ़या सिखाया या जाता चा लोग दिन तुवाह को एक घन्टा लड़कों को पढ़ाया जाता चा
१३ ता०	तक १४ से हम लोग चांदवाला के लिये रवाना हुआ १४ वाको एक भाई को राहुता में वचन सुनाया गया
१५ ता०	को रेगा महोया के विधुवा बहिन को देखने गये लोग बहो उस के साथ मिल जा लाधना हुआ

ता०	काम करने की जगह
१४ को	रोल ड्रीहके भाइयों के पास गया रुक पाई वहां भी किया जा सका हुआ।
१५ को	सिगदी में ठहरा वहां भी भाइयों के पास घुमा।
१६-१६	को डुकुर ड्रीहा में रहें। दो रात वहां के संताल ~~भाई~~ संसा संसारिक भाइयों से प्लानेल आफ से मोहनोभकुमा के साथ प्रचार
१९ को	चाईबासा वापस लौटे ~~ब~~ रेभारेन्ड बरुता के विदाई के लिये — २०-२३ तक चाईबासा में ठहरे।
२४-२५	को शीशो वाहा गया।
२८-३०	तारो तक नारायण सिंह पास में था।

Israel Topno, April-Report

सोसोबाहा का बाईबेड़ा से जोईन्ट मिशान बोर्ड का रीपोर्ट । 12/IV

मास ईश्वर का जीवन धार्म्म और उद्धार का वचन लोगों को सुनाना ।

महा मन्नावार को स पादरी जुनास पादरी -

यीशुसहाय । ~~आमीन !!~~

अप्रेल का ता:

१ तबियात एक से तीन तारीक -
२ तम अच्छा नहीं था ।
३
४ टोकाद गया था ।
५ मदकोबेरा गया ।
६ नकटी गया ।
७ तेनदचः गया ।
८ स्थानिया दी में प्रचार किया ।
९ मदकोबेरा गया ।
१० स्थानिया दी में प्रचार किया ।
११ घर का मास ।
१२ स्थानिया दी में वचन प्रचार किया ।
१३ नकटी में गिर्जा किया ।
१४ तेनदचः और मदकोबेरा गया ।
१५ घर का मास किया ।

ता:
१६ नकटी गया ।
१७ गाँव दी में वचन प्रचार किया ।
१८ चाईबासा गया ।
१९ चाईबासा ।
२० चाईबासा ।
२१ चक्रधरपुर ।
२२ बजार किया ।
२३ चक्रधरपुर और राजा परोम गया ।
२४ मदकोबेरा गया ।
२५ तेनदचः गया ।
२६ धोवा सई और बड़ाडीह गया ।
२७ गिर्जा ।
२८ सोनुवा में । Start in Boibera
२९ बाईबेड़ा ।
३० हो रो: ।

Aplogang Ka bishwas Israil Topno Pracharak !

Thomas Bhengra, April 58

रौरव- राज्य वृद्धि काम का रिपोर्ट- होरो खरिया अप्रेल महीना -१९५८ई०-

11/IV

1- स्कूल किया
2- स्कूल किया
3. स्कूल किया
४+५= दो दिन का छुट्टी दिया था।
६- पुनरुत्थान पर्व का- गिरजा किया -
७- स्कूल किया।
८- स्कूल किया।
९- स्कूल किया
१० स्कूल किया और चिटीर गांव घुमने गया था।
११ स्कूल किया और गोइलकेरा बाजार गया।
१२ स्कूल किया
१३ गिरजा किया।
१४- स्कूल किया
१५- स्कूल किया
१६- स्कूल किया
१७ स्कूल किया और गोइलकेरा गया
१८ गोइलकेरा से चाइबासा गया।
१९+२० को चाइबासा में Rev. H. Birutta के निदाई के लिये ठहरा।
२१- चाईबासा से गोइलकेरा आया।
२२- गोइलकेरा से होरो आया।
२३,- स्कूल किया
२४- स्कूल किया
२५ स्कूल किया
२६ स्कूल किया
२७ गिरजा किया
२८ स्कूल किया
२९- स्कूल किया
३०- स्कूल किया।

आप का निश्वास्त -

Thomas Bhengra.

M. Samad April 58

अप्रैल का रिपोर्ट १९५८

10/IV

१ घर मे था
२ डेमटाई गया था
३ डेमडाई फिरेकेगया प्रेम का शिक्षा दिया
४ रेका पढ गया रुपैया जो प्रचारक के पास
५ सुत सुता गया किसी से मुलाकात नहीं हुआ
६ उरांव से कबीर धर्म का बात चीत किया
७ सप्ताह भर गया स्कूल के बारे बात किया।
८ लाईब्रेरी गया मुर्दा के पास
९ लाईब्रेरी गया बतु के पास-यीशु के जीवन चरित्र को सुनाया
१० इबदाः तस्वा उरांव को यीशु के बारे बात चीत किया
११ वा चौम घुटू गया किसी से मुलाकात नहीं हुआ
१२ चिड़िया गया खाते में १२ आना खर्च हुआ
१३ मनोहर पुर रेडिंग मे माया चाय नस्ता ।=) का देन से ।) आना ।।=) समा
घर आया गिरजा किया
१४ घर मे था

१५ परधान पल्ली गया सुकरा उरांव को धर्म का बात सुनाया
१६ धना पल्ली गया माम बताया बताया यीशु मसीह काया।
१७ नमाय और प्रेम चन्द के घर मे रहा।
१८ चैवसा चला,
१९ चैवसा मे था।
२० ग्राम सईव को विदा किया
२१ चैवसा में था
२२ चैवसा से घर पहुचा
२३ घर मे था
२४ घर मे था
२५ घर मे था

२६ बिमार हुआ
२७ बिमार था हर्ष प्रकाश रेडः सेवा के लिये माया बना दिया
२८ बिमार मे था
२९ बिमार मे था
३० बिमार था

टिप्पनी— इस में खर्च हुआ १।=) आना

आप के सेवक Mansith Samad Panchpahya
P O Jaraikela
Dist Singhbhum

S. Lakra
April, 58

अप्रैल महीना का रिपोर्ट।

कटनी पोदार हाई
ता. 20-6-58

8/IV

श्रीयुक्त महामान्यवर Rev. H. Kloss
आप को यीशु सहाय।

महाशय,

आप को जनाया जाता है कि मैं ता. 1-4 को मोरगेज गया था। वहां खुस्टीन 8 घर और मान। खुस्टीयन 2 घर हैं। सबका मरम्मत को के ऐसा बनाया गया है। उन को मैं हरसमय समय पर देख भाल करता हूं। सरदार भाई तक को ईश्वर का वचन सुनाया करता हूं। वहां मैं दो दिन रह गया।

ता. 3-4 को फर्जरि में पोदार हाई आये।
ता. 6-4 को मैं पोदार हाई का गिर्जा चलाया।
ता. 5-4 और 6-4 को मैं घर ही में था।
ता. 7-4 को मैं घर छोड़ कर चुकुम हाई बैठक्या में रोड़ी और गुरटिया इन तीन गांव में काम करते हुए एक सप्ताह बिताये। ता. 12-4 को घर आये और इतवार दिन गांव में गिर्जा किये।
ता. 14-15 और 16 को मैं घर में था। ता. 17 को मैं चाईबासा जाने को निकला। ता. 18 को मैं चाईबासा पहुंचा 19-20 को मैं चाईबासा ही में था। ता. 21 को मैं चाईबासा से घर आने के लिये बहरा। ता. 22-23 को मैं रास्ता ही में था। ता. 23 को मेरे घर में नया बालक हुआ था। 24 ता. को मैं घर

पहुंचा। पीछे मैं उन के सेवा सुसार में लग
गया था। जिस के कारण से और कुछ नहीं
सका। खाली समाचार और देखने का
बचन सुनाया था। वर्ष युग के संसार
लोग हैं। कुछ ने से भी नहीं झुकते हैं
प्रचार के स्तम्भ तक।
बल्ख के दौड़ाए हैं।

Israel Logun, April

अप्रेल महिना का ईसवी १९५८

7/IV

(१) लोदोपल के एक सांसरी के घर में जाकर ईश्वर का वचन सुनाया।
(२) कुलपाल में वचन सिखा के गित सत बिन्ती कोई
(३) कुलपल और जममल मे गिरजा हुई।
(४) भला शुक्रवार गिरजा हुई जमा २० प्रुषी थे।
(५) जममल में वचन सिखाया।
(६) महिजोर में कबर गिरजा होकर कुलपाल में गिरजा हुई।
(७) बिंजो वली सांसरीयों को ओ समको दौड़ाकोना के भई बहिनों को ईश्वर का वचन सुनाया।
(८) मोरपोतरा चले आया वहाँ ६ भाई बच्चों के सब बहिन ६ प्रुषी जमा १५ थे।
(९) भेलआम वहाँ भी बहुत सांसरी सब हैं। उन लोगों को भी वचन सुनाया।
(१०) बिके को ₹ गोरेया बहाल होकर चले आया पहिले डुबकी मिसन के थे पर आब सांसर बन गये हैं उन सब बोलते हैं। की हम लोग C.E.L church में रहेंगे उनलोगों को चरहेवा कोई नहीं सो हम लोगों के वस्ते एक पुचराव किया जाय
(११) ताब कुलपल आये समको पहुँची। पहुँकी उस रोज बातें करतेरहात हो गया।
१२) को समज गित के बत वचन सिखा के बिन्ती के सन्ध आंत हुई।
१३) कुलपल औ जममल में गिरजा किया।
१४) सोरोई गया वहाँ के सांसरीयों को ईश्वर का वचन सुनाया।
१५) तीमला वोटा खीष्टियानों के घर में बिन्ती समज किया।
१६) को Chaibasa जाने के लिये जाना सुरु किया।
रेवरेन एच्छ बोराऊता सहेब के बिदाई के लिये १८ तरिख से २० को चईबशा में गिरजा हुई ~~२१~~ और २२ तरिख को चईबासा से बमड़ा चले आये।
(२३) बमड़ा में रहा उस रोज बस गड़ी में फेल होने के करण रह गये।
२४) बमड़ा से कुलपाल पहुँचे उसरोज गर्मी के करण मोरखोल तासे रात बिताया।
२५) जममल में ईश्वर का वचन सिखा के पुर्चोना आंत हुई।
२६) पुराना खीष्यान नई बहनों के सत बिन्ती समाज किया।
२७) जममल और कुलपल में गिरजा किया।
२८) जटेयाडीह के सांसरीयों को ईश्वर का वचन सुनाया।
(२९) धुन धुसा के २ दो भाईयों खीष्तान धर्म में आने को समझाया।
३०) जममल में वचन सिखाया।

मट्टा मनेन्वार

पट्टी सहेब जे सोरु आप को बिदित हो इस महिना के आन्दर मे गिरजा घर छोटी मोटी ७ ओपड़ी बना रहें हैं। मांडली की हलात कमजोर ही है परन्तु सब भाई बहन आर्थिक दशा के करण

से दुसरा गंवों भना पड़ता है जहाँ नहीं चले जते हैं।
उधरी १ महिना २ दो महिना रह जते है इससे सब कोई बचन
आच्छी से नहीं पकड़ सकते हैं तौभी भाव बहुत ही पकड़े हैं।
उमेद है आच्छी तरह से बचन को आपना सकेगें।
आन्त में प्रेम यीशु सहाय
हम लोग दुख सुख दोनों के मध्यमें दिन व्यतित कर रहे हैं
लि: आप का शुभचिन्तक ईसाख कुमार
धुलचल मांडली
ता: १४-६-१९५८.

Joshua Samad, April 58
Bodhana

6/IV.

१९५८ अप्रेल का डायरी ।।

1 - मैं आज अपना घर में काम किया ।।
2 - मैं ३ ता: को गांव दि में रह के बिताया ।।
4 - आज ४ सदा शुक्रवार को गिर्जा किया ।।
5 - आज शनिवार को घर में रहा ।।
6 - जीउठना पर्व के गिर्जा किया ।।
6-7-मैं ६-१० ता: तक मैं कहीं नहीं गया ।
11 - मैं खपरा बनवाने का बन्देा काम में रहा ।।
12 - आज घर में दिन बिताया ।।
13 - रतवार को गिर्जा किया ।।
14 - घर का खपरा खरिद ।।
15 - बांया खपरा का बकड़ी जाम्ब घर बांधा ।।
16 - खपरा लगवा लगाया ।
17 - साईकस्ता जाने के लिये घर से निकला ।।
17 - मैं साईकस्ता पंहुचा ।।
19 - साईकस्ता में रहा ।।
20 - साईकस्ता में गिर्जा किया ।।
21 - आज मैं साईकस्ता में रहा ।।
22 - आज मैं साईकस्ता से बिरासतपुर, स्कूल कोड़ा के पास आया ।।
23 - मैं २४ तक वहीं रह के क्रिस आदि दिया ।।
24 - आज गाड़ी पकड़ के गोविन्दपुर में रात बिताया ।।
25 - वहां से मैं कोड़ासा पंहुचा ।।
26 - रतवार को गिर्जा किया ।।
27 - मैं २५ ता: को घर में आराम किया ।।
30 - आज मैं डायरी लिखा ।।

J. Samad
Bodhana.
30-6-58.

M. Dang, April 58 5/IV

अप्रैल १९५८ की मिशन काम की रिपोर्ट।

ता: १-४-५८ दुरगाडीह में था।
ता. २-४- " प्र: मसुआ मुन्द के मुलाकात हुई हम दोनों जमूनकिला गये।
ता. ४-४-५८ - भला शुक्रवार का गिरजा छमड़ा में किया।
ता: ५-४-५८ - दुरगाडीह में शाम को गिरजा किया।
ता. ६-४-५८ - प्रभु के पुनरुत्थान पर्व का छमड़ा में और दुरगाडीह में गिरजा किया।
ता: ७-४-५८ कुलपाल में शाम को धर्मखोजकों को बचन सिखाया।
ता: ८-४-५८ को कुलपाल में मिशन हास्टल बनने की जगह देख रेख किया।
ता: ९-४-५८ - दुरगाडीह आया।
ता. १०-४-५८ पोढ़ाडीह गया चाईबसा जाने के विषय वहां के प्रचारक को खबर दिया।
ता. ११-४-५८ दुरगाडीह आया।
ता. १२-४-५८ - छमड़ा में शाम को बचन सिखाया।
ता. १३-४-५८ छमड़ा में इतवार का गिरजा किया।
ता: १४-४-५८ खैरडीह होते हुए पटबन्धा आया धर्म में आने के बारे समझाया।
ता. १५-४-५८ - पोढ़ाडीह के प्रचारक के साथ कुलपाल गया।
ता: १६-४-५८ - हम कुलपाल के प्रचारक साथ तीनों चाईबसा जाने के लिए दुसरी बेला निकले और तमला कटा में रात को रहे
ता: १७-४-५८ - बिहान बिहान को सरभिस पकड़ के बमड़ा आये। और वहीं रह गये।
ता. १८-४-५८ बिहान को ट्रेन पकड़ के चाईबसा पहुंचे।
ता: १९-४-५८ - बिहान को Rev. H. Klos सहब की स्वगत में शामिल था। शाम को प्रभु भोज की गिरजे में शामिल था।
ता. २०-४-५८ चाईबसा में इतवार गिरजे में उपस्थित था। दुसरी बेला Rev. H. Boutia की विदाई में शामिल था।
ता. २१-४-५८. पोढ़ाडीह के प्रचारक के साथ दुसरी बेला सरभिस से चक्रधरपुर आये। वहां दो घंटी खरीदने की आवश्यक पर आये। उसी रोज ट्रेन से बमड़ा आये।
ता. २२-४-५८ - बिहान को सरभिस से मोजपुर पहुंचे। उसी रोज पैदल चलकर वहां से हम दोनों दुरगाडीह आये।
ता. २३-२५- " दुरगाडीह में था।
ता. २६-४-५८ को छमड़ा में शाम को जाकर बचन सिखाया।
ता. २७-४-५८ छमड़ा में इतवार का गिरजा किया।
ता. २८-४-५८ - खैरडीह में दूर किया।
ता. २९-३०- " दुरगाडीह में था।

cata. M. Dang. Durgadih
14-6-58

Patras Barla, Report for April.

5.5.58

4/IV

Diary for the Month of

April 1958

1 पै॰ को बच्चों को पढ़ाया। 2 पै॰ को पाठ पढ़ाया।
3 पै॰ बच्चों को पढ़ाया। 4 पै॰ को भला मुआयना किया
5 पै॰ को बेबल का स्टाड़ो किये 6 पै॰ को प्रभु का जोड़ना पढ़े
माने
7 पै॰ को बच्चों पाठ पढ़ाया
8 पै॰ . . . . . .
9 पै॰ . . . . . .
10 पै॰ . . . . . .
11 पै॰ . . . . . .
12 पै॰ . . . . . .
13 पै॰ गोरेजा किये। 15 पै॰ को भी बच्चों को पढ़ाया। 16 पै॰ को पाठ पढ़ाया 17 पै॰ को बनाई गढ़ गयी
18 पै॰ को चेबसा पहुचे। 19 पै॰ को चेबसा से चले 20 पै॰ को सहेब का बिदाई हुआ 21 पै॰ को चेबसा में चेबसा पै॰ को बरह बजे चेबसा से चले 23 पै॰ को सरगोजे पहुचें 24 पै॰ आराम किये 25 पै॰ को बजार गये। 26 पै॰ बच्चों को जाप किये तो दो बच्चे गेरहजीर हुए 27 पै॰ को गोरेजा किया 28 पै॰ को स्कूल किये
29 पै॰ को . .
30 पै॰ . . . . .

Patras Barla Sargolih
5-5-58

Amus Aind Report for the months of April + May, 1958.

3/IV. V.

April:-

1+ Rev Buruta साहेब की आज्ञा से बाबू Stiphan Lakra के पास कलंची -
2: पोढ़ण्डिह गया और वहां प्रचारक को उनके appointment बारे बताया।
3+ Durgadih होकर कुलपाल पहुंचा और वहां के प्रचारकों से नये खृस्तानों के बारे
4: बातचीत की।

5+6: ता. ५ को भोजपुर पहुंचा और ता. ६ को पौलामारा में पुनरुत्थान पर्व्व माना।
7: ता. ७ को नये खृस्तान के घर में रहके उनको सिखाया।
8+9: देवगढ़ में होते हुए ता. ९ को आमगांव पहुंचा।
10- ता. १०-१६ तक आमगांव में रहके घर का काम को देखभाल करते हुए समय २
16:- लोगों को ईश्वर का वचन के बारे बातचीत की और ता. १३ को गिर्जा काम चलाया।
17: ता. १७ को चाइबस्सा का रास्ता पकड़ा और रौरकेला में ट्रेन पकड़कर ता. १८ को
18- चाइबस्सा पहुंचा। वहां १८ तारीख को रहके ता. २० को मान्यवर बोरुचा साहेब और
23. मैम साहिबा को विदाई दिये। ता. २१ को वहां रहके ता. २२ को चक्रधरपुर होते हुए
रौरकेला पहुंचा। पश्चात ता. २३ को आमगांव आया।

May 24 5/58 हाथ का घाव और dislocation के कारण मैं अस्पताल लाया जाया किया।
12 5/58 दो सप्ताह में बुध अच्छा होने पर इतवार को गिर्जा का काम चलाया। लोगों को प्रचार किया और ता. ६-५-५८ को J.M.B की आश में था फिर ता. १३ को रौरकेला के जर्मन लोगों के बारे बतलाया गया कि वे आमगांव देखने के लिये
15-5-58 आनेवाले हैं। ता. १५-५-५८ को स्वर्गारोहण पर्व्व का गिर्जा किया।
18-5-58 को ४० से ऊपर जर्मन भाई और एक बहन आमगांव पहुंचे। उनके स्वागत का अच्छा बन्दोबस्त किया गया था। वे उसी दिन शाम को लौट गये।
19-5-58 मेरा लड़का और एक लड़की जो हमको देखने आये थे बिदाई किये।
20-5-58 मैं अपना साइकिल से सेरसोर होते हुए टूर निकला। साइकिल पंकचर होने के कारण रास्ता में रात को डेरा किये।
21-5-58 Sargidih पहुंचा। वहां पतरस और उसका घराना को भला चंगा पाया। उसे जयमसीह भाई को समझाया।
22-5-58 साइकिल को खोला के मरम्मत किया पर वह नहीं बना।
23-5-58 को Paulamara पहुंचा। सबको भला चंगा पाया।
24-5-58 को Bhojpur आया। Rev. Soy को एक चाई लिखकर डाल दिया।
25-5-58 कुलपाल प्रचारक के पास था। मिशु जमीन सम्बन्धी पूछताछ किया पर मालूम हुआ कि अभीतक काफी जमीन मिलने की आशा नहीं है। बेकत प्रचारकों गिर्जा घर बनने के लिये जगह मिलने का उमेद है। इसके बारे में सोचना है कि कहां पादरी क्वार्टर, स्कूल घर आदि के लिये ऐसी जगह पाना चाहिये जहां पानी का सुविधा भी हो। कदाचित जमीन की साट ऐसी हो जहां गैरमजुरा जमीन है जिससे अस्ते २ काफी जमीन बन्दोबस्त हो सके।
26-5-58 मैं साइकिल को बस में चढ़ा कर देवगढ़ आया और साइकिल का ट्युब (tube) को बदलकर फिट कराया।
27-5-58 को मैं साइकिल में चढ़कर बड़कोट होते हुए आमगांव पहुंचा।
28-5-58 को Doctor साहिबने मुझको बताया कि जेंगड़ा गांव में जहां बहुत से मुन्डा भाई बहन लोग रहते हैं खृष्टीयान धर्म ग्रहण करने चाहते हैं। मैं पहले उनके पास गया था उस समय उन्होंने बातचीत की थी पर कितने लोग मौजुद थे जिससे उन्होंने हमको कोई बात नहीं दिया। मैं इसको सुनकर उनसे कहा कि मैं इस बारे ठीक जांच करूंगा और यदि वे चाहते हैं तो उनको बप्तिस्मा सिखाने सिरखानी शुरु करूंगा जिससे उनको बप्तिस्मा मिल सके।

Amus Aind
Touring Catechist
Bamra Field
2-8-5-58.

H. Samad, April 58 अप्रैल महीना का रिपोर्ट १९५८.

तारिख 1/IV

१, - जोटया गांस गया था।

२, बड़ा जामदा गया, था, एक बालक का बपतिस्मा के लिये।

३, बड़ा जामदा से जगन्नाथपुर लौटा।

४, जगन्नाथपुर में भला शुक्रवार गिरजा किया।

५, घर में खाड़ो किया।

६- डांगुआपोसी जो उहा गिरजा गया था।

७- हटगमारिया गया था, गिरजा के लिये।

८- सुकरा गेट गया था।

९- सनुड साई गया था, वहाँ से बुका साई करे इकुआर कुटा के घर गया उसमें धर्म शिक्षा के बिषय कुछ बताया।

१०. जगन्नाथपुर में बजार किया।

११, - बरंजोया गया था, गिरजा के लिये।

१२- पटा मैंत गया था, पत्थरपिंगुआ के पास।

१३- गिरजा किया दूसरी बेला डांगुआपोसी गिरजा गया था।

१४, डांगुआपोसी से लौटा, बेन्द पोसी गया था।

१५- कोटगड़ गया था।

१६- नया गांव, कुन्दरकुर, ~~[illegible]~~ निश्चिंतपुर गाँव के दो भाईयों को सुसमाचार सुनाया।

१७ - बजार किया।

१८- बकेता सेहब को बिदाई में चाईबासा गया था।

१९- बकेता सेहब को बिदाई की तैयारी किया।

२०- बकेता सेहब और मेम सहिब को बिदाई हुई।

२१- से २१ तारिख से २३ तारिख तक छुट्टी लेकर हटको गया था, पर काम न जोयाड़ होने के कारण २४ तारिख को हटको से चाईबासा लौटा।

२६- तारिख चाईबासा से जगन्नाथपुर जगन्नाथपुर गया।

२६- जगन्नाथपुर में गिरजा किया।

२८- जगपुर गएँलगया था। वहां एक बिश्वास के घर में सुसमाचार सुनाया।

२९- डंगुआपोसी गया था।

३०- बड़ा नन्दा सुकरा कोलोंगा के घर गया था।

नोट - इस महिने में कहीं भी दर्पण खोजक नहीं मिला।

H. Samad pastor.
Jagannathpur.

Rev W. Kloss
G.E.L. Church. compound.
Chaibasa.
P.O. Chaibasa
Dist. Singhbhum.

MARCH 1958 KA REPORT : P. Tuti

18/III

1-3-58, Saruda men Christian bhaiyon Ke yahan samay bitaya.

2-3-58. Gitilpiri men prabhubhoj banta.

3-3-58, Kudagutu se Onlajori ane men din bitaya.

4-3-58, Gurumahisani aur Onlajori men prabhubhoj banta.

5-3-58, Kusnupur gaya tha.

6-3-58, Kuldiha aur Badam pahar men prabhubhoj banta.

7-3-58, Jashipur men prabhubhoj banta.

8-3-58, Jashipur se Rangamatia ane men samay bitaya.

9-3-58, Sunday girja kiya, Kahin nahin gaya tha.

10-3-58, Kisondahi gaon men prachar Karne gaya tha.

11-3-58, Ghar saph Karne men samay bitaya.

12-3-58, Rangamatia se Simlipahar ane men samay bitaya.

13-3-58, Kudagutu men prabhubhoj banta.

14-3-58, Saruda aur Dudruchampa gaya tha.

15-3-58, Simlipahar se Rangamatia ane men samay bitaya.

16-3-58, Sunday girja kiya, Kahin bahar nahin gaya tha.

17-3-58, Johness pracharak Ke sath Baripada gaya tha.

18-3-58, Baldiha gaya tha.

19-3-58, Barsole, Sansole aur Kuldiha men prachar Karne gaya tha.

20-3-58, Baripada gaya tha jamin sambandhee baton Ke liye.

21-3-58, Baripada gaya tha jamin Registry Karne Ke liye.

22-3-58, Barsole gaon men prachar Karne ke liye gaya tha.

23-3-58, Kakorpani gaon prachar Karne Ke liye gaya tha.

24-3-58, Sansole gaon men prachar Karne Ke liye gaya tha.

25-3-58, Kakorpani gaya tha, Lakree lane Ke liye.

26-3-58, Barsole gaya tha.

27-3-58, Baripada Income Tax officer ke yahan gaya tha.

28-3-58, Lakree Ke vishay batchit Karne Ke liye D.F.O. Ke pas gaya tha (Baripada).

29-3-58, Sansole men prachar Karne ke liye gaya tha.

30-3-58, Barsole men " " " " " ".

31-3-58, Sansole " " " " " " ".

Ch. H. Tuti
2-4-58.

Report: March 58, P.S. Topno

नाकटी जोइन्ट मिशन बोई 13/III

मार्च १९५८

ता० काम करने की जगह

१ पा० तैयार किया

२ गिरजा हुआ

३ २ ५ घर का काम किया

४

५

६ ता० चौड़वाया गया

७ ~~ता०~~ ~~तैयार किया~~ चौड़ीवाला सेलॉटर।

८ पा० तैयार किया

९ गिरजा हुआ

१० पट्टी के पास चक्रधरपुर गया

११ धर्म मेला के विषय बात चीत कुलाया।

१२ १२- शादी वाद्य गया इसारम्ल स।

१३ काम देखा।

१४ १३ चिट्ठवा गया 2 भाईयों को

१५ वचन प्रचार किया।

१२ ता० मडुकु वेरा में महा उपवास
काल गिरजा हुआ
१३ तीन दा में हुआ।
१४ १५ घर का काम किया।
१६ को गिरजा हुआ
१७ जोंको गया वहां तीन भाईयों का
प्रभु का वचन सुनाया गया
१८ बाजार किया
१९ मडुकु वेरा में गिरजा हुआ
२० जोकों में ७ पारिवारों का
प्रभु का वचन प्रचार किया
२१ बाजार किया
२२ शिग्गी वाहा गया
२३ गिरजा हुआ
२४ घर का घेरा के लिये घर का काम
२५ किया
२६ चाइविला गया
२७
२८
२९
३०

प्रचारक
प्रभु सहायतोनो

Report for March 58

12/III

Israel Topuo
(Sisibaha)

Sisubaha joint misshanbod Ka rapot

Sri Mahamaneyarwar Rere
H: Borulla. Rere j. Sory nyishusahay:

मार्च महिना का।

ता: १ घर का काम
२ स्थानिया में दी ईश्वर का बचन प्रचार किया
३ बजार किया।
४ स्थानिया मे दी लड़कों को बचन सुनाया
५ बजार किया।
६ स्थानिया दी में ईश्वर का बचन लोगों को सुनाया
७ स्थानिया दी में
८ सुरबुढ़ गया प्रभु का बचन आदमियों को सुनाया संख्या १७
९ एतवार दिन पर सौसौला में गिर्जा तो नहीं चल रहा है।
१० गाँव दी में प्रचार।
११ किताब मंगाया का उसको लाने के लिये गया।
१२ गाँव दी में लड़को को बचन सुनाया।
१३ गाँव दी में प्रचार ईश्वर का बचन
१४ डोम्बोरा गया और आदमियों को बचन सुनाया संख्या ८
ता: १५ स्थानिया दी में सभों को ईश्वर का बचन सुनाया।
१६ एतवार दिन में सौ संसारी लोगों को ईश्वर का बचन सुनाया बजार किया।
१७ तेन दमः गया और मसिह घर में समाज किया।
१९ स्थानिया दी में ईश्वर का बचन लड़कों को सुनाया।
२० स्थानिया दी में।
२१ मड़को बेरा गया। वहाँ मड़कोबेरा वालों के साथ समाज किया
२२ स्थानिया दी में ईश्वर का बचन लोगों को प्रचार।
२३ स्थानिया दी में।
२४ बजार किया।
२५ स्थानिया दी में
२६ बामोन गुटु गया और लड़कों को ईश्वर का बचन सुनाया संख्या १२
२७ स्थानिया दी में।
२८ तेन दमः गया और मसिह घर में समाज किया।
२९ स्थानिया दी में लड़कों को प्रभु का बचन-
३० रोज२ प्रचार कर रहा हूँ। धर्म मार्ग में लाने का-
३१ कोसीस कर रहा हूँ और धर्म सिक्षा द्वारा सीखाता-
३२ और समझाता और चिताता में हूँ। रोज२ ईश्वर
का बचन लोगों को गाँव दी में प्रचार करता हूँ। प्राणी संख्या किसी रोज ५ यहद
यहद १० और किसी रोज १५।

Apka Sevak-
Israil Topno Prachark.

राज्य वृद्धि काम का रिपोर्ट होरो एरिया १९५८ ई० के
मार्च महीना का

Thomas Bhengra, March 58

11/III

१ ता:- सेरेंदः बाजार गया था
२- गिरजा किया
३. स्कूल किया
४. स्कूल किया और ससुगड़ा का रूपूस भाई के घर गया था वे बिमार थे।
५. स्कूल किया
६. स्कूल किया
७- स्कूल किया और गोइल केरा बाजार गया
८. स्कूल किया
स्कूल किया
११- पिताल गया था क्योंकि मेरा पिताजी को मार था उसको देखने।
12-+13 को (दो रोज) पिताल में ठहरा।
१४- तारीख को होरो आया।
१५- घर ही में रहा।
१६ स्कूल किया
१७- स्कूल किया
१८ स्कूल किया
१९ कोमदी मराडली गिरजा गया था।
२० स्कूल किया।
२१- स्कूल किया और गोइल केरा बाजार गया।
२२- स्कूल किया।
२३ गिरजा किया।
२४ स्कूल किया।
- स्कूल किया।
२६- स्कूल किया।
२७- स्कूल किया।
२८- गोइल केरा बाजार गया।
२९- स्कूल किया।
३० गिरजा किया।
३१- स्कूल किया।

श्री माझी पाठे साहेब यु Class को पोरु सहाय मैं गया को लिखे
महिनों का रिपोर्ट नहीं दिया हूं साहेब हैं March 1958

M. Samad, March 58

10/III

१ घर मे था पाठ तैयार
२ Sunday गिरजा किया
३ जमाल गया प्रर्थना किया
४ दादा जेमला ई गया महादेव के वारेवात किया
५ घर मे था
६ मछी पानी गया
७ जमाल भरिया दोली गयाथा था
८ साग जोजे गया
९ गिरजा किया
१० मूरत गया सुसमाचार
११ घर मे था विमार हुआ
१२ विमार था
१३ विमार था
१४ रचा पोदुं गया
१५ साग जोडा गया मुन्डारि लोगों के पास
१६ गिरजा किया
१७ घर मे था विमार
१८ विमार था
१९ विमार था
२० विमार था
२१ विमार था
२२ स्टेशन गया फोरस्ट के पास प्रर्थना किया
२३ फुलवाडा टुनिया के पास गया सरना पुजा का वात किया
२४ पाच पहिया गया था
२५ दुकान गया चावल दाल सौदा किया
२६ जरे केला बाजार गया
२६ पाच पहिया मोटर दोडोली गया था
२८ ताल बहार गया
२९ घर मे था
३० घर मे था
३१ घर मे था

Manuell Soren Murmu
Samad panchpahriya
PO Jarakela

J.K. Hemrom | March – May .58

मार्च महिना का रिपोर्ट रुर्कपुर

9/III IV V

1-3-58 को मैं सिमिरता को गया था वहां के सान्ताल लोगों को मैं कहा कि मनुष्यों का पाप यीशु खिस्त मिटाता है और शैतान से भी छुड़ाता है।

2-3-58 को मैं गिरजा का बन्दोबस्त किया और गिरजा दिरिपसिला में हुआ।

3-3-58 को मैं लम्बा टुर के लिये त्याग में था -

4-3-58 को मैं लम्बा टुर के लिये घर से निकला और उसी दिन हल्दीपोखर पहुंचा।

5-3-58 को मैं हल्दीपोखर से कुलडीहा पहुंचा —

6-3-58 को मैं कुलडीहा से जामीपुर पहुंचा —

7-3-58 को मैं जामीपुर से रंगामटिया को पहुंचा —

8-3-58 को मैं रंगामटिया में था —

9-3-58 को मैं रंगामटिया ही में था —

10-3-58 को हम पादी बाबु के साथ में प्रचार करने के लिये एक गांव को गया था, वे स्त्री पुरुष सुनते थे —

11-3-58 को मैं रंगामटिया में था —

12-3-58 को हम पादी बाबु के साथ में रंगामटिया से सिमली पहाड़ के कुदाहुतु पहुंचा —

13-3-58 को हम कुदाहुतु से साल्दा को गया

14-3-58 को हम लोग कुदाहु साल्दा से डुडरुचमा को गया —

15-3-58 को हम डुडरुचमा से रंगामटिया को लौट आया —

16-3-58 को मैं बस पकड़ने के लिये बारीपदा को गया, पर बस फेल हो गया —

17-3-58 को मैं बारीपदा से पुटुलिया को पहुंचा —

18-3-58 को मैं पुटुलिया में था —

19-3-58 को मैं पुटुलिया ही में था, क्योंकि उसिय टुडु बिमार से कमजोरी था -

20-3-58 को हम उसिय टुडु के साथ में बोडसोला को गया —

21-3-58 को हम बोडसोला से चुतुरकुन्डिया को गया —

22-3-58 को हम चुतुरकुन्डिया से पुटुलिया को लौट आया, इन गांव के लोगों का मन खुथेएन में आने का दिल चस्पी है —

23-3-58 को हम लोग गिरजा करने के लिये बोडसोला को गया —

24-3-52 को हम लोग बोड़सोला से चान सोला को गया और वहां से पुटुलिया को लौट आया —

25-3-52 को हम लोग पुटुलिया से बुन्डुडीह को गया वहां से पुटुलिया को लौटा —

26-3-52 को हम पुटुलिया से चुतुरकुन्डिया को गया —

27-3-52 को हम चुतुरकुन्डिया से बोन गोड़ा को गया, वहां से चांगड़ी को, वहां से बोडामचाटी को गया —

28-3-52 को हम बोडामचाटी से बोइनीसोल को गया, वहां से चुतुरकुन्डिया से को लौट आया —

29-3-52 को हम चुतुरकुन्डिया से बोड़सोल को आया —

30-3-52 को हम गोइसोल से पुटुलिया को आया, मन इन गांव के लोगों का भी मन ठीक हो गया —

31-3-52 को मैं पुटुलिया ही में था —

April अप्रैल महिना का रिपोर्ट 1952

1-4-52 को मैं बोड़सोल में फ्लानेल ग्राफ दिखाया, स्त्री पुरुष मिला कर एक सौ तक थे, वे सुनते थे —

2-4-52 को मैं बोड़सोल के दुसरा टोला में दिखाया, लग भग डेढ़ सौ थे —

3-4-52 को मैं चानसोल में दिखाया, 200 तक मनुष्य थे, वे सुनते थे —

4-4-52 को हम लोग गुड फ्राइडे गिरजा किया —

5-4-52 को मैं एक दुसरा गांव में फ्लानेल ग्राफ दिखाया, लग भग 250 प्राणि थे

6-4-52 को पुनरुत्थान गिरजा था —

6-4-52 को मैं पुटुलिया से रंगामटिया को गया —

7-4-52 को हम पादी बाबु के साथ में बोड़दा को गया, वहां फ्लानेल ग्राफ दिखाया, 10-12 आदमी थे, बहुत तक बितक हुआ मयुरभन्ज के लोग क्रिस्त धर्म के लिये बहुत अन्धे में हैं —

8-4-52 को हम लोग बोड़दा से रंगामटिया को लौट आया —

10-4-52 को मैं रंगामटिया से पुटुलिया को आया —

11-4-52 को मैं पुटुलिया से झारग्राम और झाड़ग्राम से घाटसिला से ~~खुडरीकोचा को पहुंचा~~ मालिम माउन्डा को गया —

12-4-52 को मैं मालिमन्डा से खुडरी कोचा को गया —

13-4-52 को हम पादी J. Soy और P.S. Yapmo प्रचारक के साथ में खुडरीकोचा से चाड़ी को गया —

14-4-52 को हम P.S. Yapmo के साथ में चाड़ी से मटीगढ़ा को गया वहां से टेलडीह को गया —

15-4-52 को हम लोग टेलडीह से सिंगडीह को गया —

15-4-52 को हम लोग सिंगडीह से डुमुरडीहा को गया, हम लोग वहां पर फ्लानेल गाफ दिखाया २५-३० आदमी थे वे ध्यान से सुनते थे —
16-4-52 को हम लोग दुसरी टोला में फ्लानेल ग्राम दिखाया, वे भी सुनते थे २५-३० आदमी थे —
17-4-52 को हम डुमुरडीहा से चाईबासा को आया —
18-4-52 को मैं चाईबासा में था —
20-4-52 को भी मैं चाईबासा ही में था —
21-4-52 को मैं चाईबासा से सिमना घर आया —
22-4-52 को मैं घर ही में था —
23-4-52 ,, ,, ,, ,, ,,
24-4-52 ,, ,, ,, ,, ,,
25-4-52 ,, ,, ,, ,, ,,
26-4-52 को मैं चिड़िया को गया —
26-4-52 को मैं चिड़िया से घर लौट आया —
27-4-52 को मैं जोकिया को गया था तलब लेने के लिये —
27-4-52 को मैं बाघचटा को गया, वहां के सन्ताल लोग खिस्त धर्म में आने का कोई बात ठीक नहीं है —
30-4-52 को मैं गोन्डपुर, इचोंडा होते हुए कुड़ना को गया जमीन नापने के वास्ते, उसको भी मैं घर में नहीं पाया —

May माई महिना का रिपोर्ट १९५२

1-5-52 को मैं बरंगा के मुन्डा टोला को गया, उन्हे लोगों के साथ में खिस्त धर्म के बारे में बहुत बात चीत हुआ —
2-5-52 को मैं सिमिरता को गया, वहां के सन्ताल लोगों के साथ में यीशु फिर आने के बारे में और उस समय होने वाली के विषय में बात चीत हुआ वे सुनते थे —
3-5-52 को मैं दिरियासिली को गया वहां के सन्ताल लोगों के साथ खिस्त धर्म के बारे में बात चीत हुआ, वे भी सुनते थे —
4-5-52 को मैं गिरजा गया था —
5-5-52 को मैं आराधना लिखता था —
6-5-52 ,, ,, ,, ,, —
7-5-52 ,, ,, ,, ,, —
8-5-52 ,, ,, ,, ,, —

10-5-52 को मैं दिरिबसिला को गया था उन मसीही लोगों को समझाने के लिये वे नहीं समझेंगे —

11-5-52 को विश्राम दिन था —

12-5-52 को मैं पड़ोर डीह को गया था —

13-5-52 को मैं पड़ोर डीह से घर को लौट आया —

14-5-52 को मैं उरीकया को गया था वहां के मसीहियों के साथ में यीशु धर्म के बारे बहुत बात चीत किया —

15-5-52 को स्वर्गारोहण पर्व था —

16-5-52 को मैं दिरिबसिला के सन्ताल लोगों के साथ में खिस्त धर्म के बारे बहुत बात चीत हुआ। वे यीशु धर्म को बहुत घृणा करते हैं। —

17-5-52 को मैं सिमिरता को गया, वहां के सन्ताल लोगों को मैं पुटुलिया के सन्ताल खिस्तानों ने बारे बहुत बताया —

18-5-52 को विश्राम दिन था —

19-5-52 को मैं बरगा को गया था, मैं वहां के मुन्डा लोगों को यीशु के बारे में बहुत बताया, वे कितने लोग मुनी समाज धर्म को मानते हैं —

20-5-52 को मैं बरगा के दो ही औरतों को खिस्त धर्म के बारे प्रचार किया, मैं उन के दिवाल का चित्र ले कर के —

21-5-52 को मैं उरीकया को गया था, माहतो लोगों के दिवाल पर चित्र देख कर मैं उन को कहा कि यीशु ने कहा है कि मेरे पीछे बहुत से ऐसे लोग निकलेंगे, और अपने को प्रभु कहेंगे —

22-5-52 को मैं बरगा को गया, किसी से भी मुलाकात नहीं हुआ —

23-5-52 को मैं सिमिरता को गया, वहां के मुन्डा लोगों के साथ में खिस्त धर्म और मुनी समाज के बारे में बात चीत किया —

24-5-52 को मैं आराधना लिखता था —

25-5-52 को मैं गिरजा गया था —

26-5-52 को मैं उरीकया को गया, मैं माहतो लोगों को बताया कि बंगाल में माहतो लोग भी खिस्तान धर्म में आये हैं बताये —

27-5-52 को मैं पड़ोरडीह को गया —

J. K. Hemrom, Rest - report of May 58

माई महिना का बाकी रिपोर्ट पढ़िए

२८-५-५८ को मैं घड़ोरडीह में था —

~~२९-५-५८ को मैं मचुपुर के माहली लोगों के साथ में यीशु का मरण और फिर जी उठना और स्वर्ग पर चढ़ जाने के बारे में बात चीत किया —~~

२७-५-५८ को हम पादरी बाबु के साथ में घड़ोरडीह से डुमरिता को आया —

३०-५-५८ को मैं मचुपुर के माहली लोगों के साथ में यीशु का मरण फिर जी उठना और स्वर्ग पर चढ़ जाने के बारे में बात चीत किया —

३१-५-५८ को हम लोग पादरी बाबु के साथ में डुमरिता से आम्बाडोना को गया —

आप का प्रिय प्रचारक

J. K. Hemrom
(V) Dumrita
P. O. Purtia
Dist. Singbhum
25-6-58

I. Logun, March 58

7/III

मार्च महिना का कम पत्र की डैरी

१९५८

(१) दुर्गाडीह गया वहाँ समको बिन्ती समज कीई।
२) कुलपल में १ पहली बेला २ दुसरी बेला जमभल में गिरजा किया। भाई १२ बहीन ६ जमा २१ थे
३) को टुर प्रचारक के सत सांसरीयों ईश्वार का बचन सुनाया।
४) कोतोर केला से जमभल चले आये वहाँ भी नंये खिष्टीयानों को बचन सिखाया।
५) दुर्गाडिह प्रचारक के सत ईश्वार का बचन सुना के प्रर्थना कीई। तब भोजपूर।
६) कुलपल से तोमला कोटा खीष्टयचीपन भई घर में गिरजा किई।
७) फीर कुलपल चले आये समको बचन सिखाया।
८) कोतोर केला के सांसरीयों को ईश्वार का बचन सुनाया)
९) कुलपल आया गिरजा की आगुवाई आमुस भाईन्द टुर प्रचारक की।
१०) ट्रेनिंग के कहने अनुसार ओ डईरेक्टार सहेबों के आने का खबर देने के लिये घुमना।
११) फीर भी घोड़ाबन्धाईन प्रचारक को चिठी दिया गया था।
१२) को डईरेक्टार सहेबों का कुलपल पहुचना रात को गिरजा हुई।
१३) गिरजा के बाद धर्मी मेला हुई जन संख्या ६४ बहिन ६७ संतानगे भाई जमा १४१ प्रथी थे
१४) सबेरे प्रर्थना आंत के बाद सहेबों की भोजपूर यात्रा कीई। और समको बचन सिखाया
१५) महीजोर खीष्चीयान भईयों के घर में बिन्ती समाज कीई।
१६) पहीला बेला कुलपल २ दुसरी बेला धुन धुसा गिरजा में १ भई २ दो बहिन जमा ३ थे।
१७) रात को धुन धुसा वालों से धर्मी की बतें किई वे भई बहिन नही बैठेंगे बोल दिये।
१८) धुन धुसर से जमभल चले आये समको बचन सिखाया।
१९) दुर्गाडिह आये समको लौटे जोटे पाडीह के सांसरीयों को बचन सुनाया।
२०) घोड़ाबन्धाईन प्रचारक आया उसके सत घर २ टुर किई।
२१) योहान तोपनो पादी आये ईश्वार का बचन सुना के बिन्ती कीई।
२२) गिरजा प्रभुभोज हुई धर्म खोजंकों का वहना आच्छा से बचन पकड़ लेगें तब लेना आच्छा है। यही बोले।
२३) गिरजा हुई भई ,, बहानं जमा २६ प्राथी थे।
२४) घोड़ा कोना के सांसरीयों को ईश्वार का बचान सुनाया।
२५) एक बिमारी के घर में बचन सुना के बिन्ती किई।
२६) जमभल में बचन सिखाया।
२७) गिरजा आने जने का बाद बिबाद किया उसके बद सब खोई जयेंगे तो एक तो गिरजा नही आते हैं।।
२८) महाउपवास गिरजा हुई।
२९) जमभल में बचन सिखाया २
३० जमभल को कुलपल में गिरजा किया।
३१ बुखार के परान घर में रहा।

मननेवाले पूरी सहेब आप को यीशु सहाय

आप को विदित हो की हमारे मंडली हलात बुरा ही हैं।

गिरजा आना जना मध्याम ही हैं। घर घर बेमार में पड़े हूवे हैं।

इसि बेमर पर कितने विश्वास में आ जाते हैं।

हम लोग कुश खुशसेआच्छें ही हैं। आंन्त में आप को प्रेम यीशु सहाय

लि: आप का प्रचारक ईसाईल लुमून

कुलपल मंडली

तारिख १४-६-१९५८

Report: Josua Samad, Bocharee March 58

6/III

३ मार्च १९५८ का डायरी ।।

१ ता:- मैं सबेरा पाठ स्टाडी में समय बिताया ।।

२ " - इतवार को गिर्जा किया ।।

३ " - खाने के नक्शा पेपर से मैं लाय करने गया था ।।

४ " - आज घी मैं मक्खी छोने गया था ।।

५ " - रुम साहेब को सेवा में दिन बिताया ।।

६ " - ७- ता: से इसके सेवा में रहा ।।

८ " - आज इस चर्च को इश्वर भक्तों पास बुलाया बिया- आराधना सात बजे गया

९ " - इतवार को गिर्जे किया ।।

१० " - डाईरेक्टर साहेब का खबर सुनने से फाटक भक्ति करने में बिताया ।

११ " - ठीक समय में पादरी बाबू लेक्चर, गिर्जा आराधना हुआ ।।

१२ " - मैं दो जनों को के घर कुलपाल धर्म पेंतु उपस्थित था ।

१३ " - कुलपाल से सबका डेरा बड़ा सबर पड़ेगा ।।

१४ से २५ ता: कहीं नहीं गया ।

१६ " - इतवार को गिर्जा किया ।।

१७ " - आज मैं विश्राम करने गया था ।।

१८ " - सबका डेरा में रह के नकल छुड़ाया ।।

१९ " - J. topno. आने के कारण फाटक बनाने में दिन बिताया ।।

२० " - J. topno आये सेंके गिर्जा आराधना हुआ ।।

२१ से २२ ता: में मैं कहीं ना गया ।

२३ " - इतवार को गिर्जा हुआ ।। से विश्राम करके में एक डरांव आई
- लोईक भक्तों पास बुलाकिया- आराधना सात बजा गया ।।

२४ " - घर में बुखार भक्ति होने के कारण घर ही में रहा ।।

२५ " - आज मैं सबका डायरी किखकर भेजता हूं से कहने नहीं जाता हूं । क्योंकि घर में सरदी के वजह से बुखार होते हैं ।

आगे- आप का दीन दास-

J. Samad.

२५-३-५८.

Report: M. Dang, March 58

मार्च १९५८ ई: के मिशन काम का डायरी।

5/III

ता: १-३-५८ को छपड़ा में श्याम को कटेरिक्सम से बचन सिखाया।
ता. २-३-५८ - रतवार का गिरजा किया।
ता. ३-३-५८ - दुरगा डीह आया।
ता: ४-३-५८ - कुलपाल गया शाम को वहां बचनादि सिखाया।
ता: ५-३-५८ - कुचिन्डा होते हुए भोजपुर में महाशय डाइरेक्टर साहब और महाशय पादुरे बाबु इन दोनों की मुलाकात किया।
ता. ६-३-५८ दुरगा डीह आया।
ता: ७-३-५८ जमुनिया बजार में उन दोनों के विषय में मसीहियों को खबर किया।
ता: ८-३-५८ दुरगाडीह में था।
ता: ९-३-५८ छपड़ा में गिरजा किया। दुरगाडीह में जो उक्त जनों के गिरजा में सम्मिलित थे।
ता: १०-३-५८ - छपड़ा जाने में सैदीह होते हुए डट किया और पादुरे डाइरेक्टर साहब और पादुरे बाबु J. Dey के साथ में शाम को छपड़ा में गिरजा में सम्मिलित था। उसी रोज छपड़ा में ६ जन बपतिस्मा पाये और ७ जन का दुढ़ापन हुआ।
ता: ११-३-५८ - दुरगाडीह आया
ता. १२-३-५८ पादुरे डाइरेक्टर साहब और पादुरे J. Dey के साथ कुलपाल में गया वहां मसीहियों की मिलनी में सम्मिलित था।
ता. १३-३-५८ दुरगाडीह आया।
ता: १४-१५- दुरगाडीह में था।
ता. १६-३-५८ रतवार का गिरजा छपड़ा में किया।
ता: १७-३-५८ बिनडीहरा में पादुरे J. Gopinath के मुलाकात करने को गया।
ता. १८-३-५८ दुरगाडीह में था।
ता: १९-३-५८ - छपड़ा में गिरजा हुआ उस रोज २ जन का बपतिस्मा Revd. Gopinath के द्वारा हुआ।
ता. २०-३-५८ दुरगाडीह में था।
ता. २१-३-५८ दुरगाडीह में मन्यवर Rev. Gopinath गिरजा किए। उसमें मैं सम्मिलित था।
ता. २२-३-५८ - मन्यवर Revd. J. Gopinath को विदा किए।
ता २३-३-५८ छपड़ा में रतवार का गिरजा किया।
ता. २४-३-५८ छपड़ा गया।
ता. २५-३-५८ पोंदाडीह गया था।
ता. २६-३-५८ - जमुनिया ओकिल गया वहां मेरा ओपरेशन और चीरफाड़ किया का पश्चात आया था उसको छुड़ा ले गया।

Cate- Mansidh Dang
Durgadih.
Date 26-3-58-

Report: P. Barla, March 58

4./III

Diary for the Month of March. 1958

1 3/58 को कोन मुन्डा स्कूल लड़को कि खोज मे गये।
2 3/58 को गीरजा किये। 3 3/58 को कुरमी गये
4 3/58 को कोमा के संसार भाईयो को प्रभु का वचन सुनाया
5 3/58 को मझौर चुवा गये। 6 3/58 को पाईन भराडा के भाईयों के पास गये। 7 3/58 को सरगोडीह गये उसी रोज डाइरेक्टर भी आये और पादरी J. Soy के साथ सब गये थे घर २ —
8 3/58 को 9 बजे तीन टोला के भाई (क्रिश्टन) आये और डाइरेक्टर और पादरी J. Soy खूब जोर से उपदेश दिये।
9 3/58 को गीरजा किया। 10 3/58 पोस्टआफिस गये। 11 3/58 को कुडी कुर्टाइट गये। 12 3/58 को चामि मेढा के लिये कुलपाल गये वहां खूब जोर से आदमी जमा हुए और डाइरेक्टर पादरी J. Soy सभो के विषय उपदेश दिया। 13 3/58 को मैं घर आया। 14 3/58 को गांव के उबटे भाईयों को प्रभु का वचन सुनाया। 15 3/58 कोन मुन्डा गये
16 3/58 को गीरजा हुआ। 17 3/58 को कुरमी गये। 18 3/58 को पाईन भराडा गये। 19 3/58 उस रोज आस पास के टोला घुम २ का स्कूल लड़को को खोजा। 20 3/58 को चान लेने के लिये गोइलीम गये। 27 3/58 को फिर स्कूल लड़को कि खोज में पाईन भराडा गये
22 3/58 को बेबदल का स्टाडो किये। 23 3/58 को गीरजा किये।
24 3/58 को पाईन भराडा गये। 25 3/58 को सरगोडीह गये।
26 3/58 को पांच लड़के स्कूल आने लगे। 27 3/58 को स्कूल किये
28 3/58 को स्कूल किये दुसरा बेला कोन मुन्डा गये।
29 3/58 को स्कूल किये और दुसरे बेला पोस्टाफिस गये।
30 3/58 को गीरजा किये। 31 3/58 को स्कूल किये दुसरे बेला सरगोडीह गये।

Patras Barla Sargidih
4 — 4-58

Report: H. Samad March 07 पांचवें महीना का रिपोर्ट १६५८.

1/III.

तारिख

१- घर में झाड़ी किया।

२ गिरजा किया।

३- ३ तारिख से ८ तारिख तक छुट्टी गया था, २ दफे।

६ - गिरजा किया।

१० - कोलाय साई डम्बुरा मुन्डा के पास गया था, लाखो कोदा को धर्म में क्या है और यूस्तान धर्म में क्या फरक है इसके विषय समझाया।

११ - लकड़ी लाने गया था जंगल।

१२ - कड़ा जमदा गया था।

१३ कड़ा जमदा से कुमहोद, गया था १८ को कालेमपाउन्डर कुछ इमान भेजे थे उस को पहुंचाने

१४, कुमहोद से जगन्नाथपुर आया।

१५ - घर में रहा।

१६ - गिरजा किया, दूसरी बेला डाकुआपोसी गया था गिरजा के लिये।

१७ - जरेया हो कर रेंगड़ा गया था, एक फोरेस्ट गार्ड की लड़की का कपतिस्मा के लिये।

१८ - रेंगड़ा में रहा।

१९ - रेंगड़ा से जगन्नाथपुर आया।

२० - बजार किया।

२१ - मलेका गया वहाँ से नवागाँव, निश्चिंतपुर गया था, उस गाँव के लोग लाखो कोदा को बतलाते हैं। पर यूस्तान धर्म के विरुद्ध तकरार किया, तब वहीं यूस्तान धर्म अच्छा है कहते लगे।

२२ - घर में झाड़ी किया।

२३ - गिरजा किया। दूसरे बेला डाकुआपोसी गया था।

२४, - कासिरा, पोखरिया, होते हुए नमजोड़, विश्वराम हो के घर पहुँचे, वहाँ ६-७ आदमी आकर हमको हुए थे, उनको यूस्तान धर्म के बारे तकरार किया तो कहते हैं कि सब धर्म के अच्छा तो हैं पर हम लोगों को जाति से निकाल देते हैं इसी से हम लोग डरते हैं। पर सोचो विश्वराम सब आदमी के चाले जाने के बाद मुझे बोला कि हम लोग आप लोगों के साथ शामिल होंगे तो कितना खर्चा होगा। मैं उनको समझाया इसमें खर्चा का कोई जरूरत नहीं है सिर्फ वचन सिखना है। इस दो वचन सिखाकर उनको लूका थोतोपोथी थौरहाती रविवार सुसमाचार दिया। मैं आशा करता हूँ कि वह किसी न किसी रोज हो जायगा करकर जाते रहने से, उसके हो जाने से सब नमजोड़ के लोग होने में कोई देरी नहीं हैं।

२५ - परंजोया गया था, वहाँ एक घर बंगाली यूस्तान हैं और एक बाकी ए.P.G. पिछड़ा की, घर घर नाश मराठली सजावाली हैं उनकी दुलड़का लड़की हैं। वहाँ बनूराम बेचराम बोलड़के बेल बेचार मौफिसर हैं, वे कारवार कि नहीं पुजोला में सामिल होती हैं दोनोंकाहिन, और कहते हैं कि कम से कम दफा में हम लोगों के पास भी आया कीजिये। और हम लोगों को भी यूस्तान धर्म का कुछ बात बताते।

२६ - नमाड़िया और जगन्नाथपुर गाँव गये थे। वहाँ सब धर्म की बात सुनाये हैं सब अच्छा कहते हैं, पर हम ही लोग दुखि हैं हम सब का ले जाते ही धर्म है। मैं उनको समझाया कि जब तक आप लोग ये जाति रहेगा तब तक आदमी नहीं आयेगा।

तारीख

26 - बजार किया ।

27 - कारमिया गया था शिरजा किताबों के लिये ।

28 - घर में रहाडी किया ।

30 - जगन्नाथपुर में शिरजा करके दूसरी बेला jj Say पाड़ी के साथ गमरिया रेंजर बाबू के घर में शिरजा किया वहाँ का रंगिया वाले भी आये थे । और बहुत अच्छा से विदा हुआ ।

31 - गमरिया से जगन्नाथपुर आया ।

नोट - इस कुमार आंखों से घुमने से यह पता चलता है कि लाखों लोग लाखों लोग के धर्म में हैं लेकिन ईसाई धर्म का बातों को सुनने से कितने आदमी सबूत देते हैं कि लाखों लोग हम लोगों को अच्छी रास्ता में नहीं लगुवाते करता हैं । ईसाई धर्म के जैसा किसी धर्म लाखों लोग के धर्म में नहीं मिलता है । उसमें कितने रोगों को ~~कर~~ कर देता हैं । आज कल कुछ यह हिम्मत होता है कि लाखों लोग के विपरित बेचार देने पर भी कोई कुछ नहीं बोलते हैं । जितने आँखों में आता हूं हिम्मत के साथ अपने धर्म को कहने में साहस आता हैं बार बार आने के लिये लोग बुलाया करते हैं ।

आपको Ax बार बार जाने के कारण से रिपोर्ट नहीं भेज सकता हूँ ।

माफ कीजिये ।

तारिख फरवरी महिना का रिपोर्ट। Report: H. Samad
February 58

१- घर में उपदेश हैवार किया।

२- गिरजा किया।

३- कोलय साई मुरिया के घर कुजूर एक दो लड़के को रखा है उसको समझाने गया था।

४, जेटया गाँव गया, वहाँ एक खुशीयान आँड रहता है, उसके साथ गाँव के भाईयों को पंच खातपुरी जमा करके वचन सुनाया।

५ बड़ा जमदा गया था एक बालक के का बपतिस्मा के लिये बुलाये थे।

६, बीचाबिन्दर गया था, वहाँ ४ पुराणी धर्म खोजक है।

७- बीचाबिन्द से जगन्नाथपुर गया।

८, चावल खरीदने के लिये चम्पुवा गया था, पर चावल पाप करने नहीं देते हैं, बड़ी मुस्किल से ५) रु का चावल पाप करके लाया वहाँ १½ सेर चावल मिलता है।

९, गिरजा किया। दूसरे बेला डंगुलापोसी गिरजा के लिये गया था।

१०/ डंगुलापोसी जगन्नाथपुर गया। दूसरे बेला बड़ा नन्दा सुनता बोदोंगा के पास गया था, धर्म विषय बहुत बताया, और पुछा कि कुछ मिस्सी सब जाते हैं कितने मैं कैला नहीं जाते है गिरजा तरफ, तब वह बोला सब नहीं जाते तो हम लोग कैसे जायेंगे।

११, लकड़ी लाने गया अठवार।

१२- कुन्दरू जुर गया था, वह मंगु हो के साथ इसी सम्बन्धी बात-चित किया (मुक्ति) के विषय में उनको समझाया, मरियर बोला इसी तरह पाप लोगों का मिटता है। पर हम लोग तो मूर्ख हैं, सड़क रास्ता में एक मक्खी जाता है तो जात जाता करते हैं, यही हम ठीक नहीं करते हैं। वहाँ से गया पक्का हाकु सोरेन सिंकू के घर उसको घर में नहीं पाया।

१३- जगन्नाथपुर में बजार हुआ।

१४/ खूब उड़ाड़ गया डेले और दूरी और कुछ मस्सी को लड़की सब को गीत सिखाये गिरजा आने लिये बोलते हैं तो जाने हम लोगों को गाली देते हैं कहके गिरजा नहीं जाते हैं।

१५/ घर में खाड़ी लिया।

१६/ गिरजा किया।

१७, मलुका गया था रूबरू हो के घर उस टोली में सब घर लाखो बोदरा के टोले कब गये है।

१८- चाईबासा गया इलेक्शन बातों बोलने से Rev. H.E. Bowman से मतलबी

१९- कुका साई कुबोड़कु बाँर कुडा के पास गया था। उसको उपदेश के विषय में समझाया।

२०- बाजार हुआ। किसी से नहीं गया था।

२१. सिंमतु गड़ा सोलेन सिंकू के घर गया था। उसको मोक्ष को परीक्षा के विषय बताया। वहाँ सिमतु गड़ा कहा नहीं गया, वहाँ लेकया हो मछली कम्पाता है उनको मछली पकड़ने हो के विषय में कहानी बताया।

२२- घर ही में केवल खाड़ी किया।

२३ गिरजा किया। दूसरी बेला डंगुलापोसी गया वहाँ एक बालक का स्नान हुआ।

२४- सरबिल सोनाराम सिंकू के घर गया था। और उसको मरने के बाद हम लोग कहाँ जायेंगे इस विषय में समझाया।

तारीख

२५/ - सुखड़ साईसिंघो हेंसे घर गया उसको लैंखो के धर्म के बारे में क्या हानि और फ़ायदा धर्म से क्या फायदा इस विषय में समझाया।

२७/ उरांव साई सोमरा उरांव के घर आया था इसलाम धर्म के विषय समझाया और जनुमनय का घर गया, वह धर्म में आना चाहता है लेकिन उसकी घरवाली राजी नहीं होती है।

२६/ बजार हुआ कंजार सौदा खरीद के आया था।

२८/ पहली बैठक बेलारीठि में किया।

आज कल उरांव लड़के सब भी गिरजा में नहीं आते है। केवल तीन चार लड़के आते हैं, जब लड़कों से धर्म के विषय समझाता हूँ या कहता हूँ। तो मसीह मसहरोन कुछती हैं क्या सब बात चीत करते हैं। और उरांव लड़के सब हमारे घर तरफ आने से डरते हैं। क्योंकि जब के घर आते हैं तो मसहरीन को भी घोर से गाली मिलती है।

कोरुवा लड़के सब भी हमारे उतना उनको बैठने नहीं करते हैं।

आप का विश्वास्त

C.H. Soreng. Pastor
Jagarnathpur

मनोहर

Rev W.F.E. Boruttia.
G.E.L. church Chaibasa.

दीन बच्चों की मर्जी ऐसी है कि मैं ३ तारीख से ६ तारीख तक छुट्टी जाने का विचार किया हूँ। इसको जानकर घर से सामान कुछ्या लाई हैं तो उसको फिर इसको पहुँचाना है। से आप से मर्जी करता हूँ कि ३-३-५८ से ६-३-५८ तक की छुट्टी मंजूर किये जाय।

आप का विश्वास्त

C.H. Soreng. Pastor
Jagarnathpur
Dist- Singhbhum

Report: Patras Barla, Febr. 58

Diary for the Month of

February ~~March~~ 1958

1 फ़र० को भोजपुर से घर पहुंचा। 2 फ़र० को गीरजा किये।
3 फ़र० को कोन मुण्डा के संसा भाईयों के पास गये पर मुलाकात नहीं
नहीं हुआ। 4 फ़र० को पाकुन भराडा के भाइयों के पास गये।
5 फ़र० को कोन मुण्डा गये उस रोज चार आदमीयोंको बचन सुनाया
6 फ़र० को बोमा गये। 7 फ़र० को बजार गये।
8 फ़र० को बैबल का स्टाड किया। 9 फ़र० को गीरजा किये।
10 फ़र० को सरगो गेह गये। 11 फ़र० को गांव के उजरे भाईयो
को प्रभु का बचन सुनाया। 12 फ़र० कोन मुण्डा गये।
13 फ़र० को प्रकोर चुंवा गये। 14 फ़र० को बजार गये सौदा के
लिये। 15 फ़र० को बोमा गये 16 फ़र० को गीरजा किये।
17 फ़र० को कुरमुडे गये। 18 फ़र० को बुढ़ा मुंडे के घ
खड़िया खुस्तान भाई के पास गये। 19 फ़र० को अंबलापुस
गये 20 फ़र० को घर पहुंचा। 21 फ़र० को हुन्डरुडा गये
22 फ़र० को पत्र के लिये पोस्टाफिस गये
23 फ़र० को गीरजा किये। 24 फ़र० भलु पाकुन के भाईयो
के पासगये 25 फ़र० को कोन मुण्डा गये।
26 फ़र० को बोमा गये 27 फ़र० को गांव के उजडे भाईयों को
प्रभु का बचन सुनाया। 28 फ़र० को बजार गये।

Patras Barla Sargiellh

4-3-58

Report: M. Dang, February 58

फरवरी १९५८ की रिपोर्ट (डायरी)

ता: १-२-५८ - दुरगाडीह से छमड़ा जा कर शाम को कटेखिस्म वचन सिखाया।
ता: २-२-५८ - छमड़ा में इतवार का गिरजा करके दुरगाडीह आया।
ता. ३-२-५८ - दुरगाडीह में था।
ता. ४-२-५८ - छमड़ा में बिमारों को सुची करते हुए बन्धाडीह में शाम को वचन सिखाया।
ता. ५-२-५८ - दुरगाडीह आया।
ता. ६-२-५८ - चत्ताबार में घूमते हुए धर्म की बातें बताया।
ता. ७-२-५८ - जमूनाडीरा में हिन्दुओं के बीच कटेखिस्म की बातें बताया।
ता. ८-२-५८ छमड़ा में शाम को हल्ला वचनादि सिखाया।
ता. ९-२-५८ छमड़ा में गिरजा किया।
ता. १०-२-५८ - दुरगाडीह आया।
ता: ११-२-५८ - कलापाट में बिमारों के वास्ते विन्ती करके आया।
ता: १२-१४- " दुरगाडीह में हल्ला।
ता. १५-२- " छमड़ा में शाम को वचन सिखाया।
ता. १६-२- " छमड़ा में गिरजा कर दूसरी बेला गिरजा घर बनाने के लिए बात विचार किए।
ता: १७-२-५८ - दुरगाडीह आया।
ता: १८-२-५८ - कलापाट गया। गिरजा के विषय उनको समझाया।
ता. १९-२-५८ - छमड़ा में महोपवास काल का गिरजा शाम को किया।
ता. २०-२-५८ - दुरगाडीह आया।
ता. २१-२-५८ - दुरगाडीह में था।
ता. २२-२-५८ - छमड़ा में शाम को गीत भजन और दृढ़ापन के विषय सिखाया
ता. २३-२-५८ छमड़ा में गिरजा करके आया।
ता. २४-२६- दुरगाडीह में था।
ता. २७-२-५८ - पुढ़ाडीह पर M. and के साथ गया धर्म का द्वार के विषय उलहना किया।
ता. २८-२-५८ दुरगाडीह आया।

Manasidh Dang
Durgadih.
11-3-58

राज्य बुद्धि काम का रिपोर्ट होरो सरिया फरवरी महीना १९५८

Thomas Bhengra, Report, February 58

तारीख.

१- स्कूल किया
२- गिरजा किया
३- स्कूल किया
४- स्कूल किया
५- स्कूल किया
६- स्कूल किया
७ स्कूल किया और गोडला केरा बाजार गया
८ स्कूल किया
९- गिरजा किया
१०- स्कूल किया और केरा के एक भाईके साथ धर्म की बात किया।
११- स्कूल किया
१२- स्कूल किया
१३ स्कूल किया
१४- स्कूल किया
१५ स्कूल किया और होरो का बिरसा भाई के साथ बात किया
१६ गिरजा किया
१७ स्कूल किया
१८ स्कूल किया
१९ स्कूल किया और महाउपवास काल का गिरजा किया
२० स्कूल किया
२१- स्कूल किया और Rev. j. soy के साथ केरा गांव गये और वहांके कई भाई से धर्म की बात किये।
२२ Rev. j. soy को गोडलाकेरा तक बस पहुंचा दिया।
२३- गिरजा किया।
२४- स्कूल किया
२५- स्कूल किया
२६- स्कूल किया और महाउपवास काल का गिरजा किया।
२७ स्कूल किया
२८ स्कूल किया और गोडला केरा बाजार गया था।

सभी स्कूल में कुल मिलाकर २८ विद्यार्थी हैं।

आप का विश्वास्त -

Thomas Bhengra
Horo
Dt. 24-3-58.

Report: Isr. Topno, February 58

Sisibaha joint Mishan bord ka ripat:

Sri Mahamanevaaar Rev H: Boxalla

Rev jonas Soy vishvasahay: फरवरी-

का काम ईश्वर का बचन भाई-बहिनों को और बहुत लोगों-

फरवरी ता: को सुनाना।

| | | |

Report: P. S. Topno, February 58

नकटो जोइन्ट मिशन बोर्ड

फरवारी १६५८

दा०	काम की जगह	दा०	काम की जगह
१	पा० तैयार किया	१०-२-५८	मेल० गराइको दा मेहरा
२	गिरजा हुआ।		वहां मो० आदमी साथ बात
३	घर का काम किया		चीत हुई।
४	शोशी वहा गया	११	जरजाटा गया वहां फ्रानेल
	घरबन्दबस्त के लिये		ग्राफ साथ मुन्डा माइयोंको सुना
५	चक्राधर पुर पड़ो		सुनने वाले १५ जन थे।
	के पास धर्मी मेला	१२	चक्राधर पुर पड़ी के पास गया
	के विषय बातचीत	१३	नारंगा बाजार में फ्रानेल ग्राफ
६	फिर शोशी वहा गया देखने के लिये		साथ लेक्चर हुआ सुनने वाले करीब ५० से उपर थे।
७	बाजार किया		
८	दोयो हत गया	१४	बाजार हु किया
	धर्मी मेला का खबर देने के लिये	१५	शोशी वहा गया
९	जम्बोरा में डेरा	१६	शोशी वहा से धर्मी मेला हुआ।
	गिरजा किया	१७	सरदी के कारण
	और फ्रानेल ग्राफ	१८	तबियात खराब था।
	दिखाया।		

१९ महा उपवास का ~~भिक्षा~~ चा।

२० पोंगड़ा गया। चार पुरियों को व्रत वचन सुनाया।

२१ बाजार किया

२२ सन्डी गांव गया वहां बीड़ी कारखानायें फ्रानेग्राफि साच क्रम हुआ देखते सुनने वाले २० जन के करीब थे।

२३ गिरजा हुआ

२४ ताकी कराई केला गया + चा।

२६ को चक्का घर हट गया।

२६ तेनदा गिरजा गया। हुआ।

नोट :-
होयो हातुमें प्रचार कना रहने के करण भाइयों को गरीबों के करण चवाल खरीदनापडा १) रु० का और सोमा को जम्बोए से लौटते समय जोर मोटामें चाय नास्ता किया। चार आना कुल जमा ११) आना टो. ए वोल. Rs 11/- only

Submitted By
Late P.S. Topno
Nakti 28.2.58

To The

Secretary & Treasurer of

Rev H Boratta. Joint M. Board

Chaibasa.

G.E.L Church..

Report: Manohar Bara, January + February 58

जनवरी १९५८

१-१-५८ - डुकुरडीहा में गिर्जो किया
२-१-५८ - बासकुट में लाई माइंयो को सुनया
३-१-५८ - माटीयाल में लाई माइंयो को सुनया
४-१-५८ - हल्दीपोखर
५-१-५८ डुकुरडीहा में गिर्जो किया
६-१-५८ - घर में था
७-१-५८ - जुड़ा गांव में सुनया
८-१-५८ - कालीपुर बजार के रास्ते में लाई माइंयो को सुनया
९-१-५८ - सनगाड़ में चौथा दी तारा करता है बताया
१०-१-५८ - देवली लाई माइंयो को बताया मुर्ती पुजा से डेवार निन्दा होता है
११-१-५८ - घर में था
१२-१-५८ - से २२ तक बहरा ग्राम गांव गया और उधार दी बुखार होने से ग्रच्चा होकर २२ को घर पहुचा।
२३-२४-२५ - कमजोर के कारन घर में था
२६-१-५८ - गांव में गिर्जो किया
२८-१-५८ - लोबोन साई लाई जनि को सुनया।
२८-१-५८ ~~घर में था~~। मुड़ासाई माइंयो को सुनया
२९-१-५८ - घर में था
३०-१-५८ - हल्दीपोखर गया पादरी साहब से बात किया था कि सोनापडिह जाने का था। पर नदी ग्राये।
३१-१-५८ - ग्रंधरा तोला में लाई माइंयो को सुनया

फरवरी १९५८

१-२-५८ को घर में था।
२-२-५८ - सोनापडिह गया - पर घर बनाने का था मुहुमराडार के माई लोगो ने रोक दिया कि छोटा नही पर बड़ा घर बनाने को कहे कुछ सहायता देंगे ग्रौर सहाय २ पर वे भी उस जगाह के माइंयो को देख भाल करने का बात दिये
३-२-५८ - को मटी गड़हा के बर्तन घर में प्रार्थना कर साम को सिगदी पहुचा
४-२-५८ को सोनापडिह के माइंयो के साथ डुकुरडिहा पहुचा - घर में लड़की बुखार थी।
५-२-५८ से
१२-२-५८ तक रोगी का सेवा किया

13-2-22 से 21-2-22 तक कुछ दिन बहीं नहीं गया
पानी होने से घर का काम किया और क्लास
में पढ़े हुए पाठों को फिर से दुहराया करता
था।

22-2-22 - रवि -

मैं आप का विश्वास
मनोहर बाड़ा

P. Tuti: FEBRUARY KA REPORT 1958

1-2-58 — 2-2-58, Onlajori men din bitaya. Wha Wahan Christian bhaiyon ke sang men raha.

3, 4 — 2-58 Jashipur men tha.

5-2-58 Jashipur se Rangamatia ane men samay bitaya.

6-2-58 — 11-2-58, Dharam mela ki taiyari men kahin bahar jane nahin saka.

12-2-58, Dharam mela men samay bitaya.

13-2-58 — 16-2-58, santal S.P.G bhaiyon ke bich men raha.

17-2-58 Rangamatia ke bhaiyon se jamin sambandhi bat chit kiya aur unko dharam prachar kiya.

18-2-58 Borsosh men prachar karne gaya tha.

19-2-58 Kuchila ghati men naye christian logon ke sath rah kar samay bitaya.

20-2-58 Baripada gaya tha wahan ek come tax officer se mulakat kiya tha.

21-2-58 — 28-2-58 Simlipahar men samay bitaya. Wahan christian bhaiyon ke bich men prabhubhoj banta.

H. Tuti
11-3-58